

GL H 780.954
BHA V.2



122329
LBSNAA

राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

Academy of Administration

मुसूरी

MUSSOORIE

पुस्तकालय

LIBRARY

अवधि संख्या

Accession No.

वर्ग संख्या

Class No.

पुस्तक संख्या

Book No.

122329
~~16623~~
GLH 780.954
BHA भातरव

V.2. भाग 2

* श्री *

हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति

क्रामिक पुस्तक मालिका

दूसरी पुस्तक

[हिन्दी अनुवाद]

मूल ग्रन्थकार

पं० विष्णुनारायण भातखंडे

सम्पादक और प्रकाशक

लक्ष्मीनारायण गर्ग

ने मराठी से हिन्दी भाषा में अनुवाद कराकर

संगीत कार्यालय, हाथरस

में प्रकाशित की ।



द्वितीय आवृत्ति

सितम्बर, १९५६

::

मूल्य ८) रुपया

संगीत प्रेस, हाथरस (२० प्र०) में मुद्रित ।

प्रकाशक —
लक्ष्मीनारायण गर्ग
मस्युद्धक 'संगीत' मासिक

पुस्तक मिलने का पता—
संगीत कार्यालय, हाथरस
SANGEET KARYALAYA
HATHRAS-U. P.

मुद्रक—
चन्द्रशेखर शर्मा द्वारा
संगीत प्रेस, हाथरस में मुद्रित ।

प्रस्तावना

संगीताचार्य श्री भातखण्डे जी लिखित 'हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति क्रमिक पुस्तक मालिका' (मराठी) के दूसरे भाग का यह हिन्दी अनुवाद संगीत प्रेमियों के सम्मुख रखते हुए हमें अतीव प्रसन्नता हो रही है। इसके प्रथम भाग का हिन्दी अनुवाद भी प्रकाशित हो चुका है उससे संगीत के विद्यार्थियों ने यथेष्ट लाभ उठाकर संगीत कार्यालय के परिश्रम को सफल बनाया है।

प्रथम भाग में हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति के आधार तत्त्व दस थाटों के दस आश्रय रागों की माधारण स्वरलिपियाँ दी गई थी, वे ही दस राग इस दूसरे भाग में विस्तृत रूप से दिये गये हैं। प्रत्येक राग के अन्तर्गत प्रसिद्ध धरानेदार गायकों की कई-कई चीजें देकर इसे विद्यार्थियों के लिये अधिक उपयोगी बना दिया गया है। प्रत्येक राग के आरम्भ में प्राचीन ग्रन्थों के श्लोक एवं शास्त्राधार भी दिये गये हैं, तत्पश्चात् उस राग के सरगम, लक्षणगीत, मध्यलय की चीजें एवं विलम्बितलय की चीजें तथा ध्रुपद व धमार दिये गये हैं, जिन्हें भली प्रकार तैयार कर लेने पर विद्यार्थी का राग ज्ञान पक्का हो जाता है एवं उसका आगे बढ़ने का मार्ग भी प्रशस्त होता है। इस प्रकार इस पुस्तक में दस रागों का ३१६ चीजें दी गई हैं।

पुस्तक के अन्त में प्रत्येक राग के स्वर विस्तार भी दिये गये हैं, जिनसे राग का अङ्ग अथवा चलन विद्यार्थी की समझ में आयेगा और उसका स्वर ज्ञान भी ठोस हो जायेगा। इन स्वर विस्तारों में विभिन्न स्थानों पर कौमा (अल्प विराम चिन्हों) का उपयोग किया गया है, उनका विशेष महत्व है ! अर्थात् राग-विस्तार में दिये हुए अल्प विराम चिन्ह उचित स्थानों पर थोड़ा सा रुकने के लिये संकेत करते हैं, यह बात विद्यार्थियों का ध्यान में रखनी चाहिये।

इस पुस्तक का प्रथम मराठी संस्करण आज से ३३ वर्ष पूर्व अप्रैल १९०१ ई० में प्रकाशित हुआ था, अब इस हिन्दी अनुवाद से राष्ट्रभाषा हिन्दी के सङ्गीत विद्यार्थी भी पूरा पूरा लाभ उठा सकेंगे, ऐसा हमारा विश्वास है। इसके अनुवाद कार्य में श्री वामन नत्थोपंत भट्ट एवं अन्य संगीत विद्वानों से जो सहयोग प्राप्त हुआ है, उसके लिये संगीत कार्यालय उनका आभारी है।

वसंत पंचमी
संवत् २०१०

{

प्रभूलाल गर्ग

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ
प्रस्तावना	६
नालों का खुलासा	७
चिन्ह परिचय	८
मङ्गलाचरण	९

शास्त्रीय परिचय

मङ्गीत	९
दक्षिण व उत्तर पद्धति	९
नाद	९
स्वर	१०
सप्तक	१०
स्थान	११
मन्द्र, मध्य व तार स्थान	११
शुद्धस्वर	११
विकृतस्वर	१२
तीव्रस्वर	१२
कोमलस्वर	१२
थाट	१२
राग	१३
वर्ण	१३
स्थायीवर्ण	१३
आरोहीवर्ण	१३
अवरोहीवर्ण	१३
संचारी वर्ण	१३
औडुवराग	१४

	पृष्ठ
षाडवराग	१४
संपूर्णराग	१४
अलंकार	१४
वादीस्वर	१४
संवादीस्वर	१५
अनुवादीस्वर	१५
विवादीस्वर	१५
वर्ज्यस्वर	१५
स्वरमालिका	१५
लक्षणगीत	१५
ख्याल	१५
ध्रुवपद	१५
धमार	१५
स्थायी	१५
अन्तरा	१५
संचारी	१५
आभोग	१५
आश्रयराग	१६
वक्रस्वर	१६
पकड़	१६
मात्रा	१६
लय	१६
विलम्बित	१६
मध्य	१६
द्रुत	१६

१० रागों की ३१६ चीजें

राग नाम	चीजों की संख्या	पृष्ठ
यमन	२४	२१, २२, २६, ३०, ३१, ३३, ३४, ३४, ३५, ३६, ३७, ३८, ४०, ४१, ४२, ४३, ४५, ४६, ४८, ४९, ५१, ५२, ५३, ५४, सरगम १
यमन कल्याण	२०	२०, २३, २४, २७, २८, ३२, ४७, ५०, ५६, ५७, ५८, ५९, ६०, ६२, ६४, ६५, ६७, ६८, ७१, ७२,
बिलावल	५	८०, ८१, १०१, १०२, १२०.
अल्हायाबिलावल	२७	७६, ७७, ७८, ८२, ८४, ८५, ८६, ८८, ८९, ९०, ९१, ९२, ९३, ९५, ९६, ९७, ९८, ९९, १०४, १०५, १०६, १०८, ११०, ११२, ११३, ११६, ११८, सरगम १
खमाज	३०	१२३, से १६३, सरगम १
भैरव	४१	१६६ से २३२, सरगम १
पूर्वी	३४	२३५ से २८०, सरगम १
मारवा	२५	२८३ से ३१६, सरगम २
काफी	२४	३१९ से ३४३, सरगम १
आसावरी (तीव्र रिपभ)	१५	३४६, ३४८, ३४९, ३६०, ३६१, ३६४, ३६७, ३६८, ३६९, ३७१, ३७२, ३७४, ३७८, ३८२, ३८५.
आसावरी (कामल रिपभ)	६	३६२, ३६५, ३६६, ३७०, ३७५, ३७६, ३७८, ३८७, ३८८.
भैरवी	२६	३८२ से ४२८, सरगम १
तोड़ी	३६	४३१ से ४८५
स्वरविस्तार	...	४८७ से ५०० तक
चीजों की सूची	...	५०१ से ५०६ तक

इस पुस्तक में आये हुए चिन्हों का खुलासा

रे, ग, ध, नि, इन स्वरों के नीचे—इस प्रकार आड़ी रेखा लगी हो तो उन्हें कोमल स्वर समझना, यदि रेखा न हो तो तीव्र समझना चाहिये ।

म इस प्रकार लिखा हुआ मध्यम कोमल या शुद्ध समझना ।

मं इस प्रकार लिखा हुआ तीव्र मध्यम समझना ।

ऐसा बिन्दु जिन स्वरों के नीचे हो, उन्हें मन्द्र स्थान के तथा जिनके ऊपर हो उन्हें तार स्थान के स्वर समझें । बिना बिन्दु के स्वर मध्य सप्तक के समझें ।

— ऐसे चिन्हों में दिये हुए स्वर एक मात्रा काल में गायें जावें ।
 — स्वरों के ऊपर ऐसे चिन्ह यह दिखाते हैं कि कौन से स्वर से कौन से स्वर तक मीड (एक स्वर से दूसरे स्वर तक वर्णण करते हुये जाना) है ।

— स्वरों के आगे ऐसे जितने चिन्ह हों, उस स्वर को उतनी ही मात्रा तक लम्बा खींचना है, अथवा यह समझना चाहिए कि इस स्वर पर इतनी मात्रा की विश्रान्ति है ।

5 गीत के शब्दों के आगे ऐसे अवग्रह चिन्ह जितने हों, वहां पिछले अक्षर का आखिरी स्वर (अकार-उकार इत्यादि) उतनी ही मात्रा लम्बा खींचकर उच्चारण किया जावे ।

() जो स्वर, इस प्रकार के कोष्ठक में बन्द हो तो उसके बाद का स्वर फिर वही स्वर, एवं उसके पहिले का स्वर, पुनः वही स्वर ऐसे चार स्वर एक मात्रा काल में गाने चाहिए ।

जैसे:—(प)=धयमप. (म)=पमगम, (सा) रेसानिमा ।

नि

मा, इस प्रकार कहीं-कहीं स्वरों के ऊपर छोटे टाइप में दिये हुए स्वर अलंकारिक (प्रेस नोट) कहलाते हैं, इन्हें कण स्वर भी कहते हैं । ये बारीक कण नवीन विशार्थियों के गले से निकल सकें तो भी इनके अभाव में राग हानि होने का भय नहीं है; किन्तु इन कण स्वरों के प्रयोग से गायन अधिक रंजक होता है ।

× यह चिन्ह गायन में ताल की सम दिखाता है । सम को पहिली ताली मानकर शेष तालियां उसी आधार से माननी चाहिए ।

o यह चिन्ह ताल के ग्वाली स्थान को बताता है ।

इस पुस्तक में आई हुई नई तालों का स्पष्टीकरण

ताल रूपक-मात्रा ७

मात्रा-	१ २ ३	४ ५	६ ७
	×	२	३

मूलताल-मात्रा १०

मात्रा-	१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०
	×	०	२	३	०

चौताल-मात्रा-१२

मात्रा-	१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०	११ १२
	×	०	२	०	३	४

आड़ाचौताल-मात्रा १४

मात्रा-	१ २	३ ४	५ ६	७ ८	९ १०	११ १२	१३ १४
	×	२	०	३	०	४	०

ताल भूमरा-मात्रा १४

मात्रा-	१ २ ३	४ ५ ६ ७	८ ९ १०	११ १२ १३ १४
	×	२	०	३

ताल धमार-मात्रा १४

मात्रा-	१ २ ३ ४ ५	६ ७	८ ९ १०	११ १२ १३ १४
	×	२	०	३

ताल दीपचन्दो-मात्रा १४

मात्रा-	१ २ ३	४ ५ ६ ७	८ ९ १०	११ १२ १३ १४
	×	२	०	३

ताल पंजाबी व तिलवाड़ा-मात्रा १६

मात्रा-	१ २ ३ ४	५ ६ ७ ८	९ १० ११ १२	१३ १४ १५ १६
	×	२	०	३

मात्रा-

ब्रह्मताल-मात्रा २८

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८
×	०	२	३	०	४	५	६	०	७	८	९	१०	०														



ग्रंथकारः—कै. पण्डित विष्णु नागायण भातखंडे

बी. ए., एल-एल. बी.

("चतुर पंडित")

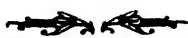
जन्म ता० १० अगस्त १८६०

मृत्यु ता० १६ सितम्बर १९३६

‘मद्भक्ता यत्र गायन्ति तत्र तिष्ठामि नारदः ।’

क्रमिक

दूसरी पुस्तक



मंगलाचरण

प्रणम्य शिरसा देवौ सरस्वतिविनायकौ ।

विचिन्त्य मनसा विष्णुं कर्तव्यं कर्तुमारभे ॥

शास्त्रीय परिचय

संगीत

गीत, वाद्य व नृत्य इन तीनों कलाओं का समावेश 'संगीत' इस शब्द में होता है। वस्तुतः यह तीनों कला स्वतन्त्र हैं, किन्तु गीत प्रधान होने के कारण तीनों का समावेश 'संगीत' में किया जाता है।

दक्षिण व उत्तर पद्धति

अपने देश में संगीत की दो पद्धतियां हैं; एक दक्षिण पद्धति व दूसरी उत्तर पद्धति। मद्रास प्रान्त व मैसूर आदि में जो पद्धति प्रचलित है, उसे दक्षिण अथवा कर्नाटकी पद्धति कहा जाता है। इनके अतिरिक्त देश के बाकी सभी म्थानों में जो पद्धति चालू है, उसे उत्तरीय या हिन्दुस्थानी पद्धति कहते हैं।

नाद

संगीत का सम्बन्ध ध्वनि (आवाज) से है। ध्वनि के दो प्रकार हैं (१) संगीतोपयोगी (२) तद्व्यतिरिक्त। पहिले को तो नाद कहा जायगा और दूसरे को कोलाहल या शोरगुल कहा जायगा। हमें यहां पर 'नाद' पर ही अपने विचार प्रकट करने हैं। नाद के विषय में तीन बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है:—(१) नाद का छोटा बड़ापन (२) नाद की जाति अथवा गुण (३) नाद की ऊंचाई, नीचाई। इसी को योरोपीय नाद शास्त्री क्रमशः Magnitude Timbre व Pitch कहते हैं।

(१) नाद का छोटा बड़ापन

एक ही नाद का हम धीरे से अथवा जोर से उच्चारण कर सकते हैं। धीमे नाद को केवल पास में बैठा हुआ व्यक्ति ही सुन सकता है, किन्तु जोर से बोला हुआ नाद दूर तक सुनाई पड़ता है। यह अन्तर होते हुए भी वास्तव में इन दोनों ही प्रकारों में नाद एक ही है।

(२) नाद की जाति अथवा गुणः—

नाद की जाति से यह अनुमान सहज ही में लगाया जा सकता है कि नाद किसी वाद्य का है या किसी मनुष्य का । उदाहरणार्थ एक ही नाद हारमोनियम, शहनाई, सारंगी, वायोलिन आदि वाद्यों द्वारा निकलता हो तो वाद्यों को देखे बिना ही यह कहा जा सकता है कि अमुक नाद किस वाद्य का है । इस प्रकार नाद की जाति से ही नाद को पहिचानने का प्रमाण मिल जाता है ।

(३) नाद की ऊँचाई नीचाईः—

नाद की ऊँचाई-नीचाई का सम्बन्ध प्रत्येक सैकेण्ड में होने वाले आन्दोलनों से है । यह आन्दोलन (Vibration) जितने अधिक होंगे उतना ही नाद ऊँचा होगा एवं आन्दोलन जितने कम होंगे उतना ही वह नाद नीचा होगा । ध्यान रखना चाहिए कि नाद के छोटे या बड़े होने का आन्दोलन संख्या से कोई सम्बन्ध नहीं होता, अपितु नाद की ऊँचाई-नीचाई का सम्बन्ध आन्दोलन संख्या के आधार पर होता है, अतः यह कहा जा सकता है कि एक ही नाद छोटा या बड़ा हो सकता है, किन्तु ऊँचा या नीचा नहीं हो सकता ।

स्वर

हमारे देश के संगीतशास्त्रकार प्राचीन समय से ही संगीतोपयोगी मुख्य नाद एक सप्तक में २२ मानते चले आ रहे हैं । जिनको शास्त्रों में “श्रुति” कहा गया है । इन २२ नादों में से ही गायन के लिये उपयोगी सात स्वरों की उत्पत्ति हुई है । इन नादों को एक के बाद दूसरा क्रमशः ऊँचा मानने का व्यवहार है । इन्हीं २२ नादों के आधार पर अर्वाचीन हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति के अनुसार हम अपने सप्त स्वरों की स्थापना करना चाहें तो १, ५, ८, १०, १४, १८ तथा २१ इन नादों पर करेंगे । संगीतोपयोगी उपरोक्त २२ नाद तथा उन्हीं में से उत्पन्न होने वाले स्वर आदि की विशद चर्चा आगे चलकर क्रमिक पुस्तक भाग ४ में की जावेगी ।

गायन उपयोगी मुख्य स्वर सात हैं, यह पहले बताया ही जा चुका है । इनके सर्वमान्य नाम क्रमशः षड्ज, रिषभ, गान्धार, मध्यम, पंचम, धैवत और निषाद हैं । जिनको व्यवहार में “सा रे ग म प ध नि” इन संक्षिप्त नामों से पुकारते हैं ।

सप्तक

ऊपर बताये हुए मुख्य सात स्वर क्रमानुसार एक के बाद एक पंक्तिबद्ध लिखने, रखने या गाने से ‘सप्तक’ का रूप बनता है । इस सप्तक को हिन्दुस्थानी

संगीत पद्धति में 'विलावल सप्तक' कहते हैं तथा इस सप्तक के सात स्वरों को शुद्ध स्वर कहते हैं ।

स्थान

नाद की ऊँचाई-नीचाई के अनुरूप उसके मन्द्र, मध्य व तार ऐसे तीन भेद बताये गये हैं, इनको नाद स्थान कहते हैं । इन प्रत्येक स्थानों में एक-एक स्वर सप्तक मानकर—मन्द्र स्वर सप्तक, मध्य स्वर सप्तक, तथा तार स्वर सप्तक ऐसी तीन सप्तकें बनती हैं । अपनी साधारण आवाज में मनुष्य जैसे बातें करता है, उस आवाज की गणना मध्य स्वर सप्तक में होती है । इस आवाज से कुछ घटा कर नीची आवाज में जब कोई बोलता है उसे मन्द्र स्वर सप्तक में तथा इन दोनों से परे कुछ ऊँची आवाज से बोलचाल करे तो उसे तार स्वर सप्तक समझना चाहिये । मन्द्र से दूनी आवाज मध्य की तथा मध्य से दूनी आवाज तार सप्तक की होती है, ऐसा प्रमाण है । गायन में बहुधा ऐसी तीन ही सप्तकों का प्रयोग होता है । मन्द्र, मध्य व तार सप्तकों के चिन्हों का विवरण प्रथम पुस्तक में दिया जा चुका है ।

सप्तक में तीव्र तथा कोमल स्वर

मुख्य स्वर सात हैं और उनके संक्षिप्त नाम क्रमशः सा र ग म प ध नि इस प्रकार हैं, यह ऊपर बताया ही जा चुका है । इन स्वरों के दो भेद किये जाते हैं—शुद्ध व विकृत । कोई-कोई इसे प्रकृत तथा विकृत भी कहते हैं । मूल स्वर को नीचे उतारने से वह कोमल बनता है तथा ऊपर चढ़ाने से तीव्र बन जाता है । इस प्रकार अपने स्थान से हटने पर उस स्वर को विकृत नाम भी दिया जाता है ।

सप्तक में १२ स्वर

शुद्ध स्वर सात व विकृत स्वर पांच मिलाकर कुल १२ स्वर एक सप्तक में होते हैं । ऊपर बताये हुये संगीतोपयोगी २२ नादों में से विकृत स्वरों की रचना ३, ७, १२, १६, २० इन स्थानों पर होगी । यह विकृत स्वर शुद्ध स्वरों की विशिष्ट अवस्था में होने के कारण इनके नाम भी शुद्ध स्वरों जैसे ही हैं, इस प्रकार इन बारह स्वरों की सहायता से आजकल सभी रागों का निर्माण किया जाता है ।

मुख्य सात स्वरों को 'शुद्ध स्वर' कहते हैं, यह ऊपर बताया जा चुका है । शुद्ध स्वर अपने नियत स्थान से जब ऊँचा या नीचा होता है तो वह विकृत

वन जाता है। प्रस्तुत हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति में स्वरों को विकृत करने के कुछ नियम बताये गये हैं, वे इस प्रकार हैं:—

(१) “रे ग ध नि” यह चार स्वर जब विकृत होते हैं तो उन्हें क्रमशः कोमल रे, कोमल ग, कोमल ध और कोमल नि, ये नाम दिये जाते हैं।

(२) मध्यम स्वर जब विकृत होता है तो उसे तीव्र म कहते हैं।

(३) सा व प, ये स्वर विकृत कभी नहीं होते। इसीलिये इनको अचल स्वर कहते हैं।

(४) प्रचार में कोई-कौन गायक या वादक “रे ग ध नि” इन शुद्ध स्वरों को तीव्र स्वर तथा शुद्ध मध्यम को कोमल मध्यम भी कहते हैं।

थाट

‘थाट’ यह सप्तक के आगे वाली सीढ़ी है। सप्तक में किये गये वर्णन के अनुसार १२ स्वरों में से ही थाटों की उत्पत्ति होती है। संस्कृत ग्रन्थकार थाट को ‘मेल’ कहते हैं। नाद से स्वर, स्वर से सप्तक तथा सप्तक से थाट, यह हमारी हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति का क्रम है। थाट शब्द की व्याख्या ग्रन्थकार इस प्रकार करते हैं:—

मेलः स्वरसमूहः स्याद्रागव्यंजनशक्तिमान् ।

भावार्थ—मेल अथवा थाट, स्वरों की एक विशिष्ट रचना होती है जिससे राग उत्पन्न हो सकते हैं।

थाट सम्बन्धी कुछ बातें ध्यान देने योग्य हैं, जो इस प्रकार हैं:—

(१) थाट में हमेशा सात स्वर ही होने चाहिये।

(२) वे सात स्वर “सा रे ग म प ध नि” इसी क्रम में तथा इन्हीं नामों से होने चाहिये।

(३) थाट में आरोह-अवरोह का होना आवश्यक नहीं है।

(४) थाट में रंजकता होना भी आवश्यक नहीं है।

(५) थाटों को जानने पहिचानने के लिये उसमें से निकले हुये किसी प्रसिद्ध राग को (जिस थाट का जो राग हो) उसी थाट का नाम देने की प्रथा है, चाहे उस राग में सातों स्वर लगते हों या कम लगते हों।

अपनी एक सप्तक में जो शुद्ध तथा विकृत मिलाकर १२ स्वर होते हैं, उनमें से प्रत्येक थाट के लिये सात स्वर नियमित क्रम से लेकर तथा उन स्वरों को सा रे ग म प ध नि, यह नाम देने से अनेक थाट उत्पन्न होते हैं। हिन्दुस्थानी

मंगीत पद्धति में रागों को उत्पन्न करने वाले ऐसे केवल १० ही थाट लिये गये हैं। उन थाटों के नाम स्वरादि की जानकारी क्रमिक पुस्तक पहली में दी जा चुकी है।

राग

राग की उत्पत्ति थाट में होती है, कारण थाट ही राग का उत्पत्ति स्थान है। एक थाट में सैकड़ों राग उत्पन्न हो सकते हैं। राग की व्याख्या हमारे ग्रन्थकार इस प्रकार करते हैं:—

योऽयं ध्वनिविशेषस्तु स्वरवर्णविभूषितः ।

रंजको जनचित्तानां स रागः कथितो बुधैः॥

भावार्थ—ध्वनि की एक विशिष्ट रचना, जो कि जनचित्त (मानवहृदय) का रंजन कर सके एवं जिसे स्वरवर्ण के योग से सौन्दर्य प्राप्त हुआ हो उसे बुद्धिमान् व्यक्ति 'राग' कहते हैं।

इस व्याख्या में स्वर तथा वर्ण ये पारिभाषिक शब्द हैं। वर्ण की व्याख्या ग्रन्थकारों ने इस प्रकार की है।

गानक्रियोच्यते वर्णः स चतुर्धा निरूपितः ।

स्थाय्यारोहवरोही च संचारीत्यथ लक्षणम् ॥

भावार्थ—गायन की प्रत्यक्ष क्रिया को वर्ण कहते हैं। वर्ण चार प्रकार के हैं—(१) स्थायी (२) आरोही (३) अवरोही (४) संचारी।

स्थायी वर्ण—एक ही स्वर को बार-बार कहना यह स्थायी वर्ण का उदाहरण होता है।

आरोही वर्ण—पड़ज स्वर से निषाद तक जाते हुए स्वरों को गाने में आरोही वर्ण समझा जाता है।

अवरोही वर्ण—निषाद से पड़ज तक वापिस आने को अवरोही वर्ण कहते हैं।

संचारी वर्ण—जिसमें आरोह-अवरोह दोनों का मिश्रण हो (मिले हुये हों) उसे संचारी वर्ण कहा जाता है।

प्रत्येक गायक की गायकी में ये चारों वर्ण पाये जाते हैं। राग व्याख्या में 'वर्ण' शब्द आया है, इससे यह स्पष्ट है कि प्रत्येक राग में आरोह-अवरोह निश्चय रूप से होने ही चाहिये। थाट की व्याख्या में वर्ण शब्द नहीं आया है यह आपको विदित ही है।

रागों के तीन भेद

रागों के उपयोग में आने वाली स्वर संख्या के अनुसार रागों के तीन भेद माने गये हैं। वे हैं—औड़व, पाड़व और सम्पूर्ण।

औड़व राग—जिस राग में ५ स्वर होते हैं, उसको औड़व राग कहते हैं।

पाड़व राग—जिस राग में ६ स्वर होते हैं, उसे पाड़व राग कहते हैं।

सम्पूर्ण राग—जिस राग में सातों स्वर प्रयुक्त होते हैं, उसे सम्पूर्ण राग कहते हैं।

ये तीनों प्रकार के राग थाटों में से ही उत्पन्न होते हैं, इसीलिये प्रत्येक थाट को सातों स्वरों की आवश्यकता होती है। अतः यह सिद्ध हो गया कि थाट सम्पूर्ण अर्थात् सात स्वरों का होना ही चाहिये।

राग में पांच से कम स्वर नहीं होने चाहिये, ऐसा हिन्दुस्थानी संगीत पद्धति का सर्वमान्य नियम है। सबसे कम स्वरों का राग ही औड़व राग कहा जाता है।

अलंकार

“अलंकार” शब्द की व्याख्या ग्रन्थकारों ने इस प्रकार की है—

विविष्टवर्णसंदर्भमलंकारं प्रचक्षते।

भावार्थ—कुछ नियमित वर्ण समुदाय को अलंकार कहते हैं।

विशिष्ट स्वर समूह ही अलंकार बन जाते हैं, उनको भी आरोह अवरोहादि वर्णों की आवश्यकता होती है। प्रचार में गुणीजन अलंकारों को ‘पल्ले’ भी कहते हैं। प्रथम पुस्तक में कुछ अलंकार दिये जा चुके हैं। छात्रों को स्वरज्ञान होकर रागविस्तार का ज्ञान शीघ्रता से प्राप्त हो जाय, यही अलंकारों का मुख्य उद्देश्य है। अलंकारों के लिये किसी नियमित स्वर संख्या का कोई विशेष नियम नहीं है।

वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी

प्रत्येक राग में हमेशा वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी इन चार प्रकार के स्वरों की ओर ध्यान रखना पड़ता है।

वादी—राग में प्रयुक्त होने वाले सभी स्वरों की अपेक्षा जो स्वर बार-बार स्पष्टता से लगता हो या जिसकी आवृत्ति बार-बार होती हो उसे, वादी स्वर कहते हैं अर्थात् जिस स्वर का प्रयोग राग में अधिकता से होता हो, वह

उस राग का वादी स्वर कहलाता है। वादी स्वर को राजा की उपाधि से विभूषित किया जाता है तथा वादी स्वर के स्पष्ट हो जाने से राग का नाम, उस राग को गाने का समय और राग के लक्षण जानने में सुविधा होती है।

संवादी—वादी स्वर से कम किन्तु अन्य स्वरों से अधिक व्यवहार में आने वाला स्वर संवादी कहलाता है। संवादी स्वर को मंत्री की उपमा दी जाती है।

अनुवादी—वादी व संवादी स्वरों के अतिरिक्त राग के बाकी नियमित स्वरों को अनुवादी स्वर कहते हैं। इन स्वरों को सेवकों की उपमा दी जाती है।

विवादी—जिस स्वर को लगाने से राग की हानि हांती हो उसे विवादी स्वर कहते हैं, ऐसे स्वर को शत्रु की उपमा दी जाती है। कुशल गायकों द्वारा किसी राग में जब ऐसे स्वर का प्रयोग किया जाता है तो उसे वर्जित स्वर भी कहते हैं। ऐसे स्वर का प्रयोग करके राग रक्ति संभालना बड़ी कठिनाई का काम है, जो कुशल गायक वादकों के लिये ही संभव है।

स्वरमालिका, लक्षणगीत, ख्याल, ध्रुवपद, धमार

स्वरमालिका—किसी राग में लगने वाली स्वरों की तालबद्ध रचना, जिससे राग का स्वरूप स्पष्ट होता हो, उसे स्वरमालिका अथवा सरगम कहते हैं।

लक्षणगीत—राग का नाम, समय, वादी, संवादी, जाति, स्वर आदि उल्लेखनीय बातें जिस गीत में होती हैं, उस गीत को उसी राग में गाने से वह उस राग का लक्षणगीत कहलाता है, अर्थात् राग लक्षण बतलाने वाला गीत।

ख्याल व ध्रुवपद—यह हमारे प्राचीन गुणीजनों द्वारा रचित गीत हैं। आजकल उच्चस्तर का सङ्गीत यही माना जाता है। ख्याल व ध्रुवपद का भेद, उनके शब्द, रस, भाव तथा गायनशैली आदि से जाना जाता है।

धमार—धमार नामक ताल में गाये जाने वाले होरी गीत के प्रबन्ध को ही धमार कहते हैं, ऐसे सभी प्रबन्धों का विशेष परिचय क्र० पुस्तक चौथी में दिया जायगा, जिसे आप आगे चलकर पढ़ेंगे।

स्थायी, अन्तरा, संचारी, आभोग

ये सब गीत के अवयव (हिस्से या अङ्ग) हैं। प्राचीन ग्रन्थकार इन्हें “भातु” कहते हैं। कुछ गीतों में केवल स्थायी अन्तरा यह दो अवयव ही

होते हैं, किन्तु ध्रुवपद में बहुधा ये चारों अवयव मिलते हैं। ख्याल में विशेष रूप से स्थायी व अन्तरा ये दो ही अवयव होते हैं। कोई-कोई गायक संचारी को “भोग” भी कहते हैं।

आश्रय राग

अपनी हिन्दुस्थानी सङ्गीत पद्धति में थाट का नाम उसी थाट से उत्पन्न हुये किसी प्रसिद्ध जन्य राग के नाम पर रखने का व्यवहार है। यह तत्व हमारे देश के प्राचीन ग्रन्थकारों को भी मान्य था। जिस जन्य राग का नाम इस विधि से रखा जाता है, उसी को हमारी आज की पद्धति में **आश्रय राग** कहा जाता है थाट से उत्पन्न होने वाले अनेक जन्य रागों में इस आश्रय राग का थोड़ा बहुत रूप मार्मिक (समझदार) लोगों को दिखाई देता है, किन्तु आश्रय राग, थाट से उत्पन्न होने वाले सभी अन्य रागों का उत्पादक है, यह सिद्धान्त माननीय नहीं है। थाट को राग का नाम केवल उसकी सुविधा के लिये दिया जाता है। जन्य रागों के स्वतन्त्र नियम अज्ञानवश गायक को ओर से भङ्ग होने पर, उत्पन्न होने वाले राग का प्रकार थाटवाचक राग के समान दिखाई देने लगता है, इसलिये थाटवाचक रागों को आश्रय राग कहने की प्रथा है।

वक्र स्वर, पकड़, मात्रा एवं लय

वक्र स्वर—आरोह अथवा अवरोह करते समय जब एकाध स्वर तक जाकर फिर उससे पिछले स्वर पर वापिस आना पड़ता है तो जिस स्वर से पीछे लौटते हैं उसी को “वक्र स्वर” कहते हैं जैसे—“प ध नि, ध, सां” इस स्वर-समूह में नि स्वर वक्र हो गया, ऐसा समझना चाहिये।

पकड़—रागवाचक मुख्य स्वरसमुदाय को ‘पकड़’ कहते हैं अर्थात् स्वरों का वह छोटा सा समूह, जिसका स्वरालाप करने से राग की छाया मलकती हो, उसे ही राग की ‘पकड़’ कहेंगे।

मात्रा—गायन का समय तौलने के माप या प्रमाण को मात्रा कहते हैं।

लय—गायन में काल की गति को ‘लय’ कहते हैं। लय के प्रकार ३ हैं—विलम्बित, मध्य तथा द्रुत। सावकाश रुक रुक कर आहिस्ता गाने को विलम्बित लय कहते हैं, विलम्बित की दुगुन को मध्यलय तथा मध्य की दुगुन को द्रुतलय कहते हैं।

राग यमन.

कल्याणो यमनो विभाति सकलैस्तीव्रस्वरैर्मण्डितो ।
गांधारः कथितोऽत्र वाद्यथ च संवादी निषादः स्वरः ॥
शेषाः स्युस्त्वनुवादिनः क्वचिदिह स्यान्मध्यमः कोमलो ।
गेयो रात्रिमुखे मनीषिभिरसौ सम्पूर्णरागाग्रणीः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

यत्र सर्वे स्वरास्तीव्रा वादिसम्वादिनो गनी ।
निशामुखे तु यमनः क्वचित्कोमलमध्यमः ॥

चन्द्रिकायाम् ।

सबही तीवर सुर जहां वादि गंधार सुहाय ।
अरु सम्वादि निखाद तें ईमन राग कहाय ॥

चन्द्रिकासार ।

गरी निरी सगौ रिगौ पगौ गरी परी च सः ।
इतीमनो भवेद्गांशो रात्र्यां प्रथमयामके ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

‘यमन’—यह राग कल्याण थाट से उत्पन्न होता है । इसकी जाति सम्पूर्ण है, इसमें मध्यम स्वर तीव्र तथा अन्य स्वर शुद्ध लगते हैं । वादी स्वर गांधार और सम्वादी निषाद है । इस राग का गायन समय रात्रि

का प्रथम प्रहर है । यमन राग में जब कभी अल्प प्रमाण में कोमल मध्यम का प्रयोग करते हैं तब इसे यमन कल्याण ऐसा संयुक्त नाम कोई-कोई विद्वान् देते हैं । यह राग सरल व सीधा होने के कारण बहुतों को आता है । यमन राग को कल्याण का आश्रयराग कहा जाय तो यह उपपद इसके लिये शोभायमान ही होगा ।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सारेग, मप, ध, निसां । सांनिध, प, मग, रेसा.

पकड़ः—

निरेगरे, सा, पमग, रे, सा.

राग यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि ध प म ०	ग रे ग म ३	नि ध म ऽ ×	प म ग रे २
ग म प म ०	ग रे सा नि ३	ध नि ऽ म ×	ऽ ध नि रे २
ग रे ग म ०	प ध नि ध ३	प म ग म ×	ग रे सा ऽ २

अन्तरा.

सा रे ग सा ×	रे ग म प २	ध नि सां नि ०	ध प म ग ३
रे ग म प ×	ध नि रें ऽ २	ध ऽ गं रें ०	ऽ ध रें ऽ ३
सां नि ध प ×	म प नि ध २	प म ग म ०	ग रे सा नि ३
ध नि ऽ म ×	ऽ ध नि रे २	ग रे ग म ०	प ध नि ध ३
प म ग म ×	ग रे सा ऽ २		

यमनकल्याण-चौताल (विलम्बित लय).
स्थायी.

म	नि	नि	ध	प	म	ध	ग	रे	ग	रे	ग	म
प	५	म	न	क	५	ल्या	५	ण	सु	ग	म	
ऐ		४		५		०		२		०		
३				नि	रे	सा	—	नि	ग	सा	सा	
ग	रे	सा	सा	सा	५	पू	५	र	रे	सु	र	
रा	५	ग	नि	सं	५	०		२	न	०		
३		४		५								
प	—	प	ध	सां	—	नि	—	ध	—	प	—	
ग	५	व	र	जा	५	५	५	५	५	मे	५	
ती		४		५		०		२		०		
३				५								

अन्तरा.

प	ग	—	ग	—	म	—	ध	प	सां	—	सां	सां
ग	५	वा	५	दी	५	सु	र	नी	५	स	म	
५		०		२		०		३		४		
नि	सां	रें	सां	—	नि	ध	नि	ध	सां	—	सां	—
सां	५	दी	५	मे	५	ल	क	ल्या	५	णी	५	
वा		०		२		०		३		४		
५				नि								
नि	सां	रें	गं	रें	सां	नि	ध	प	म	ध	५	
सां	५	स्त्र	ब	खा	५	न	त	प	५	म	५	
शा		०		२		०		३		४		
५												
ग	५	रे	५	ग	५	रे	५	सा	रे	सा	५	
५		०		२		०		३		४		
सा	रे	सा	५	ग	रे	सा	५	ग	ग	प	ध	
५		०		२		०		३		४		
ध	सां	५	नि	५	ध	५	५					
सां		०		२		०						

यमन—एकताल (मध्यलय)

स्थायी.

प	सां	सां	नि	ध	ध	मं	प	प	म	ग	—	ग
स	व	गु	नि	ज	न	इ	म	न	गा	५	त	त
×		०		२		०		३	४			
मं	—	ग	रे	ग	प	ग	रे	ग	रे	नि	रे	सा
ग	५	व	र	सु	र	क	र	त	सा	५	थ	थ
ती	×	०		२		०		३	४			
सा	सा	रे	रे	ग	ग	म	म	प	प	ध	ध	ध
×		०		२		०		३	४			
नि	नि	रें	रें	गं	रें	नि	सां	रें	सां	नि	ध	प
×		०		२		०		३	४			

अन्तरा.

मं	प	ग	प	—	ध	प	सां	—	सां	सां	—	सां
सु	र	वा	५	दि	गं	धा	५	र	सा	५	ध	ध
×		०		२		०		३	४			
नि	सां	सां	रें	—	गं	रें	सां	सां	नि	नि	ध	प
सां	म	वा	५	दी	५	क	र	नि	खा	५	द	द
×		०		२		०		३	४			
प	ग	ग	प	प	प	प	नि	नि	ध	प	ध	प
रा	५	त	स	म	य	प्र	थ	म	प्र	ह	र	र
×		०		२		०		३	४			
सां	सां	नि	ध	नि	म	प	प	ग	प	ग	रे	—
च	तु	र	सु	ज	न	म	न	रि	भा	५	त	त
×		०		२		०		३	४			

राग यमन—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	नि	ध	प	म	ग	म	प	—	म	ग	—	ग
भ	ज	म	न	क	रु	णा	५	नि	धा	५	न	
×		०		२		०		३		४		
ग	रे	ग	म	प	प	प	रे	ग	रे	नि	रे	सा
सु	ख	सं	५	प	द	ए	५	क	धा	५	म	
×		०		२		०		३		४		
सा	सा	रे	—	ग	ग	म	—	प	प	ध	प	
श	र	णा	५	ग	त	व	५	त्स	ल	प्र	भु	
×		०		२		०		३		४		
म	—	ध	ध	नि	नि	सां	सां	नि	नि	ध	प	
प	५	र	त	स	व	म	न	सु	का	५	म	
×		०		२		०		३		४		

अन्तरा.

ग—	प	ग	प	प	ध	प	प	सां	—	सां	सां	सां	सां
	मं	५	ग	ल	सु	ख	दा	५	य	क	प्र	भु	
×		०			२		०		३		४		
नि	सां	सां	रें	रें	गं	रें	सां	—	सां	नि	ध	ध	प
	अ	खि	ल	ज	ग	त	ना	५	य	क	वि	भु	
×		०			२		०		३		४		

अन्तरा.

मं	प ग — प	—	नि सां	सां — सां सां	सां रें सां सां
व डी ऽ वे	३	३	र स म	भा ऽ ऊं न	स म भू त
०			३	×	२
(सां ध ध सां	—	सां सां सां	सां — (सां) —	नि नि (प) —
वे ऽ र वे	३	३	र अ व	कौ ऽ ऽ ऽ	न क हे ऽ
०			३	×	२
मं	प ग ग प	—	प प प	मं प ध नि सां —	नि नि (प) —
ए ऽ क वा	३	३	र क ह	द्वी ऽ ऽ ऽ ऽ	ॽ ॽ नी ॽ
०			३	×	२
सां रें	गं गं सां सां	ध ध	नि नि प प	प — ग रे	— रे सा रे
कौ ऽ न क	३	३	हे ऽ अ व	बा ऽ र बा	ॽ र, अ व
०			३	×	२

यमनकल्याण—त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

नि
सा
पि

सा रे ग रे	नि सा	सा रे सा —	नि ध सा सा	नि ध प प
य र वा ते	हा ऽ री ऽ	ने ऽ क न	ज र प र	
	३	×	२	

मा - सा सा	नि	— रे सा सा	सा	ग - ग रे	मं	ग मंग म प
वा ऽ र वा	३	ऽ र ग इ	हं	ऽ ब लि	हा	ऽऽ री ऽ
०		३	×	२	२	२
ग म ग रे ग	रे	— मा -	ग रे	रे नि	नि	— रे सा सा
ब र ज ऽ र	ही	ऽ हूँ ऽ	वा	ऽ र वा	ऽ र	मैं, पि
०	३	३	×	२	२	२

अन्तरा.

सामा

मोरे

नि	ग	प ध	प	ध	ग - रे प
सा मा ग प	— प नि नि	(प) प - प	ग - रे प		
म न को पू	ऽ ज आ ऽ	ई ली ऽ ने	हा ऽ ल क		
३	×	२	०		
रे	नि	सा - ग रे	ग - ग -	मं	प प ध नि
रे नि रे सा	सी ऽ स नि	वा ऽ ये ऽ	ह स र स	०	
र प्या ऽ र	×	२	०		
३	ग	म	नि		
(प) - म ग	प प म रे	ग रे सा -	सा रे ग प		
पा ऽ र उ	त र न ऽ हा	ऽ र, पी ऽ	य र वा ते		
३	×	२	०		
रे					
रे नि रे सा					
ऽ हा ऽ री					
३					

यमन—त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

ग

प -

मं ऽ

ग रे ग रे	सा - सा -	ग - - रे	नि सा रे सा सा
द र म न	ला ऽ ये ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ स खी
० नि ध	३	×	२
सा सा नि नि	प ध प प	नि सा रे ग रे	सा सा प -
अ न त र	ह त स खी	सो ऽ सुं ऽ	द र, मं ऽ
०	३	×	२
ग रे ग रे	नि सा रे सा -		
द र म न	ला ऽ ये ऽ		
०	३		

अन्तरा.

ग	प - ग प	प प ध प	म प - ध ध	ध ध
बा ऽ त क	ह त तू तो	रा ऽ त स	खी ऽ री ऽ	नि नि (प) -
०	३	×	२	२
नि सा - ग रे	ग ग ग -	ग प प (प)	रे - सा -	ग
मो ऽ म न	म न भा ऽ	ये ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	२
०	३	×	२	

मं प	प ग ग प	प प प -	मं प	ध
च तु र सु	ध र मो ऽ	ऽ ऽ रा पि	प ध प -	य र वा ऽ
०	३	×	२	२
नि	ग - ग -	गमं पध निध पमं	गरे गरे सा प	सा
मा - ग रे	ही ऽ पा ऽ	येऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽ, मं	२
०	३	×	२	२

यमनकल्याण—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

प नि ध निध	मं (प) - मं ग	ग - ग रे ग	रे - सा सा
आ ऽ ले नऽ	बी ऽ औ ऽ	ला ऽ दे अ	ली ऽ प र
०	३	×	२
नि नि	नि	नि	नि
सा - सा सा	- रे सा सा	सा सा ग रे	ग मं (प) -प
वा ऽ र वा	ऽ र जा ऊं	जो ह रा के	फ र जं ऽद
०	३	×	२
प ग म गरे ग	ग रे - नि सा	ग रे ग रे गमप	ग, ग मं म प -
ह स नऽ हु	से ऽ न पे	वा ऽ र जाऽऽ	ऽ ऊं मैं ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

सारे गम पध निमां	सां ध नि नि (प) प	प ग प सां ध	सां सां सां
याऽऽऽऽऽ	ज ग में इ	नाऽऽऽ	य त कीऽ
नि सां	३ ध	३	२
सां रें रें गं	(सां) नि (प) -	ध मं म - ग -	ग रें - सा -
लाऽ ज तु	मीऽ कोऽ	ऽऽऽऽ	हेऽ जोऽ
•	३	३	३
सा म म म	प - प -	मं प नि ध प	मं ध प प म ग
अ र ज क	रूऽ सोऽ	पूऽ र न	कीऽ जेऽ
०	३	३	३
ग म गुरे ग	रे - नि मा		
ह म नऽ हु	सेऽ न पे	स्थायी के	अनुसार
०	३		

यमनकल्याण— त्रिताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा
लं

सा रे ग रे	सा रे सा सा	सा ध - सा -	- - सा सा
ग र तु र	क जि न लु	वोऽऽऽ	ऽऽ मो री
०	३	३	३

सां - ^{गं} रें गं	सां सां रें सां	सां - ध - प	प - ग - ग रे
हों ऽ ला ऽ	ज न म री	ज्वा ऽ त	हं ऽ ब्रि ज
×	२	०	३
गर्म पध निध पर्म	गध पर्म रे मा		
नाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	री, लं		
×	२		

यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सारे गर्म पध निसा	निध पर्म गारे सासा	प - ग मपध	प रे - रे
हेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	गगा	ग ऽ ज मऽऽ	हा रा ऽ ज
०	३	×	२
नि	ध	प	ग रे
सां (सां) - निनि	(प) - मप धनि	सां रे - प	रे नि रे सा
ग जा ऽ नऽ	ना ऽ त्रिऽ ऽऽ	ऽ द्या ऽ ज	ग दी ऽ श
०	३	×	२

अन्तरा.

मं	नि	नि	ध
प - सां सां	सां रें सां -	सां रेंसां रें गंरें	(सां) नि (प) प
गा ऽ ऊं व	जा ऽ ऊं ऽ	रा ऽ ग रुऽ	रा ऽ ग नि
०	३	×	२
प	प	ग	ग
सां (सां) - नि, धनि	(प) - मप धनि	सां रे - प	रे नि रे सा
पु ऽ ऽ त्र, बऽ	धू ऽ सऽ ऽऽ	ऽ न ऽ छ	त्ती ऽ ऽ स।
०	३	×	२

यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	ध	म	म
सा नि ध नि	म प म ग	प — प प	— म ग —
आ ऽ ह त	अ न ह त	भे ऽ द ना	ऽ द के ऽ
०	३	×	२
म म	— म प प	प रे रे ग रे	सा रे सा —
ग ग रे ग	ऽ द श्रु ति	य न सो ऽ	हो ऽ वे ऽ
प्र थ म भे	३	×	२
०			
नि	ग ग म म	प — प सां	नि नि म प
सा सा रे रे	मु नि ज न	ध्या ऽ न ध	र त ज व
अ न ह त	३	×	२
०			
म			
प नि ध नि			
आ ऽ ह त			
०			

अन्तरा.

प		नि	
ग — ग प	— प नि ध	सां — सां सां	— रें सां —
ना ऽ भि कं	ऽ ठ औ र	मू ऽ र्ध स्था	ऽ न सो ऽ
०	३	×	२
सां		नि	
नि — ध सां	— सां सां सां	सां रें गं रें	सां नि ध प
मं ऽ द्र म	ऽ ध्य औ र	ता ऽ ऽ र	हो ऽ व त
०	३	×	२

मं प - प प	प म म ग -	मं प रे ग रे	नि सा रे सा -
म ऽ स सु ०	र न के ऽ ३	ना ऽ म ब ×	खा ऽ ने ऽ २
सा रे ग म ०	प ध नि सां ३	नि ध प म ×	ग रे सा ऽ। २

यमनकल्याण-त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

गं रे रे ग रे	रे नि रे सा सा	सा नि ध सा सा	ध ध नि नि प प
म ना ऽ तू ०	का ऽ हे न ३	धी ऽ र ध ×	र त अ ब २
नि सा - रे रे	गं मं प म प प	प ग म ग रे	रे नि रे सा सा
धी ऽ र ध ०	रे ऽ ऽ स व ३	का ऽ र ज ×	सु ध र त। २

अन्तरा.

मं प - ग -	मं प प नि ध	सां - सां सां	नि सां रें सां सां
जा ऽ के ऽ ×	स र र धु २	ना ऽ थ बि ०	रा ऽ ज त ३
सां सां नि - नि ध	सां सां सां -	सां (सां) - नि ध	नि ध प प
बा ऽ के ऽ ×	स व ही ऽ २	का ऽ ऽ र ज ०	सा ऽ ध त ३

नि	ध नि ध प	— ध प प	नि	ध — नि ध	प (प) म ग
तु	ल मि दा	५ म र घु	ना ५ थ कृ	पा ५ तें ५	
०		२	०		३
म	ग म ग रे	नि रे मा सा			
०					
म	वि घ न म	ब ट र त			
०		२			

यमन -- त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प ध	ग		प	ग
नि (प) — रे	— मा ग रे	ग — — म	— म प प	
पि ५ या ५ की	५ न ज रि	या ५ ५ जा	५ दु भ री	
०	३	५	२	
म	ध —	म — ग रे	सारे ग म प रे	ग रे सारे सा
प — प प	म — ग रे	सारे ग म प रे	ग रे सारे सा	
मो ५ ह लि	यो ५ म न	प्रे ५ ५ ५ ५	५ म भ ५ री ।	
०	३	५	२	

अन्तरा.

म			नि रें	
प प सां सां	सां सां सां सां	सां सां नि ध	नि ध प —	
क व न ज	त न अ व	क रि ये ५	आ ५ ली ५	
०	३	५	२	
म —	ग	सारे ग म प रे	ग रे सारे सा	
प म ग प	रे — सारे सा	सारे ग म प रे	ग रे सारे सा	
ना ५ हि प	रे ५ मो ५ हे	चै ५ ५ ५ न	ए क व ५ रि ।	
०	३	५	२	

यमन-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	सा ग रे ग	- सा मा रे	रे	ध नि मा सा	ध ध	नि प - प
क	हो म खी	५ पि या के	२	द र स कै	३	मे पा ५ ऊं
×						
मं	प नि ध सा	मा रे सा सा	मा	नि मा रे ग म प रे	३	ग रे सां मा
क	ल न प	र त मो हे	२	घ ५ ५ ५ रि	३	प ल छि ५ न ।
×						

अन्तरा.

प	म ग प प	प - ध प	मं	प ध प ध नि ध	मं ध	प प म ग
ज	ब से ग	ये ५ मो री	२	सु ध ५ हु न ५	३	ली ५ नी ५
×						
ग	रे ग प	मा रे सा -	२	नि रे ग म प रे	३	ग रे सा रे सा
त	र फ त	जि य रा ५	२	मी ५ ५ ५ न	३	ज ल छि ५ न ।
×						

यमन-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा रे सा -	ग - रे रे	मं	ग म प ग प (प)	ग रे - सा
अ नि में ५	की ५ ५ त	२	ही ५ ५ नी ५	मा ५ ५ ई
३				
नि	नि	२	नि	नि ध - प
सा मा सा	मा ग रे सा	२	सा सा नि ध	नि ध - प
५ ढो ल ण	में ५ ना ले	२	मि लं दा ५	ना ५ ५ हि ।
३	×			

अन्तरा.

मं प	प नि ध सां	नि नि मां -	नि ध प -
प ग प प	उ च क उ	च क ग्रं ऽ	फि रं दा ऽ
इ त उ ठ	×	०	०
३	ध ध	मं	
प प	नि नि मं प	पप धध पमं ग	प रे ग -
मं मं प ध	गी ऽ ग लि	याऽ ऽऽ ऽऽ मां	हीं ऽ ऽ ऽ
स दा ऽ रं	×	३	०
३			
ग रे सा -			
अ नि मं ऽ			
३			

राग यमन—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

मं	मं	ग	
प गमं	नि ध प -	- रे - सा	ग रे ग ग
अ रीऽ	ये ऽ री ऽ	ऽ आ ऽ ली	पि या बि न
	०	३	×
- - प प	ग मं ग प	प ध प प	नि ध प प
ऽ ऽ स खि	क ल ना प	र त मो हे	घ री प ल
३	०	३	×
ग	सा ध		
रे रे सा सा	नि नि (प) -		
छि न दि न	ये ऽ री ऽ		
३	०		

अन्तरा.

मं प प सां सां	सां - सां सां	प सां (सां) नि ध	नि ध प प
ज ब तें पि	या ऽ प र	दे ऽ स ग	व न की नो
० मं प	३	× नि	२ ग
प गं रें सां	नि ध प प	ध नि ध प	रे रे सा सा
र ति यां क	ट त मो हे	ता ऽ ऽ रे	गि न गि न।
८	३	×	२

राग यमन-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
नि ध
सां ऽ

सा नि रे ग रे	सा रे सा सा	सा नि ध प प	नि ध सा - -
व रे दि सु	र त मा नुं	मां ऽ ऽ दि	वे ऽ ऽ ऽ
० नि	३	×	२
सा - ग रे	ग - ग -	ग प ग प (प)	ग रे - सा निध
मै ऽ डी ऽ	सैं ऽ यो ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे सां ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

म प	म ध—	म	म
प ग प प	प म म ग	ग ग प प	प निध सां(मां)
त्रि न दि ठि	यां ऽ मा नुं	क ल ना हिं	प ङं ऽ दी ऽ
३	×	२	०
नि ध प -	म प	ग	नि
	प ग ग प	रे - मा -	मा रे ग म
री ऽ ऽ ऽ	चि त च दृ	जां ऽ दी ऽ	भू ऽ म र
३	×	२	०
ग	ग		
प म प -	प - (प) -	रे - सा निध	
पां ऽ दी ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे सां	
३	×	२	०

राग यमन-त्रिनाल (विलंबित लय).

स्थायी.

प ध	ग	ग	ग
निनि (प) म ग	प - म ग	रे ग ग रे	सा रे सा -
भऽ ज ह रि	ना ऽ ऽ म	तू ऽ मो रे	म न वा ऽ
३	×	२	०
नि	नि	मा सा ग	म
सा रे ग रे	सा रे सा सा	गरे	ग म म प
स व सु ख	का ऽ र क	भ व भ यऽ	हा ऽ र क
३	×	२	०

मं	प - प प	ध	म - म ग	ग रे सारेगमं प	रे	ग रे निरे मा
पू	५ र न	हो	५ त स	क ल ते५५५	५	५ रे का५ म ।
३		×		२		०

अन्तरा.

प ग प धर	मां - मां मां	नि	मां रेंनि रें गं	नि ध	सां निनि (प) -
य ह मं ५५	मा ५ र ध	डी ५५	का ५	स प५	ना ५
३	×	२		०	
मं	ध	ग रे सारेगमं प	ग रे निरे मा		
प - प प	म - म ग				
मां ५ च ए	५ ५ क च	तु र को५५५	५ ५ ना५ म ।		
३	×	२	०		

यमन—एकताल (विलंबित).

स्थायी.

प ध मं	प	प	ग	ग	ग	ग	रे	मं
निनि प(प)	ग	गप	रे	ग	ग	ग	रे	ग मं
जि५ यो५	क	रो५	को	५	टि	व	र	स लों ५
३	४	×	०		०		२	०
ग	निरे	सा	नि	रे	ग	रे	सा (सा)	नि निध
प	५	सा	सा	५	ग	रे	सा (सा)	नि निध
५	जा ५५	में	अ	ति	सु	ख	पा ५	यो ते५
३	४	×	०		०		२	०

ध	ध	प	—	प	—	प	प	ग	नि	रे	सा
नि	५	रे	५	धा	५	५	५	५	५	५	म
हा	५	४	५	×	५	०	५	५	५	०	५

अन्तरा.

म	म	म	धप	सां	—	सां	सां	—	सां	नि	नि
प	ग	प	(५५)	ऊ	५	म	वा	५	द	सां	सां
तू	५	रा	५	×	५	०	५	५	५	५	५
नि	५	सां	निध	नि	—	ध	प	प	पग	—	म
रे	५	त	मु५	दा	५	५	म	व	ह५	५	के
५	५	५	५	×	५	०	५	५	५	५	५
—	प	निध	—	नि	ध	प	—	म	निध	—	ध
५	म	हुं	५	५	म	दी	५	आ	५	५	सां
५	५	५	५	×	५	०	५	५	५	५	५
—	नि	(प)	पग	प	—	रे	ग	रे	रे	सा	सा
५	ले	हि	स५	ला	५	५	५	५	५	५	म।
५	५	५	५	×	५	०	५	५	५	५	५

यमन-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सासा

सुम

ग	रेगमप - रे ग रे सा	सा (सा) - निध	नि ध प -	ध	नि
३	रऽऽऽऽ न करूँ मैं	तो ऽ ऽ ऽऽ	रा ऽ ऽ ऽ	तू ऽ ऽ	सा
३	रे ग रे निरे सा	सा - ग रे	ग - ग -	म मग प प	प प
३	हे वऽ मेऽ रा	आ ऽ वो ऽ	मे ऽ रे ऽ	गु नऽ अ व	गु नऽ अ व
३	म प	ग	रे	रे	रे
३	प मपधनि - ध प	प(प) म ग रे	प - ग रे	नि रे सा, सासा	नि रे सा, सासा
३	गु नऽऽऽऽ ऽत न	नने हा ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र, सुम	ऽ ऽ र, सुम
३		×	०	०	०

अन्तरा.

ग	प ग प धप	सां - (सां) -	नि ध सां - रे	सां नि ध प	
३	तू ऽ ही ऽऽ	दा ऽ ता ऽ	तू ऽ ही ऽऽ	री ऽ ऽ म	
३	प सां	×	२	०	
३	गं रे निरे सां	नि ध मधनि (प)	प म ग रे	नि रे सा, सासा	
३	ते ऽ रोऽ हि	ना ऽ ऽऽ म	क र ता ऽ	ऽ ऽ र, सुम।	
३		×	२	०	

यमन—भूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

निध

वन

मं	ग	ध	ग	नि
प (प) मं ग	प मं मं	रे ग रे	मा रे मा	
रे ऽ ऽ व	लैं ऽ ऽ	यां ऽ ऽ ऽ	लूं ऽ गी	
नि	नि	रे	मा (मा) निध	
मा - नि ध	मा रे निरे	प - ग रे	मा (मा) निध	
आ ऽ ज सु	हा ऽ गऽ	की ऽ ग ऽ	ऽ ऽ तन	
मासा निध नि (प) -	प प प	मं ग रे पपधनि	सांरेंसांनि मां, निनि	
वेऽऽऽ ऽ ला ऽ	ब र पा	या ऽ ऽ ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ ऽ वन	
(प) - मं मं				
रे ऽ ऽ वऽ				

अन्तरा.

ग	प	सां	सां	सां	(प) ग प धप	सां	सां	-
प ग प धप	सां	सां	सां	(प) ग प धप	सां	सां	-	
चं ऽ द्र ऽऽ	ब	द	न	प र नि पऽ	ट	की	ऽ	
३	३	३	३	३	३	३	३	

नि सां - रें रें	सां नि ध	ध सां (सां) नि ध	नि ध प
लो ऽ च न	च म क	त ल री ऽ	यां ऽ ऽ
३ नि नि		२ प प प	० रें
ध ध सां (प)	प ग ग	ग ग ग रे	प - ग
ब ना ऽ ब	नी ऽ के	मु ख तं ऽ	बो ऽ ल
३ प नि		२ ग	० रे
ग प ध सां	(प) - ग	ग रे ग प	रे - सा
बी ऽ री ब	ना ऽ य	अ न गि न	दूं ऽ गी ।
३ नि		२	०
सां - नि ध			
आ ऽ ज सु	इत्यादि.....		
३			

यमन—त्रिताल. (विलम्बित)

स्थायी.

(नि

यान

मं	ग	ग	सा - नि सा ग रे
प (प) - मंग	प - म ग	रे ग - रे	
बी ऽ ऽ यार	सू ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ लि	ल्ला ऽ ऽ सव
३	५	२	०

निं मा (मा) - निध	सांनिध नि - ध	प - - सा	सा मा सा रे रे रे -
का ऽ ऽ हस	नैऽऽऽ ऽ ऽ न	का ऽ ऽ मु	श किल ऽ
३ नि रे	ग	२	० नि
मा ग ग -	प - - रे	ग - - रे	मा रे सा निध
मे ऽ गी ऽ	आ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	सा ऽ न, यान
३	×	२	०

अन्तग

मं -	सां - मां - सां	नि सां रें मां -	रें गं (मां) -
प ग प धप	दी ऽ न ऽहु	नी ऽ के ऽ	बा द शा ऽ
तु म तो ऽऽ	×	२	० बा
३ ध	सांसांनिध निध (प)	मं ध -	प
मां (सां) - निध	सूऽऽऽ अल ला ऽ	प म ग रे	ग प ध निध
या ऽ ऽ रुऽ	ग	तु म तो ऽ	मु भ प रुऽ
३	×	२	०
मपधनिसां रेंसां (सां)	प - ग प	रे ग - रे	० रे नि रे सा निध
मेऽऽऽऽ ऽ ह र	बा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ न, यान
३	×	२	०

यमन-त्रिताल (विलम्बित)
स्थायी.गरे
पट

ग गमप म प प	प ध म निनि प(प) - ग	प (प) ग गप	रे ग - रे -
तोऽऽ ऽ ऽ रे	कुऽ वऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ नऽ	दे ऽ ऽ ऽ
३	×	२	०

ग—	ग	ग	ग
प - ग -	प (प) - ग रे	ग रे सारं मा	ग रे सारं मा
हों S S S	तो S S SS	S S SS रा	तु S सु
मा	ग	म	म
प ग प रे	ग म प म प	प ध - निध	प (प) ग रे
ग्या S S S	SS S S नम	हुं S S मद	मा S ए S
म	म	म	म
ग म प - ध	नि - ध	म ध सांसांनिध निध	प - म मरे
च तु र उवा	ल S S S	S S SSSS सु	वा S S, पट

अन्तरा.

म
प
ए

म नि ध	सां - (सां)	सा	सांसांनिध निध प
प ध नि नि	सां - (सां)	नि ध, मय	सांसांनिध निध प
क तो S ह	री S जी S	का S S, मड	ई SSS ल वा S
म य	र	नि मा—	प
प म ग रे	नि रे मा -	सा सां नि ध	मय सांसांनिध निध प (प) मरे
म दा S S	रं S ग S	री भे S आ	त S SSSS सु वा S, पट

प्रध मे निनि प(प)	- मंग	पपमंग म	ग रे	सा	-	गरे ग
एऽ रीऽ	ऽ लाल	मीऽऽऽ	ऽ ले	ऽ	ऽ	ऽजि या
४	४	×	०	२	०	०
ग	ग	ग	ग	ग	ग	ग
प ग	प (प)	प ग	प ग	रे	ग	रे सा
ऽ	ऽ	रू	ऽ	खू	ऽ	द
४	४	×	०	२	०	०
नि	गरे	ग ग	प (प)	रे	ग	रे
सा	ग	प	रे	ग	रे	सारे
ग	ऽऽ	जे	द्र	रा	ऽ	ऽ
४	४	×	०	२	०	०
ग	ग	ग	ग	रे	सा	सासारेग -रे
प ग	प (प)	प ग	रे	सा	सासारेग -रे	साप वप
जा	ऽ	ज ग	त	मे	ऽ	ऽ
४	४	×	०	२	०	०
					लाऽऽऽ	ऽव
					लाऽ	ऽऽ

ग	प	ग	प	धप	प	सां	—	—	नि	सां	नि	ध	नि	रें	सां
जो	ऽ	जा	ऽऽ	की	ऽ	ऽ	भा	ऽ	ऽ	व	र				
३		×		×		०		२		३					

नि सांसांनिध निध	सांसारेंगं-रें	नि सां निध	नि सां(सां)-निध	निधय	ग पग	प
सांSSS SS	SSSS ऽहि	बे SS	गांऽ ऽ,तऽ	न SS	वेऽ	गा
३	४	×	०	२	०	
पपधनिसां रें	मां (मां)	निध निध	प -ध	नि ध	रेंरेंसांनिमां-निध	
म्हाSSSS ऽ	रे ऽ	अऽ तऽ	ऽ ऽक	गो ऽ	SSSSSS,रिमं	
३	४	×	०	२	०	
ध ध	मं	प(प)-,संग	पपमंग म	ग रे		
मं,धमं निनि						
ग,SS SS	लऽ ऽ,लाल	सांSSS ऽ	ले ऽ			
३	४	×	०			

यमन—एकताल (विलम्बित)

स्थायी.

ग धधपमप	परे -गरे	सा - -	मा ,गरे	ग - -	रे
हुँ SSSSS	SS ऽ,मद	आ ऽ ऽ	अऽ	बी ऽ ऽ	म
३	४	×	०	२	०
ग ,मं	प मप	ग (प)मं	ग रे	सा नि ध	ध
ऽ ऽन	बी SS	स लीऽ	ल्ला ऽ	ऽ ऽ	हो
३	४	×	०	२	०

ग	प	सांघ	मां	-	मां	मां	-	सारें	सां-मां
पं३	ज	त नऽ	पा	ऽ	क	द्वा	ऽ	उदेइ	मा ऽम
सां	-	निध	सां	सां	सां	(मां)	निध	नि	ध प
चा	ऽ	वैँऽ	मा	सू	मे	म्	ऽ	तेँऽ	जा
सां	मां	(प)	क्म	प	रे	ग	रे	रे नि	रे सारें
ध	ऽ	रे	वऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ म, मा
नू३		४			०		२		०

प म	ग	ध	
पप निध प(प) - ,मग	प - ग रे	प (प) ग रे	प रे ग रे सा
पल कन सें S,मग	भा S रू S	रे S S S	मा S SS ई
३	×	२	०
प		म	
ग म प ध	सांवांनिध नि प(प)	पप निध सांनि रे	सां,निध निम पम
क व घ र	आSSSS S वे S	मोग SS SSS	प्या,SS S राSS।
३	×	२	०

अन्तरा.

ग	प	प	प	सां	-सां	सां	सानि	रें	सां	सां	रें	गं (सां)	सां	सानिध	नि	प (प)
त	प	त	ऽबु	भा	ऽऽ	ऽ	ऊं			ग	रे	ऽ	ल	गाऽऽऽ	ऽ	ऊं
३				×						२				०		
नि										नि						
धनि	सांरें	मंमंगरें, गंरें	सांरें, सां							सां, निध	सांसांनिध, निध	पध	प			
तन	मन	धऽऽऽ, ऽन	ऊऽ, न							प, रऽ	वाऽऽऽ, ऽऽ	ऽऽ	रू			
३										×						
पप	निध	मांनि	रें							सां, निध	नि	म	पम			
मोरा	ऽऽ	ऽऽ	ऽ							प्या, ऽऽ	ऽ	रा	ऽऽ।			
२																

यमन-एकताल (विलंबित) .

स्थायी.

गग	रे, गरे	सा(सा)	-, निध	सासांनिध	निध	प	-	प	सा	सा	सा	रे
ऽ, कहे	स, खोऽ	कैऽ	ऽ. सेके	कऽऽऽ	ऽरि	ये	ऽ	भ	रि	ये	ऽ	
३		४		×		०		२		०		
ग	रे	सा	निसा	सा	-	ग	-	ग	-	ग	रे	
ऽ	दि	न	ऽऽ	ऐ	ऽ	से	ऽ	ला	ऽ	ल	न	
३		४		×		०		२		०		
ग	ग	प	(प)	प	रे	ग	-	रे	ध	नि	सा	-
के	ऽ	ऽ	ऽ	सं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ।	
३		४		×		०		२		०		

अन्तरा.

ग	प	ग	प	धप	सां	-	सां	निसां	नि	सां	(सां)	-	निध
सु	न	री	स	खी	स	मैं	स	का	र	का	स	स	कहुँ
३		४		×		०		२		०			
सांसांनिध	निध	म	प	(प)	प	(प)म	ग	रे	प	ग	प	निध	सां
तो	स	सें	स	उ	न	ही	के	जा	३	जा	स	स	स
३		४		×		०		२		०			
-	सां	नि	ध	प	रे	ग	-	रे	रे	ध	नि	सा	-
स	न	स	त	हं	स	स	स	स	ग	स	स	स	स
३		४		×		०		२		०			

यमन-एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि	प	निध	सारे	सा	-	नि	रे	ग	रे	सा (सा)
मे	रा	स	मन	वां	स	स	ध	ली	नो	रे
३		४		×		०		२		०
प ध	म	प ग	मम	प	प(प)	ग	रे	ध	नि	सा
निनि	प(प)	रे	इन	जो	गी	या	के	सा	स	सा
हां	रे	स	३	×	०			२		०
३		४								

अन्तरा.

मं	ग मं	प	ध	प ध मं	निनि प(प)	मंग	गप	ग	रे	नि	सारे	सा
स	दा	रं	ग	कऽ	रऽ	मऽ	कऽ	रो	ऽ	क्यूऽ	ना	
:		४		×		०		२		०		
सा	नि रे	ग	मं	प ध	निनि (प)	मंग	प	ग	सा	नि	रे	सा
इ	न	प्रा	ऽ	नऽ	ना	ऽऽ	थ	के	हा	ऽ	थ	
:		४		×		०		२		०		

यमनकल्याण—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा रे नि	गग सा(सा)	—	निध	सासानिध निध	प	—	प	ग	—	रे
हेऽ	लाऽ	ऽ	ऽऽ	नंऽऽऽ दऽ	के	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ
३		४	×		०		०		०	
रे	रे		नि	सा	ग	गरे	पग	प	प	प ध मं
नि	गग	(सा) —	सा	ग	गरे	पग	प	प	निनि	प(प)
ऽ	ऽऽ	बो	ऽ	ब	जा	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	बो	तोऽ
३		४	×			०		२		०

—	पग	पग प,धप	ग	रे	सा	—	नि	(सा)ध	निध	सा
५	मं५	दी५ ५,५ल	रा	५	मा	५	ई	५५	५५	मे५
३			×		०		२		०	

अन्तरा.

मां	निध	यमं गं	ग	म	प	मप,ध	नि ध	सां	सां
५	सौ५	का५ सम	अ	म	म	५५,वि	म ५	५	म
३		४	×		०		२	०	
मां	गं	(मां)	नि ध	सांनिध	नि	ध	प ध	प	ग म
५	अ५	ती ५ तअ	ना५५५	५	५	धा	५ त	म	न
३		४	×		०	२		०	
ग	रे	ग मं	निनि	(प)	—	ग रे	ग रे	रे	नि सा,षा
५	रं	ग के ५५	दि५	खा	५	वे	५ ५	५५	५,षा।
३		४	×		०	२		०	

यमन—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग	रे	ग	रे	सा	नि	सा	नि	ध	प	मा	नि	रे	सा
५	५	५	५	५	५	बा	५	५	५	रू	५	५	गी
३		४			×	०		०		२		०	

रे	ग	रे	सा (सा)	नि	सा	निध	सा	सा	नि	सा	ग	रे	ग	-
धि	या	के	ऽ	ह	ज	ऽ	र	त	स्वा	ऽ	जे	ऽ	जे	ऽ
३		४		×			०		२		०			
प	ध	ग	प	प	ध	प	ग	प	रे	-	सा	सा	सा	सा
म	मंग	प	प	ध	प	ग	प	रे	-	सा	सा	सा	सा	सा
खि	द	ऽ	र	के	न	ज	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	दिया	र	दिया
३		४		×			०		२		०			

अन्तरा.

मं	प	पग	प	प	प	ध	प	मंग	पध	सांसा	निध	निध	मं	प	(प)
दू	ध	ऽ	पू	त	औ	र	अन	धन	ल	ऽ	ऽ	ऽ	मी	ऽ	
३		४			×		०		२				०		
मं	ध	ग	रे	प	ग	प	रे	नि	गंग	(सा)	सा	सा	सा	सा	सा
प	म	ग	रे	प	ग	प	रे	नि	गंग	(सा)	सा	सा	सा	सा	सा
नि	स	दि	न	श्या	ऽ	ऽ	म	फ	ज	ऽ	र	दिया	र	दिया	र
३		४		×			०		२		०				

यमन-एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

मं	पग	गमधप	ग	सा	गरे	ग	ग	पग	प(प)	रे	सा	नि	सां	निध
या	ऽ	ऽ	दा	मेंनु	नित	दा	नो	हो	ऽ	रा	सैं	या	या	या
३			४		×		०		२		०			

ध सां(सां),निध	सांसांनिध निध	प -प	ध नि ध,निध	निसांरेंसांनिसां निध	नि ग मप मप
निऽ,मेंनु	मांऽऽऽऽऽऽऽऽ	दाऽनि	हो ग,ऽऽ	ऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ
३	४	×	०	२	०
प निधप प,गर्मधप	गरे सासा				
याऽऽऽऽऽऽऽऽ	दाऽ मेंनु				
३	४				

अन्तरा

मं पग पप	पप मंध	प -	मं पग पध	सां (सां) निध	प
कित वल	मजऽऽऽऽऽऽ	वे	कित वल	कु	काऽऽऽऽ
३	४	×	०	२	०
नि सांसां रें	सां - ,निध	सांसांनिधनि (प),प	ध नि प ध,निध		
इरक पै	याऽ,मियां	जोऽऽऽऽऽऽऽऽ	हो रा,ऽऽ	स्थायी के अनुसार	
३	४	×	०		

यमन—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि
सा

स

नि सा रे ग -	ग ध प - म -	मं ग ग - रे -	सा - - -
लो ना रे	ऽऽऽऽऽऽ	ऽऽऽऽऽऽ	बाऽऽऽऽ
३	×	२	०

नि रे सा रे नि (सा)	नि ध सा नि	नि ग रे	सा — सा
३ लम मो ऽ	रा ऽ ऽ ऽ	२ ऽ ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ, सा।
३	×	२	०

अन्तरा.

मं	प — म ग	प — प —	ग	प — रे —	ग	रे ग म ण
३	सू ऽ हा ऽ	चो ऽ ला ऽ	२	ॽ ऽ ऽ ऽ ऽ	०	अ त रं ग
प	नि ध सां (सां)	नि ध प —	ग	प (प) ग ग	०	ग — रे रे
३	भी ऽ ऽ ऽ	ना ऽ ऽ ऽ	२	आ ऽ ज सु	०	हा ऽ ऽ ग
ग	प — (प) —	ध म — रे —	२	ग — रे —	०	मा — नि
३	की ऽ ऽ ऽ	ग ऽ ऽ ऽ	२	ॽ ऽ ऽ ऽ ऽ	०	ते ऽ ऽ, सा।
	×					

यमन— त्रिताल. (मध्यलय)

स्थायी.

सा
नि रे
ओ दे

ग प ग रे	नि सा रे ग	म ग म (प)	— रे — म
० ले ते दे ले	३ त न द्रे द्रे	२ त द्रे ऽ न्ना	२ ऽ दी ऽ म्त्
	३	×	२

(प) - रे ग दी ऽ म्ता ऽ ०	रे सा सा रे न् न द्रे द्रे तों ३	ग रे सा नि ऽ द्रे द्रे त ×	ध नि ध - दा ऽ नी ऽ २
प ध नि रे दा ति दा नि ०	ग रे नि रे उ दे दा नि ३	ग - म म दी ऽ म्ता द्रे ×	- (प) - ऽ न्ना ऽ ऽ ०
नि - रे ग ता ऽ न्न दे ०	म (प) - - रे ना ऽ ऽ ३	रे ग रे मा दी ऽ म्ता दा ×	- मा नि रे ऽ नि, ओ दे २

अन्तरा.

प प प सां ना द्रे द्रे दी ०	ध सां - सां ऽ म्दी ऽ म्ता ३	सां - सां - दी ऽ म्दी ऽ ×	रें ग रें मां म्ता त न दे २
नि नि - रें रे ना ऽ त ०	सां - नि ध नूं ऽ धि या ३	प प रे ग ना रे नि ता ×	- रे नि सा ऽ न्न दे रे २
गं - रें - ता ऽ नूं ऽ ०	नि - (प) - दे ऽ रे ऽ ३	रे ग - रे सा ना ऽ त दा ×	- सा नि रे ऽ नि, ओ दे। २

यमनकल्याण—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा सा

त न

रे ग रे नि	— रे सा सा	ध नि ध नि	सा सा सा रे
ना द्रे द्रे तो	ऽ म्भ न न	त द रे दा	ऽ नि ता रे
०	३	×	२
ग ग — ग	ग म ग रे	ग म ग रे	म प प ग प (प)
दा नी ऽ त	द रे दा नि	त न न न	न न न न
०	३	×	०
ग — रे ग	ग रे सा सा	नि ध — ध	प — प ग
ना ऽ ऽ त	द रे दा नि	त ना ऽ त	ना ऽ त ना
०	३	×	२
— ग रे —	सा रे सा सा	ध नि ध सा	सा सा रे नि
ऽ त ना ऽ	त न ना रे	ना द्रे द्रे दा	नी तुं द्रे द्रे
०	३	×	२
रे रे — म	ग प प प	प ध प म	ग रे सा सा
दा नि ऽ त	द रे दा नि	त न न न	न न, त न
०	३	×	२

अन्तरा.

सा रे ग ऽ	सा रे ग ऽ	ग रे प ऽ	ऽ ऽ ग ऽ
×	२	०	३
ग रे प ग	प प ध सां	प ध प म	ग रे सा ऽ
×	२	०	३
		धध पप पप धध	पप पप ध -
सा ग रे म	ग रे सा ऽ	तिर किट तक धिर	किट तक धा ऽ
×	२	०	३
प (प) -प प	ग रे सा सा		
धे त्तां ऽग धे	त्तां ऽग, त न		
×	२		

यमनकल्याण—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

- सारे	ग -	प(प) ग	रे	गरे	-सारे सा	सारेगमप रेरे
ऽ यारे	मन् ऽ	यल ली	ऽ	ऽऽ	ऽ, यल ला	ए ऽल
४	×	०	२	०	३	३
सा(सा)	निध, सारे					
बाऽ	ऽऽ, यारे					
४						

अन्तरा.

ग	ग	ग	प	मप	प	-	पपमग	मम	प	प
प (प)	मंग	मम	प	मप	प	-	पपमग	मम	प	प
ना	द्रे	ऽऽ	ला	ऽ	ना	ऽ	तेऽऽऽ	ले	ला	ना
३	४	४	×	०	०	३	३	३	०	०

प	सां	ध	प	प	प(प)	गरे	नि,ध	मंघ
ग प	ध सांनि	निध	प	प निध	गरे	नि,ध	मंघ	
त दी	या ऽना	रेऽ	ऽ	ना ऽऽ	द्रे	ऽऽ	तो,ऽम	द्रेऽ
३	४	×	०	०	२	०	०	०
पपधनि	धपमंग	रेसानिध		,सारे				
ना	ऽ	ऽ		ऽ,यारे				
३		४						

यमनकल्याण—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

सा,साध	निरे	ग - रे	गरे	सानि	रे	ममगरे	गरे
ऽ ऽ	ते,ले	दी ऽम	दी ऽम	दी	ऽ	म	ऽन
३		×		२			
सा - निरेरेसानिसा	धनि	(प)- पध	सासा	सासा	-	सारेसासा	निध
ना ऽ	द्रे	ऽऽ	न्ना ऽ	उदे	लेते	देले	ऽ
०			३	×		ऽ	लाना
निरे निरे	ममगरेग	रे	सा - सानि	रे	गरे	सा	सा(सा) - निरे
तेले	ऽले	ला	ऽ	ना ऽ	ता	रे	दा नि
२			०	३			ते,ले ,नादिर

अन्तरा.

पमं प (प) -मंमं	ग	प -ग मं ध	सांसांनिध निध (प) -
दीन्द्र रा ऽ ऽ,दुर	३	ये ऽद बी ऽ	गो ऽ य ऽम
गमपधप पग परे गरे	३	नि रेनि गुरे सा	रेरे पपमगमग म प
बे पी ऽ ऽ	३	रा ऽ ऽ वे	मित वा वे ऽ
रे गरे नि रेसा	३	सा निध प(प) रेसा	सारेगमप रे,सा सा(सा) -निरे
द ऽर्द रा ऽवे	३	पी ऽर गो ऽस्त	आ ऽवे ते,ले ऽ,नादिर ।

यमनकल्याण-भूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

निनि निधप --,पमं	ग	सां निध,प -	पपमगम धधपमपम ग रे	गरे गमप -
दुरा ऽ ऽ ऽ,दानि	३	द रा ऽ, ऽ	द रा ऽ	दुरा तो म्द
रे ग रे सा निसा	३	मग मम रे	ध सा,रे सा (सा)	ध प -
द ऽ रा ऽ	३	दुर दुरा ऽ	दी ऽस्त दा ऽ	द नि ऽ।

अन्तरा.

म (म)	ध - सा	रे ग - -	प (प) -
५ ५ आ व	सा ५ व ५	५ रे ५ ५	आ ५ ५
३	×	२	०
प			
ग -५ -५ सां ध सां सांसां	सांघ रे रे -	रे मरे	गमपव
द ५ ५ री	५ ५ वज	रा ५ ने ५	व क र
३	×	२	०
निसारैंगं	रैसांनिध	पमंगरे	सारैसासा
५	५	५	५,मदानि

यमनकल्याण-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा	रे	सा	सा	नि	ग	रे	मं	म	प
ग -	-	सा	सा	सा	ग	रे	ग	म	प
तू ५	ही ५	भ ४	ज ४	भ ५	ज ५	५	रे ५	५	५
०	३			×		०		२	
प ध	ध	म	ग	मं	म	गरे	ग	रे	सा
नि प	-	म	ग	ग	म	गरे	ग	रे	सा
म न	५ कृ ५	५	पण	वा ५	५	सु ५	दे ५	५	व
०	३	४		×		०		२	

सा	रे	ग	ग	रे	—	सा	सा	रे	ग	ग	रे	सारे	सा
प	द	म	ना	५	४	भ	प	र	म	पु	रु	५	ष
०		३					×		०		२		
सा	रे	ग	म	प	प	प	म	रे	ग	रे	सारे	सा	
प	र	मे	५	श्व	र	ना	५	रा	५	य	५	न ।	
०		३		४		×		०		२			

अन्तरा.

मं	प	ग	ग	मं	प	ध	प	प	सां	सां	सां	सां	रें	सां
जो	५	ग	जा	५	ग	ज	ज	प	त	प	क	र		
×		०		२		०	०		३		४			
सां	—	सां	सां	ध	ध	सां	—	नि	ध	नि	ध	प		
नि		नि	नि	ध	ध	सां		नि	नि	नि	प			
वा	५	म	दे	५	व	ना	५	र	द	मु	नि			
×		०		२		०		३		४				
मं	प	नि	ध	मं	ध	प	मं	ग	प	मं	प	प		
प				प	ध	प								
व	सी	५	ष्ठ	स	न	का	५	५	दि	क	स			
×		०		३		०		३		४				
प	मं	ग	सा	नि	रे	सा	सा	सा	रे	सा	स			
क	ल	सु	र	गा	५	व	त	ध्या	५	व	त			
×		०		२		०		३		४				

ध	म	ग	म	प	-	प	सां	नि	सां	नि	ध	म	प	
अ	५	ष्ट	जा	५	२	म	क	०	र	त	३	र	ह	त
म	५	०												
प	रे	ग	रे	सारे	सा									
पा	५	रा	५	य	न									
५		०		२										

यमनकल्याण-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

म	प	-	प	म	प	-	ध	प	-	प	म	नि	ध	सां
पी	५	र	द	५	स्त	गी	५	र	३	ह	ज	५		
५		०		२		०					४			
नि	नि	ध	प	म	म	ग	रे	रे	ग	ग	म			
र	त	५	तु	म	गु	रु	५	सा	३	हे	५			
५		०		२		०					४			
ग	रे	सा	नि	ध	-	प	सा	सा	रे	ग	ग			
५	५	५	५	५	५	व	इ	स	व	श	र			
५		०		२		०				४				
म	ध	प	-	म	-	ग	-	रे	-	सा	-			
ग														
अ	प	नो	५	५	५	५	५	५	५	है	५			
५		०		२		०				४				
सा	नि	ग	रे	सा	-	प	-	म	म	ग	रे	ग		
ध														
क	र	म	क	रे	५	मे	५	५	रे	५	५			
५		०		२		०				४				

अन्तरा.

सा	सा	—	सां	—	सां	—	सां	सानि	रें	सां	—
कि	यो	ऽ	बि	ऽ	द्या	ऽ	दा	ऽऽ	ऽ	न	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि	रें	गं	रें	सां	—	नि	ध	—	प	ग	प
सां											
स	ब	ऽ	न	को	ऽ	य	ह	ऽ	ज	ग	ब
×		०		२		०		३		४	
ग	—	सा	—	सा	सा	रे	—	मं	मं	ग	प
रे											
खा	ऽ	न	ऽ	त	र	का	ऽ	बे	ऽ	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
—	प	ध	ध	नि	नि	रें	सां	—	नि	—	
ऽ	दि	ला	वो	अ	प	नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ध	—	प	—	मं	—	ग	—	रे	—	सा	—
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	ग	रे	सा	—	सा	—	मं	मं	रे	ग
धः											
क	र	म	क	रे	ऽ	मे	ऽ	रे	ऽ	ऽ	।
×		०		२		०		३		४	

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा	—	प	प	—	ग	ग	—	ग	—	रे	—	रे
प	५	न	ता	५	ल	सो	ही	५	गा	५	इ	
ता	०	३		४		×		०		२		
सा	—	सा	ग	रे	सा	नि	ध	ध	नि	सा	—	रे
ये	५	अ	न	गि	न	ता	५	न	गा	५	इ	
०		३		४		×		०		२		
ग	—	प	प	—	रे	ग	म	प	प	—	प	
ये	५	सु	ना	५	इ	ये	५	५	बे	५	गि	
०		३		४		×		०		२		
प	ध	प	ध	प	—	ग	—	ग	—	ग	—	सा
नि						रे				रे		
प	र	स	त	है	५	सु	ध	५	रा	५	ग	
०		३		४		×		०		२		

अन्तरा.

म	प	प	सां	सां	—	सां	सां	—	नि	रें	सां
प	प	न	अ	त	५	अ	ला	५	प	५	त
सु	×	०		ही		०		३		४	
नि		गं	रें	गं	रें	नि	—	नि	ध	प	
सां		५	५	मं	में	सां	५	वे	ता	५	न
सु	×	०		द्रा	२	गा		३		४	
×						०					

मं	ध					मं		नि	
प	म	-	ग	प	-	प	-	ध	नि प
प्र	मा	ऽ	न	को	ऽ	री	ऽ	भा	ऽ वे
×		०		२		३			४ ध
मं	निध	नि	मां	रें	गं	रें	सां	नि	ध -
प	(ऽ	गु	नि	य	न	के	ऽ
मा)	०		२		०		३	४
×			ग						
प	-	प	रे	-	सा				
ग			कं	ऽ	ठ				
हो	ऽ	त		२					
×		०							

यमनकल्याण-चौताल (विलम्बित)

स्थायी.

नि	सां	सां	नि	ध	ध	म	प	नि	ध	नि	ध	प	-	प
सां	र	न	न	सु	ख	चि	रं	ऽ	जी	ऽ	व			
च	३			४		×		०						
०						मं								
मं	-	ध	प	-	-	प	प	प	प	ग	रे			
प										(
मा	ऽ	ऽ	धो	ऽ	ऽ	द	ल	न	सु	ख	ऽ			
०		३		४		×		०		२				
						नि				रे				
सा	रे	ग	रे	सा	-	सा	-	रे	-	सा	रे			
रा	ऽ	ज	क	रो	ऽ	वं	ऽ	सी	ऽ	अ	ध			
०		३		४		×		०		२				

ग	प	ग	प	ग	ग	रे	रे	रे	रे	सा
र	म	म	—	रे	ग	रे	नि	रे	सा	
०	रा	ज	—	रा	५	ज	रा	५	ज	
सा		ध	त	×		०			२	
सां	सां	नि	ध							
च	र	न	म	प						
०		३	न	ख						
			मु							
			४							

अन्तरा.

ग	प	ग	प	ध	प	प	सां	—	सां	रें	सां	—
ध	×	म	×	क	×	प	छ	—	त्र	ब	ढो	—
सां	नि	ध	सां	सां	रें	सां	ना	—	नि	ध	ध	प
ला	×	ख	मु	र	त	ना	०	—	म	ले	५	त
म	प	—	प	प	—	नि	ध	—	३	म	५	प
क	×	५	मि	यां	—	ता	०	नि	ध	प	५	न
प	×	५	नि	सां	सां	रें	सु	गं	३	—	ध	नि
त	×	न	ध	ध	न	सु	०	ख	पा	५	यो	५
रें	सां	—	नि	ध	प	—	—	—	—	—	—	—
रा	×	ज	रा	५	ज	—	—	—	—	—	—	—
×	—	०	०	२	२	०	०	३	३	५	४	४

यमनकल्याण—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प	नि	ध	प	म	ग	—	रे	प	म	प	प	म	प	प	प
ए	त	क	त	हूँ	×	५	५	ते	हा	५	री	आ	०	५	५
३		४		म	प	ध	ध	सां	नि	ध	नि	ध	०	५	५
ध	प	—	प	ज	न	म	ज	न	म	के	५	०	५	५	५
म	दा	५	स	×	५	०	५	ग	म	ग	रे	नि	५	५	५
३		४		प	म	प	—	प	ग	म	ग	रे	नि	५	५
प	म	ग	म	ह	मा	५	रे	दु	५	ख	५	ह	०	५	५
५	५	५	५	×	नि	सा	०	प	म	ग	—	ग	रे	५	५
३		४		नि	सा	प	—	म	ग	५	५	५	५	५	५
रे	सा	—	—	सा	की	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
५	रो	५	५	×	नि	५	०	५	५	५	५	५	५	५	५
३		४		नि	ध	नि	—	नि	ग	रे	सा	—	निसा	५	५
रे	रे	सा	—	ध	कौ	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
नि	५	जे	५	×	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
हौ		४													
३															

अन्तरा

म	प	—	प	सां	ध	सां	सां	—	सां	सां	—	सां
प	प	५	सां	५	जो	क	५	न	औ	५	र	५
तु	म	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
×		०		२		०		३		४		

नि	—	रे	—	ग	ग	प	ग	प	पम	ध	प
सा	५	वि	५	श	ति	श्रु	ति	शु	चि	स्व	र
डा	×	०		२		०		३		४	
म	—	ध	ध	नि	ध	सां	सां	नि	ध	ध	प
प	५	द	श	बि	क	र	त	व	स्वा	५	न
डा	×	०		२		०		३		४	

अन्तरा.

म	—	ग	प	ध	प	नि	—	सां	सां	रें	सां
प	५	श	जा	५	ति	व	५	र्ण	द्वी	५	प
वं	×	०		२		०		३		४	
सां	—	नि	ध	सां	—	सां	रें	नि	ध	ध	प
नि	५	द	ऋ	षी	५	वि	नि	५	यो	५	ग
छं	×	०		२		०		३		४	
म	प	—	प	—	प	नि	ध	नि	ध	ध	प
प	ग	५	जा	५	ति	ती	५	न	ग्रा	५	म
श्रु	×	०		२		०		३		४	
प	—	नि	ध	—	प	ग	प	—	रे	रे	सा
सां	५	क	ई	५	स	मू	५	र	छा	५	न।
ए	×	०		२		०		३		४	

संचारी.

नि	सा	सा	प	—	प	मं	प	—	प	मं	ध	प
मा	—	मा	प	—	प	प	—	प	प	ध	प	
शु	ऽ	द्ध	कू	ऽ	ट	भे	ऽ	द	ता	ऽ	न	
×		०		२		०		३		४		
प	प	—	नि	ध	नि	ध	सां	—	नि	नि	ध	प
प	र	ऽ	स्ता	ऽ	र	मे	ऽ	रु	जा	ऽ	न	
×		०		२		०		३		४		
मं	प	—	म	—	ग	—	ग	रे	सा	रे	सा	सा
न	ऽ	ष्टो	ऽ	दी	ऽ	ष्ट	प्र	बो	ऽ	ध	न	
×		०		२		०		३		४		
नि	मा	—	रे	—	ग	ग	म	—	म	प	ध	प
सा	ऽ	धा	ऽ	र	ण	को	ऽ	वि	धा	ऽ	न।	
×		०		२		०		३		४		

आभोग.

मं	प	ग	प	प	ध	प	सां	सां	सां	—	रें	सां
का	ऽ	क	लि	सु	र	अ	रु	अं	ऽ	त	र	
×		०		२		०		३		४		
नि	सां	सां	रें	रें	गं	रें	सां	नि	ध	नि	ध	प
च	तु	र	ब	र	ण	अ	लं	ऽ	का	ऽ	र।	
×		०		२		०		३		४		

अन्तरा.

मं	प	-	-	सां	-	ध	सां	सां	-	-	नि	सां	रें	सां	-
जो	ऽ	ऽ	तो	ऽ	ऽ	हे	दे	ऽ	ऽ	ख	ऽ	त	ऽ		
×						०				३					
नि	सां	नि	रें	गं	-	रें	सां	-	नि	ध	नि	प	-	प	प
मो	ऽ	ऽ	ह	ऽ	त	ऽ	पि	या	ऽ	को	ऽ	र	हि		
×					२		०			३					
मं	ध	प	म	ग	ग	प	रै	-	सा	सा	ध	ग	म	म	
प	प	-	म	ग	ग	प	रै	-	सा	नि	प	म	म		
क	छू	ऽ	सु	ध	न	मं	भा	ऽ	र	की	धों	तो	वे	।	
×					२		०			३					

यमनकल्याण—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

प—	नि	ध	प	प	प	ध	म	प	म	ग	-	ग	रै	ग	ग	प
के	ऽ	ऽ	स	र	घो	ऽ	र	के	ऽ	अं	ऽ	ग	ल			
×					२		०			३						
प	रै	ग	-	रै	सा	सा	ग	ग	सा	नि	-	नि	ग	रै	ग	
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऊं	अ	व	तु	म	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ल			
×					२		०			३						
ग	मं	प	मं	ग	मं	नि	ध	नि	सां	नि	ध	प	मं	ग	मं	
प	मं	ग	ग	मं	ध	नि	सां	नि	ध	प	मं	ग	मं			
क	हां	ऽ	जै	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हो	ऽ	भा	ऽ	ऽ	ज	।		
×					२		०			३						

अन्तरा.

सां	नि	ध	नि	रें	सां	ग	रे	ग	प	प	निध	सां	सां	-	सां
अ	धे	ऽ	ऽ	का	ऽ	ब	र	हु	त	दि	नऽ	ऽ	की	ऽ	नी
×	रे	ग	मं		नि	२		०				३			
नि	रे	-	ग	मं	ध	नि	ध	प	प	रे	ग	रे	सा	-	
फ	ल	ऽ	स	ब	पै	ऽ	ऽ	इ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	को	ऽ	
×					२			०			३				
					नि	सां	नि	ध	प	मं	ग	मं			
					ऽ	ऽ	हो	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ज।			
					२	०					३				

राग अल्हैयाविलावल

रागो वेलावलीति प्रथित इह मदा मान्यशुद्धस्वरेषु ।
पङ्जन्यासग्रहोऽयं प्रकृतिसुरुचिरो धैवतांशो गमन्त्री ॥
कल्याणांगं दधानो विलसति निगयोर्वक्रता चात्र नित्यं ।
प्रातर्गेयोऽभिगीतो रमयति हृदयं श्रवतामेष पूर्णः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

वेलावलीरागभवस्त्वल्हैया पूर्णो धवादि सहचारिगान्वितः ।
मृदुनिपादोऽभिमतोऽत्र किञ्चिदारोहणे मध्यमवर्जितोऽयम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

वेलावली मान्यशुद्धा गसंवादिधवादिनी ।
गनिवक्रा तथा पूर्णा प्रातरेव हि गीयते ॥
वेलावलीममुद्भूत आरोहे वर्ज्यमध्यमः ।
अल्हैया धगसंवादोऽवरोहे मृदुनिः क्वचित् ॥

चन्द्रिकायाम् ।

मृदु मध्यम तीव्र सवहि सुर सोहत जेहि मांहि ।
धग वादी संवादि है कहत विलावल ताहि ॥
मृदु मध्यम सब तीख सुर मध्यममें न चढैया ।
कहुँ निखाद कोमल लगत धगसंवाद अल्हैया ॥

चन्द्रिकायाम् ।

सरी गमौ पधौ निसौ निधौ पमौ गमौ रिमौ ।
 शुद्धवेलावली धांशा गेया ग्राह्ण मनोहरा ॥
 आरोहे चेन्मरित्तासौ निद्वया गनिवक्रिता ।
 अल्हैया स्यात् मुविख्याता धैवतांशपरिष्कृता ॥

अभिनवरागमंजरीम् ।

‘अल्हैया विलावल’—यह राग विलावल थाट से उत्पन्न होता है । इसकी जाति सम्पूर्ण है । इसराग में सभी स्वर शुद्ध लगते हैं । वार्दी स्वर धैवत और सम्बार्दी गान्धार है । गायन समय प्रातःकाल का प्रथम प्रहर है । यह राग कल्याण सरीखा ही दिखता है अतः कभी-कभी इसे प्रातः का कल्याण भी कहते हैं । इस राग में निपाद व गन्धार स्वर वक्रगति से प्रयुक्त होते हैं । इसके आरोह में जब मध्यम वर्जित किया जाता है और अवरोह में किंचित कोमल निपाद लेते हैं तब गुणीजन इसे अल्हैयाविलावल ऐसा नाम देते हैं । प्रचार में अल्हैयाविलावल अधिकतर सुनाई देता है ।

विलावल का आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे, ग, म, प, ध, नि, सां । सां नि ध, प मग, रे सा.

अल्हैया स्वरूपः—

सा, रे, गरे, गप, ध, निध, नि सां सां नि ध, प, धनिधप, मग,
 | मरे, सा.

अल्हैया की पकड़ः—

गरे, गप, ध, निसां

अल्हैयाविलावल—मपताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग ×	प	नि ०	ध	नि ०	मां ०	ऽ	सां ३	रें	मां
सां ×	सां	रें २	सां	नि ०	ध ०	प	ध ३	म	ग
ग ×	म	प २	म	ग ०	म ०	रें	सा ३	रें	मा
ध ×	ध	रें ३	सां	नि ०	ध ०	प	ध ३	म	ग ।

अन्तरा.

प ×	प	नि २	ध	नि ०	सां ०	ऽ	सां ३	रें	मां
सां ×	रें	गं २	मं	पं ०	मं ०	गं	मं ३	रें	मां
गं ×	रें	सां २	रें	सां ०	ध ०	प	सां ३	ध	प
ग ×	म	रें ३	ग	म ०	प ०	ग	म ३	रें	सा ।

अल्हैयाविलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि
सां सां
त व

नि	ग	रें	ग	ध	सां	सां	सां	नि	नि	प	प
ध	य	म	ग	प	—	नि	नि	सां	—	सां	सां
क	ह	त	वि	ला	ऽ	व	ल	भे	ऽ	द	च
०				३				×		२	

धनि सांरें सां सांनि	ध प म ग	ग रे ग म	ग रे सा -
मेऽ ऽऽ ल मिऽ	ला ऽ व त	शु ऽ द्व सु	र न को ऽ
०	३	×	२
सा म ग प	प - नि नि	सां गं सां सां	नि नि सां सां
प्रा ऽ त स	मै ऽ नि त	प्र थ म प	ह र, त व
०	३	×	२

अन्तरा.

प - नि नि	सां - सां -	निसां गं गं मं	गं रें - सां -
धै ऽ व त	वा ऽ दी ऽ	गाऽ ऽ म म	वा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
मं मं पं गं	मं रें सां सां	धनि सांरें सां सांनि	ध नि सां सां
अ ऽ ए भै	ऽ द स व	गाऽ ऽऽ य मऽ	धु र, त व
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प	सां	सां -	सां	ध	नि	प	ध	नि	ध	प	म	ग
अ	ल्है	ऽ	या	ऽ	वि	ला	ऽ	ऽ	व	ऽ	ल	
×	०		२		०	३			४			
म			म		प							
ग	म	रे	ग	म	प	ग	-	मग	म	रे	सा	
रा	ऽ	ग	नी	ऽ	वि	ची	ऽ	त्रऽ	मा	ऽ	ई	
×	०		२		०	३		४				

मा	सा	सा	म	म	रे	प	नि	नि	सां	नां
म	क	ल	सू	ऽ	र	शु	ऽ	जा	ऽ	में
नि	सां	०	—	२	ध	०	३	४	४	
मां	गं	सां	—	नि	नि	प	—	नि	सां	सां
र	स	शां	ऽ	ती	ऽ	को	ऽ	दि	ऽ	ई।
		०		२		०	३	खा	४	

अन्तरा.

प	—	—	नि	ध	नि	नि	सां	—	सां	सां	—	सां
धै	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	जा	ऽ	में	वा	ऽ	दि	
नि	०	०	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	
सां	गं	मं	गं	मं	पं	मं	गं	मं	मं	रें	सां	
गं	ऽ	SS	धा	ऽ	र	म	म	SS	वा	ऽ	दि	
सां	—	नि	ध	प	म	म	प	नि	नि	सां	सां	
नी	ऽ	द्व	०	य	गु	नि	च	र	सु	म	त	
नि	०	०	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	
सां	रें	गं	रें	सां	नि	ध	प	नि	नि	सां	सां	
अ	भि	न	व	गं	ग	दे	ऽ	ब	ता	ऽ	ई।	
		०		२		०		३		४		

प - नि नि	मां - सां -	नि रें सां गं गं मं	गं रें सां -
धै ऽ व त	वा ऽ दी ऽ	गा ऽ स म	वा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
मं पं	मं रें सां सां	सां ध नि सां सां	ध नि नि सां सां
गं मं पं गं			
स म य क	ह त दि न	प्र थ म प	ह र, त ब।
०	३	×	२

संचारी.

नि— नि नि	नि नि	ध	म	नि
सा सा ध ध	— ध ध —	नि — प —	प — ध नि	
व डो ऽ ज्ञा	ऽ न वा ऽ	को ऽ जो ऽ	जा ऽ न त	
०	३	×	२	
नि सां	नि प म ग	म रे ग मग	म रे — सा सा	
सां रें सां ध	ऽ द वि ल	वा ऽ लि सुऽ	सं ऽ म त ।	
अ ऽ ए भे	३	×	२	
०				

आभोग.

म	ध	नि	रें	
प — नि नि	सां — सां —	सां गं गं मंगं	मं रें सां सां	
शु ऽ द्व अ	ल्है ऽ या ऽ	दे ऽ व गिऽ	रि कु क भ	
०	३	×	२	
मं	पं	नि	ध	
गं मं पं गं	मं रें सां सां	धनि सां रें सां सां	नि नि सां सां	
मा ऽ ख शु	क ल इ म	नीऽ ऽऽ प र	दा ऽ त व ।	
०	३	×	२	

त्रिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग	सां	प	ग	मरे	सा	सा	रे	सा	—
सां सां ध त्रिप	ग गम प म	ग — मरे — सा	सा रे सा —						
र व सौं ऽऽ	ने ऽऽ ह ल	गा ऽ ऽऽ तु	म न वा ऽ						
०	३	×	२						
नि म	प ध	सां सां सां सां गं रें	सां रें सां नि धप मग						
सा — ग मरे	ग प नि नि	सां सां सां सां गं रें	सां रें सां नि धप मग						
दू ऽ जो ऽऽ	ना ऽ हिं श	र न वाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ						
०	३	×	२						

अन्तरा.

प - नि नि	सां - सां मां	नि सां रें	सां गं गं मं	गं रें सां सां
मां ऽ चो सु	खी ऽ को उ	ज ग में न	दी ऽ स त	
०	३	×	२	
मं	गं	सां ध		गरे
गं मं पं मंगं	मं रें सां सां	नि नि सां सां गं रें	सां रें सां नि धप मग	
ह र रं गऽ	मा ऽ न ब	च न वाऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	
०	३	×	२	

बिलावल-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग सां	सां - ध प	म ग म रे	म ग म प मग	ग म रे सा -
जा ऽ ग उ	ठे ऽ स ब	ज न तु मऽ	जा ऽ गो ऽ	
०	३	×	२	
नि म	प सां ध	सां		गरे
सा - ग मरे	ग प नि नि	सां - रें सां	सां रें सां नि धप मग	
गौ ऽ व नऽ	के ऽ च र	वा ऽ ल च	रैऽ ऽऽ ऽऽ याऽ	
०	३	×	२	

अन्तरा.

प - नि नि	सां सां सां सां	नि रें	सां गं गं मं	गं रें सां सां
ग्वा ऽ ल बा	ऽ ल स ब	गौ ऽ वां च	रा ऽ व त	
०	३	×	२	

(५५)

नि	सां - सां सां	नि	मं	गं रें सां सां
प प ध नि	का ऽ र न	सां	गुरें गंमं पंमं	आ ऽ ऽ व ऽ त ऽ
तु म रे ऽ	३	×	२	धा ऽ व त
प म प	सां ध	नि	गरे	२
ग ग मरे ग	प प नि नि	सां रें सां -	सां रें सां नि धप मग	
स दा ऽ रं	३	तु म सों ऽ	ला ऽ ऽ गो ऽ	
ग नि	प (×	२	
सां - ध प	ध ग म गरे			
जा ऽ ग उ	ठे ऽ स व ऽ			
०	३			

अन्हैयाबिलावल-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	ध	प	ग	म
नि	नि	सां	सां	ध
ह	र	वा	रे	म
३	३	३	३	३
प	ध	सां	सां	ध
न	ह	वा	रे	म
३	३	३	३	३
प	ध	सां	सां	ध
न	ह	वा	रे	म
३	३	३	३	३

नि	ध नि सां रें	सां नि ध प	प	ग म प म	ग - रे सा
ह	रि ह रि	चु रि यां ऽ	दे ऽ हो मं	गा ऽ ऽ य	
३	नि	×	२	०	
सां	- सा रे	ग - म -	प प नि नि	सां - सां -	
रं	ऽ ग रं	गी ऽ ली ऽ	औ र च ट	की ऽ ली ऽ	
३	नि	×	२	०	
सां	- गं गं	मं रें सां रें	सां - ध प	म ग रे ग	
ता	ऽ प र	ध न क टं	के ऽ ली ऽ	ऽ ऽ ऽ, म	
३		×	२	०	
प धनि	सां नि				
न हऽ	ऽ र				
३					

अन्तरा.

ग	प - प प	सां ध	सां - - सां	सां रें सां -
औ	ऽ र ग	ले ऽ को ऽ	हा ऽ ऽ र	लूँ ऽ गी ऽ
३	नि	×	२	०
सां	रें गं रें	सां सां	सां - (सां) -	सां ध - नि प
मो	ति य न	था ऽ ल भ	रूँ ऽ ऽ ऽ	गी ऽ ऽ ऽ
३		×	२	०

प सां सां सां सां नि	ध प मग मरे	ग म (म) ग	म रे सा -
ख र क खऽ	र क मोऽ रीऽ	चु रि यां ऽ	ख र के ऽ
३	×	२	०
सां रें गं रें	सां रें सां सां	सां नि ध प	म ग रे ग
बं ग रि मु	र क ग इ	ली ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ, म ।
३	×	२	०

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प सां सां ध प	प ग म प म	म ग - रे -	सा रे सा -
ह रि सो ऽ	च ऽ क्र ध	रा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऊं ऽ
०	३	×	२
प प ग - ग मरे	प ध ग प नि नि	सां - सांसां गंरें	सांरें सांनि धप मग
भी ऽ ष मऽ	ना ऽ म क	हा ऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऊंऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

प - प प	सां ध ध नि नि सां	सां - सां सां	- रें सां -
पां ऽ ड व	मे ऽ न स	मे ऽ त सा	ऽ र थी ऽ
०	३	×	२

नि सां - रें गं	गं रें सां सां	सा ध - सां (सां)	सां ध नि प -
शो ऽ णि त	पू ऽ र व	हा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऊं ऽ
०	३	×	२
प प सां सां	सां प ध प ग मरे	म ग म प मग	म रे - सा -
य ह न क	रूं ऽ तो ऽ	आ ऽ न ते ऽ	हा ऽ री ऽ
०	३	×	२
नि सा सा - गं -	नि मं रें ध नि	सां - सां रें सां नि	रे धप मग म ग
का ऽ पी ऽ	ध्व ज तें उ	ता ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ रूं
०	३	×	२

अन्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प सां सां - ध प	गम प - म	ग - म रे	सा रे सा सा
ला ऽ डि ली	ऽ ला ऽ ड	फू ऽ ऽ ले	आ ऽ व त
०	३	×	०
नि ग प सा - म म	- प - प	सां धनि सां रें सां नि धप	म मग मग रे सा
ला ऽ डि ली	ऽ ला ऽ ल	फू ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ले ऽ
०	३	×	२
सा सां सां - ध प			
ला ऽ डि ली			
०			

अन्तरा.

प — प ध	सां सां सां सां	सां — सां सां	नि सां रें सां —
कूँ ऽ ज के	ऽ लि न व	रं ऽ ग बि	हा ऽ गी ऽ
० नि	३ ध सां	×	२
सां रें गं रें	सां (सां) ध प	प गप ध नि सां रें सां नि	म धप मग रें मा
मु र त हिं	डो ऽ रे ऽ	भूऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ले ऽ ।
० सा सां	३	×	२
सां — ध प			
ला ऽ ड़ ली			
०			

अन्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प सां	प	म	म
सां सां ध प	ग प म ग	रे गम प मग	रे — सा —
ब लि ब लि	जा ऽ ऊं म	धु रऽ सु रऽ	गा ऽ वो ऽ
० नि	३	×	२
सा रे ग म	रे सा रे मा	सा ध नि रे सा	सा ध नि प —
अ ब कि बे	ऽ र मे रे	कुँ व र क	न्है ऽ या ऽ
०	३	×	२

प ग - गम रे नं ऽ वृ ऽ हि सा सां मां मां ध प व लि व लि	प प ध ग प नि नि ना ऽ च दि ३	सांसां गंरे सांनि धनि खाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ×	सांनि धप मग रंम ऽऽ ऽऽ ऽऽ वांऽ। २
--	--------------------------------------	--	--

अन्तरा.

प - प - ता ऽ री ऽ ० मां रें गं मं प र म प्री ० नि सां आऽ ऽ न जौ ० प प ग - ग मरे मो ऽ भु जऽ ० ग सां सां सां ध प व लि व लि	ध नि ध नि - दे ऽ दे ऽ ३ रें सां रें सां ऽ त उ प ३ नि प मग मरे ऽ न्त धुऽ नऽ ३ प ध ग प नि नि कं ऽ ठ ल ३	सां सां सां - अ प ने ऽ × सां ध नि (सां) - जा ऽ ऽ ऽ × ग रे गम प मग सु नऽ ड रऽ × सां - सांसां गंरें गा ऽ ऽऽ ऽऽ ×	सां रें सां - क र की ऽ २ सां ध नि - प ऽ ऽ ऽ वो २ म रे सा सा प त क त २ सांरें सांनि धप मग ऽऽ ऽऽ ऽऽ वोऽ। २
---	--	---	--

अच्छैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि
सां मां
अ ति

नि प रे	ध प नि नि	सां - सां सां	नि नि प प
ध प गम ग	प प नि नि	सां - सां सां	नि नि प प
अ रु णऽ व	र न पि या	नै ऽ न तु	म्हा रे अ व
०	३	×	२
नि धनि सांरें सां सां	ध प मग मरे	ग मग प मग	म रे सा -
माऽ ऽऽ न हूँ	र ति रुऽ सऽ	भ येऽ ऽ रुऽ	ग म गे ऽ
०	३	×	२
नि सा	ध	रें	ध
सा म ग प	- प नि नि	सां सां सां सां	नि नि सां सां
क र त के	ऽ लि पि या	प ल क बि	सा रे, अ ति।
०	३	×	२

अन्तरा.

म	ध	नि	मं	नि	मं	गं	रें	सां -
प - नि नि	सां सां सां -	सां गंरें गं मं	गं रें सां -					
मं ऽ द मं	ऽ द डो ऽ	ल तऽ सं ऽ	क र सों ऽ					
०	३	×	२					
मं गं मं पं मंगं	मं रें सां सां	सां धनि सांरें सां सां	नि नि सां सां					
सो ऽ भि तऽ	म ऽ ध्य म	नोऽ ऽऽ ह र	ता रे, अ ति।					
०	३	×	२					

संचारी.

नि	नि	नि	नि	नि	नि
सा	-	ध	ध	ध	नि
बा	ऽ	र	बा	लो	ऽ
०				×	
नि		सां		म	म
सां	रें	सां	ध	ग	म
क	प	ट	नै	ह	र
०				×	

आभोग.

म	नि	सां	सां	सां	सां	नि	मं	गं	रें	सां	सां			
प	— ध नि	सां	सां	सां	सां	सां	गुं	गं	मं	गं	रें	सां	सां	
सू	ऽ र श्या	ऽ	म	दे	खे	सु	खऽ	पा	ऽ	व	त	दु	ख	
०		३				×				२				
मं						नि				ध				
गं	मं पं मं	मं	रें	सां	सां	धनि	सां	रें	सां	सां	नि	नि	सां	सां
मो	ऽ च नऽ	लो	ऽ च न	हो	ऽ	ऽ	र	त	ना	रे,	अ	ति।		
०		३				×				३				

अल्हैयाबिलावल-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध
सां
दे

सां धनि धप म पम ग रे सा - रे ग ममगरे ग प प -
 ऽऽ याऽ ऽ ऽक हां ऽ ऽ ऽ ग ये ऽऽऽऽ ऽ लो ऽ ग ऽ
 ३ × ३

प ध नि नि सां -	नि सां (सां) - -	सां ध नि प -	म ध ग म सां
त्रि ज के ऽ	ब सै ऽ ऽ	या ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ, दै।
३	×	२	०

अन्तरा.

प - नि नि	सां - रें सां	नि रें सां गं गं मं	गं रें सां -
ना ऽ मो रे	पं ऽ ख ना	पा ऽ य ल	पा ऽ सो ऽ
३	×	२	०
सां ध धनि धप मगमरे	प प ध ग प नि नि	सां सां (सां) ध निप	म ध ग म सां
ना ऽ ऽ को ऽ ई ऽ ऽ ऽ	सु धि को ऽ ले	वै ऽ या ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ, दै।
३	×	२	०

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प ध प गम गरे	सा - - सा	सारे गम ग -	म पपमग म ग गम, नि
व न ऽ ऽ लागो	मा ऽ ऽ ध	मत वर वा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ, पी
३	×	२	०
प ध प गम पम	ग रे सा सा	नि सा रे ग ग	म गम पपमग रेग गम, नि
व न ऽ ऽ लागो	मा ऽ ऽ ध	म त ब र	वा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ, पी
३	×	२	०

अन्तरा.

म	नि	गं	गं	प	सां
प	पप, पप धनिध	सांसां सांसां सां	रेंरें गं रें सां	सां (सां) ध निप	
मां	गत, मध वाSS	मह सन अब का	करि हों मो री	मा S S SS	
पप	पपधनिसां रें	नि सां	प ध म		
ली	याSSSS S	सां - ध नि प	ध ग म नि		
कल	ली याSSSS S	ना S हीS न	ध र वा पी		

अल्हैयाबिलावल-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध	प	गम	,गरे	सा	-	सासारेंसानि	म
ल	न	SS	,मांडे	जा	S	नेSSSSSS	नि
ग	म	ग	-	मग	-ग	ममगरेग	,ढो
वा	S	री	S	वारी	Sकि	थीSSSS	ध
प	-	नि	ध	म	प(प)	ग	नि,सारे
वा	S	S	न	जी	SS	S	S,हम

ग	प	यनिसारें	-सांनि	(प)	पपधनि	-ध	प	गम,नि
ग	२	रेSSS	S,लग	वे	होSSS	Sमि	यां	SS,ढो।

अन्तरा.

							पप
							तप
सां	सां	सां	रें	सां	- निध	नि	सां - नि (प)
दी	डा	ती	डा	ती	S	दुS	या
३				X			२
गं				नि		ध	सां
रें	गं	रें	सां	सां	रें	सां	नि नि
				सां	- ध	प	पपधनि -ध पगम,नि
ना	S	S	वे	दुर	Sस	न	S'
३				X			२
				दी	S	मो	ती,SSSS
							Sमाला
							SS,ढो

अल्हैयाबिलावल—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

							सा
							मा
ग	ग	रेसा	धप	नि			
२	S	एक	तोक	ध	-	-	नि ध
३		४		था	S	S	सां
				X			- धप
							S,मोS

अल्हैयाबिलावल—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

सांसांनिध	ध निनि	सांसां	सां रें रें, सांनिसां	सां ध	प ध निनि	सां ध, निप	ध पधनि
सा SSS	Sरी	र	न S, न SSS	ना S	SS, वन	आ S, SS	ई S SSS
३		४		×	०	२	०
ध	प	मग	मरे	ग -म	म (म)	ग	प
ला	S	SS	SSु	हा Sग	स न	S	S
३		४		×	०	२	०
धनि	धप	ध	प	ममगरे	ग	म (म)ग	मरे सा
SS	S, ग S	ल	S	गा SSS	S	ई S	S
३		४		×	०	२	०

अन्तरा.

प पप	प सांसांनिधनिध	सां सां	नि सां रें	सां	सांसां	रेंगं	गं
हा थन	में दी SSSSS	बां हीं	चू S	रा	मुख	तमो	S
३	४	×	०	२	०	०	SS
गें सां	सां (सां)	सां ध निप	धनि सां रें	सां ध	निप	पध	पधनि
ल S	S	हा S	न SSS	आ	S	SS	ई S SSS
३	४	×	०	२	०	०	०

ध प
ला S
३

स्थायी के अनुसार

अल्हैयाबिलावल-एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग (मं)
कं

नि	धप	म	पम	ग	रे	सा	निसा	नि	सा	रे	गरे	सा
५	था ५	५	५, ५५	मो	५	रे	५५	ये	५५	५५	५जि	न
३		४		×		०		२		०		
सासानिध	सा, निरे	ममगरे	ग	म	ग	ग	प	प	प	प	ध	गम
जा ५५५	५, ५५	५५५५	५	वो	५	रे	५	आ	रे	५, कं	५	कं
३		४		×		०		२		०		

अन्तरा.

म	प	सां	ध	सां	प	सां	सां	रें	गं	मं
ना	५	को	५ऊ	ऐ	५	सी	५	मोरि	भा	५
३		४		×		०		२	०	
(मं)	गं	मरें	सां	म	सां	रें	सां	म	ध	ध
५	५	५५	वे	वे	गिले	आ	वो, ५५	आ	रे	५, कं
३		४		×		०		२		०

अल्हैयाबिलावल—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प -

दी ऽ

ध	ग - प	- नि ध नि	सां - सां ध	नि सां सां सां
स्त दी ऽ म्दी	ऽ म्द	स्त न द्रे	ना ऽ त न	ना ऽ त न
०		३	×	२
सां ध नि प	ध नि ध प	- म ग -	म रे सा -	
नि ता ऽ न्न	त न दे रे	ऽ त दा ऽ	ऽ ऽ न्नी ऽ	
०	३	×	२	
सा सा सां -	सां नि ध नि	सां - गं	सांसां निनि (प) -	
य ल ली ऽ	या ऽ ल्ला ऽ	ला ऽ ल ले	दिर दिर, दी ऽ।	
०	३	×	२	

अन्तरा.

प -

दी ऽ

- सांसांनिध	ध नि नि	सां - सां -	रेंगं मंपं गंमं रें	सां सां नि नि
ऽ रस्स ऽ दि	ले ऽ आ ऽ	मा ऽ ऽ ऽ च	दि ऽ ल स ऽ त	
०	३	×	२	

सांसां ^{रें} सां ^ध नि नि	सां रें सां -	- ध प म	ग -ग ग -
गूऽ ऽ ऽ न	ह र वा ऽ	ऽ द ऽ ब	ग ऽलू च ऽ
०	३	×	२
मम ^{रें} गग म ग	- म प -	म ग म रे	सा - सा ग
म्मेऽ ऽऽ ब खु	ऽ न्द री ऽ	या ऽ ऽ ऽ	स्ती ऽ आ ऽ
०	३	×	२
म प - प	प - पप धनि	सांरें सां - ध	प -प, प -
श के ऽ व	तू ऽ फाऽ ऽऽ	ऽऽ द ऽ ब	ग ऽलू, दी ऽ ।
०	३	×	२

अल्हैयाबिलावल-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

प नि ध नि	सां - - सां	ध प म गग	प (म) - ग
द त ऽ न	दी ऽ ऽ ऽम्	दी ऽ ऽ ऽम्	त दा ऽ नि
३	×	२	०
ग म (प) म	ग - रे ^म सा	- सा सासा रेग	- रे सा -सा
ता रे दा नि	ता ऽ ऽ दी	ऽ नी वाऽ ऽऽ	ऽ नि दी ऽम्
३	×	२	०

सा सा सा रे	ग ग ग ग	म ^म पप ग रे	ग ^{नि} प ध नि
नि त न त	न दे रे त	न ^२ दिर नो ऽ	म्त न न न
३	×	२	०
सां - ^{रें} ध -	सां - सां सां	ध प म ग	रे सा - प
दी ऽ म्दी ऽ	म्दी ऽ म्त्त न	दे रे ता रे	दा नि ऽ, ओ।
३	२	२	०

अन्तरा.

प प सां सां	सां सां - रें	सां - सांसां रेंगं	- रें सां नि
त ना दे रे	ना तो ऽ म्त्त	दी ऽ म्त्तोऽ ऽऽ	ऽ म्त्त न न
०	३	×	२
सांसां ^ध निनि	सां - (सां) -	ध पप (म) ग	म ^{नि नि} ग म ध ध
तोऽ ऽऽ ऽ म्त्त	दी ऽ म्दी ऽ	ऽ अऽ ऽ ऽ	त दि या ना
०	३	×	२
नि	सांसां निध नि सांसां	रेंगं रें सां सां	ध ^प नि प - ध
ध - नि प	ताऽ ऽऽ ऽ दीऽ	ऽऽ नि त दा	ऽऽ निन ऽ त
रे ऽ ऽ ऽ	३	×	२
०			
ध			
ग - ऽ प			
दी ऽ अऽ, ओ			
०			

बिलावल-तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

निध	प	मप	गरे	ग	रे	सा	निसा
द्रेद्रे	द्रे	SS	तन	दे	द्रे	ना	SS
३				×			
सारें	गम	ग	—	गमपपमग	रेंग,मध	प ध निनि	ध प
तन	दें	ना	S	S	उS,SS	द	त
२				०			
म							
प	ममगरेग	रे	गरे	सा	निसा	पग	मप
S	न	SS	दें	ना	S	वे	तदा
३				×			
सांसांनिध	नि	(प)	—	प सां	धां	प	गम
S	S	नी	S	S	S	S	S ।
२				०			

अन्तरा

पप	सांसां	सांसां	निसां	सांसां	सां	निसां	सांसांरेंगं
नाद्रे	तुद्रे	तना	S	द्रेत	ना	S	S
३				×			
रे	सां	नि	—	नि	सांसांरेंरेंसांनि	धनि	ध नि
स्त	दा	रे	S	ता	रे	SS	ददा
२				०			

सां	निसां	सांसां	गरें	गं	मं	गरें	गरें
नी	ऽ	यला	ऽऽ	या	ऽ	ल्लाऽ	ऽय
३				×			
सां	-प	धनिसारें	-सां	सां	प	ध	ध
ला	ऽय	लं	ऽय	ला	ऽ	ऽ	लेऽ।
२				०			

बिलावल—तिलवाड़ा (विलम्बित) .

स्थायी.

			ग भ मनि	ध	प	गम	,गरें
			तन	न	ना	ऽऽ	,देरे
				३			
सा	-	निसा	सासारें	सासानिनि	-	सा	-रे
ना	ऽ	ऽ	द्रे	ऽ	ऽ	ना	ऽत
×				२			
ग	-	गम	ग	गमपप	मगरेग	-	मप
दा	ऽ	ऽऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	दुर
०				३			
म	ग	रे	ऽ	सा	रे	ममगरे	ग
ता	ऽ	ऽ	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ
×				२			

(१०३)

नि नि	सा रे सा नि	सामग प -ध प	प धनिसारें सां सांध
नी	५ ५ ५	नाद्रे तो ऽम द्रे	ता रे दा नी
०		३	×
प			ग म
ध ध नि ध	प म	गमपमग रेग	मनि धप गम -गरे
त दा ५ नि	५ ५ ५ ५	तन नना ५ ५	५, रेरे।
२	०	३	

अन्तरा.

पग पप सांसांनिधनि धनि	सां रें सां -	सांसां रें गं रें
धेते लेला ना ५	ना ५ रे ५	तारे दा ५ ५
३	×	२
सांसांनिधनि धनि सां -	सां (सां) धनि प	धनि धप गम पम
नि ५ दा ५ ५ ५ ५ ५	नी ५ ५ ५ ५ ५	५ ५ ५ ५ ५
०	३	×
ग रे सा -	गम पप सांसांनिधनि -नि	सां - - निसां
दा ५ नि ५	नाद्रे द्रेतु द्रे ५	दीं ५ ५ ५
१	०	३
सांसां रें मंमंरें रें -	सांसांनिधनि - सां -	गंरेंसां निधपम गरेसावा मनि
तदि या ना ५	तो ५ म्द्रे ५	ना ५ ५ तन।
×	२	०

अल्हैयाबिलावल—भपताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	—	सां	ध	नि	प	म	प	म	ग	मरे
सां	—	ध	नि	प	म	प	क	री	५	५५
ले	५	ते	५	रि	ल	०	३	३	३	३
×		२								
म	म	प	ग	मग	म	रे	सा	रे	मा	
ग	५	ते	५	री५	का	५	म	५	रि	
ले	५	२			०		३			
×		नि	नि	नि	नि	नि	नि	नि	प	
सा	सा	ध	ध	ध	ध	ध	ध	ध	नि	प
ब	छ	रा	५	च	रा	५	व	५	न	
×		२			०		३			
सां	नि	रें	—	सां	सां	सां	सां	ध	नि	प
ध	५	न	५	हिं	जा	ऊं	मा	५	ई	३।
हं	५	२			०		३			
×										

अन्तरा.

प	—	प	निध	निध	सां	—	सां	सां	सां
सं	५	ग	के५	५५	ग्वा	५	ल	व	ल
×		२			०	३	३	३	३
सां	निध	सां	सां	रें	सां	—	सां	ध	निप
म५	५५	द्र	बि	न	ए	५	क	लो	५५
×		२			०	३	३	३	३

प		नि	नि		सां	सां	सां	नि	प
ग	म	ध	ध	—	सां	सां	ध	नि	प
ए	ऽ	क	लो	ऽ	व	न	में	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सां		नि	रें	—	सां	सां	सां	ध	नि
ध				सां	सां	सां	ध	नि	प
ह्रँ	ऽ	न	ऽ	हिं	जा	ऊं	मा	ऽ	ई।
×		२			०		३		

अल्हेयाविलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

गम	रे	ग	—	ग	नि	नि	सां	—	सां	सां	ध	नि	प
सऽ	र	ऽ	स	स	ऽ	प्र	ता	ऽ	प	ते	ऽ	ज	
०		३		४		×		०		२			
नि	नि	ध	प	गम	प	म	ग	—	ग	म	रे	सा	
ध				(ऽ	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रो	
व	ऽ	ल	ते	SS	ध	रें	सां	—	सां	ध	नि	प	
०		३		४		×		०		२			
नि	म	ग	प	नि	नि	रें	सां	—	सां	ध	नि	प	
सा				सां	ध	रें	सां	—	सां	ध	नि	प	
रा	ऽ	ख	ले	सि	रि	भ	ग	ऽ	वा	ऽ	न।		
०		३		४		×		०		२			
प	ध	प	नि	—	ध	नि	सां	—					
ध	ग												
स	र	ऽ	स	ऽ	प्र	ता	ऽ						
०		३		४		×							

अन्तरा.

प	प	—	प नि	ध नि	सां	—	सां	सां	रें	सां	
स	ब	ऽ	बि	धि	ऽ	हो	ऽ	सु	जा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
नि	रें	गं	मं	रें	रें	सां	—	सां	सां	ध नि	प
सां											
गु	नि	ज	न	क	र	त	ऽ	ब	खा	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
सां	सां	मं(मं	रें	सां	नि	सां	सां	सां	सां	सां
च	तु	ऽऽ	रा	ऽ	इ	जा	ऽ	न	त	स	ब
×		०		२		०		३		४	
रें	सां	—	सां ध	नि	प	ध	ध ग	प	प नि	ध नि	
म	हा	ऽ	ग्या	ऽ	न	ऽ	स	र	स	ऽ	प्र ।
×		०		२		०		३		४	

अल्हैयाबिलावल—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

										प
										ग
										पा
प	नि	ध	नि	रें	सां	—	सां ध	नि	प	प
ल	ना	ऽ	ऽ	प	ल	ऽ	प	ऽ	ल	ग
३		४		×		०		२		०

म	रे	(गम)	प	म	प	म	ग	म	र	-	सा	-	नि
ॐ	ऊं	(पड)	ल	भु	ला	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ला
३		४		×			०			२			
म				प	सां			सां	ध	प	मग	मरे	प
ग	(मग)	प	प	रें	भां	-							ग
ल	(नड)	ॐ	की	सु	भ	ॐ	ॐ	घ	डि	रेड	(ॐ)	(ॐ)	पा ।
३		४		×			०		२		०	०	

अन्तरा.

प	प	प	सां	सां	ध	सां	—	सां	रें	सां	—
अ	ग	र	नि	नि	न	का	५	प	ल	ना	५
×		०	चं	द	२	०		३		४	
सां	—	रें	मं	गं	मं	रें	—	—	सां	ध	प
रे	५	स	म	५	की	डो	५	५	५	५	र
×		०		२		०		३		४	
प	मं	—	सां	ध	ध	सां	—	—	सां	ध	प
गं	रें				रें						
कु	ला	५	व	५	त	मै	५	५	या	५	सु
×		०		२		०		३		४	
प	—	सां	प	म	ग	मरे	प				
सां	—	ध	भ	री	५	(मरे)	ग				
हा	५	ग				(५५)	पा				
×		०		२		०					

अल्हैयाबिलावल-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प	सां	—	सां	ध	नि	प	ध	नि	ध	प	म	ग
आ	५	ज	औ	५	र	का	५	ल	औ	५	र	
×		०		२		०		३		४		
म	म	मरे	ग	म	प	म	—	ग	म	रे	सा	
ग	ग	(५)	प्र	५	ति	औ	५	र	औ	५	र	
दि	न	०	नि	२	नि	०		३	सां	४		
×		ध	ध	—	ध	नि	प	—	नि	नि	सां	
नि	—	ध										
सा	५	खि	ये	५	र	सि	क	५	गि	री	५	
दे		०		२		०		३		४		
×				रें						सां		
नि	—	रें	गं	सां	निध	नि	प	—	निध	नि	सां	
सां					न५	५	मा	५	इ५	री	५	
रा	५	ज	ध	र	२	०		३		४		
×		०										

अन्तरा.

प	प	—	नि	ध	नि	सां	सां	—	नि	सां	रें	सां
दि	न	५	प्र	५	ति	न	ई	५	छ	५	बि	
×		०		२		०		३		४		
सां	सां	गं	रें	गं	मं	पं	गं	मं	गं	मं	रें	सां
ब	र	५	ने	५	सो	कौ	५	न५	क	५	ब	
×		०		२		०		३		४		

म	ग	म	नि	ध	नि	प	ध	प	ध	प	नि	सां
पा	५	न	की	५	जे	री	५	भ	र	हि	ये	
×		०		२		०		३		४		
नि	सां	रें	गं	नि	सां	नि	प	—	नि	सां	सां	
म	दा	हि	म	र	न	५	मा	५	इ	री	५	
×		०		२		०		३		४		

संचारी.

म	—	म	प	—	प	नि	ध	प	—	प
सो	५	भा	श्या	५	म	अं	५	ग	अं	५
×		०		२		०		३		४
प	—	नि	ध	सां	—	रें	सां	सां	ध	नि
ला	५	ज	त	को	५	टि	क	अ	नं	५
×		०		२		०		३		४
म	म	म	ग	म	प	म	ग	म	रें	—
ग	ग	(म)	ग	५	उ	ठ	त	(त)	रं	५
छ	वि	(५)	की	५	२	०		६		४
×		०				प	सां	सां	सां	ध
नि	सा	—	नि	ध	नि	प	सां	सां	सां	नि
वि	५	श्व	को	५	५	म	न	ह	र	५
×		०		२		०		३		४

आभोग.

प	—	प	सां	सां	—	सां	सां	—	रें	सां
च	५	त्र	धू	५	ज	५	प्र	५	गि	रि
×		०	रें	२	०	३	३	४	नि	४
मां	—	मं	गं	मं	रें	सां	—	रें	मां	ध प
धा	५	री	को	५	स	रू	५	प	सुं	द र
×		०	२	२	०	३	३	४	४	४
म		नि	नि	नि	नि	नि	नि	नि	नि	सां
ग	म	ध	ध	—	ध	ध	नि	प	ध	नि
दे	५	खि	ये	५	सिं	गा	५	र	बा	५ ग
×		०	२	२	०	३	३	४	४	४
नि		सां	रें	ग(रें)	नि	नि	प	नि	ध	सां —
मां	सां	रें	ग(रें)	सां	नि	नि	प	नि	नि	३
व	र	न	ब(५)	र	न(५)	५	मा	५	३	री ५।
×		०	२	२	०	३	३	४	४	४

अल्हैयाबिलावल—चाँताल (विलम्बित).

स्थायी.

प	सां	सां	नि	प	मग	मरे	प	ग	प	—	नि	—	ध
सां	सां	ति	ध	प	की	५	ग	प	—	नि	—	नि	नि
मो	ति	य	३	न	५	५	भा	ल	५	०	र	५	ल
०		३	४	४	४	४	×	०	०	०	२	२	२
सां	—	सां	रें	सां	सां	सां	सां	ध	नि	सां	नि	ध	नि प
गी	५	हे	३	५	म	ज	री	५	५	०	मा	५	नो
०		३	४	४	४	४	×	०	०	०	२	२	२

प	—	नि	प	मग	मरे	ग	ग	मग	मरे	—	सा
सां	५	ध	न	सों५	५५	च	हूँ	५५	ओ	५	र
ही	३	३	३	४	५	×	×	०	२	२	२
०	३	३	३	४	५	×	×	०	२	२	२
नि	३	३	३	४	५	×	×	०	२	२	२
सा	३	३	३	४	५	×	×	०	२	२	२
हो	३	३	३	४	५	×	×	०	२	२	२
०	३	३	३	४	५	×	×	०	२	२	२

अन्तरा.

सां	सां	—	सां	—	सां	सां	मं	—	सां	—	सां
रा	जा	५	रा	५	म	उ	म	५	रा	५	व
×	०	०	२	२	०	०	३	३	४	४	४
नि	गं	रें	सां	रें	सां	सां	नि	सां	ध	प	ध
सां	५	य	ब	क	सि	स	आ	ज	न	यो	५
पा	०	०	१	१	०	०	३	३	४	४	४
×	०	०	१	१	०	०	३	३	४	४	४
प	नि	ध	सां	—	सां	सां	गं	रें	सां	रें	सां
न	व	५	रो	५	ज	अ	प	नि	अ	प	नी
×	०	०	२	२	०	०	३	३	४	४	४
सां	सां	—	सां	—	सां	सां	गं	रें	सां	रें	सां
ध	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
बा	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
×	०	०	२	२	०	०	३	३	४	४	४

अल्हैयाबिलावल-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

	प		नि						सां	ध	प
	ग	प	प	नि	सां	रें	सानि	सां	सां	सां	प
५	सु	र	त	५	बि	सा	५५	५	री	५	५
०		३		४		×		०		२	
म	ग	मरे	गम	प	ग	म	रे	—	नि	सा	रे
५	का	५५	हं५	५	ह	मा	५	५	५	५	री
०		३		४		×		०		२	
नि	सा	म	म	म	ग	प	प	धनि	ध	प	म
नं	५	ग	ग	गम	रे	ग	प	धनि	ध	प	म
०		३	नं	द५	न	गि	रि	५५	धा	५	५
		३		४		×		०		२	
गरे	प										
री५,	ग										
०	सु										

अन्तरा.

म			नि		ध				सां	रें	सां
प	—	—	ध	नि	नि	सां	सां	—	सां	रें	सां
सू	५	५	नो	५	भ	व	न	५	दू	५	ख
×		०		२		०		३		४	
नि	गं	मं	मं	मं	सां	रें	सां	सां	सां	ध	नि
सां	५	रें	गं	रें	ल	ग	त	री	आ	५	लि
दू		०	नो	५		०		३		४	
×				२							

प	प	प	प	प	नि	सां	सां	रें	सां
ग	ग	मरे	ग	प	ध	नि	सां	रें	सां
अ	ब	ऽऽ	लों	ऽ	न	आ	ऽ	ये	री
×		०		२	०	३		४	
नि	सां	प	प	म	गरे	प			
सां	ध	प	ध	ग	रीऽ	ग			
ब	न	ऽ	वा	ऽ	०	सु			
×		०		२					

अल्हैयाबिलावल-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा	सां	सां	सां	नि	प	ध	नि	ध	प	म	ग
सां	—	सां	ध	नि	प	ध	नि	ध	प	म	ग
आ	ऽ	ज	को	ऽ	सिं	गा	ऽ	र	सु	भ	ग
×		०		२	०	३		४			
म	म	रे	म	म	प	म	ग	म	रे	—	सा
ग	म	रे	ग	म	प	म	ग	म	रे	—	सा
सां	ऽ	व	रे	ऽ	गु	पा	ऽ	ल	जू	ऽ	को
×		०		२	०	३		४			
सा	सा	—	म	ग	म	रे	ग	प	—	नि	सां
क	ह	ऽ	त	ऽ	न	ब	न	ऽ	आ	ऽ	वे
×		०		२	०	३		४			
सां	—	गं	रें	सां	सां	निध	नि	—	प	निध	नि
रें	—	गं	रें	सां	सां	निध	नि	—	प	निध	नि
दे	ऽ	ख	हि	ब	न	आऽ	ऽ	ऽ	वे	रीऽ	ऽ।
×		०		२	०	३		४			

अन्तरा.

प	प	प	सां	सां	सां	सां	—	रें	सां	—	सां
भू	ष	न	ब	स	न	भां	ऽ	ति	भां	ऽ	ति
×		०		२		०		३		४	
सां		सां				नि		सां	सां		
नि	—	नि	नि	ध	नि	सां	रें	सां	ध	नि	प
अं	ऽ	ग	अं	ऽ	ग	अ	हु	त	कां	ऽ	ति
×		०		२		०		३		४	
नि		ध	प	म	ग	ग	प	नि	ध	नि	सां
ध	नि										सां
ल	ट	प	टी	ऽ	सु	दे	ऽ	स	पा	ऽ	ग
×		०		२		०		३		४	
नि		मं		मं							
सां	—	रें	गं	रें	सां	निध	नि	—	प	निध	नि
चि	ऽ	त्त	को	ऽ	चु	राऽ	ऽ	ऽ	वे	रोऽ	ऽ ।
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

प	प	प	प	प	प	नि	नि	ध	प	—	प
ग	ग	ग	प	ड	ल	ध	ल	क	भा	ऽ	ल
म	क	र	कुं	२		०		३		४	
×		०				सां		सां	सां		
म		नि	ध	सां	—	रें	सां	सां	ध	नि	प
प	—										
क	ऽ	स्तू	ऽ	री	ऽ	अ	ति	र	सा	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	

प	प	म	प	म	ग	ग	म	रे	सा	रे	सा
ग	गरे	गम	न	लो	५	च	न	बि	शा	५	ल
चि	त५	व५	२	२	०	०	३	३	४	४	४
नि	—	नि	नि	—	ध	सां	सां	—	सां	धनि	प
सा	—	ध	ध	—	म	ल	जा	—	वे	५५	रि ।
को	५	टि	का	५	२	०	३	३	४	४	४
×	—	०	०	२	०	०	३	३	४	४	४

आभोग.

म	—	प	सां	सां	—	रें	सां	सां	सां	—	सां
प	५	ठ	सि	री	५	मो	ति	न	मा	५	ल
कं	५	०	२	२	०	३	३	३	४	४	४
नि	—	गं	गं	गं	रें	मं	रें	सां	सां	ध	प
सां	—	रें	गं	गं	गं	मं	रें	सां	सां	ध	प
फैं	५	टा	५	क	टि	ज	री	दु	सा	५	ल
×	५	०	२	२	०	३	३	३	४	४	४
प	प	नि	नि	नि	नि	नि	नि	प	नि	नि	सां
ग	ग	ध	ध	ध	ध	ध	नि	प	ध	नि	सां
छ	वि	५	नि	र	ख	नि	र	ख	आ	ली	री
×	—	०	२	२	०	३	३	३	४	४	४
सां	—	मं	रें	सां	सां	निध	नि	—	प	निध	नि
रें	—	गं	रें	सां	सां	निध	नि	—	प	निध	नि
धी	५	र५	ज	म	न	ला५	५	५	वे	री५	५
×	—	०	०	२	०	३	३	३	४	४	४

अन्हैयाबिलावल—चौलल (विलम्बित).

स्थायी.

प	ग	—	प	ग	प	—	प	नि	ध	प	म	प	म	ग
बा	ॐ	ॐ	र	बा	ॐ	ॐ	र	आ	ॐ	ॐ	ॐ	व	ॐ	त
			३		म	म	४	×			ॐ		२	
			ग	मरे	गम	प	—	म	ग	रे	सा	रे	सा	
ॐ			मे	ॐ	रे	री	ॐ	का	ॐ	न्ह	कुं	व	र	
नि						४		×		ॐ	नि	ध	नि	प
सा	—	—	—	रे	सा	—	—	सा	सा	ध	ध	नि	प	
नं	ॐ	ॐ	ॐ	द	को	ॐ	ॐ	ल	प	क	ॐ	प	क	
ॐ			३		४			×				२		
प	ध	—	ग	—	प	ध	सां	रें	सां	सां	सां	ध	प	ध
च	प	ॐ	ॐ	ला	ई	ॐ	ॐ	क	र	त	नि	ड	र	
ॐ			३		४			×		ॐ		२		
ध	—													
ग	—													
वा	ॐ													
ॐ														

अन्तरा.

प	प	—	सां	—	सां	रें	सां	सां	—	सां	सां
प	न	ॐ	ध	ॐ	ट	ज	गु	ना	ॐ	त	ट
×				२		ॐ		३		४	

नि	गं	गं	गं	रं	नि	सां
सां	रं	गं	मं	रं	सां	धनि प
-	सां	गं	ट	ज	-	बि थिऽ न
बा	ट	घा	ब्रि	३	बि	४
×	०	२	०	३	४	
प	नि	नि	नि	प	सां	सां
ग	ध	ध	ह	त	ध	सां
ल	ई	र	०	३	सं	ग
×	०	२	ध	४		
रं	सां	प	ग	-		
ड	सां	ग	वा	३		
×	०	२	०			

संचारी.

प	प	प	प	नि	ध	प	प
ग	ग	ग	जा	त	खे	खा	त
आ	ब	त	५	५	ल	५	५
×	०	०	२	०	३	४	४
म	नि	नि	सां	नि	सां	सां	ध
प	ध	न	की	सां	सां	न	प
नै	५	०	२	५	५	५	५
×	रे	ग	म	ग	ग	ग	त
प	य	प	गम	प	म	म	सारे
ग	५	५	(५)	त	र	स	सा
पां	०	०	५	०	३	५	न
×							

नि	सा	नि	नि	नि	प	सां	—	—	सां	नि	प
सा	सा	ध	ध	र	प	सां	—	—	ध	र	प
५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
×		०	२	२	०	३			४		

आभोग.

प	—	—	सां	सां	रें	सां	—	सां	सां	—
धी	५	५	र	५	ज	के	५	५	प्र	भू
×		०	२	२	०	०	३	४	५	५
नि	सां	गं	गं	गंमं	पं	मं	गं	मं	सां	धनि
सां	सां	गं	गं	गंमं	पं	मं	गं	मं	सां	धनि
म	न	५	भा	५	ई	वा	५	तें	क	र
×		०	२	२	०	०	३	४	५	५
प	—	नि	नि	नि	प	ध	प	सां	सां	सां
ग	—	ध	ध	नि	प	ध	ग	प	ध	सां
दे	५	ख	दे	५	ख	क	र	त	हां	५
×		०	२	२	०	०	३	४	५	५
सां	सां	सां	सां	प	ध	ग	—			
रें	सां	सां	ध	प	ध	ग	—			
स	ब	हि	न	ग	र	वा	५			
×		०	२	२	०	०				

अन्हैयाबिलावल—धमार(विलम्बित).

स्थायी.

ग	—	ध	नि	सां	—	—	नि	प	ध	नि	ध	प	—
प	—	नि	नि	सां	—	—	नि	प	ध	नि	ध	प	—
ए	५	जू	५	का	५	५	ल	की	ग्वा	५	लि	न	५
३				×				२			०		

प	म प म ग	प	ग म रे ग म	म	मग	म	रे	-
ए ऽ	मे ऽ	रो ऽ ऽ ऽ ऽ	म	नऽ	ले	ऽ	ऽ	
३	नि	×	प	२	०	त्रि		
सा	रे सा -	सा - - ग -	प	-	धनि	ध	प	
ग ऽ	ई ऽ	ले ऽ ऽ ग ऽ	ई	ऽ	ऽऽ	री	ऽ।	
३		×	२		०			
प	ध							
ग	प नि नि							
ए ऽ	जू ऽ							
३								

अन्तरा.

सां	नि - निध	सां सां	सां	-	रें	सां	-	नि	सां	रें	गं	मं
सां ऽ	ऽऽ	फ भ	ई	ऽ	अ	ज	ऽ	हूँ	ऽ	न	हिं	
×			२		०			३				
गं	रें -	सां -	नि	नि	ध	प	-	नि	ध	नि	सां -	
आ ऽ	ऽ	ई ऽ	फू	ऽ	ठे	ऽ	ऽ	ब	च	न	ऽ	
×			२		०			३				
नि सां					प	ध						
सां	ध नि	ध प	-	प	निध	ग	-	प	-	नि	नि	
दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ईऽ	र	ऽ	ए	ऽ	जू	ऽ।
×			२		०			३				

बिलावल-धमार (विलम्बित).
स्थायी.

			प ध -						ध ग -						ए ता ऽ		
प -	सां ध	नि नि	सां - -	नि नि	सां -	सां	रें	सां -									
री ऽ	ड फ	बा ऽ ऽ	ज त	मो ऽ	ह न ऽ												
३		×		२	०												
सां	ध धनि प -	प प म	ग ग मरे ग म	प मग	ग रे -												
छ	विऽ छा ऽ	ज त ऽऽ	ना ऽ	च तऽ	ग त ऽ												
३		×		२	०												
सा - -	सा	नि सां	सां - ध -	नि प	ध ग -												
सों ऽ	अ	नं ऽ	द ऽ	ता	रे, ता ऽ ।												
३		×		२	०												

अन्तरा

नि	सां ध	सां - -	नि नि	सां -	सां -	सां	नि	सां रें	सां -
बा ऽ	ज त	ता ऽ	ल ऽ	मृ	दं ऽ	ग ऽ			
×		२	०						
नि	रें	मं	रें	नि	सां रें	सां सां			
सां	गं - गं -	-	मं	-	-				
वी ऽ	न ऽ	धु न ऽ	ने ऽ	व र					
×		२	०						
सां	ध सांनि रें सां सां	ध निप	ध ग -						
की ऽऽ	भ न	का ऽऽ	र, ता ऽ						
×		२	०						

राग खंमाज



खंमाजो यत्र तीत्रा ऋषभगधनयो मो मृदुनिर्मृदुःस्या-
दारोहे गिर्निषिद्धः प्रभवति परिपूर्णोऽवरोहे पवक्रः ।
वादी गांधार एव प्रविलसति तथा संप्रवादी निषादो
गच्छां यामे द्वितीये प्रमदयति मनः श्रौतुरप्पमेष रागः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।



मृदुमो निद्वयो गांशो निसम्वादी खमाजकः ।
नागंहे ऋषभो यामे द्वितीये निशि गीयते ॥

चन्द्रिकायाम् ।



चतुरिखत्र न लगाइये कोमल मनी विराज ।
गनि वादीसम्वादिते कहियत राग खमाज ॥

चन्द्रिकासार ।



निसौ गमौ पनी सश्च सनी धमौ पधौ मगौ ।
खंमाजो गांशको नित्यं द्वितीयप्रहरे निशि ॥

अभिनवरागमंजरीम् ।



(१२२)

“खमाज”—यह राग खमाज थाट से उत्पन्न होता है। इसमें निषाद कोमल तथा शेष स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी गंधार और सम्वादी निषाद है। इसके आरोह में रिषभ स्वर वर्जित किया जाता है, अर्थात् इसकी जाति षाडव-सम्पूर्ण है। इस राग का गायन समय रात्रि का दूसरा प्रहर माना जाता है। इसके आरोह में धैवत स्वर का विशेष महत्व नहीं है तथा अवरोह में अनेक बार पंचम धक्र करके लगाया जाता है। आरोह में तीव्र निषाद ले सकते हैं। इस राग का वैचित्र्य ग, म, प, नि इन स्वरों पर अवलम्बित है एवं इन्हीं स्वरों पर अनेक तानें आकर समाप्त होती हुई द्रष्टिगोचर होती हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, ग म, प, ध नि सां, सां नि ध प, म ग, रे सा ।

पकड़—

निध, मप, ध, मग.

(१२३)

खमाज—आड़ाचौताल (मध्यलय).

[मात्रा १४]

स्थायी.

सा ×	ग	म २	प ०	ग ०	म ३	नि ३	ध ०	म ०	प ४	ध ४	ग ०	ऽ ०	म
प ×	नि	सां २	रें ०	नि ०	सां ०	नि ३	ध ०	म ०	प ४	ध ४	ग ०	ऽ ०	मा

अन्तरा.

मं ×	गं	रें २	मं ०	गं ०	रें ३	सां ३	नि ०	सां ०	रें ४	नि ४	सां ०	नि ०	ध
म ×	प	ध २	ग ०	ऽ ०	म ३	ग ३	ऽ ०	प ०	म ४	ग ४	रे ०	सा ०	ऽ
सा ×	ग	म २	ग ०	रे ०	सा ३	सां ३	गं ०	मं ०	गं ४	रें ४	सां ०	नि ०	सां
प ×	नि	सां २	रें ०	नि ०	सां ३	नि ३	ध ०	म ०	प ४	ध ४	ग ०	ऽ ०	म

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध
सां सां
त ब

ध ध नि नि धप म	ध म प ध म	ग — — म	ग — सा सा
क ह तऽ च	तु र ऽ ख	मा ऽ ऽ ज	रा ऽ ग नि
०	३	×	२
ग सा सा म ग	म — नि ध	ध ध नि सां	ध प ध नि ध सां सां
ज ब ह रि	कां ऽ भु जि	मे ऽ ल क	र त, त बा
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म ग म ध	नि — नि सां —	सां ध नि सां —	सां मं गं रें सां
सु र गं धा	ऽ र को ऽ	वा ऽ दी ऽ	स म भू त
०	३	×	२
मं गं मं पं गं	गं रें मं गुरें नि सां	नि नि सां सां	ध प ध नि ध सां सां
खां ऽ ड व	सं पुऽ र न	त ज त रि	ख ब, त बा
०	३	×	२

स्वमाज-आड़ाचौताल (विलंबित).

स्थायी.

सां	नि नि	सां सां	नि	सां (सां)	नि धप	ग ध	म प	नि धप	(म) ग
स ब	स खि	यां	५	मि	लऽ	ख मा	५ जऽ	गा वो	
×	२	०	३	३	०	०	४	०	
	म				सां			प	
ग सा	ग म	प	नि	सां	सां	नि -	सां सां	धनि ध	
ह रि	कां ५	धु	जि	सु	र	मे ५	ल ब	नाऽ वो ।	
×	२	०	३	३	०	०	४	०	

अन्तरा.

म	गम	गम	प	-	नि नि	सां -	सां	नि सां	नि सां	ध	नि ध
गम	गम	प	-	नि नि	सां -	सां	नि सां	नि सां	नि ध		
आऽ	SS	रो	५	ह न	में ५	रे ५	ख व	त ज			
×	२	०	३	३	०	०	४	०			
सां	-	सां	निसांरेंसां	नि	सां	नि धप	म प	नि धप	(म) ग		
नि	-	सां	गंSSS	धा ५	र मऽ	धु र	दि खऽ	ला वो ।			
वा ५	दि	गंSSS	धा ५	र मऽ	धु र	दि खऽ	ला वो ।				
×	२	०	३	३	०	०	४	०			

स्वमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा सा ग ग	प रे म म ग -	म प - ग	म - - ग
अ रे म न	ह र सौं ऽ	क रे ऽ तु	प्री ऽ ऽ त
× नि	१	०	३ सां
ध नि ध प	ध नि ध प	प सां नि सां	ध नि ध -
मा ऽ त पि	ता ऽ सा हि	अ खि ल ज	ग त को ऽ
×	२	०	३
ग म प ध	सां नि - ध प	प ग म प -	ध (म) - ग
अं ऽ त स	मै ऽ ना ऽ	दू ऽ जो ऽ	को मी ऽ त
×	२	०	३

अन्तरा.

म नि	सां नि सां -	सां नि - सां सां	(सां) - नि ध
ग म ध नि	सां नि सां -	नि - सां सां	(सां) - नि ध
य ह सं ऽ	सा ऽ रा ऽ	भू ऽ ठ प	सा ऽ रा ऽ
×	२	०	३
ग म प ध	सां नि ध प	प ग म प -	ध (म) - ग
ह र रं ग	क हे जूं ऽ	सि क ता ऽ	कि भी ऽ त।
×	२	०	३

खमाज-त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

प नि सां सां	नि सां (सां) नि भप	प नि नि धप गम	ग - - ग
सां ऽ व ल	मो ह ना मैं ऽ	तें डे रे ऽ कुर	बा ऽ ऽ न
२ सां	० रे ध	३ प	×
नि - सां गं	नि सां नि पध	सां नि धप गम	ग - - म
सां ऽ व ल	मो ह ना मैं ऽ	तें डे रे ऽ कुर	बा ऽ ऽ न
२	०	३	×

अन्तरा.

म ग म नि धनि	सां - नि सां	सां नि सां सां नि सां	नि सां (सां) नि ध
बि न वे ऽ ऽ	खे ऽ सा नु	क ल ना ऽ ऽ	प डं दी ऽ
०	३	×	२
ग म म - ग म	सां प - नि -	सां - गं (सां)	प नि - सां सां
तूं ऽ में ऽ	डे ऽ ही ऽ	ग्रा ऽ ऽ न	सां ऽ ऽ वल ।
०	३	×	२

खमाज-त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

नि सां सां नि नि	ध ध (म) ग	म ग म प ध	नि सां नि सां -
न म न क	रूं ऽ मैं ऽ	स ऽ द्यु रु	च र गा ऽ
०	३	×	२

नि सां सां गं मं	रें रें गं गं नि सां	सां नि नि सां -	प नि सां नि ध
स व दु ख	ह र णा ऽ	भ व नि ऽ	स्त र णा ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

प ग म ध नि	सां नि सां सां	नि - सां -	सां नि सां नि ध
शु ऽ द्व भा	ऽ व ध र	अं ऽ तः ऽ	क र णा ऽ
०	३	×	२
नि सां सां गं मं	रें रें गं - नि सां	सां नि - सां सां	प नि सां नि ध
सु र न र	कि ऽ न्न र	वं ऽ डि त	च ऽ ऽ र णा ऽ।
०	३	×	२

खमाज-दादरा (मध्यलय) .

स्थायी.

नि सा सा सा	म ग - ग	ग म - म	प प ध
सु धि न	ली ऽ नि	ज ऽ ञ्चें	ग ये ऽ
×	०	×	०
ध	ध - म	ध	ग - -
सां - नि	वा ऽ ल	प ध म	के ऽ ऽ
नै ऽ न	०	गा ऽ य	०
×	०	×	०

[illegible]

अन्तरा,

ग	ग	म	ध	नि	सां	-	नि	सां	सां	-
म	र	फ	त	ॐ	रै	ॐ	न	दि	ना	ॐ
त	×		०		×			०		
प	-	नि	नि	सां	नि	(सां)	-	नि	ध	-
चै	ॐ	न	न	हीं	सां	न	ॐ	बि	ना	ॐ
×			०		×			०		
नि	सा	सा	म	ग	उ	ग	म	प	प	ध
सा			ग	या	म	-	म	र	हे	ॐ
अ	ज	म	पि		बै	ॐ	ठ			
×			०		×			०		

ध	सां - नि	ध ध म	ध	प ध म	ग - -
सौ ऽ	त	न ध र	जा ऽ	य	के ऽ ऽ ।
×		०	×		०
ग सा सा					
सु धि न					
×					

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि म रे	म - म प	ध म ग म	सां ध
सां ग - ग	गी ऽ न मा	ऽ नुँ गी ऽ	प नि - नि
न मा ऽ नुँ	२	०	३
×			
सां - - -	नि सां - -	नि - सां -	नि सां - सां
गी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	मैं ऽ तो ऽ	ऽ ऽ ऽ उ
×	०	०	३
सां ध सां -	नि - ध धप	ग म प -	ध म ग -
न्हीं ऽ ऽ ऽ	के ऽ ऽ मऽ	ना ऽ ये ऽ	ऽ बि ना ऽ ।
×	२	०	३

अन्तरा.

नि नि नि सां	सां सां नि सां	नि	सां - (सां) -	नि नि ध प
जा ओ जि जा	ओ जि स खि	वे ऽ तो ऽ	अ प ने ऽ	
०	३	×	२	

प ग म प ध ०	प ग म ग - ३	नि रे सा ग - ग	म - म प
र स के ऽ	र सि या ऽ	न जा ऽ ऊं	गी ऽ न जा
०	सां ध प नि - नि	सां - - -	र नि सां - -
ध म ग म	न जा ऽ ऊं	गी ऽ ऽ ऽ	३ ३
०	३	३	३
सां	नि सां - सां	सां ध सां -	३
नि - सां -	३	३	३
मैं ऽ तो ऽ	३	३	३
०	३	३	३
प	ध म ग -	३	३
ग म प -	३	३	३
ना ऽ ये ऽ	३	३	३
०	३	३	३

खमाज—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

प
गम
सखि

प नि सां सां	नि सां नि धप नि	नि धप ग म	ग - - गम
मे रो म न	ली ऽ नोऽ स	लो नेऽ स ज	ना ऽ ऽ, सखि
३	०	३	३

सां प नि - सांसां	प सां (सां) नि, ध प सां	प नि ध ग म	सां ग - - निसां
मे रो ऽ मन २	ली ऽ नो, ऽ स	लो ने स ज ३	ना ऽ ऽ, सखि ×
सां नि प नि सांरें	रें नि सां प ध सांसां	प ध नि ध प ग म प	ग म म ग - ग म
मे रो ऽ मन २	ली ऽ नो ऽ ऽ स	लो ने ऽ स ज ३	ना ऽ ऽ, सखि ×
रे प ग म ग	रे नि - सा सां	प नि ध ग म	म ग - - ग म
मे रो म न २	ली ऽ नो स ०	लो ने स ज ३	ना ऽ ऽ, सखि ×

अन्तरा.

प नि ग म ध नि	सां - नि सां	सां नि नि सां सां	सां निसां नि ध
सां ऽ व रि ०	ख ऽ र त ३	र स भ रि ×	मू ऽ र त २
प नि ग ग म ध नि	सां ध नि सां सां	प नि ग म ध नि सां - निसां	नि नि सां सां सां नि ध
सां ऽ व रि ०	ख ऽ र त	सां ऽ व रि मू ऽ र त ×	र स भ रि मू ऽ र त २
प नि ग म ध नि	सां - ध नि सां सां	प नि सां सां	सां नि सां नि ध
सां ऽ व रि ०	ख ऽ र त	र स भ रि ×	मू ऽ र त २

ग	म	प	प	सां	नि	नि	सां	(सां)निध	ग	म	नि	म	ध	—	नि	सां
म	—	ग	म	प	प	नि	नि	सां	(सां)निध	ग	म	म	ध	—	नि	सां
वं	५	सी	५	ब	ट	ज	मु	ना	५	५	सखि	मे	रो	५	मन	
०				३				×								
सां	नि	ध	प	नि	ध	प	ग	म	ग	—	—	ग	म			
ली	५	ने	५	लो	ने	५	स	ख	ना	५	५	सखि				
०				३				×								

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

																	म
																	ग
																	मोरे
																	म
प	नि	सां	सां	सां	नि	ध	प	ध	ग	म	ग	—	—	ग	म		ग
सैं	यां	न	हि	आ	५	ये	मैं	५	का	रि	क	रू	५	५	मोरे		मोरे
२				०				३				×					×
सां				रैं													सां
प	नि	—	सां	नि	सां	(नि)	ध	ध	ग	म	ग	—	—	नि	सां		नि
सैं	यां	५	नहि	आ	५	ये	मैं	५	का	रि	क	रू	५	५	मोरे		मोरे
२				०				३				×					×
नि	प	—	धरें	सां	—	नि	ध	प	प	नि	ध	ग	म	ग	—	—	ग
सैं	यां	५	नहि	आ	५	ये	मैं	५	का	५	५	रि	क	रू	५	५	मोरे
२				०				३						×			×

प प - धप	प ग प म ग	ध ग म	ग - - गम
सैं यां ऽ नहिं	आ ऽ ये ऽ	का रि क	रूं ऽ ऽ, मोरे
२	•	३	×
प नि सां सां			
सैं यां न हिं			
२			

अन्तरा.

प नि	सां - नि सां	नि सां -	प सां (सां) नि ध
ग म ध नि	हूँ ऽ अ ब	ए री ऽ	स खि
का ऽ सैं क	•	३	×
२			
प नि	सां सां नि सां	सां प नि सां -	प सां (सां) नि ध
ग म ध नि	सां सां नि सां	प नि सां -	प सां (सां) नि ध
का ऽ सैं ऽ	क हूँ अ ब	ए ऽ री ऽ	स खि
२	•	३	×
सां सां	सां	प	म
नि नि - सां	सां ध नि ध प	नि ध - गम	ग - - गम
जि या ऽ धव	रा ऽ वे मैं	का ऽ रि क	रूं ऽ ऽ, मोरे।
२	•	३	×

खमाज—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

ध
प ध
अ ब

ध सां नि ध प	प ग रे म प म ग	म म प -	सां - प ध
क ब त क	त र सा ये	र खि यो ऽ	जी ऽ अ ब
२	०	३	×
ध सां नि ध प	प ग रे मप म ग	म म प -	ग ग म ग म ग
क ब त क	ऽ तर सा ये	र खि यो ऽ	मैं तो नै न
२	०	३	×
रे नि सा नि नि	सां सां नि नि सां सां	ध पनि सांरें सां नि	ध प पध
भ र छ वि	दे ख न की	हुंऽ ऽऽ ग र	जी ऽ ऽ अत्र
२	०	३	×
ध सां नि ध प	प ग रे मप म ग	मम प -	सां - - -
क ब त क	ऽ तर सा ये	ऽ रखि यो ऽ	जी ऽ ऽ ऽ ।
२	०	३	×

अन्तरा.

नि धनि ध ध	सां नि - ध प	ध म - प ध	(म) - ग -
ऽ कद र पि	या ऽ मैं ऽ	तो ऽ रे ऽ	बा ऽ री ऽ
२	०	३	×

सां	नि	धा	म	(म)	ग
नि नि सां -	सां (सां) नि ध	म - - पध	(म) - ग -		
वि न दा ऽ	मों ऽ में ऽ	चे ऽ ऽ रिते	हा ऽ री ऽ		
२	०	३	×		
गं - मं गं	नि - सां सां	प नि - सां	नि सां निध पध		
हूँ ऽ रा ऽ	जी ऽ जि स	में ऽ ऽ तोरि	म र जी ऽ अव		
२	०	३	×		
धा	प ग रे	मम प ध	सां - - -		
सां नि ध प	- मप म ग	मम प ध	सां - - -		
क व त क	ऽ तर सा ये	ऽ रगि यो ऽ	जी ऽ ऽ ऽ ।		
२	०	३	×		

स्वमाज--त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

प सां	प प सां	नि ध प ध म	मपधसां निधपध ग म
धु न सों SSS	बा जेऽ सों स	स्त्री SSS SSSS	मु र
२	०	३	
ग - - -	म नि ध नि	सां - नि नि	सां सां सां (सां)
ली ऽ ऽ ऽ	च लो ऽ च	लो ऽ व हीं	हु ई हैं ऽ
×	२	०	३
नि ध ग म			
पी ऽ, कहीं			
×			

अन्तरा.

म म ध नि	सां नि सां सां	प नि सां रें	नि निमां निध म
त र प त	र प नि त	र ह त हूँ	म ऽज नीऽक
२	०	३	४
ग म प ध	पध निमां नि सां	नि सां पनिमां रें सां निमां	नि ध ग म
द र वि न	नाऽ ऽऽ हिं ल	ग त मोऽऽऽ राऽऽऽ	जी ऽ, क हीं ।
२	०	३	४

स्वमाज—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

नि	नि	प
सां नि सां सां	धनि पध सां सां	ध (म) गम पध
म म भू त	नाऽ हिंऽ प न	घ तऽ पि या
४	०	३
सां	नि ध	ग म
नि नि सां सां	धनि पध सां नि	ध धप म ग
म म भू त	नाऽ हिंऽ प न	घ तऽ पि या
४	०	३
सां	गं रें रें	प
प प नि नि	प नि सां सां	सां (मां) धनि ध
र त प नि	यां भ र त	वो ना ऽऽ रि ।
४	०	३

अन्तरा.

सां नि नि नि सां	सां सां नि धप	प ग म प धप	प प ग म ग -
श्र व न सु	न त ना हिऽ	ढी ऽ ट लंऽ	ग र वा ऽ
०	३	×	२
सां रें नि सां गं नि	सां सां नि धप	प ग म प धप	प प ग म ग -
क र त रा	ऽ र मो ऽऽ	ह न प ऽऽ	वा ऽ री ऽ
०	३	×	०
नि सा सा ग म	सां प प नि नि	सां नि सां - सां	नि प नि सां सां
उ म र क	र त बि न	ति श्या ऽ म	जित क र
०	३	×	२
सां रें गं नि सां सां	नि प सां नि ध ध		
पि या जि या	सों हा ऽ रि		
०	३		

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि नि सां सां	ध सां - निध म	मपधसां निधपध	ग म	ग - - ग
अ रे मो रे	सैं ऽ याऽ ख	ताऽऽऽ ऽऽऽऽ	का ह	मा ऽ ऽ रू
२	०	३	×	
नि नि सां रें	सां सां निध म	मपधसां निधपध	ग म	ग - - सा
अ रे मो रे	सैंऽ ऽ याऽ ख	ताऽऽऽ ऽऽऽऽ	का ह	मा ऽ ऽ जों
२	०	३	×	

ग - ग म	प - नि -	नि - सां -	नि सां निध पम गग
बो ऽ ल त	ना ऽ हीं ऽ	ए ऽ कौ ऽ	बा ऽऽ ऽऽ ऽऽ
२	०	३	×

अन्तरा.

ग म प नि	नि सां सां -	नि नि सां -	सां नि (प) म
औ ऽ र जु	लु म जो ऽ	चा ह ना ऽ	क र ना क
२	०	३	×
ग म ग म	प नि - नि	नि नि सां नि	सां नि सां रे रे सां नि ध प - प
द र पि या	दे ना ऽ ना	दि ल से उ	ता ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽ
२	०	३	×

खमाज—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि म	ग	नि सां - नि सां	नि सां (सां) नि ध ध
सा - ग ग	म म गम पध	मा ली ऽ ऽऽ	के ऽ स खीऽ
श्या ऽ म सुं	द र ऽऽ वन	×	२
सां	प	ग म सां नि	ध प (म) ग ग
नि सां - सां ध	सां नि ध प ध	जि या ऽ त	रऽ सा ऽ य।
द र ऽ सऽ	ऽ बि नाऽ ऽ	×	२
०	३		

अन्तरा.

ग म नि ध नि	सां - नि सां	नि सां (सां) नि धध	प सां (सां) नि ध
सो ह ऽ नि	ख ऽ र त	मो ऽ ह नि	मू ऽ र त
०	३	×	२
ग म ग गम पध	नि सां सां सां	नि सां नि सां सां	(सां) नि ध पध
ह र ऽऽ रंग	की ऽ छ बि	मो ऽ ऽऽ म	न व सी सस्मि
०	३	×	२
सां नि सां - सांध	सां नि धप ध	प ग म सां नि	धम (म) ग ग
द र ऽ सऽ	ऽ बि नाऽ ऽ	जि या ऽ त	रऽ मा ऽ य।
०	३	×	२

खमाज-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग सा ममगरेग ग	म गम - पध	सां नि सां - नि सां	प सां (सां) नि ध
प र देऽऽऽऽऽऽऽऽ	वा ऽऽ ऽ जिन	जा इ ऽ ऽऽ	यो ऽ रे ऽ
०	३	×	२
सां नि सां सां नि सां नि सां	नि - ध म	म ग म सां नि	ध (म) ग - ग
पा न न छाऽऽऽऽ	ई ऽ प न	व रि ऽ या	ऽ भं वऽऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म म नि ध नि का हे ऽ की ०	सां नि सां नि सां ३ पधनि सां - नि सां नि सां ३	प नि सां सां ना ऽ व न × सां नि - सां -	प सां (सां) नि ध प २ व रि या ऽ २ नि सां नि ध पध २ ५ ऽ सा ऽ तेरा २
म ग ग म ५ का हे ऽ ०	का ऽ ऽ ऽ ऽ ते रा ऽ ३	वा ऽ ऽ ऽ ×	५ ५ ऽ सा ऽ तेरा २
सां सां नि सां सां ध ०	सां नि ध प म ३	प ग म सां नि ×	ध (म) ग - ग २ ५ भं व ऽ
रा ख न हा ०	३ ५ रा ऽ ऽ ३	५ ता ऽ ऽ ये ×	२

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).
स्थायी.

प नि
ओ द

नि सां - नि ना तो ऽ म् ०	ध प ध म ३ सा - - - नी ऽ ऽ ऽ ३	ग - - - ना ऽ ऽ ऽ × ग म नि सा सा ग धिति लि तो × रें सां नि नि सां नि त द रे दा ×	प म ग म प म २ ५ ऽ ता रे २ - म प प ५ ५ म् त न न २ - ध नि सां ५ ५ नि, ओ द । २
ग - रे - दा ऽ ऽ ऽ ०	गं रें गं रें सा ३	३ तो ऽ म् त न ३	३
सां नि नि सां सां दिर दि ना रे ०	३ ३	३	३

अन्तरा.

ग ग म नि	ध प ध नि	सां - सां नि	सां - - -
य ल लि य	ल लि य ल	लों ऽ य ल	लों ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
नि	३		नि
सां गं रें गं	- नि नि रें	- नि नि सां	- ध नि सां
धि ति लि तो	ऽ म्त् न तो	ऽ म्त् न तो	ऽ म्त् न त
×	२	०	३
सां ध	प सां		
नि नि सां नि	- ध नि सां		
त द रे दा	ऽ नि, ओ द		
×	२		

खमाज—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी

ध	नि ध नि प	ध नि (सां) -	नि ध -प म	ग -ग मम गग
ओ दे त न	दे रे ना ऽ	ऽ दी ऽम् त	नो ऽम् दिर दिर	×
२	०	३		
रे सा ग मम	नि ध ग म	नि नि ध ध नि नि सां	- रें सां नि नि	
दा नि दी ऽम्	दी ऽ म्दा रा	दिर दिर दिर दी	ऽ म्त् दी ऽम्	×
२	०	३		
नि				
(सां) - ध नि	(सां) - ध प	म ग रे म	ग रे सा सा	
दी ऽ म्त् न	ना ऽ नि त	त द रे त	द रे दा नि ।	×
२	०	३		

अन्तरा.

म	त्रि	सां	—	नि	सां	सां	सां	रें	सां	नि	ध	नि	सां			
ग	म	ध	नि	म	ऽ	त्म	ना	गि	र्दा	ऽ	द्गि	र्दा	ऽ	वे	ऽ	
०		३						×					२			
मं		नि	सां	(सां)	नि	ध	ध	नि	रें	म	(म)	रे	सां			
गं	मं	रें	सां	मे	ऽ	रो	मा	ऽ	गि	र्दा	ऽ	गि	र्दा	ऽ	ऽम	
ख	ऽ	ल्मे	नु	३				×				२				
०								सां				मं				
म	ग	—	म	नि	—	ध	—	नि	—	सां	—	—	गं	मं	रें	
ब	रा	ऽ	बि	रं	ऽ	गे	ऽ	सो	ऽ	जी	ऽ	ऽ	म्	ऽ	क	
०				३				×				२				
सां	नि	सां	(सां)	नि	ध	ध	नि	रें	सां	नि	सां	नि	ध	नि	प	
ऽ	ल्मू	ऽ	नि	मा	ऽ	गि	र्दा	ऽ	द्गि	र्दा	ऽ	ऽम	ओ	दे	त	न।
०				३				×					२			

खमाज—भक्तताल (मध्यलय) .

स्थायी.

म	ग	म	प	सां	नि	सां	नि	सां	रें	सां	नि	धप	ध
सो	लै	क	ला	ऽ	जा	ऽ	में	स	मा	ऽ	नि		
३			×		२				०				
म	ग	म	प	सां	नि	धप	गम	पध	म	ग			
अ	मृ	त	जै	सी	बो	ऽ	ल	ऽ	त	ऽ	वा	नि	
६			×		२				०				

म	ग	सा	ग	ग	म	प	नि	प	नि	सां
मु	ख	क	म	ल	द्यु	ति	नि	र	ख	
३ नि			३ रें		२			०		
सां	मं	गंरें	नि	सां	निसांरें	सां	नि	धप	ध	
चं	ऽ	३ऽ	जो	ऽ	तिऽऽ	हुं	ल	जाऽ	नि	
३			×		२			०		

अन्तरा.

ग	म	ग	म	प	नि	प	नि	नि	सां	सां
क	टि	के	ह	रि	क	द	लि	जं	ध	
३			×		२			०		
नि	सां	नि	सां	सां	नि	रें	सां	नि	ध	
ना	मि	क	प	र	की	ऽ	र	वाऽ	गो	
३			×		२			०		
ग	म	ग	सा	म	प	नि	प	नि	सां	
अ	ल	क	प	र	वा	गे	भ्र	म	र	
३			×		२			०		
नि	सां	मं	गंरें	नि	सां	निसांरें	सां	नि	ध	
चा	ऽ	लऽ	म	द	गऽऽ	ज	म	माऽ	नि।	
३			×		२			०		

खमाज—भूपताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा	सा	म	म	प	प	म	म	सां	—	नि
नि	धि	ग	बि	स	र	ग	ई	आ	ऽ	ज
सु		२				०		३		
×						ध	प			
ध	म	प	—	ध	ग	म	ग	—	—	
अ	प	ने	ऽ	गु	न	न	की	ऽ	ऽ	
×		२			०		३			
म	म	नि	ध	नि	सां	—	नि	सां	—	
ग		ध								
तु	म	दा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	दो	ऊ	ऽ	
×		२			०		३			
ध	नि	सां	—	सां	नि	सां	नि	—	ध	
प										
ज	ग	के	ऽ	खे	व	न	हा	ऽ	र।	
×		२			०		३			
ध	ध	म	ग	म	प	प	सां	—	नि	
प										
सु	धि	बि	स	र	ग	ई	आ	ऽ	ज	
×		२			०		३			

अन्तरा.

म	म	ध	ध	ध	नि	सां	सां	—	सां
ग		नि	ध	पध	नि	सां	या	ऽ	छ
मा	ऽ	ढे	ऽ	मऽ	ढै	ऽ	३		
×		२			०				

नि	नि	सां	-	सां	सां	सां	नि	ध	पध
प	न	ला	ऽ	गि	अ	ख	त	र	ऽऽ
व		२			०		३		
×									
ग	-	ग	-	म	प	ध	नि	सां	रें
म									
पी	ऽ	र	ऽ	फ	की	ऽ	र	ऽ	स
×		२			०		३		
		ध	म		ध		ग		
नि	ध	ग	प	-	नि	धप	म	ग	-
भी	ऽ	गु	नी	ऽ	सु	रऽ	सु	नी	ऽ।
×		३			०		३		

स्वमाज-भूपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सां	—	सां	सां	सां	सां	सां	नि	—	ध्रप
नि	५	ग	त	अ	ना	५	घा	५	तऽ
सं	×	२			०		३		
प	—	म	प	सां	नि	ध्रप	ग	ग	—
ग	५	सि	मा	५	र	गऽ	म	ये	५
दे	×	२			०		३		
ग	—	ग	ग	म	रे	—	रे	सा	सा
प	५	म	५	५	ग	५	नि	५	ग।
हो	×	वे	५	५	५	५	रा	५	
×		२			०		३		

अन्तरा.

म	म	ध	नि	सां	—	सां	—	सां
ग	ऽ	नि	ध	नी	ऽ	तै	ऽ	तै
जै		जै	ऽ	०		३		
×		सां	सां	—	सां	नि	ध	—
प	नि	नि	जा	न	त	है	ऽ	ऽ
क	ठि	न	ऽ	०		३		
×		२	ध	ध	ध	प	ग	ग
सा	सां	नि	ध	प	ना	ग	म	ग
नि		है	ऽ	लो		ना	ऽ	ग
य	ह	२	खि	०		३		
×								

खमाज-चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

[illegible]

प	सां	—	नि	ध	—	म	ध	ध	ध	प	म	—	गा
को	५	रे	ला	५	ल	५	ल	५	ल	५	के	५	५
×		०	२		०		३				४		

अन्तरा.

ग	म	ग	म	नि	ध	नि	सां	—	नि	सां	—	सां
क	र	५	ला	५	ल	चू	५	रि	ला	५	ल	ल
×		०	२			०		३	४			
सां	—	नि	सां	—	सां	सां	नि	सां	नि	—	नि	नि
सी	५	स	फू	५	ल	द्रु	में	५	ला	५	ल	ल
×		०	२			०		३	४			
ध	प	ग	म	प	—	ध	सां	नि	सां	—	सां	सां
ए	ती	५	ला	५	ल	वी	५	च	प्या	५	रि	रि
×		०	२			०		३	४			
नि	सां	रें	नि	ध	—	म	ध	ध	प	म	—	ग
ला	५	ल	ला	५	ल	प	ल	५	के	५	५	५
×		०	२			०		३	४			

संचारी.

नि	नि	नि	सां	सां	सां	सां	—	सां	नि	नि	ध
अ	स	न	ब	स	न	ला	५	ल	द	स	न
×		०	२			०		३	४		

ध	प	म	प	सां	नि	ध	—	प	म	ग	—
च	ग	क	ला	ऽ	ल	ला	ऽ	ल	ल	ही	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग	रें	सा	ग	—	म	प	प	—	ध	ग	म
ल	नि	ऽ	ना	ऽ	प	ग	न	ऽ	प	र	त
×	ल	०		२		०		३		४	
नि	—	—	ध	—	म	प	ध	प	ध	म	ग
ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	मुं	ग	न	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म	—	म	नि	ध	नि	सां	सां	नि	सां	—	सां
ग	ऽ	ला	ला	ऽ	ल	स	ब	हि	ला	ऽ	ल
×		०		२		०		३		४	
ध	नि	—	सां	—	सां	सां	सां	नि	नि	—	ध
प	ल	ऽ	री	ऽ	को	रे	स	म	ला	ऽ	ल
दु		०		२		०		३		४	
×	प	ग	म	प	—	ध	नि	सां	नि	सां	—
ध	दा	ऽ	रं	ऽ	ग	प्या	ऽ	रे	ला	ऽ	ल
स		०		२		०		३		४	
×	—	नि	ध	—	म	प	ध	प	ध	म	—
रें	ऽ	ल	ही	ऽ	में	ल	ल	ऽ	के	ऽ	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

खमाज-चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

ग
म
ते

ग	म	प	ध	सां	—	ध	नि	ध	प	प	प
५	रो	ही	५	चं	५	द्र	व	द	म	म	शो ५
३		४		×		०		२			०
प	ध	प	ग	ग	सा	ग	मप	ग	म	ग	म
नि		म					(द)	ह	म	म	नि
भा	स	द	न	म	द	न	द	२	न	म	न
३		४		×		०					०
ध	नि	सां	—	सां	नि	सां	नि	नि	धप	ध	प
५	र	स	५	व	स	५	क	र	न	५	म
३		४		×		०		२	५	५	ते

अन्तरा.

प	म	निध	नि	सां	सां	सां	सां	सां	सां	—	सां
ग	र	स	प	र	स	प	र	५	स्प	५	र
द		०		२		०		३		४	
×				रें							
सां	सां	रें	—	नि	सां	नि	नि	सां	नि	—	ध
नि											
उ	प	जा	५	व	त	अ	ति	अ	नं	५	द
×		०		२		०		३		४	

ध सां स मां रें हु	सां क रें नि ख	सां ध ल सां सां ह	नि सु नि सां ह	धप खऽ र नि खप नऽ र	मग दऽ ध ध ऽ,	ग म स ध ऽ,	नि व प म ते	ध ऽ ३	नि वि	सां धी ४
-----------------------------------	----------------------------	----------------------------------	----------------------------	--------------------------------------	--------------------------	------------------------	-------------------------	-------------	----------	----------------

खमाज-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

[illegible]

अन्तरा.

म	म	—	ध	नि	सां	—	नि	सां	—	सां
ग	म	५	ना	५	के	नी	५	र	ती	५
×	०		२		०	३		४		४
म	म	—	ध	नि	सां	—	रें	नि	सां	सां
ज	म	५	ना	५	के	नी	५	र	ती	५
×	०		२		०	३		४		४
नि	नि	—	सां	—	सां	—	नि	सां	नि	ध
प	५	५	नू	५	च	रा	५	५	५	व
×	०		२		०	३		४		४
प	—	म	प	—	नि	सां	नि	सां	—	सां
ग	५	सु	री	५	व	जा	५	य	गा	५
×	०		२		०	३		४		४
सां	नि	सां	सां	नि	धप	ध	म			
रें	५	की	ता	५	न५	५	मा			
नी	०		२		०					
×										

खमाज—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सां	सां	नि	सां	—	सां	सां	सां	नि	नि	—	धप
नि	५	ज	तो	५	स	खी	५	री	दे	५	खे५
×	०		२		०	३		४			

प	ग	—	म	प	सां	नि	ध	—	म	ग	—	सा
ग	५	म	चं	५	द्र	छ	५	त्र	धा	५	ये	
×		०		२		०		३		४		
मा	मा	—	म	ग	—	म	ध	ध	नि	सां	सां	—
ग	ज	५	की	५	म	वा	५	रि	की	ये	५	
×		०		२		०		३		४		
सां	रें	नि	सां	सां	—	सां	रें	—	नि	सां	नि	ध
च	ले	५	जा	५	त	बा	५	ट	में	५	५	१
×		०		२		०		३		४		

अन्तरा.

ग	म	ग	म	नि	ध	नि	सां	—	नि	सां	—	सां
म	के	ते	५	आ	५	स	बा	५	र	सो	५	हे
×			०		२		०		३		४	
सां	नि	नि	सां	सां	—	सां	सां	सां	नि	सां	—	ध
के	ते	५	सो	५	हे	बा	५	की	नि	दा	५	ज
×		०		२		०		३		४		
प	म	ग	म	प	—	ध	नि	सां	नि	सां	—	सां
के	ते	५	के	५	ते	न	की	ब	ब	बो	५	ले
×		०		२		०		३		४		

सां	रें	सां	सां	सां	-	रें	सां	सां	नि	ध	ध
गं	नि	सां	सां	सां	-	नि	सां	सां	नि	ध	ध
आ	नं	५	द	के	५	ठा	५	ठ	में	५	५
×		०		२		०		३		४	

खमाज—दीपचन्दी (मध्यलय) .

स्थायी.

गम	पध	प	-	म	-	-	ग	रे	ग	सा	मारें	ग	रे
हो५	५५	री	५	आ	५	५	ज	५	५	ज	रें५	५	५
३				×			२				०		
ग	म	प	म	प	-	-	प	-	-	प	मप	मग	रेंग
चा	५	५	हे	का	५	५	ल	५	५	ज	रें५	५५	५५
३				×			०				०		
गम	पध	प	-	म	-	-	ग	रे	ग	सा	मारें	ग	रे
हो५	५५	री	५	आ	५	५	ज	५	५	ज	रें५	५	५
३				×			२				०		
ग	म	प	म	प	-	-	प	-	-	प	ध	म	-
चा	५	५	हे	का	५	५	ल	५	५	अ	री	५	५
३				×			२				०		
प	-	ध	-	नि	नि	-	सां	-	-	रें	नि	नि	नि
मे	५	रो	५	म	न	५	मो	५	५	ह	ना५	५५	५
३				×			२				०		

ध - प -	मपधसां	नि	सांनिध	नि	ध प - ध	मप	मग	रंग
मो ऽ से ऽ	आ	SSS	SSS	ऽ	न ऽ ऽ मि	ले	SS	SS ।
३	×	२			२	०		

अन्तरा.

प	प	प - ध -	नि - -	सां - - -
ऽ वि	न	पी ऽ या ऽ	कै ऽ ऽ	मे ऽ ऽ ऽ
×		२	०	३
रें -	गं	रें - - सां	सां - -	नि
फा	ऽ	ग ऽ ऽ ह	मा ऽ ऽ	सां नि ध प
×		२	०	३
नि नि -	सां - -	रें	सां - -	नि ध नि प
अ बी	ऽ	र ऽ ऽ गु	ला ऽ ऽ	ल ऽ ऽ पे
×		२	०	३
प ध	नि	ध प - ध	म ग	ग म प ध
आ	ऽ	ग ऽ ऽ ल	गो ऽ ऽ	हो
×		२	०	३

खमाज-दीपचन्दी (चाचर) (मध्यलय).

स्थायी.

	सा	सा	ग	—	—	ग	म	—	—	प	ग	म	प	ध
S	अ	च	रा	S	S	छो	रो	S	S	S	S	अ	ब	
×			२				०			३				
मां			सां				नि							
नि	—	—	नि	—	मां	—	—	ध	सां	नि	ध	प	—	
जा	S	S	ये	S	द्यो	S	S	ह	म	को	S	S	S	
×			०				०			३				
सां							नि							
नि	नि	सां	—	—	—	—	सां	नि	ध	नि	—	प	—	
S	क	ब	में	S	S	S	आ	ई	S	हूँ	S	मैं	S	
×			२				०			३				
	म	म	गम	गम	पध	निमां	नि	प	ध	म	गरे	ग	सा	
			((((
S	चिं	द	रा	S	S	S	ब	न	S	से	S	S	S	।
×			२				०			३				

अन्तरा.

प	—	म	ध	नि	ध	—	नि	सां	—	सां	सां	—	—	—
म			नि					सां						
सा	S	सु	हो	S	S	गी	टो	S	ह	में	S	S	S	
×			२				०			३				
सां			सां											
नि	—	—	नि	—	—	नि	सां	सां	—	नि	नि	ध	ध	
वा	S	S	ट	S	S	त	क	त	S	हु	इ	हैं	S	
×			२				०			३				

सां			नि	—	—	नि	—	—	सां	सां	—	नि	नि	नि	ध
नि	—	—	ही	ऽ	ऽ	क	द	र	ऽ			क	ह	के	ऽ
या	ऽ	ऽ	२				०					३			
×															
प			पध	नि	—	धप	ध	म	—			ग	—	—	—
म	—	—	म्व	ऽ	ऽ	लऽ	गै	ऽ	ऽ			हैं	ऽ	ऽ	ऽ
दो	ऽ	ऽ	२				०					३			
×															
मं			रें	—	—	सां	सां	—	—			नि	नि	सां	—
गं	मं	—	र	ऽ	ऽ	की	न्ही	ऽ	ऽ			इ	त	नी	ऽ
दे	ऽ	ऽ	२				०					३			
×															
—	प	नि	मां	—	—	रें	नि	मां	—			नि	ध	प	ध
ऽ	प	नि	यां	ऽ	ऽ	भ	र	न	ऽ			मैं	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०					३			
सां															
नि	—	नि	सां	—	—	—									
जा	ऽ	य	द्यो	ऽ	ऽ	ऽ	स्थायी	के				अनुसार			
×			२												

खमाज—दीपचन्द्री (मध्यलय) .

स्थायी.

सा	—	—	ग	—	—	ग	म	म	—	ग	म	प	ध
जा	ऽ	ऽ	वां	ऽ	ऽ	क	द	र	ऽ	ऽ	ऽ	ना	हीं
×			२				०						

नि	—	—	सां	—	—	—	सां	सां	सां ध	सां नि				
बो	ऽ	ऽ	लो	ऽ	ऽ	ऽ	ह	म	मे	ऽ	ऽ	ऽ		
×			२			०			३					
ध	प	ध	(म)	—	—	ग	म	म	—	गमपध	निसां	नि		
जा	ऽ	ऽ	बो	ऽ	ऽ	क	द	र	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	हीं
×			२			०			३					
सां	—	—	सां	—	—	निनि	सां (सां)	—	नि	—	ध	—		
बो	ऽ	ऽ	लो	ऽ	ऽ	अरे	ह	म	ऽ	मे	ऽ	ऽ	ऽ	
×			२			०			३					
नि	—	—	नि	—	—	सांसां	मां	ध	सां	नि	—	ध	—	
ऽ	ह	ऽ	म्मे	ऽ	ऽ	बहु	ते	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	
×			२			०			३					
म	म	म	मप	मप	धसां	निध	प	ध	प	म	ग	ग	—	
ऽ	तु	म	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	द	म	मे	ऽ	ऽ	ऽ	।
×			२			०			३					

अन्तरा.

म	ग	म	नि	ध	—	नि	सां	—	नि	सां	—	सां	—
भू	ऽ	ऽ	ठी	ऽ	ऽ	ल	गा	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	ऽ
×			२				०			३			

ग	म	—	—	मध प	निनि धध	—	नि	सां	—	—	नि	सां	सां	सां
भू	५	५	५	ठी	५५	५	ल	गा	५	५	५	५	व	त
×				२				०			३			
	नि	नि	सां	—	सां	—	सां	नि	सां	नि	—	ध	—	
५	ना	हिं	मो	५	हे	र	भा	५	५	व	५	त	५	
×			२				०			३				
नि	—	—	—	—	सां	सां	सां	ध	सां	नि	—	ध	—	
हो	५	५	५	५	ह	र	जा	५	५	ई	५	५	५	
×			२				०			३				
	म	म	मप	मप	धमो	निध	प	ध	प	म	ग	ग	—	
५	तु	म	रे	५५	५५	जम	५	ज	म	से	५	५	।	
×			२				०			३				

खमाज— दीपचन्दी (विलंबित).

स्थायी.

म	ग	नि	सा	ग	—	—	ग	म	म	—	ग	म	प	ध
हो	५	५	री	५	५	खे	ल	त	५	५	५	मो	से	
×			२				०				३			
सां	सां	—	सां	—	—	सां	सां	नि	सां	—	नि	—	ध	ध
नि	नि	—	रे	५	५	न	ई	५	५	रे	५	५	५	
×			२				०			३				

सां	-	-	सां	-	सां	-	निसां	निसां	-	नि	-	-	ध
नि	५	५	भ	५	यो	५	न	न	५	दी	५	५	अ
का	×		२				०			३			
प													
ग	म	-	सां	-	नि	ध	ग	म	-	ग	-	-	-
नो	५	५	५	५	खे	पि	या	५	५	से	५	५	५
×			२				०			३			

अन्तरा.

ग	ग	म	ध	नि	-	ध	नि	सां	सां	-	सां	सां	सां	-
म	र	५	जो	५	५	रि	क	र	५	मो	५	री	५	
व			२				०			३				
सां							रें							
नि	-	-	सां	-	नि	सां	सां	रें	नि	सां	नि	-	ध	-
वै	५	५	यां	५	५	ग	ह	५	त	५	है	५	५	५
×			२				०				३			
ग														
म	ग	म	प	-	-	ध	नि	सां	-	सां	-	सां	-	
अ	प	५	नी	५	५	क	ह	त	५	औ	५	र	५	
×			२				०			३				
सां	रें		सां	-	-	रें	नि	सां	-	नि	-	ध	-	
रें	नि	-												
क	छू	५	ना	५	५	सु	न	त	५	है	५	५	५	
×			२				०			३				

सां	नि	-	-	सां	-	-	सां	नि	रें	सां	-	नि	-	ध	प
आ	५	५		ज	५	५	ला	५	ज	५		मो	५	री	५
×				२				०				३			
प	ग	म	-	सां	-	नि	ध	प	ग	म	-	ग	-	-	-
ग	ई	५		५	५	रे	ग	ई	५	५		रे	५	५	५
×				२				०				३			

खमाज—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सां	सां			ग	सा	म	ग	-	म	प	ध	नि	सां
नि	नि	सां	नि	ध	नि	ध	नि	सां	-	नि	-	ध	म
गु	न	५	में	५	५	वे	ल	न	५	आ	५	५	ये
×				२			०			३			
ध	प	ध	-	म	ग	ग	सा						
हो	५	५	री	५	अ	ब							
×				२									

अन्तरा.

ग	म	ध	नि	-	ध	नि	सां	नि	सां	सां	-	-	सां
म	ग	म	नि	-	५	री	अ	प	५	ने	५	५	मं
अ	प	५	ने	५	२		०			३			
×													

सां	मं गं - नि -	सां	-	सां ^०	नि सां	नि - ध -
दि र ऽ से ऽ	ऽ ऽ	ऽ ऽ	नि ^०	क ऽ	मी ऽ ऽ ऽ	
×		२	सां		३	
ग			नि	मां -	सां - सां -	
म ग म प -	-	ध	री	ऽ ऽ	को ऽ ई ऽ	
को ई ऽ मां ऽ	ऽ	व	सां ^०		३	
×		२	नि	मां -	नि - ध म	
मां		प	ल	न ऽ	आ ऽ ऽ ये	
नि सां - नि ध	नि	ध	लो		३	
गो ऽ ऽ री ऽ	ऽ	खे				
×		२				
ध						
प ध - म ग	ग	सा				
हो ऽ ऽ री ऽ	अ	व				
×		२				

खमाज—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

[illegible]

नि सां — नि — ध म प ध म ग — — सा
ह न ऽ ऽ सु ख दै ऽ ऽ या ऽ ऽ, आ ।
० ३ × २

अन्तरा.

ग	म	ग	म	नि	—	ध	नि	नि	सां	—	नि	सां	सां	सां
मो	ऽ	ऽ	र	ऽ	२	मु	क	ट	ऽ	३	ऽ	ऽ	क	टि
नि	—	रें				सां	नि	सां	—	नि	—	ध	—	
सां	मं	गं	नि	—	सां	—	नि	सां	—	नि	—	ध	—	
मो	ऽ	ऽ	हे	ऽ	२	पी	ऽ	तां	ऽ	३	ब	ऽ	र	ऽ
प	म	ग	म	प	—	—	ध	नि	सां	—	रें	नि	सां	—
मु	र	ऽ	ली	ऽ	२	अ	ध	र	ऽ	३	सो	ऽ	हे	ऽ
सां	नि	सां	—	नि	ध	—	नि	नि	सां	—	नि	—	ध	म
ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	२	मो	ह	न	ऽ	३	ऽ	ऽ	सु	ख
प	ध	म	ग	—	—	सा								
दै	ऽ	ऽ	या	ऽ	२	आ								

रत्न भैरव.

रागादिभैरवाख्यो मृदुऋषभमधस्तीव्रगस्तीव्रनिश्च ।
वाद्यस्मिन् धैवतोऽमावृषभ इह तु संवादिरूपोऽभिगीतः ।
आरोहेऽल्पर्षभत्वं ववचिदपि मृदुनिः प्राहुरेके विकल्पं ।
प्रातःकालेषु नित्यं जगति सुमतिभिः सुस्वरं गीयतेऽसौ ॥
कल्पद्रुमांकुरे ।

प्रथमो भैरवो रागो मृदुमर्षभधैवतः ।
वादी धैवत एवात्र संवादी चर्षभो मतः ॥
चन्द्रिकायाम् ।

भैरव क्रोमल रिमध सुर तीख गंधार निखाद ।
धैवत वादी सुर कहां तासुं रिखव सम्वाद ॥
चन्द्रिकासार ।

मगौ मपौ धपौ मगौ रिगौ मपौ मगौ रिसौ ।
भैरवो नित्यपूर्णः स्याद्धैवतांश प्रभातगः ॥
अभिनवरागमंजरीम् ।

“भैरव”—यह राग भैरव थाट से उत्पन्न होता है। इसका जाति सम्पूर्ण है। रिपभ तथा धैवत स्वर इसमें कोमल प्रयुक्त होते हैं, शंष स्वर शुद्ध लगते हैं। वादी स्वर धैवत व सम्वादी रिपभ है। इस राग का गायन समय प्रातःकाल माना जाता है। कभी-कभी इस राग के अवरोह में कोमल निषाद का प्रयोग कोई-कोई गायक कुशलता पूर्वक करते हैं। इस राग की प्रकृति गम्भीर है। भैरव राग की सब विशेषता रे, ध इन स्वरों पर निर्भर है। इन स्वरों के आन्दोलन से यह राग अधिक रक्तिदायक होता है। इसके आरोह में रिपभ का अत्यन्त रहता है। मध्यम से रिपभ की मीड इसमें बहुत सुन्दर दिखाई देती है।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा रे ग म, प ध, नि सां । सां नि ध, प मग, रे, सा ।

पकड़—

सा, ग, म प, ध, प.



भैरव-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

५	सा	५	रे	५	रे	ग	५	५	म	५	प
०		३		४		नि	०		नि	०	
				—	सां	नि	नि	—	ध	—	प
५	ध	५	नि	५	ये	म	म	५	सू	५	र
०		३		४		म	०		२		
—	म	ग	मरे	ग	प	प	म	ग	म	रे	सा
५	मो	५	म	न	में	ऐ	मे	५	आ	५	ये ।
०		३		४				०		२	

अन्तरा.

प	—	—	नि	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
आ	५	५	ध	५	हि	अ	व	५	रो	५	हि
५		०		२		०		३		४	
नि	नि	—	नि	सां	सां	रें	—	सां	नि	—	प
सां	ध		ग	म	की	ऐ	५	मि	ध	५	त
म	रे	५		२		०		३	हो	५	
५		०								४	
नि	५	५	ध	५	५	प	५	५	म	५	५
५		०		२		०		३		४	
ग	५	५	रे	५	५	सा	५	५	रे	५	रे
५		०		२		०		३		४	

संचारी.

सा	सा	ध	नि	नि	नि	—	ध	—	नि	—	प
पु	न	ऽ	धु	ग	न	ऽ	की	ऽ	जे	ऽ	तो
×		०		२		०		३		४	
नि	—	ध	नि	सां	सां	सां	नि	सां	नि	—	प
ध	ऽ	मे	ली	ऽ	जे	सु	र	ऽ	न	ऽ	को
ए		०		२		०		३		४	
×		ग	—	ग	प	म	ग	म	रे	ग	सा
प	म	रे									
ग	ग	२	ऽ	वे	स	व	न	के	म	त	में
त	व	आ		२		०		३		४	
×		०	नि	सा	सा	ग	—	—	ग	—	सा
नि	—	ध	को	ऽ	सु	रे	—	—	रे	—	र
ध	ऽ	ठ		२		०	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	४
कं		०						३			
×											

आभोग.

ध	नि	सा	नि	सा	रे	सा	रे	ग	रे	ग	म
×		०		२		०		३		४	
ग	म	प	म	प	ध	प	ध	नि	ध	नि	सां
×		०		२		०		३		४	
सां	नि	ध	नि	ध	प	ध	प	म	प	म	ग
×		०		२		०		३		४	
म	ग	रे	ग	रे	सा	ऽ	सा				
×		०		२		०					

भैरव—मूलताल (मध्यतय).

मात्रा १०.

स्थायी.

नि	—	प	प	प	प	प	प	ग	ग
ध्र	५	व	त	को	५	ध्र	ल	क	र
ध्र	×	०		२		३		०	
मग	मरे	ग	प	ग	ग	ग	रे	ग	सा
रे५	५५	ख	व	सु	र	को	५	म	ल
×		०		२		३		०	
नि	—	नि	ध्र	सा	मा	ग	रे	सा	सा
सा		ध्र		नि		रे		धु	र
मं	५	द	र	स्था	५	न	म	०	
×		०		२		३			
ग									
मग	मग	रे	रे	मग	प	मग	मग	रे	सा
मै५	५५	र	व	शां५	५	ति५	प्र५	चु	र ।
×		०		२		३		०	

अन्तरा.

प	—	नि	ध्र	ध्र	सां	—	सां	नि	सां	सां
ध्र	५	व	त	नि	अं	५	श	बि	च	र
×		०		२		३			०	

नि	ध	—	नि	सां	रें	सां	नि	सां	नि	ध	प
रे	५	ख	व	क	र	स	ह	च	र		
×		०		२		३		०			
प.	रें	सां	—	सां	नि	सां	नि	ध	—	नि	ध
ध	५	पू	५	र	न	सू	५	द	र		
सं	५	०		२		३		०			
×											
सां	नि	ध	प	म	ग	रें	रें	सा	५।		
×		०		२		३		०			

भैरव—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायो.

म सारे ग रे सा भैऽ ऽ र व ० म ग — म म को ऽ म ल ० सा म नि सा ग म प्रा ऽ त स ०	सा नि सा रे सा ल ऽ छ न ३ ग ग म म रे रे सु र ध र ३ नि ध — प — में ऽ री ऽ ३	नि ध — नि नि गा ऽ य गु × रे गरे गम प ग मऽ नीऽ ऽ × ग प म रे गम म भ त नाऽ ऽ ×	सा — सा सा नी ऽ व र २ ग म रे सा सा सु ध क र २ ग रे — सा सा री ऽ न र। २
--	--	---	--

अन्तरा.

म	प	प	प	नि	ध	नि	नि	सां	सां	नि	सां	नि	सां	नि	सां	नि
धै	ऽ	व	त	हो	ऽ	त	प्र	धा	ऽ	न	जी	ऽ	व	मु	र	
०				३				×				२				
सां	ध	ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	रे	सां	सां	सां	नि	नि	सां	ध
रे	ऽ	ख	व	स	ह	च	र	हो	ऽ	त	पु	र	ऽ	स्म	र	
०				३				×				२				
ग	म	ग	म	प	प	प	प	नि	ध	ध	सां	सां	ध	प	प	
मा	ऽ	ल	व	ठा	ऽ	ठ	लि	ख	त	अ	ति	ख	ऽ	द	र	
०				३				×				२				
प	ध	सां	—	नि	ध	ध	प	म	ग	म	रे	ग	म	प	म	ग
भ	ऽ	क्ती	ऽ	र	स	सों	ऽ	गा	ऽ	ऽ	य	ऽ	गु	नि	च	तु
०				३				×				२				

भैरव-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म	ग	म	नि	ध	ध	प	—	पध	मप	म	ग	(म)	रे	—	रे	—	सा
सां	ऽ	ब	स	दा	ऽ	शि	व	दा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	प्या	ऽ	रे		
०				३				×					२				
नि	सा	नि	ध	ध	नि	नि	सा	सा	सा	रे	रे	रे	रे	ग	रे	—	सा
र	ट	म	न	नि	स	दि	न	प	र	म	द	या	ऽ	ध	न		
०				३				×				२					

सा नि सा ग म त ज मा ५ ०	प ध नि सां या ५ को ऋ ३	सां सां रें रें सां नि को ५ ५ ५ ×	ग ध प म ग ५ ५ ला ५। २
----------------------------------	------------------------------	--	--------------------------------

अन्तरा.

प — नि का ५ म क्रो ० सां नि ध ध ध लो ५ भ क ०	— ध सां नि नि नि ५ ध म द ३ सां नि नि सां सां ह त ख ट ३	सां — सां सां मो ५ ह रु × नि सां सां रें सां सां नि रि पु ह त ५ ×	सां नि सां सां सां म ५ त्स र २ नि ध — प प पा ५ म र २
— ध — रें ५ छां ५ ड ०	सां नि सां नि भ र म श ३	ध नि ध प र न जा ५ ×	प म प ग म य च तु र। २

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म ग म ध ध ध न ध न ० नि नि सां ध — नि सु ल ५ छ ०	पम प म ग मु ५ ५ र त ३	ग रे — मग (म) कृ ५ ण ५ मु × ग रे — सा — धा ५ री ५ ×	ग रे — सा — रा ५ री ५ २ सा म नि सा ग म छ बि सू ५ ३
--	-----------------------------	--	---

प प ध	नि	ध	नि	पधु	निसां	सारें	सानि	धुनि	धुप	मग	म
द र ला	५	सां	ध प	गो	५	अ ति	प्या	५	५	५	री
०		३		३			×	२			

अन्तरा.

म	प	प	नि	ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	सां	नि	सां	सां
०	५	सी	५	ध	र	म	न	मो	ह	न	सु	हा	५	वे
सां	०	३		३				×				२		
रें	रें	मं	मं	रें	—	सां	—	नि	सां	सां	रें	सां	ध	प
ब	लि	व	लि	जा	५	उं	५	मो	रे	म	न	भा	५	वे
०				३				×				२		
म	ग	म	ग	म	प	—	ध प	पधु	निसां	सारें	सानि	धुनि	धुप	मग
०	स	ब	रं	ग	ज्ञा	५	न बि	चा	५	५	५	५	५	री
					३			×				२		

भैरव—त्रिताल, (मध्यलय).

स्थायी.

म	ग	म	ध	ध	प	—	ध प	ग	म	ग	(म)	रे	—	रे	—	सा
०	अ	ब	न	ज	गा	५	वो	५	प्या	५	रे	५	५	मै	५	का
सा					३			×					२			
नि	—	सा	सा	नि	ध	ध	नि	सा	सा	रे	रे	रे	रे	—	रे	सा
ला	५	ग	लि	अ	खि	मो	रि	अ	ब	हुं	ने	५	क	प	ल	
०				३				×				२				

सा नि सा ग म क भ प क ०	म प ध नि सां नि सि सा री ३	नि धु धु सां - नि जा गी ऽ ज ×	ग ध प म ग गा इ तु म । २
---------------------------------	-------------------------------------	--	----------------------------------

अन्तरा.

म प - प प सो ऽ व न ० नि ध - ध - ला ऽ गूं ऽ ० - प ध सां ऽ श र न ०	नि ध - नि नि दे ऽ मो हे ३ नि - सां - गी ऽ तो ऽ ३ सां नि ध प अ व तू ऽ ३	सां सां सां सां अ नं द भु ×	नि सां सां सां व न ग र २ नि ध - प - या ऽ ऽ ऽ २ नि नि प ध ध प जि न जा ऽ ×	प म ग - म म वो ऽ आ ऽ ज । २
--	---	-----------------------------------	--	--

भैरव-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म ग म ध ध अ न त क ०	प प - ध मप हा ऽ जि नऽ ३	धुधु मप प - जाऽ ऽऽ ऽ ऽ ×	म म ग प मग वो ऽ पि याऽ २
------------------------------	----------------------------------	--------------------------------	-----------------------------------

ग रे - - -	सा - - -	सारे ग म (म)	ग रे रे सा -
मो ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ	ही ऽ ऽ ऽ	र हि ये ऽ
०	१	×	२
सा		सां नि	प
नि सा ग म	प ध नि सां	रें - सां ध	नि ध्रुप ग म
ए ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ मो रे	धा ऽ म श्या	ऽ मऽ तु म
०	३	×	२

अन्तरा.

प प प प	नि ध्र ध्र नि नि	सां सां सां -	नि सां सां -
ज न म ज	न म नि सि	दि न हूँ ऽ	ते ऽ री ऽ
×	२	०	३
नि			नि
ध्र - ध्र -	नि - सां सां	रें रें सां -	नि सां ध्र प
हूँ ऽ था ऽ	री ऽ च र	न न की ऽ	चे ऽ री ऽ
×	२	०	३
	ध्र नि		ग
ग म प ध्र	सां सां ध्र प	म ग (म) ग	रे - सा -
बि न ति सु	म न सु न	ली ऽ जे ऽ	मे ऽ री ऽ
×	२	०	३
सा म		नि	
नि सा सा ग	- म प प	ध्र - नि नि	सां - सां -
प्र भु गु ला	ऽ ब त्रि ज	जी ऽ व न	मा ऽ धो ऽ
×	२	०	३
प ध्र			
ध्र रें सां नि ध्र	नि ध्रुप म ग		
सुं द रऽ श्या	ऽ मऽ तु म		
×	२		

भैरव-त्रिताल (मध्यलय)-

स्थायी.

ध्रुव म म ग	म म प प	नि ध्रु - - -	प - - -
प्याऽऽ ला ऽ	मु भ भ र	दे ऽ ऽ ऽ	रे ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ग	म		
म ग (म) ग	रे - ग प	म ग म ग	रे - सा -
म त वा ऽ	रे ऽ मो रे	बी ऽ त ग	ई ऽ ली ऽ
०	३	×	२
सा		नि	नि
नि सा ग म	प ध्र नि सां	(सां) - ध्र सां	नि ध्र - प
सि ग री ऽ	रे ऽ न भ	ई ऽ ली ऽ	ऽ भो ऽ र
०	३	×	२

अन्तरा.

प प प प	नि ध्रु - नि -	सां सां - सां	नि सां सां -
ह म तु म	पी ऽ वें ऽ	छ का ऽ छ	का ऽ वें ऽ
०	३	×	२
नि		गं	सां नि
ध्रु ध्रु ध्रु ध्रु	नि नि सां -	रें - सां सां	नि सां ध्रु प
दु र जन	लु ग वा ऽ	दे ऽ ख ड	रा ऽ वें ऽ
०	३	×	२
सा		सां सां	
नि सा ग म	प ध्र नि सां	रें रें सां नि	ध्रु प ध्रु म
क र ली ऽ	यो ऽ अ ति	शो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ र।
०	३	×	२

भैरव—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

सा रे	सा	सा	नि	नि	सा सा सा -
रे मग रे रे	नि सा रे सा	धु - नि -	सा सा सा -		
प वऽ न च	ल त पु र	वै ऽ या ऽ	सि य री ऽ		
०	३	×	२		
ग ग	रे - ग प	म ग (म) -	रे - सा सा		
म ग म ग	वा ऽ ऽ ज	डा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ य पि		
मो ग अँ ग	३	×	२		
०	नि	मग मरे गप मग	रे - - सा		
नि सा म ग	म धु प -	लेऽ ऽऽ वोऽ लऽ	गा ऽ ऽ य।		
ष र वा ऽ	ग र वा ऽ	३	२		
०	३	×	२		

अन्तरा.

नि	सां	नि	नि	नि
प - धु धु	नि - सां सां	नि सां सां सां	सां रे सां -	
आ ऽ वो स	दा ऽ रं ग	ह म तु म	सु क वा ऽ	
×	२	०	३	
नि	प	नि	सां नि	
नि सां धु प	ग म प -	धु - सां -	नि सां धु प	
क र हीं ऽ	जा ऽ में ऽ	जा ऽ में ऽ	ऽ ऽ नि सि	
×	२	०	३	

म प म ग मग बि हा ऽ ऽ ०	रे - सा सा ऽ ऽ य पि २	ग नि सा म ग य र वा ऽ ०	ग नि म ध्रु प - ग र वा ऽ ३
मग मरे ग प ले ऽ ऽ वो ल ०	मग मरे रे सा गा ऽ ऽ ऽ य २	सा रे रे मग रे रे ०	

भैरव-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि ध्रु - ध्रु ध्रु भो ऽ र भ ० ग म ग (म) ग म त वा ऽ ० मा नि सा ग म ह म तु म ० ग नि गम ध्रु - ध्रु भो ऽ ऽ भे ०	नि ध्रु - प - ई ऽ लो ऽ ३ ग रे - ग प रे ऽ सो ऽ ३ प ध्रु नि सां क र रं ग ३ प - ध्रु म ई ऽ लो ऽ ३	ध्रु पम प - प्या ऽ ऽ ऽ ० ग म ग म ग ग र वा ऽ ० नि ध्रु ध्रु रें सां - र स की ऽ ०	म - ग - रे ऽ ऽ ऽ २ ग रे - सा - ला ऽ गो ऽ २ नि ध्रु ध्रु प ग ब ति यां ऽ २
--	---	---	--

अन्तरा.

म ग म प प	नि ध - नि नि	सां - सां सां	सां नि सां सां -
आ ऽ प पि	वे ऽ औ र	मो ऽ को पि	ला ऽ वे ऽ
० नि	३ सां	×	२
ध ध ध -	नि - सां सां	रें रें सां सां	नि सां ध प
म न को ऽ	मे ऽ द क	ब हूँ न ब	ता ऽ वे ऽ
० प	३ नि ध	×	२ ग
ध ध सां सां	ध नि ध प	ग - म मग	रें - सा -
उ मं ग सुँ	च र नों ऽ	ला ऽ ग तुऽ	हैं ऽ री ऽ
० सा	३	×	२
नि सा ग म	प ध नि सां	रें रें सां -	नि ध ध प -
द र स हे	ऽ त मो रि	र मि ली ऽ	छ ति यां ऽ।
० प नि	३	×	२
ग म ध ध	प - ध म		
भो ऽ र भ	ई ऽ लो ऽ		
०	३		

भैरव-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि (नि	सा ध ध ध	- प प प	ध ध प म प -	म - ग -
मे ह र की	ऽ न ज र	कीऽ ऽऽ ऽऽ	जे ऽ ऽ ऽ	
०	३	×	२	

(१८१)

भैरव—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी

म
प म
प्र भु

म रे - - सा	- रे नि सा	म - - -	- - - -
दा ऽ ऽ ता	ऽ स व न	के ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
म रे - म म	प - प ध	धुं नि धुं	सां सां धुं नि
तू ऽ र ट	रे ऽ म न	ध रि प ल	धुं प म म
०	३	×	२

अन्तरा.

प - प -	नि धुं - नि -	सां - सां सां	- सां सां सां
जो ऽ तू ऽ	चा ऽ हे ऽ	दू ऽ ध पू	ऽ त अ न
०	३	×	२
नि धुं धुं नि नि	सां सां सां -	रे सां - नि	सां धुं - प
ध न ल छ	मि इ मा ऽ	न वा ऽ को	ऽ ना ऽ म
०	३	×	२

ध	ध	सां	—	नि	ध	नि	ध	प	म (म)	—	म	म	रे	—	प	म
प	ध	सां	—	ध	नि	ध	प	म (म)	—	म	म	रे	—	प	म	
ले	५	वा	५	के	५	र	व	को	ना	५	म	ले	५,	प्र	सु	
०				१				×				२				
म																
रे	—	—	सा	—	रे	नि	सा									
दा	५	५	ता	५	स	व	न									
०				३												

भैरव—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

सा	प	नि	सा	ग	म	नि	ध	—	ध	ध	—	ध	प	प	नि	ध	ध	प	ध
नि	सा	ग	म	ध	—	ध	ध	—	ध	प	प	ध	ध	प	ध	ध	प	ध	ध
ए	५	हूँ	तो	वा	५	र	वा	५	र	जा	ऊं	तु	म्ह	रे	गु				
३				×				२				०							
म				म	नि	नि	नि	—	ध	प	म	प	म	—	म	रे			
प	प	म	ग	ग	म	ध	ध	—	ध	प	म	प	म	—	म	रे			
सै	५	यां	५	ह	म	रि	वा	५	त	कं	५	मा	५	न	ले				
३				×				२				०							
—	—	ग	प	म	—	ग	—	(म)	—	रे	—	रे	—	सा	—				
५	५	प्या	५	रे	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
३				×				२				०							

अन्तरा.

म	प	प	प	—	नि	ध	—	नि	नि	सां	सां	सां	—	सां	नि	सां	सां	सां
नी	के	आ	ऽ		वो	ऽ	तु	म	ह	म	रे	ऽ		३	ढिं	ग	वा	क
०					सां	०	नि	०	प	०	नि	०		३	ध	रें	सां	
रें	रें	सां	—		नि	सां	ध	प	ग	म	प	ध	—		ध	रें	सां	
हिल	वा	ऽ			व	ति	यां	ऽ	औ	ऽ	र	डा	ऽ	३	रुं	ग	र	
०					२	०		०	०					३				
पा					प									सा	प			
नि	सां	ध	प		म	ग	म	ग	रे	—	सा	—		नि	सा	ग	म	
ह	र	वा	ऽ		प्या	ऽ	रे	ऽ	मो	ऽ	रे	ऽ		ऽ	ऽ	हं	तो	
०					२	०		०	०					३				

भैरव-त्रिताल (विलंबित मध्यलय).

स्थायी.

ग	म	म	नि	ध	प	प	पध	मप	धध	पम	प	—	म	ग	प	मग
पि	या	ऽ	मि		ल	न	की	ऽ	बा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	अ	रि
०					३			ऽ	०	०	०	०	२			ऽ
ग					ग				सा				ग			
रे	—	—	—		रे	रे	सा	—	ध	ध	नि	सा	रे	रे	सा	—
ए	ऽ	ऽ	ऽ		रि	स	खी	ऽ	ज	त	न	क	छु	ब	ता	ऽ
०					३				०				२			
सा	म				प	—	ध	प	पध	नि	सां	ध	नि	धुप	म	गम
नि	सा	ग	म		री	ऽ	ब	लि	हा	ऽ	री	बा	ऽ	रि	मैं	ऽ
मैं	ऽ	तो	ऽ		३				०				२			

म	ग	म	प	प	नि	ध	ध	नि	नि	सां	सां	सां	सां	नि	सां	सां	—
ब	हु	त	दि		न	न	पा	छे		पि	या	मो	रे	आ	ऽ	ये	ऽ
•					३					×				२			
सां	रें	—	गं	मंगं	गं	रें	—	सां	—	प		नि					
										ध	रें	सां	ध	नि	ध	म	गम
मं	ऽ	ग	लऽ		गा	ऽ	वो	ऽ		म	खि	यां	सा	ऽ	रिऽ	मैं	ऽऽ।
•					३					×				३			

स्थायी.

[illegible]

अन्तरा.

ग	नि	सां	सां	सां	सां	सां	नि	सां
म	प	ध्रु	नि	सां	सां	सां	ध्रु	ध्रु
हूं	तो	तुम	बिन	त	र	स	ई	ली
३				×			२	
सां	सां	नि	सां	गं	नि	म	ग	ग
सां	नि	सां	सां	रें	सां	नि	म	म
५	गि	५५	५व	ता	५	५५	लै	५५
३				×			२	

भैरव—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि	ध्रु	प	मप	ध्रु,पमप	म	गम	म(म)रे	सा,निसा
य	रा	५५	हु	५५५५	से	५५	५५५	ना,मो५
३					×			
सा	—	गम	,प	नि	ध्रु	—	प	मप
म	५	५५	५पि	या	५	के	५५	
३				०				

धधपम	प	म	ग	ग	म(म)	गम	रे	सा
वेSSS	ऽ	ख	ऽ	SS	SS	ऽ	न	
३				×				
सा						नि		
नि	सा	रे	सा	नि	सा	ध	प	
बी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	ऽ	
२				०				
सा	म		निनि			नि		
निसा	गम	पप	धध	सां	निसां	ध	प,गम	
उन	बिन	रहि	लोन	जा	SS	ऽ	य,अरि	
३				×				
नि								
ध	—	प	मप	धधपम	प	मग	म	
ये	ऽ	ऽ	SS	माSSS	ऽ	SS	म,गम	
२				०			ऽ,जीऽ	

अन्तरा.

	म	नि	ध	ध	सां	—	सां,निसा	सांसां
	गमप	ध	वे	खा	ऽ	वे,SS	सब	
ऽ	ऽ	वेगा		×				
३				सां				
नि	नि	सां	सां	निसां	रेंसां	सां	नि	
धध	धध	ई	लो	दूऽ	वर	भइ	धप	
मिल	नभ			०			लाऽ	
२								

म	नि	म	सा	म		
गम	ध	पधुप	मग	निसा	गम	पप
काऽ	से	कऽहिऽ	येऽ	कौऽ	नख	वरि
३			×			
नि		म	नि			
ध	—	प	गम	ध	प,मप	धुधुपमप
ना	ऽ	वे	ऽ,अरि	ये	ऽ,ऽऽ	माऽऽऽऽ
२			०			ऽऽ,जिऽ।

भैरव— एकताल (विलंबित).

स्थायी.

										प	नि	ए
ध	प	म	गमप,म	प	—	मप	त्रि	त्रि	प,मप	म	ग	
क	प	ल	ऽऽऽ,छि	न	ऽ	ऽऽ	क	ब	ह,ऽऽ	ना	ऽ	
३		४		×		०		२		०		
ग	म			ग				सा		ग		
म	प	गम	ग(म)ग	रे	—	सा	निसा	नि	सा	—	रे	
बि	स	रौऽ	ऽऽऽ	मा	ऽ	ई	ऽऽ	ला	ऽ	ऽ	ल	
३		४		×		०		२		०		
रे	ग	सा	निसा	नि	सा	म	प	—	प	त्रि	ध	—
३	रे	न	ऽऽ	नै	न	न	आ	ऽ	गे	ठा	ऽ	
		४		×		०		२		०		

ध	सां	—	नि	नि	नि	प	ध	म	प	ग	म	म
सां	५	र	हे	५	५	५	५	५	५	५	५	ए।
३		४		×		०		२		०		

अन्तरा.

म	नि		सां	सां	सां	सां	निसां	सां	ध	नि
गम	ध	-	नि	सां	सां	सां	सां	सां	ध	नि
स५	ब	५	न	सु	न	त	जै	५	से	रं
३		४		×		०		२		०
सां	रें	सां	निसां	रें,सां	निसां	ध	नि	प	गम	ध
५	र	स	५	उ५,प५	जो	५	५	५	हो	५
३		४	×			०		२		०
म	गमप,म	प	प	निनि	निनि	सां	सां	ध	नि	सां
दा	५,रं	गी	ले	धध	धध	५	सो	बं	दी	५
३		४	×	मम	दसा	०		२		०
गं	सां	नि	नि	नि	प	ध	म	प	ग	म
रें	५	सां	ध	५	५	५	५	५	५	५
५		४	रे	५	५	५	५	५	५	५
३				×		०		२		०

भैरव-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि	सा	सारे,गरे	म	ग	म	—	गम
५	५	औ	५,सर	ला	५	५	५
३			×				

रे	म	मग	मम (पप, मगम)	म	-	सा	निंसा
म	प	(SS)	(, ग, रSS)	रे	५	५	(SS)
५	५			ही			
२	ग			० निंनि	निं		
सा	रे	-	सा	सासा	ध	-	-
निंसा	रे	५	आ	(वS)	न	५	५
तुम				×			
३		ग	सा	सा	निं	निं	-
सा	सा	रे	ई	निं	सा	ध	
निं	५	५		ब	ल	मा	५
का				० निं	ग		(, ग)
२	निं	ध	सा	सा	रे	-	(, पि)
निं	ध	आ	(वे)	मो	रे	५	
३	ब			×			
म	-	गम	(, मम)	(म)रे	रेसा	रेरेसानिं	सा
या	५	(SS)	(, मुख)	दाS	(SS)	(SSSS)	५
२				०			
निं	ध	निं	म				
ई	५,	सां	(, गरे)				
३		औ	(, सर)				

अन्तरा.

ग	म	निं	निंनि	सां	-	निंसां	सांसां
(मम)	(पप)	धध	(, निंनि)	जो	५	(SS)	(वत)
(सग)	(रीरै)	(SS)	(, मग)	×			
३							

रें	—	सां	निसां	नि	धु	धुधु	सां	निसां,सांसां
बी	S	ती	SS	भो	रभ	ये	SS,तब	
२				०				
सां		नि						
नि	सां	धु	प	म	गम	प	प,प	
आ	S	ये	S	बो	SS	हि	S,भ	
३				X				
नि	—	सां	निसां	सां	गं	रें	—	सांसां
धु				निसां				
ली	S	जो	SS	तुम	रे	S	मन	
२				०				
नि								
ध्वनिसांनिध्वपम				गपमगरेरेसा- सा निसागरे				
भाSSSSSSSS				SSSSSSSSइS औ SS,सर				
३								

भैरव—त्रिताल (विलांबित).

स्थायी.

				सा			
				निसा			
				पल			
नि	सा धु सा, सारे	म	ग म गम म	ग	म ग म रेरे	ग	सा
क	S S, दरि	या S SS व	मे S S ङ्रा	रे	— सा, निसा	सां S ई, राS	
१		X	२	०			

सा	नि,सा,सा	रेरेसानि,सा	नि,ध,नि,सा	सा म	गम
५	५५,वे	५५५५५	री,अ५	री	५५
३		४		×	
ग	रे	—	सा	नि	नि,सा,सा
म(म)	५	५	५	सा	५५,ह
५५		२		मो	
०				०	
सा	—	गम	,मप	नि	—
म	५	५५	,मुख	ध	५
ना		४		हे	
३		ग		×	
प	पमप	म	मरे	गमप	म
र	त५५	हूँ	५५	५५५	क
०		२		०	
ग	रे	सा,नि,सा	,सासा		
(म)म	५	क,५५	,काना		
हूँ५		४			
३					

अन्तरा.

नि ध	—नि	सांसां	सां	नि ध
५५	५५	रन	की	ता
३		४		×

ग
म
स—
५

ध्रुवनिंसांरें	रें	सां	निंसां	निंसां, निंसां	निं
नSSSSS	न	सों	SS	मो, SS	रा
०		२		०	
पमप	ध्रुव, पमप	म	गम, म	पध्रुवनिंसां	निंसां
SSS	जीS, यSS	रा	SS, क	SSSS	SS
३		४		×	
ध्रुव, पमप	म	ग	म	रे	गमप
तS, रीSS	रू	S	S	SSS	क
०		१		०	
ग		सा, निंसा	सा, सा		
(म)म	रे	क, SS	काना		
रू	S	४			
३					

भैरव—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

निं	सा	—	निंसा	सां	म	ग	म	म	गम	ग	म	प	—	मग
को	S	SS	यल	बो	S	ले	SS	S	S	S	S	S	S	मा ^S
३		४	×	×		०		२		०		०		
ग				ग										निं
म(म)	रे	सा	निंसा	म	—	गम	पम	प	—	मप	ध्रु			
SS	S	ई	SS	मो	S	SS	दिंग	ला	S	SS	S			
३		४	×	×		०		२		०				

(क्र० २)

<u>नि</u>	<u>ध</u>	<u>प</u>	<u>मप</u>	<u>ग</u>	<u>म</u>	<u>गम</u>	<u>(म)</u>	<u>रे</u>	<u>स</u>
ॐ	ल	के	ॐ	वा	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ
३		४	५	६	७	८	९	१०	११
<u>निसा</u>	<u>-मा</u>	<u>-</u>	<u>-सा रे</u>						
ॐ	ॐ, कां	ॐ	ॐ, यल						
३		४							

अन्तरा.

[illegible]

नि
सा
बि

मा	म	—	गम	पय	नि ध	—	प	मय	धधाम	प	म	ग
मा	५	५५	हरि	कौ	५	न	५५	ख ^{SSS}	५	व	५	
३		४		×		०		२		०		
मा						ग	म(म)	म				
ने	ग	म	प	म	—	ग	म	रे	—	मा	मा	
र	५मो	री	५	ले	५	५	५५	५	५	त	वि	
३		४		×		०		२		०		

अन्तरा.

प	मप	नि	नि	सां	—	सां	नि	गं	—	सां	सां
झा	SS	ध	को	सो	ऽ	च	सां	रें	ऽ	म	न
३		हे		×		०	क्र	रे		०	
सां		४		म		गम		२		नि	
नि	सां	ध	प	प	म	प	प	—	ध	—	
मू	ऽ	र	ख	नि	त	SS	उ	ऽ	भो	ऽ	
३		४		×		०		२	०		
—								नि			
ऽ	नि	सां	नि	रें	—	सां	नि	सां	ध	प	मपध
३	ज	न	SS	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	ऽ	SSबि
		४		×		०		२		०	

ग	गम	प	प	नि	—	—	प	मप	,प	ग
म	SS	ह	रि	ध	५	५	न	SS	,ख	म
ना		४		कौ		०				र
३				४						०
म	ग	म	प							
रे	मो	री	५							
५		४								

भैरव-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

[illegible]

अन्तरा.

प नि सा | सां सां निषां सां | रे खां, निषां ध प | प नि
गम प, म प ध निनि | गम ध ध प म प गम ध निषां
जित दे, स्स् खूं तित | तूं ही तूं ही | भ र, स्स् र हो | ते स्स् स् स् स् स् रि कु द र न

सां <u>निसां</u> , सां ध्र प को <u>SS, कौ</u> S न	गमपध्रपमप म ग रे <u>पाSSSSSS</u> वे S S	ग रे ग मग मप रा S SS, <u>जनि</u>	ग म <u>म(म)</u> ग रे सा, सा याS S S ज, क।
--	--	-------------------------------------	---

भैरव—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

म ग प म ध्र त न न त °	प प म ग न न त न ३	म — ध्र — दे S ना S ×	— — प म S S त न २
ध्र पम प — देS SS S S °	म — म म ना S त न ३	ग (म) — रे म दे S ना दे ×	ग रे ग म S ना दी S २
प म रे रे S म्दी S म्त् °	रे प म ग त दि या ना ३	रे रे रे रे रे त द रे ×	ग रे — सा — दा S न्नी S २
सा नि सा सा सा ना द्रि द्रि दा °	ध्र नि सा सा नि तुं द्रि द्रि ३	नि सा सा रे सां दा नी S त ×	नि ध्र प प द रे दा नि। २

अन्तरा.

ग म ध्रु - दिर दिर दी S ×	नि - - नि नि	सां - सां सां	सां - सां रे
०	S S म दिर दिर	दी S म्दिर दिर	दी S म्त् दी
- सां - सां	सां सां ध्रु नि	सां नि ध्रु प	म ग रे सा
S म्दी S म्त्	न न ना S	S S S S	S S S S
×	२	०	३
सा रे ग म	प ध्रु नि मां	नि रे मां नि	ध्रु प म ग
×	२	०	३
ग नि म - ध्रु - दे S ना S ×	स्थायी के	अनुसार	

भैरव--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि सां नि ध्रु	ग - प म ग	नि म ध्रु - प	ध्रु म प म
ओ द न तो	S म्त् न न	त दा S रे	ता रे दा नि
०	३	×	२
ग म - म रे	ग म प म	ग - रे रे	- सा सा सा
दी S म्त् न	न न न न	ना S रे ना	S रे त न
०	३	×	२

म ग म प य नि ता ऽ न्न ०	प ग म प धु तो ऽ म्त् दि ३	नि सां नि धु या ना रे त ×	प म प धु द रे त न । २
----------------------------------	------------------------------------	---------------------------------	-----------------------------

अन्तरा.

म म प प य ल ल मु ०	म नि नि ग म धु धु ३	नि नि धु धु नि नि ×	सां सां सां सां ल ल ल ल २
नि सां धु धु धु नि य ल लि या ०	सां नि सां सां ऽ ल ल ल ल ३	गं रें - सां सां ले ऽ य ल ×	नि धु प प ल ल ल ल २
रें सां - नि तक् ष्ठा ऽ न्तिर ०	धुधु पप गग मम किट तक् नग धिर ३	नि नि पप धुधु धुधु किट तक् तक् धिर ×	
नि नि सां सां सां सां मं रें सां - किट तक् तक् ष्ठा ऽ तक् धा ऽ २ ०	सां धु नि धु तक् ष्ठा ऽ तक् ३	नि सां धु नि धु तक् ष्ठा ऽ तक् ३	
म प - म रे धा ऽ तक् ष्ठा ×	म रे सा - ऽ तक् धा ऽ २		

भैरव-सूलताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा	—	रे	—	ग	—	—	रे	सा	—
रे	५	ये	५	भै	५	५	र	व	५
आ	×	०		२		३		०	
नि	—	नि	—	सा	—	नि	सा	सा	—
सा	५	ध	५	ना	५	५	५	थ	५
भो	×	०		२		३		०	
रे	—	सा	सा	म	मग	म	म	—	सा
भै	५	र	वि	अ	(र५)	५	धां	५	नि
×		०		२		३		०	
सा	सा	ग	म	नि	ध	—	ध	ध	—
नि	५	फों	५	फों	५	क	र	त	५
फों	×	०		२		३		०	
मग	मरै	ग	प	म	ग	म	रे	—	सा
(भू५)	(५५)	ष	न	ना	५	५	५	५	ग।
×		०		२		३		०	

अन्तरा.

प	प	ध	—	नि	नि	सां	सां	—	सां
नं	दी	की	५	अ	स	५	वा	५	री
×		०		२		३		०	

नि	ध	—	—	नि	सां	रें	सां	नि	सां	नि	ध	प
आ	ऽ	ऽ		नं	ऽ	दि	सो	ऽ	हे	ऽ		
५		०		२	नि		३	नि		०		
ग	म	प		प	ध	—	मां	ध	—	प		
ए	क	क		र	सो	ऽ	हे	कैं	ऽ	ची		
५		०		२			३		०			
ध	सां	नि	ध	प	म	ग	म	ग	रे	—	सा	
बा	ऽ	ह		न	को	ऽ	ऽ	बा	ऽ	घ।		
५		०		२			३		०			

भैरव—भपताल (मध्यलय) .

स्थायी.

ध	प	म	मग	म	त्रि	ध	ध	प	—	ध	प	नि	तू
अ	ब	या	ऽ	द	क	र	रे	ऽ	ऽ				
०		३			५	२							
प	मप	म	—	ग	म	रे	ग	म	प				
बं	ऽ	दे	ऽ	ऽ	अ	प	ने	ऽ	अ				
०		३			५	२							

(क० २)

म	ग	म	रुं	सा	नि	सा	म	म	प
ला	ऽ	ऽ	ऽ	को	जो	ऽ	ग	छ	भ
०		३			×		२		
प	—	प	—	सां	नि	—	प	—	प
ला	ऽ	ध	ऽ	वे	ध	ऽ	रो	ऽ	नि
०		हो			ते		२		तू।
		३			×				

अन्तरा.

प	म	नि	—	नि	सां	सां	सां	—	सां
ला	प	ध	ऽ	हि	इ	ल्लि	ल्ला	ऽ	सु
०		३			×		२		
सां	इ	ला	ऽ	सां	रुं	सां	नि	—	प
ध	—	नि	सां	सां	रुं	सां	ध	—	प
हं	ऽ	म	द	र	सू	लि	ल्ला	ऽ	ऽ
०		३			×		२		
प	ग	म	ग	म	प	म	नि	धु	सां
न	प	म	ग	म	प	प	ध	—	सां
०	बी	जी	ऽ	का	क	ल	मा	ऽ	ज
सां		३			×		२		
ध	—	नि	—	सां	नि	ध	प	—	ध
बां	ऽ	ध	ऽ	र	ध	र	रे	ऽ	ऽ।
०		३			×		२		
प	मप	म	—	ग					
बं	(ऽऽ)	दे	ऽ	ऽ					
०		३							

स्थायी के अनुसार

प
म
र
×
ग
नि
ध्या
×
नि
ध
र
×

प	मग	मरे	गप	म
स	नाऽ	ऽऽ	सऽ	वा
	२			०
सा	ग	म	प	नि
ऽ	न	ध	र	ध
	२			०
प	ग	म	प	ग
ह	त	जि	य	म
	२			०

ग	रे	—	सा
द	ले	ऽ	त
	३		
ध	ध	सां	सां
को	ला	ऽ	गि
	३		
ग	म	रे	सा
ऽ	ऽ	ऽ	रि।
	३		

संचारी.

सा
नि
म
×
नि
ध
त
×
मग
(पांऽ)
×
नि
सा
अ
×

सा	नि	नि	नि	नि
न	ध	ध	ध	ध
	क	र	र	सा
	२			०
ध	सां	नि	सां	नि
न	क	रो	ऽ	मा
	२			०
मग	म	ग	प	ग
(ऽऽ)	रे	ऽ	ऽ	म
	चो			आ
	२			०
नि	सा	नि	सा	ग
ध	नि	नी	—	रे
गि	नी	ऽ	ऽ	जा
	२			०

—	नि	ध	—	प
ऽ	य	ऽ	न	
	३			
सां	नि	ध	—	प
ऽ	टी	ऽ	ऽ	
	३			
ग	म	रे	सा	
ऽ	ऽ	त	म	
	३			
—	ग	रे	—	सा
ऽ	ऽ	ऽ	री।	
	३			

आभोग.

प	प	नि	ध	—	ध	सां	नि	सां	सां	—	सां
ह	रि	दा	५	स	डा	५	गु	५	र		
×		२			०		३				
सां	—	मं	गं	मं	मं	—	गं	—	सां		
रें		गं	मं	मं	रें		रें				
के	५	प्र	भू	५	ध्या	५	५	५	न		
×		२			०		३				
सां	ध	ध	रें	सां	—	नि	सां	ध	—	प	
ध	र	त	ही	५	मा	५	नो	५	५		
×		२			०		३				
मग	मग	म	रे	ग	प	म	ग	म	रे	सा	
((ति	वुं	द	डा	५	५	५	रि।		
स्वां	५	२			०		३				
×											

भैरव-भगताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सां	—	रें	सां	—	सां	सां	नि	प
रें	५	म	दी	५	मौ	५	म	दी
मौ		२			०		३	५
×								
प	म	रे	ग	प	मग	म	रे	सा
ग	प	त	हूँ	५	रें	५	न	दि
ज		२			०		३	न
×								

भैरव—भूपताल (मध्यलय) .

स्थायी

प	—	ध	ध	ध	नि	—	प	म	म
ध	—	ध	ध	ध	ध	—	प	प	प
आ	ऽ	ज	नँ	द	ला	ऽ	ल	स	खि
×		२			०		३		
प	म	रे	म	म	रे	रे	ग	सा	—
ग	म	रे	ग	म	रे	रे	ग	सा	—
प्रे	ऽ	म	मा	ऽ	ध	क	पि	ये	ऽ
×		२			०		३		
नि	—	ध	नि	सा	रे	—	रे	सा	—
ध	—	ध	नि	सा	रे	—	रे	सा	—
सं	ऽ	ग	ल	ल	ना	ऽ	लि	ये	ऽ
×		२			०		३		
प	म	रे	ग	म	रे	—	ग	रे	सा
ग	म	रे	ग	म	रे	—	ग	रे	सा
ती	ऽ	र	ज	मु	ना	ऽ	ब	र	न।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प	—	म	नि	—	नि	नि	सां	सां	सां
फू	ऽ	प	ध	—	नि	र	सां	सां	सां
×		लि	के	ऽ	स	र	क	म	ल
नि	—	२			०		३		
ध	—	ध	सां	सां	सां	सां	नि	ध	प
मा	ऽ	ल	ती	ऽ	स	घ	सां	ब	न
×		२			०		३		

प	—	म	प	ध	सां	—	सां	नि	प
ग	५	द	सो	५	गं	५	ध	सी	५
मं	×	२		०			३		
प	म	म	नि	ध	प	म	म	रे	सा
ग	ल	स	मी	५	रे	५	व	र	न।
त	×	२		०			३		

भैरव—मूलताल (मध्यलय) .

स्थायी.

सां	—	सां	—	सां	सां	नि	—	प	म
नि	५	धो	५	बि	५	ध	५	ध	प
सा	×	०		२		३		०	र
प	ग	ग	ग	म	प	प	म	रे	—
ग	(गम)	रे	धा	५	न	ग	(मग)	दा	५
गु	(न५)	नि	नि	२		गु	(न५)	०	
×		०				३			
सा	—	सा	नि	सा	सा	रे	—	सा	—
ता	५	स	र	स्व	ति	मा	५	ता	५
×		०		२		३		०	
प	म	नि	ध	सां	नि	ध	नि	ध	प
ग	५	आ	५	५	दे	५	५	५	स
को	×	०		२		३		०	

अन्तरा.

प			म	नि			नि	सां	सां
म	प	—	प	ध	—	नि	ध	सि	ध
न	मो	ऽ	न	मो	ऽ	रि	३	०	नि
×		०	सां	१	गं	रें	—	ध	प
नि	—	—	नि	सां	मी	ऽ	३	क	ल
ध	ऽ	ऽ	स्वा	ऽ	२	म	ऽ	३	०
के									
×									
प	सां	नि	प	प	मग	म	ग	रें	—
ध	—	ध	ऽ	प	रऽ	ऽ	वे	०	सा
बि	ऽ	द्या							स।
×		०							

संचारी.

नि	नि	नि	नि	—	—	नि	—	प
सा	ध	ध	ध	—	—	ध	—	वे
जो	ऽ	इ	न	को	ऽ	ऽ	३	०
×		०	सां	सां	रें	सां	नि	ध
ध	ध	नि	ऽ	च्छा	फ	ल	पा	३
प	न	इ	ग	म	प	मग	ग	रें
म	म	रें	हो	ऽ	त	ऽऽ	क्ले	३
×	ऽ	र						
प		०						
ग								
दू								
×								

प	—	प	नि	—	नि	सां	—	सां	सां
ता	ऽ	न	ध	—	न	के	ऽ	प्र	सु
×		०	से	२		३		०	
नि		—	नि	सां	सां	रें	सां	नि	प
ध	ध	—	ही	ऽ	को	ध्या	ऽ	ध	ऽ
तु	म	ऽ		२		३		वे	
×		०						०	
प	सां	नि	प	म	ग	म	रे	रे	सा
ध		ध	ऽ	वि	ऽ	ष्णु	म	हे	स।
ब्र	ऽ	ह्वा		२		३		०	
×		०							

भैरव—ब्रह्मताल (मध्यलय).

स्थायी.

निधु	प	पधु	प	म	प	म	ग
खे	ल	नड	ला	ड	ड	गे	ड
×	०		२		३	०	
म	प	—	पधु	मप	म	ग	
ग	रि	ड	होड	ड	री	ड	
ह	जू		६		०		
४	५		म			म	
ग	म	रे	प	म	ग	रे	सा
म	की	ड	ड	ग	रि	या	में।
ब्रि	जड		६		१०	०	
७	८						

अन्तरा.

प	प	नि	ध	सां	—	सां	—	सां	—
छि	र	क	त	रं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ
×		०		२		३		०	
नि	ध	सां	सां	रें	सां	ध	प		
ब्रि	ज	जु	व	ति	न	पै	ऽ		
४		५		६		०			
प	धु	नि	प	म	म	ग	म	रे	सा
धु	सां	धु	प	प	ग	ऽ	रे	—	में
व	ग	र	ऽ	ब	ग	ऽ	र	ऽ	
७		८		९		१०		०	

भैरव-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग	म	ग	म	प	—	नि	ध	ध	नि	—	प
ऽ	वी	ऽ	ऽ	शू	ऽ	च	र	न	ज	ऽ	ल
०		३		४		×		०		२	
ग	म	ग	मरे	गम	प	प	म	ग	म	रे	म
ऽ	ब्र	ऽ	SS	ह्याऽ	ऽ	क	मं	ऽ	ऽ	ऽ	ड
०		३		४		×		०		२	
सा	नि	सा	ग	सा	—	नि	ध	—	सा	नि	सा
सा	शि	व	रे	टा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ज	ऽ	त
०		३		४		×		०		२	

५०	मग (दे) ५	म रे ५ ३	— ५	म ग वी ४	प म गं × ५	— ५	ग ५०	म रे ५ २	— ५
सा	ग म								
गे,	वी								
०									

अन्तरा.

५	—	नि ध ५	—	नि ५	सां ५	—	नि ५	सां ५	सां ५	—
भा ५०	सां ५	गी ५ २	सां ५	र ५	सां ५	सां ५	नि ध ५	थी ५	५	५
रे ५	रे ५	गं ५	सां ५	— ५	नि ५	— ५	सां ५	— ५	प ५	५
स ५	क ५	ज ५	ग ५	ता ५	ता ५	ता ५	र ५	नी ५	५	५
म ५	म ५	प ५	— ५	प ५	सां ५	नि ध ५	— ५	प ५	५	५
मू ५	मी ५	भा ५	५ २	र ५	उ ५	ता ५	र ५	नि ५	५	५
म ५	म ५	रे ५	ग ५	प ५	ग ५	— ५	म रे ५	— ५	सा ५	५
अ ५	न ५	ध ५	न ५	बे ५	बे ५	५	५	लि ५	५	५

सा नि क × म प त ×	सा नि टा म रं	सा ऽ ० ग ऽ ०	ग रे ञ्छ मग (ऽऽ)	ग रे न २ म रे ऽ १	सा के — ऽ	सा रे ता ० सा गे, ०	ग ऽ ग म वे	ग रे ऽ ३	ग र	म प न के ४
--	---------------------------	-----------------------------	------------------------------	--	--------------------	---------------------------------------	------------------------	-------------------	--------	------------------------

संचारी.

ग म ह × नि धु बे × म प स × नि सा क ×	म ग र — ऽ म र नि धु र	म ऽ ० — ऽ ० ग ऽ ० धु त ०	प द्वा नि नी मरे (स्वऽ) सा नि दु	— ऽ २ सां ऽ २ म ग ती २ सा ऽ २	प र — ऽ प ऽ वि सा म भं ०	धु प्र ० सां रें ति ० म प म धा — ऽ	धु या सां री म ग ऽ ३ ग ऽ ३	नि धु सा नि धु बे म रे दा म रे ऽ	प प ग ४ — प ऽ नी ४ — सा ऽ नी ४ — सा ऽ गे। ४
---	--	---	--	---	--	--	--	---	---

आभोग.

प	—	प	नि ध	—	नि	सां	—	—	सां	नि	सां	सां
ता	ऽ	न	से	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	भु	
×		०		२		०		३				
नि	—	ध	सां	सां	सां	रें	—	सां	नि	सां	ध	प
ध									(नि			
रो	ऽ	ग	दु	ऽ	क्ख	दू	ऽ	र	कऽ	रो	ऽ	
×		०		२		०		३		४		
ग		म	म	नि	—	नि	नि	सां	नि	सां	सां	
म	गम	प	प	ध					ल			
पा	(ऽऽ)	प	ह	रो	ऽ	नि	र	म		क	रो	
×		०		२		०		३		४		
म		ग	ग	रे	—	सा	ग					
प	म	ग	म	ऽ	ऽ	गे,	म	वे				
य	ही	ऽ	अं	ऽ		०						
×		०		२								

भैरव—चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

	ग	ग	म	प	ध	नि	ध	—	नि	ध	—	प
	म											
ऽ	शा	ऽ	र	दा	ऽ	स	र	ऽ	स्व	ऽ	ती	
०		३		४		×		०		१		
मग	मग	रे	रे	ग	म	प	म	ग	ग	रे	सा	
(सऽ)	(ऽऽ)	ब	क	ला	ऽ	स	मा	ऽ	रा	ऽ	स	
०		३		४		×		०		२		

सा	नि	सा	-	ग	-	सा	नि	सा	ध	नि	सा	सा
स	५	५	३	वा	५	नि	स	५	५	गे	५	स
०					४	म	×	०	०		२	
मग	मग	म	रे	ग	-	म	-	ग	म	रे	मा	
(री५)	(५५)	५	त्र	यी	५	रू	५	प	ध	र	न	
०		३		४		×		०		२		

अन्तरा.

प	प	प	नि	ध	ध	ध	सां	सां	नि	सां	सां	सां
ख	ल	नि	०	द	ल	नि	कं	५	द	क	र	नि
×					२		०		३		४	
नि	ध	ध	नि	सां	सां	सां	रें	-	सां	निसां	ध	प
बि	र	द	बे	५	द	पा	५	५	ल	क५	र	नि
×		०		२		०			३		४	
प	पध	नि	सां	सां	सां	ध	नि	-	नि	ध	ध	प
दी	(५५)	न	न	सु	ख	दा	५	५	नि	स	र	नि
×		०		२		०			३		४	
ग	म	म	रे	रे	मग	प	म	ग	म	रे	रे	सा
म	सु	र	न	ने५	५	स्ता	५	५	र	क	र	नि
अ		०		२		०			३		४	
ग	रे	सा	सा	म	ग	म	प	-	ध	ध	रें	सां
म				भू	५	मि	भा	५	र	म	हा	५
ह	र	नि	०		२		०		३			
×									३			

नि	—	नि	धु	ध	प
धु	५	धु	नि	र	नि
मो	×	ह	ह	२	

संचारी.

ग	म	गम	प	प	प	ध	ध	—	धु	ध	प
म	ति	तऽ	पा	व	नि	नि	रा	५	क	र	नि
×		०	२			०	३		४		
प	पधु	नि	सां	रें	सां	धु	—	ध	नि	ध	प
आ	५५	दूधु	त	ग	ति	दे	५	व	त	र	नि
×		०	२			०	३		४		
म	म	ग	म	प	म	—	ग	म	रें	सा	
ग		रे	ग	म	प						
प	र	म	रू	५	प	धा	५	५	र	५	नि
×		०	२			०	३		४		
नि	—	सा	सा	म	ग	प	—	—	नि	धु	प
सा		सा	म	ग	म	प					
वि	५	श्व	भा	५	र	हा	५	५	र	५	नि।
×		०	२			०	३		४		

आभोग.

प	—	नि	—	नि	नि	सां	सां	नि	सां	सां	सां
धि	५	ता	५	म	नि	आ	नं	द	क	र	नि
×		०	२			०	३		४		

नि	ध	—	ध	नि	सां	सां	रें	—	सां	निसां	नि	ध	प
ने	५	५	क	ज	न	म	दू	५	ख	द५	ल	नि	
×			०		२		०		३		४		
प	पध	नि	सां	रें	सां	नि	ध	—	नि	ध	प	प	
क	र५	नि	सु	ख	बि	ला	५	५	स	स	क	ल	
×		०		२		०			३		४		
ग	ग	म	नि	ध	प	ग	ग	मग	म	रे	—	सा	
म		नं	५	द	की	खा	५	नी५	दा	५	नि		
आ	५	०		२		०		३		४			
×		म	म	प	—	नि	ध	—	ध	नि	सां	सां	
मा	सा	ग	क	ने	५	स्ता	५	र	ख	५	ख		
नि	५	य	ध	नि	ध	०	ग	३		४			
ला	—	नि	ध	त	र	प	म						
×		धु			२	नि	५						
नि	५	धु			२	नि	५						
ध	—	धु			२	नि	५						
सिं	५	धु			२	नि	५						
×		०			२	नि	५						

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग	म	प	—	नि	—	—	प	ध	म	प	म
५	ब	न	५	छा	५	५	यो	५	स	घ	न
३		४	×		०		२			०	

ग	म	प	—	नि ध्रु	—	—	प	—	—	ग प	मग
ऽ	ब	न	ऽ	छा	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	दु	मऽ
३		४		×		०		२		०	
म				प						सा	
रे	ग	म	प	मप	म	ग	म	रे	सा	नि	सा
ऽ	बे	ली	ऽ	माऽ	धो	ऽ	भ	व	न	अ	ति
३		४		×		०		२		०	
सा	रे	—	सा	नि सा	नि ध्रु	नि	सा	रे	सा	ग	म
प्र	का	ऽ	स	ब	र	न	ब	र	न	पू	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे	ग	प	प	म	—	ग	म	रे	—	नि सा	
ष	रं	ऽ	ग	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	
३		४		×		०		२		यो,	स
सा	म	गम	प							०	
घ	न	ऽ	न								
३		४									

अन्तरा.

प	—	प नि ध्रु	—	नि	सां	सां	—	सां नि	सां	सां
को	ऽ	कि ला	ऽ	खं	ज	न	ऽ	का	ऽ	र
×		०	२		०		३		४	
नि	नि ध्रु	ध्रु नि	सां	सां	रें	रें	सां	नि ध्रु	—	प
सां			ऽ	ति	अ	नं	द	का	ऽ	रि
क	पो	त	२		०		३		४	
×		०								

नि	ध	प	मप	म	ग	म	प	—	नि	ध	नि	सां
च	हूँ		SS	आ	र	र	भ	ब	र			र
×			०		२	०	०	३	४			४
रें	सां		नि	सां	—	नि	ध	प	मग	—म	प	प
सा	ऽ		ऽ	ऽ	ऽ	यो	ऽ	घ	नऽ	ऽब	न	न
×			०		२	०	०	३		४		
नि	ध	—	—	प								
छा	ऽ		ऽ	यो								
×			०									

संचारी.

म	म	गम	प	—	प	नि	ध	—	ध	नि	—	प
स	स	SS	सू	ऽ	र	ती	ऽ	न	आ	ऽ	म	म
×		०		२		०		३	४			
प	प	—	नि	—	ध	सां	—	सां	नि	—	प	प
ए	क	ऽ	ई	ऽ	स	मू	ऽ	र	छा	ऽ	न	न
×		०		२		०		३	४			
म	म	ग	रे	ग	प	म	—	ग	रे	—	सा	सा
ओ	ऽ	क्त	जो	ऽ	क्त	ला	ऽ	ग	डां	ऽ	ट	ट
×		०		२		०		३	४			
ग	ग	म	प	प	—	नि	ध	—	नि	ध	—	प
म	ग	म	प	प	—	ध	—	—	ध	—	प	प
क	र	ऽ	दि	ख	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यो।	यो।
×		०		२		०		३		४		

आभोग.

प	प	—	म	नि	—	सां	सां	नि	सां	—	सां
क	हे	ऽ	मि	धां	ऽ	ता	ऽ	न	से	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	—	नि	सां	—	रें	सां	नि	धां	—	प
सां	धां	—						नि			
सु	नो	ऽ	शा	हे	ऽ	अ	क	ऽ	ब	ऽ	र
×		०		२		०		३		४	
म											
प	नि	धां	प	ग	म	प	—	धां	नि	सां	—
प्र	थ	म	रा	ऽ	ग	भै	ऽ	ऽ	र	व	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रें	—	सां	नि	सां	नि	धां	प	म	प	म	प
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	या	ऽ	स	घ	म	न	न
×		०		२		०		३		४	
नि	धां	—	प								
धु	—	—									
छा	ऽ	ऽ	यो								
×		०									

भैरव-चौताल. (विलम्बित).

स्थायी.

ग
म
बा

रे	ग	—	सा	नि	—	धां	सा	सा	—	रे
ऽ	रे	—	र	धु	—	म	ऽ	म	—	आ
३	द	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२

—	ग रे	—	सा	नि सां	नि ध्र	नि	सा	रे	सा	—	रे
५	५	५	ये	ब	र	न	ब	र	न	५	ब
३		४		×		०		२		०	
ग	रे	ग	प	म	—	ग	म	रे	—	ग	सा म
र	स	त	५	प्या	५	५	५	५	५	रे, बा।	०
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

ग	नि ध्र	—	नि	सां	—	सां	सां	—	नि	सां सां
म	नी	५	सु	नी	५	घ	न	५	घो	५ र
सु		०		२		०				४
×										
नि ध्र	—	—	नि	सां	सां	रें	—	सां	नि ध्र	— प
चा	५	५	त्र	क	च	को	५	र	मो	५ र
×		०		२		०		३		४
म					म	प				
प	ग	म	प	—	प	ध्र	ध्र	सां	ध्र	— प
बो	५	५	ल	५	त	सु	हा	ये	नं	५ द
×		०		२		०		३		४
म							ग			
प	म	—	ग	म	रे	सा	म			
दु	ला	५	५	५	५	रे,	बा			
×		०		२		०				

संचारी.

सा	सा	—	नि ध	नि ध	नि ध	नि ध	—	ध	नि ध	—	प
तै	से	ऽ	ही	ब	न	कुं	ऽ	ज	के	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	
प	प	प	प	नि ध	ध	सां	—	सां	नि ध	—	प
बि	ह	र	त	भु	ज	कं	ऽ	ठ	मे	ऽ	लि
×		०		२		०		३		४	
म	मग	मरे	ग	म	प	म	म	ग	म रे	—	सा
ग	(नुऽ)	(ऽऽ)	रा	ऽ	गे	दो	ऊ	ऽ	रू	ऽ	प
अ		०		२		०		३		४	
×	सा	नि	नि	सा	—	ग रे	—	—	ग रे	—	सा
ऽ	रू	ऽ	प	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे ।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प	म प	—	नि ध	—	नि	सां	सां	—	नि	सां	सां
स	खी	ऽ	ज	ऽ	न	ब	लि	ऽ	हा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
नि	—	ध	नि	सां	सां	रें	सां	सां	नि ध	—	प
ध											
ले	ऽ	त	रू	ऽ	प	नै	न	नि	हा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	

प	ग	म	प	—	ध	सां	नि	सां	सां	ध	प
सा	५	हे	सू	५	हे	ह	स	न	ब	स	न
×		०		२		०		३		४	
म			म				ग				
प	म	ग	रे	—	सा	—	रे				
मै	न	५	बा	५	रे	५,	बा				
×		०		२		०					

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग
म
ये

गम	प	प	—	नि	—	प	पम	प	म	ग	ग
SS	ग	न	५	ना	५	५	य५	५	क	५	स
३ ग		४		×		०		२		०	
रे	ग	म	प	म	—	ग	म	रे	ग रे	सा	—
ब	सु	ख	५	दा	५	५	५	५	य	क	५
३		४		×		०		२		०	
सा		ग		सा			सा		ग		
नि	सा	रे	सा	नि	सा	ध	नि	सा	सा	म	—
मो	५	प	र	की	५	५	जे	५	क्रि	पा	५
३		४		×		०		२		०	

रे	म	म	प	म	ग	ग	म	रे	-	सा	ग
५	दी	५	जे	बु	ध	५	बा	५	५	नि,	ये ।
३		४		×	०			२		०	

अन्तरा.

प	-	नि	सां	सां	सां	-	नि	सां	सां
लं	५	धो	द	र	आ	५	नं	५	द
५	०	२	०	०	३	३	४	४	४
नि	ध	सां	सां	रें	-	सां	सां	नि	प
ध	ध	नि	सां	रें	-	सां	नि	ध	प
क	र	स	क	ल	५	घ्न	ह	र	न
५	०	२	०	०	३	३	४	४	४
नि	-	ध	प	प	-	-	नि	ध	प
ध	नि	ध	प	प	-	-	ध	-	प
मो	५	द	ब	ढा	५	५	व	५	त
५	०	२	०	०	३	३	४	४	४
प	मप	नि	ध	ध	सां	-	नि	ध	प
मं	५	ग	ल	म	हा	५	मं	५	त
५	०	२	०	०	३	३	४	४	४
म	म	म	-	सा	ग	-	-	-	-
प	त	दी	५	नि,	म	-	-	-	-
५	०	२	०	०	३	३	४	४	४

संचारी.

प	प	गम	प	—	प	ध	—	ध	नि	ध	—	प
इ	त	SS	नो	S	प्र	सा	S	द	पा	S	उं	
×		०		२		०		३		४		
प	ध	—	सां	सां	—	रें	सां	—	नि	ध	—	प
स	दा	S	ह	री	S	गु	न	S	गा	S	उं	
×		०		२		०		३		४		
ग	मग	म	रे	गम	प	म	म	ग	म	रे	सा	
म	(धS)	बु	ध	हिS	त	चि	त	S	छां	S	डि	
सु	(धS)	०		२		०		३		४		
×												
रे	सा	—	म	—	म	प	—	प	नि	ध	—	प
त	न	S	म	S	न	औ	S	र	ध्या	S	उं	
×		०		२		०		३		४		

आभाग.

प	—	प	ध	—	ध	सां	—	सां	—	सां
प्रे	S	म	दा	S	स	ति	S	रो	S	हि
×		०		२		०		३		४
नि	—	ध	सां	सां	सां	रें	सां	नि	सां	ध
ध	—	ध	नि	सां	सां	रें	सां	नि	सां	ध
ध्या	S	न	ध	र	त	नि	S	न	उ	र
×		०		२		०		३		४

प	म	गम	प	—	प	प	नि	—	सां	सां
तु	म	SS	तो	S	पु	र	न	S	ज	ग
×		०		२		०		३		४
म	म	ग	म	रे	—	सा	ग			
प	र	S	ग्या	S	S	नि,	म			
गु		०		२		०	ये			
×										

भैरव—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग	म	ग	म	प	—	नि	धु	—	—	प	मप	प
S	गं	S	S	गा	S	ध	S	S	S	र	SS	त्रि
०		३		४		×		०			२	
म	ग	रे	म	ग	म	प	म	—	ग	म	रे	सा
न	य	न	सू	S	ल	पा	S	S	S	S	S	नि
०		३		४		×		०			२	
सा	सा	सा	ग	रे	—	सा	ध	—	नि	सा	—	सा
नि	S	स्म	अं	S	ग	नी	S	ल	कं	S	ठ	
भ		३		४		×		०		२		
०	ग	ग	म	प	—	प	म	ग	म	रे	सा	
S	गौ	S	S	री	S	अ	र	S	धं	S	ग।	
०		३		४		×		०		२		

अन्तरा.

[illegible]

भैरव-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

[illegible]

मग। (जा)S ३	मरे (SS)	म ग	प S	म प	म र	ग S	म रे	—	सा नि
सा S ३	ग रे ज	वो ४	रे ह	मि X ग रे	—	—	दं S २	S	ग आ
म रे ल ३	ग न	मग जुS ४	ग प की	मा X म प	S	S	सा रे म रे गां	—	म म
				ब X	र	S	—	नि।सा (SS)	ला S
							S	सा	नि सा
							S	ठ	S, स।
							२		०

अन्तरा.

प क X नि ध मू X म प क X म प या X	प न — S म रि म S	प क ० — S ० गम (SS) ० ग S	नि ध था नि क्ता प न्यौ म रे S	— S सां S — S — S	नि र — S मप (SS) सा यो	सां भ ० नि रें फ ० नि ध छा ० — S ०	सां र सां ल — S नि सा स	— S ३ नि।सां (SS) ३ सां S ३	सां नि भ नि ध क नि ध व	सां सां र ४ — प र ४ — प र ४
--	---------------------------------------	---	---	--	---	---	---	---	--	--

संचारी.

नि	सा	—	नि	नि	—	नि	नि	—	नि	नि	प
सा	सा	५	ध	ध	५	ध	ध	५	ध	ध	की
न	व	०	न	व	२	प	ल्ल	३	व	न	४
×						नि			नि		
प	—	ध	नि	सां	—	सां	—	नि	ध	—	प
मा	५	५	ला	५	५	द्वा	५	नि	र	५	न
×		०		२		०		३		४	
प	मग	मरे	ग	म	प	म	म	ग	म	रे	सा
ग											
द्वा	SS	SS	र	५	न	वं	धा	५	५	५	यो
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

म	—	—	नि	—	नि	सां	—	—	सां	सां	सां
प	—	—	ध	—	ध	र	५	५	प्र	५	सु
वं	५	५	सी	५	२	०		३		४	
×		०						सां		नि	प
नि	—	—	सां	नि	सां	—	रें	सां	सां	ध	५
ध	—	—								है	५
को	५	५	ज	स	५	सु	नि	य	त	५	
×		०		२		०		३		४	
ग	ग	म	प	—	ध	सां	—	सां	ध	ध	प
म									ध	है	५
स	ब	५	ही	५	को	ला	५	ग	त	५	
×		०		२		०		३		४	
म	म	ग	म	रे	—	सा	नि	सा			
प											
सु	हा	५	५	५	५	यो,	स				
×		०		२		०					

भैरव-धमार (विलम्बित).

स्थायी.

						ग रे - सा ला ऽ ल		
नि सा ध्र -	सा - - म -	म ग	ग म प -					
अ ल सा ऽ	ने ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ	भो ऽ ऽ					
३	×	२	०					
म ग म -	रे - - सा -	नि सा	रे - सा					
रे ऽ ही ऽ	आ ऽ ऽ ये ऽ	ऽ ऽ	ला ऽ ल					
३	×	२	०					
सा नि								
नि सा ध्र -								
अ ल सा ऽ								
३								

अन्तरा.

						सां		
प - - ध्र -	- नि	सां सां -	नि सां सां सां					
कौ ऽ ऽ न ऽ	वा	ऽ म ऽ	हि त चि त					
×	२	०	३					
नि ध्र ध्र - नि -	सां -	रे सां -	नि सां ध्र प					
सौ ऽ ऽ ऽ ऽ	चा	ऽ ऽ	ऽ ऽ ये ऽ					
×	२	०	३					

(२३१)

म नि	सां					नि						प	—	गम	प
प ध	—	नि	—	सां	—	ध	—	—				प	—	गम	प
स ग	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	रै	ऽ	ऽ				न	ऽ	ऽऽ	ज
×				२		०						३			
ग						ग						सा	नि		
म	—	ग	म	रै	—	सा	रै	—	सा			नि	सा	ध	—
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ला	ऽ	ल			अ	ल	सा	ऽ।
×				२		०						३			

भैरव-धमार (विलम्बित).

स्थायी.

												ग			
												रै	—	सा	
												आ	ऽ	ज	
सा	ध	सा	—			ग				नि					
सा	ध	सा	—	म	—	—	म	गम	ध	—		प	म	ग	
र	स	मा	ऽ	ते	ऽ	ऽ	हो	ऽऽ	री	ऽ		खे	ऽ	ऽ	
३				×					२			०			
म	—	ग	म	म	रै	—	रै	—	सा	—		रै	—	सा	
ले	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ऽ		आ	ऽ	ज	
३				×					२			०			

प - मप ध -	नि	सां	नि	सां	सां	सां
ता ऽ ऽ री ऽ	२	दै	दै	२	२	ना ऽ च त
×		०	०			३
नि						नि
ध - - नि सां	सां	सां	रें	-	सां	नि सां ध प
गा ऽ ऽ व त	सं	ग	ग्वा	२	२	२ ल ब्रि ज
×	२		०			३
ध	म	ग	ग			
सां ध प ग मग	रें	सा	रें	-	सा	
बा ऽ ऽ ऽ ऽ	२	ल	आ	२	ज	
×	३		०			

राग पूर्वी

पूर्वी रागः सकलविदितः कोमलाभ्यां रिधाभ्यां ।
मध्यस्तीव्रो मृदुरपि सदैवात्र तीव्रौ गनी स्तः ॥
गो वाद्यत्र प्रविलसति तत्साहचर्ये निषादः ।
संपूर्णोऽसौ सरसविवृधैः सायमेव प्रगीतः ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू रिधौ मध्यमौ द्वौ वादिसम्वादिनौ गनी ।
पूर्वीरागः सायमुक्तः पूर्णारोहावरोहणः ॥

चन्द्रिकायाम् ।

कोमल रिध तीवर गनी दोऊ मध्यम लाग ।
गनि वादी सम्वादिर्ते वनत पूर्वी राग ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ रिगोढिमगौ मपौ धपौ मगौ मगौ रिसौ ।
सम्पूर्णा पूर्विका सायं गांशा मध्यभूषिता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

‘पूर्वी’—यह राग पूर्वाथाट से निकला है ! इसमें रिपम, धैवत कामल लगते हैं, मध्यम दोनों प्रकार के लिये जाते हैं एवं शेष स्वर शुद्ध प्रयुक्त होते हैं। इसकी जाति सम्पूर्ण है। वादी स्वर गन्धार और सम्वादी निषाद है। इस राग का गायन समय दिन का अन्तिम प्रहर माना जाता है। पूर्वी राग का वैचित्र्य सा, ग, प, नि इन स्वरों पर दिखाई देता। इसकी प्रकृति गम्भीर है। उत्तर भारत की ओर तीव्र धैवत का प्रयोग इस राग में कहीं-कहीं दिखाई पड़ता है। कोई-कोई गायक इसमें दोनों धैवत भी लगाते हैं।

आरोहावरोहः—

सा, रे ग, म प, ध, नि सां । सां नि ध प, म, ग, रे सा ॥

पकड़ः—

नि, सा रे ग, म ग, म, ग, रे ग, रे सा ।

पूर्वी—भूपताल (मध्यलय) .

स्थायी.

नि ×	रे	ग २	ग	म	ग ०	रे	ग ३	रे	सा
नि ×	नि	सा २	रे	ग	रे ०	ग	म ३	ग	ग
म ×	ग	म २	ध	म	रे ०	नि	ध ३	नि	ध
प ×	म	ग २	म	ध	म ०	ग	ग ३	रे	सा

अन्तरा.

म ×	ग	म २	ध	म	सां ०	ऽ	नि ३	रे	सां
नि ×	रे	गं २	रे	सां	नि ०	रे	नि ३	ध	प
म ×	ध	नि २	ध	रे	नि ०	ध	नि ३	ध	प
सां ×	नि	ध २	प	म	ग ०	रे	ग ३	रे	सा

पूर्वी—एकताल (मध्यलय) .

स्थायी.

ग	ग	रे	सा	नि	नि	सारे	ग	मं	मंग	मं	ग
म	री	स	खी	तो	हे	पूऽ	र	प	बी	ना	उं
ए		०		२		०		३		४	
×											
म	ध	प	ध	म	प	म	ग	म	रे	ग	ग
प											
का	ऽ	म	व	र	ध	नि	के	क	र	सु	ग
×		०		२		०		३		४	
सा	रे	ग	—	म	ध	नि	ध	ध	रे	नि	ध
नि											
सं	ऽ	पू	ऽ	र	न	मे	ऽ	ल	मि	ला	उं
×		०		२		०		३		४	
म	म	ग	रे	सा	नि						
प											
ए	री	स	खी	तो	हे						
×		०		२							

अन्तरा.

ग	—	ग	—	ध	ध	नि	—	सां	नि	सां	सां
म				म		सां					
वा	ऽ	दी	ऽ	गं	ऽ	धा	ऽ	र	ब	ना	उं
×		०		२		०		३		४	
सां	नि	रें	गं	रें	सां	नि	—	नि	नि	ध	प
नि											
स	म	बा	ऽ	दी	ऽ	स	ऽ	स	म	गा	उं
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

धु म - ग ग	धु म - ध मधु	धु सां - सां सां	नि सां रे सां सां
वा ऽ दि गं	धा ऽ र निऽ	खा ऽ द सु	स ह च र
०	३	×	१
नि सां - सां सां	नि - ध धु	नि रे नि ध	नि ध प प
म ऽ ध्य म	जो ऽ ग दि	खा ऽ व त	सुं ऽ द र
०	३	×	२
सा नि - सा रे	ग - म ध	धु रे नि ध नि	धुप पमं गम ग
सं ऽ धि प्र	का ऽ श स	म य क ह	तऽ चऽ तुऽ र ।
०	३	×	२

पूर्वी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
नि
ब

रे म ग प प	धु प - प	म प धु म पमं	ग म ग धु
न त ऽ ब	ना ऽ ऽ ऊं	ब न न हिऽ	आ ऽ वे ह
१	×	२	०
म ग - रे	सा - - -	निरे गमं पधु पमं	ग रे सा नि
रि के ऽ बि	ना ऽ ऽ ऽ	हेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ आ लि, ब ।
१	×	२	०

अन्तरा.

ध म ग म ध्रुम	ध सां - रें सां	सां नि ध निरें निध	प नि ध प ध
का ऽ रि कऽ	रूँ ऽ अ व	कै से सऽ मऽ	भा ऽ ऊं स
३	×	२	०
म ग - म	ग रे सा सा	निरें गम पध्रु पम	सा ग रे सा नि
म भ ऽ त	ना ऽ हिं न	हेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ आ लि, व
३	×	२	०

पूर्वी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म प ध म पम	म ग म ग रे	ग म ग - रे	ग म प -
आ ऽ व नऽ	क हि ग ये	अ ग ऽ म्भ	इ ल वा ऽ
०	३	×	२
म ध्रु प प म -	ग म ग -	ध्रु म मध्रु म ग	रे ग रे सा -
उ न को ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ध्रु भु जऽ फ र	क त है ऽ
०	३	×	०
नि रे ग म	प - - -	ध्रु म - म -	म ग म ग -
अं खि मो रि	बां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ईं ऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म म ग ग	ध म - ध मध	ध सां - सां सां	सां रें सां -
स कु न बि	चा ऽ रो ऽऽ	रे ऽ मो रे	ब म ना ऽ
× नि	२	०	३
सां - सां सां	नि ध नि सांरें	नि - - ध	नि ध - प प
वे ऽ ग मि	ल न वा ऽऽ	हो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ य
×	२	०	३
म ध - ध	म ग म ग -	नि रे ग म	प - - प
प म - म	गी ऽ ले ऽ	आ ऽ ल म	गी ऽ ऽ र
स दा ऽ रं	२	०	३
×	म		
प - ध -	ग म ग -		
सां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ई ऽ		
×	२		

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म प ध प म	ग म ग रे	सा ग - नि रे	ग म ग -
क ग वा ऽ	बो ऽ ले ऽ	मो ऽ रि अ	ट रिया ऽ
०	३	×	२

ग रे ग म	प - - -	म ग - म	ग रे सा -
ट रि या ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	स कु ऽ न्म	इ ल वा ऽ
०	३	×	२
सा			
नि नि सा रे	ग ग म ध	रे नि ध प	म ग म ग
स खि मो री	धु ज वा ऽ	फ र क न	ऽ ला ऽ गी ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म अ ० नि सां डा ० सा नि स ० ग क ०	म ग न क रुं ग सा रे खि री ० ध प म ग वा ०	ध म - ध मधु ३ तु मऽ ३ नि ध नि ध रे ३ फू ३ ग ग म ध उ न प र ३ तु मऽ ३ नि ध नि ध रे ३ फू ३ ग ग म ध उ न प र ३	ध सां - सां सां मो ३ रे पि ३ सां सां नि निरे नि ध ल नऽ के ३ ३ रे नि ध प त न म न ३	नि सां रे सां - सां सां मो ३ रे पि ३ सां सां नि निरे नि ध ल नऽ के ३ ३ रे नि ध प त न म न ३	नि सां रे सां - सां सां मो ३ रे पि ३ सां सां नि निरे नि ध ल नऽ के ३ ३ रे नि ध प त न म न ३
---	--	--	--	--	--

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग म ग रे	— सा नि -	सा रे ग -	— — म ग
रं गी ली रा	ऽ म की ऽ	अ खि यां ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म ग ग	ध म ध मधु	धां - सां सां	रें - सां सां
सु र न र	सु नि ज नऽ	जी ऽ व न	खं ऽ ज न
०	३	×	२
सां			
नि नि सां -	नि ध नि ध	रें रें नि ध	म ग म ग
म न रं ऽ	ज न प खि	यां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म - ग	ध - ध मधु	सां सां सां सां	रें - सां -
कृ पा ऽ क	टा ऽ छ लऽ	छ न छ वि	आ ऽ छे ऽ
०	३	×	२
सां			
नि निरें रें गं	रें सां नि ध	रें रें नि ध	म ग म रे
मृ गऽ छौ ऽ	ना ऽ छ कि	यां ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ।
०	३	×	२

पूर्वी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा

च

सा निरे ग म ध	मध निमां नि ध	— प (प) —	ग म ग ध
लोऽ री मा इ	ओऽ ऽऽ लि या	ऽ ऽ पी ऽ	ऽ ऽ के द
३	×	२	०
म ग रे सा	— सां — नि	ध प म प	म ग म ग
र बा ऽ र	ऽ पू ऽ बि	दु ल हि न	ब ना ऽ ई
३	×	२	०
सा नि रे ग म	ध ध म मध म ग	मरे ग — म	ग रे सा सा
गा ऽ व त	क रऽ जो ऽ	रऽ रा ऽ ग	रं ऽ ग, च
३	×	२	०

अन्तरा.

ग म म ग —	ध म ध —	नि सां सां सां —	रें — सां —
सु ल ता ऽ	न म शा ऽ	य क मा ऽ	नो ऽ जू ऽ
२	०	३	×
नि सां — सां सां	नि निध नि ध	सां नि निरें नि ध	नि — ध प
व्या ऽ ह न	च ङिऽ या ऽ	स बऽ प्र थ	वी ऽ ऽ ब
२	०	३	×

मं॒प मं॒पधु मं॒पमं॒	मं॒ ग म ग ग	सा नि॒ रे ग मं॒	धु मं॒पु मं॒ ग
राऽ॒ ऽऽऽ ती ऽऽ	म न रं ग	ध न ध न	वा ऽऽ की रा
०	०	३	×
म रे ग मं॒	ग रे सा सा		
ऽ त रं ग	सं ऽ ग, च		
२	०		

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
नि॒
म

रे ग - रे	मं॒ ग म ग -	मं॒प धु मं॒पमं॒	ग म ग -
धु रा ऽ न	जा ऽ वो ऽ	कोऽ॒ ऽ न वऽ	हां ऽ हैं ऽ
३	×	२	०
ग ध	धु रे नि ध प	मं॒ प धु मं॒पमं॒	सा ग म ग नि॒
म ग म धु	३	३	३
कु ब जा ऽ	ना ऽ री ऽ	ना ऽ रि अऽ	ना ऽ रि, म।
३	×	२	०

अन्तरा.

धु मं॒ ग मं॒ धु	सां - सां सां	नि रे गं रेसां	नि रे सां नि धु प
हुं ऽ तो पे	वा ऽ रि अ	र ज मो रिऽ	मा ऽ नो ऽ
३	×	२	०

पूर्वी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

धु धु म मधु म ग	रे ग - रे सा	सा नि - सा रे	ग - म ग
मा इऽ मे रे	नै ऽ न न	बा ऽ न प	री ऽ री ऽ
० सा सा	३	×	२
नि सा प प	प - प -	मप धु म पम	ग म ग -
जा ऽ दि न	नै ऽ ना ऽ	व्या ऽ म नऽ	दे ऽ खों ऽ
० नि	३	×	२
सा सा ग ग	म - धु मधु	रें रें नि धु	म ग रे सा
वि स र त	ना ऽ हिं षऽ	री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म म ग -	धु म म धु मधु	धु सां - सां सां	रें - सां सां
चि त में ऽ	ब स ग इऽ	सां ऽ व रि	खू ऽ र त
० नि	३	×	२
सां सां सां -	नि - धु धु	रें रें नि धु	नि धु प -
उ र तें ऽ	ना ऽ हिं ढ	री ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
० धु	३	×	२
म - धु नि	धु धु म मधु म ग	म रे ग म	ग रे सा -
मी ऽ रा ऽ	ह रिऽ के ऽ	हा ऽ थ वि	का ऽ नी ऽ
०	३	×	२

सा नि - रे ग	- ग म ध	ध रे नि ध प	प ग म ग नि
गवा ऽ ल सू	ऽ त तो हे	श र म न	आ ऽ ई, व ।
३	×	२	०

पूर्वी-त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

नि नि म ग	गम रेग - रे	सा - - -	सा नि
मौ ऽ जा ऽ	मा ऽ ऽ ऽ णी	हो ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ थें
०	३	×	२
सा सा ग ग	म ध नि सां	सां नि ध प	प - म ग
मा णी ग र	र सि या ऽ	रै ऽ ण स	मै ऽ रा ऽ
०	३	×	२
म रे ग म	नि नि म ग	गम रेग - रे	सा - - -
णी ऽ सों ऽ	च ऽ त्र ऽ	सा ऽ ऽ ऽ णी	हो ऽ ऽ ऽ ।
०	३	×	२

अन्तरा.

म म म म ग	म - ध म	सां सां सां सां	सां रे सां -
भां गड ली पि	वो ऽ सु ख	क रो म न	रं ग में ऽ
०	३	×	२

सां	नि	रें	गं	रें	सां	-	रें	सां	म	प	-	प	ध	म	ग	मरे	ग
सा	लु	डा	रे	आं	५	च	ल	५	छा	५	णि	हो	५	५५	५	५	५
०				३					×				२				

पूर्वी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध	म	म	ग	रे	सा	सा	नि	-	रे	ग	म	ग
न	इ	रे	ल	ग	न	मो	५	रि	ला	५	गि	
×		०		२		०		३			४	

अन्तरा.

ध	म	-	ध	-	सां	सां	सां	-	सां	रें	सां	सां
ते	५	रे	५	रं	ग	में	५	नि	३	स	दि	न
×		०		२		०					४	
सां	-	रें	गं	रें	सां	नि	रें	नि	ध	म	-	ग
नि	५	५	र	ह	त	रं	५	ग	पा	५	गि	
हों		०		२		०		३			४	
×												
ध	म											
न	इ											
×												

पूर्वी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

	(सा)	नि	सारे	ग	—	मं	ग	ग	ग	मं	—
	पी	रनि	रनि	जा	५	रे	दी	५	न	प	५
५		४		×		०		२		०	
धु	मं	ग	—	मं	ग	धु	मं	—	ध	सां	निरे
५	गम	या	५	स	ब	५	मे	५	रि	ई	५५
३	लि	४		×		०		२		०	
निध	नि	ध	प	प	प	ध	मं	प	मं	ग	म
छा	दो	५	५	भ	र	५	५	५	५	पू	५
३		४		×		०		२		०	
ग	सा	नि	सारे	ग	—						
र,	पी	रनि	रनि	जा	५						
३		४		×							

अन्तरा.

धु	मं	ग	धु	मं	ध	सां	—	सां	रें	—	सां	नि	निरे
	दो	५	ऊ	ज	हां	५	में	दी	५	न	इ	मा	५
३		४		×			०		२		०		
धु	नि	नि	ध	प	मं	ध	मं	ग	ध	मं	सां	सां	निरे
	पा	५	ऊं	आ	नं	द	०	स	हि	त	ध	न	५
३		४		×					२				

अन्तरा.

ग ध म ग म ध	ध सां - रें सां	नि ध नि नि सांरें	ध नि ध प -
ग रे को ऽ	हा ऽ दूँ गी	क र को कंऽ	ग न वा ऽ
ग म ग - ध	सां नि रेंनि ध प	म प ध म पमं	म ग म ग धमं
औ र ऽ गुन	मा ऽ गुं गी ऽ	तो ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ रा, दुन
ग रेसा नि सारे	ग म ग -		
वा ऽऽ ऽ हेमा	ई ऽ ऽ ऽ		

पूर्वी-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा रे ग गमम गम	रे ग रे सा -	रेरेसानिसा नि - सारे	ग म ग -
नै ऽ ऽऽऽ याऽ	मो ऽ री ऽ	पाऽऽऽऽ ऽ ऽ रक	रो ऽ रे ऽ
गमरेग प - ,पमं	ध - प -	म प ध म पमं	ग म ग -
अऽऽऽ ब ऽ ,निऽ	जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ मी ऽ।
सा रे ग गमम गम			
नै या ऽऽऽ ऽऽ			

अन्तरा.

धु	धु	नि	रें	रें	निधु
म	ग	सां - सां ,सांनि	सां	सां	निनि धु प
तु	म	पी ऽ र ,गंऽ	भी ऽ ऽ र	ग्याऽ ऽऽ ऽ न	
३		×	२	०	
धु	धु	धु	म	म	ग म ग -
प	म	रें नि धु प	प धु म पम	ऽ ऽ मी ऽ	
अं	ऽ ऽ	जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽऽ	ऽ ऽ	
३		×	२	०	
सा	धु				
रें	ग गमम गम				
नै	या ऽऽऽ ऽऽ				
३					

पूर्वी-एकताल. (विलम्बित).

स्थायी.

धु	गरे	सानि	सारे	ग	म	ग	-	म	धु	म	पम
म	गरे	वाऽ	कीऽ	बा	ऽ	से	ऽ	तो	ऽ	में	ऽऽ
य	ऽऽ	४		×		०		२	०		
३				ग	धु	म	म, गम	ग	रें	सा	-
प	म	ग	-	मरे	ग	मधु	म, गम	ग	रे	वे	ऽ
ग	म	ग	-	तू'ऽ	ऽ	मोऽ	हे, ऽऽ	भा	ऽ	वे	०
आ	ऽ	वे	ऽ	×		०		२			
३		४									

ग
धु
पि

सा नि ला ३	सारे गग ()	ग रे (४	धु मधु (मोरे ()	धु सां पि ×	नि या ५ ०	धु प ५ २	म प प्या ५ २	धु म ५ २	गम ग,धु (५५ ०	ग रि,पि (५५ ०
---------------------	----------------------	-------------------	----------------------------------	----------------------	--------------------	-------------------	--------------------------	-------------------	----------------------------	----------------------------

अन्तरा.

धु मधु तुं ३	सां निसां (जिन (३	सांसां लजा (४	सांनि ५,व५ ()	रें ही ×	— ५ ×	सां ५ ०	— ५ ०	नि सां तो २	सां सी २	नि तू ०	धु हि ३
सां रेंनि (वड़ ३	धु नि (भा (३	धु ध (५	पप गिन (४	धु म ×	धु म ५ ५	ग ग ५ ०	ग ग ५ ०	ल ल २	५ ५ ५	छ ०	रेंनि (५न (३
धु नि न्या ३	धु ध (५	प ५ ५	— ५ ५	म प ५ ५	धु ध (५	म म (५५ ५	ग ग (५	ग म ५ ५	ग ग (५	ग धु (५	ग धु (५

पूर्वी-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग
धु
म

म न ३	ग ५ ५	रेरेसांनि ५,स्त५ ()	—,सारे ()	ग जा ×	गम मे ५	— ५ ५	म प इ २	प शकं ५	धु ५ ५	सां नि ५	निरेंनि ५ (५५ ५	धु प ५
-------------	-------------	-------------------------------	------------------	--------------	---------------	-------------	------------------	---------------	--------------	----------------	------------------------------	--------------

म	ध	प	प	म	ग	म	रे	ग	-	म	ध	म	ग	म	रे	सा	ध
ख	ब	ऽ	ऽ			ऽ	र्न	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रं, ऽम।
३						×				२					०		

अन्तरा.

ध	म	-ग	म	ध, म	ध	सां	-नि	रें	सां	नि	सां	नि	ध	नि	ध	प	
ग	ऽ	र्न	रे	ऽ	बु	रं	ऽ	द	री	रा	प	ऽ	र्वा	ऽ	ऽ	ये	ऽ
३						×					२				०		
ध	म	ध	म	ग		म	रे	ग	-	म	ध	म	ग	म	रे	सा	ध
स	ऽ	र्न	ऽ			ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रं, ऽम।
३						×				२					०		
ध	म	ग	रे	सा	नि, सारे												
न	ऽ	ऽम	ऽ	स्त	ऽ												
३																	

पूर्वी-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

म	ध	म	ग	-	सा	रे	सा	-	निसा	रे	नि	-	-	सारे	ग	ग	म	ग	-
च	र	ऽ	ऽ		न	प	ऽ	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	त	ऽ	
३					×					२					०				
ग	म	रे	ग	प	-	प	ध	-	प	-	म	प	ध	म	प	म	ग	ग	-
ए	ऽ	रो	ऽ	आ	नं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	द	ऽ	।
३					×					२									

मं	ध	म	ग	गमं	रे	ग	रे	सा	-	नि	सा	सारे	नि	-	सारे	मं	रे	ग	गमं	ग	गमं
सु	ख	५	५	५	भ	५	यो	५	तन	म	५	न	५	५	५	ध	५	न	५	५	५
३					×				२							०					

अन्तरा.

ध	ध	म	ग	म	ध,मं	ध	सां	-	सां	रें	सां	नि	सां	सां	-	सां	नि	रें	रें	सां	-
ऐ	सो	पी	२,ज	५	रा	५	ज	रो	५	ज	र	५	ब	५	क	स	न	५	५	५	५
३					×					२					०						
नि	सां	सां	सां	-	नि	ध	नि	-	ध	ध	नि	-	रें	नि	ध	नि	ध	प	-		
नि	जा	५	५	मु	दी	५	५	न	औ	५	५	लि	५	या	५	५	५	५	५	५	५
३					×				२					०							
ध	म	-	ध	नि	रें	नि	ध	नि	ध	प	म	ध	म	प	म	ग	म	ग	गमं		
ए	५	५	५	५	५	ध	५	न	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
३					×				२					०							

पूर्वी-एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

रे	मं	ग	मं	ध	नि	नि	ध	प	म	प	म	ग	म	ग	-
ये	५	५	मे	ह	५	५	बू	५	५	५	५	५	५	ब	५
३			४				×		०			२		०	

धु	म	धुम	-	गम	रे	ग	रे	सा	-	नि	सासा	सा,रेरेसानि	-	रेम
पी	३	SS	S	रेS	चे	S	स्ती	S	हज	र,तSSS	S	मुल		
ग	-	ग	४	म	म	ग	म	रे	ग	रे	प	प		
ता	३	S	S	S	S	S	S	S	S	S	S	न		
म	प	धु	४	नि	नि	धु	प	प	प	धु	म	पम		
नि	३	जाS	S	मु	दी	S	S	न	औ	S	S	SS		
ग	३	मरे	४	ग,मंग	पनि	४	०	०	२	०	०	०		
S	३	लि	४	या,SS	मेहे	४	०	०	२	०	०	०		

अन्तरा.

प४	मम	ग	म	धुप	सां	-सां	नि	सां	सां	नि	सां	नि	ध
कर	३	ता	४	आS	पी	S	नाS	यो	नू	र	ते	०	S
सां	निरे	धु	निनि	ध	प	ध	म	पम	ग	म	ग	ध	मध
SS	३	माS	४	मू	S	S	S	SS	S	S	रे	०	सुS

नि	रें	निध	नि	ध	प	ध	प	मं	ग	म	मं	रें	ग
र	SS	तS	S	खू	S	S	S	S	S	S	S	ब	ये
३		४		×		०		२				०	
म	ग	मं	ध	निनि									
S	S	मेह	SS										
३		४											

पूर्वी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध मं, ध मं, ग मं, ग रे सा रे रे सानि, सारे ग म ग	ग मं रे ग प - प प	ध मं ध रें नि ध प
ए, SS म, क S दू, S म सा SSS, SS हे S य	बि SSS ला S य त	स ब S वि ध S
३ मं प मं ध मं ग मं	२ नि सानि - ध मं, ग मं	० रे ग - रे सा
ला S S य S क	अ ल्ला S S ये, र S	खू S S ल
३ ध मं, ध मं, ग मं, ग रे सा	२	०
ए, SS म, क S दू, S म		
३		

अन्तरा.

ध	म	ध	सां	सानि	रें	—	सां	—	नि	सां	(सां)	नि	ध	नि	रें	नि	ध	प
स	ब	मि	ल	S	आ	S	ये	S	औ	ली	या	S	अं	S	वि	या	S	
३					×				२					०				

म ध ग म ध च हुँ चो ऽ ३	नि रे नि ध प ऽ ऽ रु में तु ×	म ध म ग म प म ध म ग म २	रे ग - रे सा धू ऽ ऽ म। ०
---------------------------------	------------------------------------	-------------------------------	-----------------------------------

पूर्वी-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सासा
दुर्द

मा ग ध नि सारेग मरेग प, म ध की सऽफा ऽऽऽ स, ईऽ ३	नि ध प म प अ ला ऽ ऽऽ ×	म ध प म ग म ग अ ला ऽऽ हो २	रे ग म मरेग अ ला ऽऽ ऽ ०
सा निरेगमप प म ध प अऽऽऽऽ ऽऽ स ला ३	म पपधधपम प म ग ऽऽऽऽऽ ऽऽ ऽऽ हो ×	ध म ध म ग रे ग अऽ क ऽऽ ऽ २	रे - रे सा सासा ऽ ब र, दुर्द। ०

अन्तरा.

म प, प म धुप सांसां - सां अ, लाऽ हि अला ऽ सु ३	नि रे - सां, सां भा ऽ न, अ ×	नि सां नि ध क ऽऽ ऽ, ज २	रे नि, रे नि धुप ऽऽ ऽऽ ०	म प प म ग आ ले ऽ ऽ ०
---	---------------------------------------	----------------------------------	-----------------------------------	-------------------------------

ग	म रे ग -	ध म, मधु म, गमं रे	सा निरे गमं प मप	प नि ध प -
३	५ ५ हं ५	दु, ५५ ली, ५५ ५५ ल्ला	लाहे लाहे ला ५५	५ व ल्ला ५
३	म धु -	ग	रे	३
प म - ग	म रे ग ग	म धु म - ग रे	ग रे सा, सासा	
अ ल्ला ५ ५	५ ५ ५ हो	अ ५ क ५ ५५	५ ५ व र, दुर्द।	
३	×	२	०	

पूर्वी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा	निरे गग -	ध गमंमं - गमं	रे ग -	रे सा	रे सा	- नि सा
३	स ५५ ला ५	५५ ५, हे ५	का ५	५ र	कु जा ५	५५
३	सा	सा	सा	सा	मं	
नि सा रे रे सा निरे	ग रे सा	नि सा रे रे सा नि	निरे ग रे	ग -	गमंमंममग म	
३	५५५५ ५५	म न ५	५५५५ ५	५५ ५५	रा ५	५५५५५ ५
३	रे	मं	मं	मं	ग म ग -	
ग रे	प -	मप	प ध	म पमं	ग म ग -	
वकु	जा ५	५५	५ ५	५ ५५	५ ५ ५ ५	
३	५	×	०	२	०	

अन्तरा.

धु मं,मधु मंग	ध मं	धुप	सां	सांनि	रें	सां	रेंसांनि	सां,निधु	नि	ध
वि,SS वित	फा	स्व	त	SS	र	हे	अSSS	S,ज्कुS	जा	S
३	४		×		०		२		०	
सां	रेंनि	निधु	प	प	ध	म	पम	ग	म	ग
नि	रेंनि	निधु	प	प	ध	म	पम	ग	म	ग
स्ता	बुकु	जाS	S	S	S	SS	S	S	S	S
३	४		×		०		२		०	

पूर्वी-एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि
सा
पि

सा	रे	प	मधु	नि	ध	प	मप	म	ध	धु	म	पम
नि	रे	गप	मधु	नि	ध	प	मप	प	ध	म	पम	पम
या	S	सS	नS	वा	S	S	SS	मो	S	री	SS	SS
३		४		×		०		२		०		
म	मरे	ग	-	सा	रे	ग	गरे	पपमंग	मरे	ग	-	-
ग	मरे	ग	-	नि	रे	ग	गरे	पपमंग	मरे	ग	-	-
मो	Sरि	मा	S	जै	S	जै	वति	यांSSS	Sह	ती	S	S
३		४		×		०		२		०		
धु	ध	रेंनि	धुप	प	ध	म	गम	रे	ग	-	रे	सा,सा
म	ध	रेंनि	धुप	प	ध	म	गम	रे	ग	-	रे	सा,सा
त	ब	स्व	हांS	को	S	S	उन	था	S	S	S	S,पि।
३		४		×		०		२		०		

अन्तरा.

ध म	ग	पम (धुप (सां	—	सां	निसां (सां नि	रें	गं	रेंसां (
ए	ऽ	हूऽ ४	ऽन	जा	ऽ	ने	ऽऽ	वे	ऽ	हू	ऽन
३ नि	रें नि	ध	प	मं प	०	ध म	मं	गम	गरे	ग	गग
सां	नि	ध	प	प	ध	म	पम	गम	गरे	ग	गग
जा	ऽ	ने	ऽ	मा	ऽ	ई	रीऽ	उन	कर	भे	द,ब
३ ध	ध	रें नि	धुप (मं प	०	ध म	पम	ग	म	ग	सा
म	ध	रें नि	धुप (मं प	०	ध म	पम	ग	म	ग	सा
ता	ऽ	वम (ताऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	पि
३	ऽ	४	ताऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	पि

पूर्वी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध	म	ग	म	ग	रे	सा	—	नि	रे	ग	म	ग	—	—	ग
त	न	न	त	न	न	तो	ऽ	स्त	न	दे	रे	ना	ऽ	ऽ	ता
२				०				३				×			
म	रे	म	ग	ग	—	प	प	—	ध	प	—	प	(प)	—	म
ऽ	दी	ऽ	नि	ता	ऽ	ऽ	नू	ऽ	स्त	नू	ऽ	स्त	दा	ऽ	रे
२				०				३				×			
ग	म	ग	ग	ग	—	म	रे	ग	म	ग	रे	सा	—	सा	सा
ता	रे	दा	नि	दी	ऽ	स्त	न	न	न	न	न	ना	ऽ	रे	ना
२				०				३				×			

— सा सा नि	रे ग म रे	ग म प धु	(प) — — म
५ रे त न	नि ता ५ न्त	नि त न म	तो ५ ५ म्ता
२	०	३	×
— धु रें नि	म — — म	— ग म ग	रे सा — सा
५ दी ५ नि	ता ५ ५ दी	५ नि ता ५	५ दी ५ नि
२	०	३	×

अन्तरा

ग म म ग ग	धु म म धु धु	धु म — सां सां	सां — सां सां
ओ द त न	ओ द त न	दी ५ म्त्त न	दी ५ म्त्त न
०	३	×	२
रें सां — सां	सां सां सां नि	नि रें गं रें	सां सां सां सां
त द्रे ५ न्ना	त न द्रे द्रे	त दा ५ रे	ता रे दा नि
०	३	×	२
नि निरें नि धु	प — प प	(प) — म ग	म ग ग ग
दि या ५ ना रे	तो ५ म्दे रे	ना ५ रे ना	५ रे धा किट
०	३	×	२
ग ग म धु	धु म सां सां	सां सां सां सां	सां सां नि रें
तक धुम किट तक	धि ता किड नग	नग तिर तिड कत	गदि गिन धा ५
०	३	×	२
नि धु प म	धु म ग ग म	ग रे सा —	
तिट कत गदि गिन	धा ५ तिड कत	गदि गिन धा ५	
०	३	×	

निरेँ	गं	पंपंमंगं	मंगं	नि	रेँगं	मंमंगंरेँसांनि	ध्रपमंगरेसा
तदी	या	नाSSS	जे	तो	न्द्रेऽ	नाSSSSS	SSSSSS
२				०			

पूर्वी—सूलताल (मध्यलय) .

स्थायी.

										प	म
										क	र
ध्र	नि	सां	सां	नि	ध्र	नि	ध्र	प	प		
क	पा	ऽ	ल	लो	ऽ	च	न	त्र	य		
×		०		२		३		०			
ध्र	ध्र	म	ग	म	रे	ग	रे	सा	सा		
म											
पं	ऽ	च	ब	द	न	द	श	ध्रु	ज		
×		०		२		३		०			
सा	—	सा	रे	ग	—	म	प	पमं	ध्र	म	
नि								(नऽ)	शि	व	
भू	ऽ	षि	त	भू	ऽ	प	ध्र	मं	मं	म	
×		०		२		३					
ध्र	नि	सां	सां	नि	ध्र	नि	ध्र	प	म		
ज	टा	ऽ	मु	कु	ट	ध्र	र	क	र		
×		०		२		३		०			

प	—	ध	नि	सां	नि	सां	—	सां	सां
म	५	ल	कं	५	ठ	शो	५	भि	त
नी	×	०		२		३		०	
सां	—	सां	रें	—	सां	नि	सां	नि	ध्रुप
नि	५	ड	मा	५	ल	वि	धु	ब	ल५
रुं	×	०		२		३		०	
ध	मध्र	म	ग	म	रे	ग	रे	सा	सा
म	पु५	रा	५	सु	र	म	र	द	न
त्रि	×	०		२		३		०	
नि	—	सां	—	नि	ध	नि	ध	मं	म
सा	५	री	५	सु	ख	व	र	क	र
गौ	×	०		२		३		०	

संचारी.

नि.	सा	प	प	म	ध	प	प
सा	—	—	—	—	—	—	—
व्या	ऽ	घ्रां	ऽ	ब	र	ऽ	ब
×		०		२	३		०
म	—	म	—	ध	—	नि	ध
प	—	—	—	—	—	—	—
भ	ऽ	स्म	ऽ	भू	ऽ	ष	न
×		०		२		३	०

ध म	ध म	—	ग	म	रे	म	ग	रे	सा
ॐ	जं	ॐ	ग	फ	न	प	व	र	त
×		०		२		३		०	

आभोग.

धुं	—	धुं	नि	सां	सां	सां	—	रें	सां
म	५	न	से	५	न	के	५	प्र०	मु
ता	—	०	गं	२	सां	३ सां रें	नि	धुं	प
×	५	प्र०	वी	५	न	भ	व	ब्रि०	ज
सां	—	०	धुं	२	गुरे	३	रे	सा	—
नि	५	धुं	म	—	क्ति	ग	र	के	५
वो	—	क्ति	मु	५	२	क	३	०	
×	५	०	—	२	धुं	नि	धुं	प	म
धुं	—	सां	५	नि	५	स	व	क	०
म	५	पों	५	ची	३				
मु	—	०							
×	५								
नि	५								
सा	—								
नि	५								
×	५								

पर्वी-भूपताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा नि अ x रे ग ग म रे ग - रे सा सा ब च तु र दं ङ डि म त ३ ३

सा
नि
बें
×
म
प
द्रा
×
म
प
च
×

रे	प	म	प	प
ऽ	ग	ट	सु	ना
	२		प	०
-	प	म	म	ध
ऽ	द	श	सु	र
	२			०
-	म	-	ग	म
ऽ	क्र	ऽ	ब	प
	२			ना
				०

म	ग	म	ग
ऽ	ऽ	ऽ	वे
	३		
नि	ध	प	प
न	के	ख	ट
	३		
म	ग	म	ग
ऽ	ऽ	ऽ	वे
	३		

अन्तरा.

प
म
र
×
सां
नि
रि
×
ध
म
ध
×

ग	प	ध	म	सां
	म	गी	ऽ	र
	२			०
रें	गं	रें	सां	सां
गु	रु	गु	र	नि
	२			चा
ग	ध	ध	-	०
	म			ध
न	ध	नी	ऽ	रें
	२			ध
				०

सां	रें	सां	-
गु	रि	गी	ऽ
	३		
सां	नि	ध	प
ऽ	वे	ऽ	ऽ
	३		
नि	ध	ध	प
नु	नि	नि	ऽ
	३		

मं	प	धु	मं	प	मं	ग	म	ग
प	धु	म	प	प	ग	म	ग	
धि	नु	नु	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ	वे।
×	२			०	३			

संचारी.

नि	सा	—	सा	—	प	प	—	धु	—	प
सा	—	ऽ	प	—	स	ती	—	मे	—	ल
द्वा	×	२	स	—	ऽ	०	—	३	—	
धु	मं	म	धु	—	धु	नि	धु	प	प	प
मं	ति	म	म	—	ध्य	म	सों	ज	नि	त
प्र	×	२	धु	—	ग	०	ग	३	—	
धु	मं	(धु)	मं	—	ग	म	ग	रे	रे	सा
मं	रा	(ऽऽ)	गां	—	ग	स	ब	ज	न	क
रा	×	२	ग	—	ग	०	म	३	—	
रे	नि	रे	ग	प	प	प	म	ग	म	ग
आ	×	ऽ	दे	—	क	हा	ऽ	ऽ	ऽ	वे
			२			०		३		

आभोग.

धु	ग	धु	धु	प	सां	सां	सां	—	सां
मं	—	मं	—	ह	अ	व	रो	—	ह
आ	ऽ	रो	ऽ	ह	०	व	३	ऽ	
×		२							

सां	नि	रें	गं	रें	सां	सां	नि	रें	नि	ध	प
के	५	भे	५	द	को	०	५५	सा	५	ध	
×		२						३			
ध	म	ग	म	—	ध	ध	रें	नि	ध	प	
भा	५	षां	५	ग	रु	०	उ५	पां	५	ग	
×		२						३			
प	म	प	ध	म	प	प	म	ग	म	ग	
च	तु	र	उ	प	जा	०	५	५	५	वे।	
×		२						३			

पर्वी-भूपताल (मध्यलय).

स्थायी.

[illegible]

सा	रे	ग	—	रे	ग	धु	—	प
नि	ख	सं	ऽ	ऽ	म	प	ना	ऽ
सु		२			प	३		म
×					०			
म	धु	म	—	(म)	म	—	ग	—
प	ऽ	ये	ऽ	(निऽ)	ग	ऽ	है	ऽ
ली		२			स्ता			
×					०			

अन्तरा.

धु	ग	धु	—	धु	नि	सां	सां	—	सां
म	ऽ	मो	ऽ	दो	उ	ज	हां	ऽ	न
मा		२			०		३		
×					सां				
सां	रें	गं	रें	सां	नि	सां	नि	धु	प
नि	ऽ	मो	ऽ	इ	नू	ऽ	दी	ऽ	न
में		२			०		३		
×					रें				
धु	धु	म	ग	म	ग	—	रें	—	सा
म	ऽ	रा	ऽ	जि	गौ	ऽ	से	ऽ	स
मी		२			०		३		
×					धु		रें		
ग	—	म	—	धु	सां	—	नि	रें	नि
क	ऽ	ले	ऽ	न	का	ऽ	औ	ऽ	लि
×		२			०		३		
धु	प	म	—	(म)	म	—	ग	—	
या	ऽ	को	ऽ	(सऽ)	हा	ऽ	है	ऽ	
×		२			०		३		

पूर्वी-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग	मे	ग	रे	सा	सा	नि	—	सारे	ग	म	ग
५	०	मे	३	५	४	रा	×	ख	ली	५	जो
म	प	प	—	म	ध	म	ध	०	ग	२	ध
ह	०	ज	५	र	५	प	५	—	म	ग	म
मे	—	—	३	र	४	शे	५	५	ख	५	स
ली	५	ग	रे	रे	सा	नि	रे	रे	ग	प	प
०	—	म	पी	५	र	अ	ला	५	हो	५	मु
प	—	म	ध	४	—	×	ध	०	ग	२	ग
हं	५	म	द	प	के	का	५	५	म	—	न
०	—	३	४	४	५	×	५	०	र	२	४
—	ग	मे									
५	मे										
०											

अन्तरा.

ग	म	ग	म	नि	सां	सां	सां	सां	—	सां	रें	सां
हों	५	५	जी	५	ज	गु	न्हा	५	३	गा	५	र
×		०		२	०	०					४	

नि	सां	—	नि	—	ध	नि	—	—	ध	—	प
ति	हा	५	रो	५	क	हा	५	५	५	५	ऊं
×	०		२			०		३	४		
ध	ध	ध	नि	सां	—	सां	नि	ध	प	प	
म	म	तु	मी	५	५	ज	ग	त	के	५	नि
हो	५	०	२			०		३		४	
×											
म	ध	ग	म	ग	ग	ग	म				
प	म	—	—	—	—	—	—				
स्ता	५	५	र	५	न	५	मे				
×	०	०	०	०	०	०					

पूर्वी-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा	म	म	म	म	म	म	म	म	म
नि	ग	प	प	प	—	म	ग	म	ग
लो	च	४	न	ला	४	ल	ला	४	ल
रे	ध	—	ध	म	ग	म	ग	रे	सा
न	री	४	४	ला	४	ल	ला	४	ल
नि	ग	म	ध	नि	नि	नि	ध	प	प
रा	मो	४	ति	ला	४	ल	ला	४	ल

अन्तरा.

ग	म	ग	—	धु	म	—	धु	नि	सां	नि	सां	—	सां
ग	रे	५	०	बी	५	२	च	हा	५	र	ला	५	ल
×								०		३		४	
सां	नि	—	रें	गं	रें	सां	नि	निरें	नि	नि	धु	प	
ना	५	सि	का	५	बे	स	५	र	ला	५	ल		
×		०		२		०		३		४			
ग	म	ग	—	धु	म	—	धु	नि	निरें	नि	धु	प	प
पि	या	५	ला	५	ल	प्या	५	रि	ला	५	ल		
×		०		२		०		३		४			
म	प	धु	म	ग	म	ग	—	सा	नि				
से	५	ज	ला	५	ल	५	लो						
×		०		२		०							

पूर्वी-चौताल (विलंबित).

स्थायी.

म	प	—	धु	म	म	ग	—	ग	प	—	धु	म	म	ग	ग
ग्या	५	न	न	मों	५	ग्या	५	५	५	५	५	५	५	नी	
×		०		२		०		३		४					
ग	म	—	ग	रे	सा	—	नि	रे	ग	रे	सा	—			
मा	५	न	न	मों	५	मा	५	५	५	५	नी	५			
×		०		२		०		३		४					

सा	—	सा	रे	ग	—	मं	—	मं	ध	प	मं
नि	८	ग	न	मों	८	प	८	ग	त	है	८
रं	×	०		२	०		३			४	४
सां	नि	नि	ध	—	प	नि	ध	प	म	गम	ग
रा	८	ग	रं	८	ग	क	हि	ये	८	८	८
×		०		२	०		३			४	

अन्तरा.

[illegible]

संचारी.

नि	सा	—	सा	प	प	—	म	—	ध	—	प	प
भूँ	ऽ	ठ	०	न	के	ऽ	आ	ऽ	गे	ऽ	द	स
ध	—	ध	सां	नि	सां	सां	सां	नि	नि	ध	ध	प
पां	ऽ	च	भूँ	ऽ	ठ	छां	ऽ	नि	डि	डा	ऽ	रे
×	—	०	२	ग	२	३	—	३	३	४	४	४
म	मध	म	ग	म	ग	ग	—	रे	रे	सा	—	—
सां	ऽ	च	न	की	ऽ	सं	ऽ	ग	त	मों	ऽ	४
×	—	०	म	—	२	०	०	३	३	४	४	४
सा	—	रे	ग	प	प	म	प	प	ध	—	गम	ग
नि	—	०	आं	ऽ	च	र	हि	ये	५	ऽ	ऽ	५
सां	ऽ	०	२	२	०	०	०	६	६	८	८	८
×	—	०	२	२	०	०	०	६	६	८	८	८

आभोग.

ध	ध	ध	ध	सां	सां	सां	—	सां	सां	सां
म	ज	लि	स	में	ऽ	म	जा	ऽ	ल	ऽ
×	०	०	२	२	०	३	३	३	४	४
सां	सां	—	नि	—	ध	नि	रे	नि	नि	ध
नि	ही	ऽ	ये	ऽ	द	या	ऽ	ल	दा	ऽ
×	०	०	२	२	०	०	०	६	६	८

धु	ध	ध	ग	ध	ध	सां	रें	नि	धु	ध	प
म	हां	म	ऽ	मी	ऽ	बा	ऽ	त	ब	हीं	ऽ
ज	×	जै		२		०		३		४	
सां	×	०	—	ध	प	प	प	धु	—	गम	ग
नि	निरे	सां						म		ग	
त	हांऽ	तै	ऽ	मी	ऽ	क	हि	ये	ऽ	ऽऽ	ऽ ।
×		०		२		०		३		४	

पूर्वी-धमार (विलम्बित).

स्थायी.

ग	प	ध	—	प	म	—	प	म	प	म	ग
मरे	ग	म	प	जा	ऽ	ऽ	ऽ	म	ग	म	—
ऽऽ	ऽ	कै	से	×	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	पा	ऽ
३				रे				२	०		
ग	—	नि	रें	म	—	—	ग	—	—	ग	—
बो	ऽ	गे	ऽ	भ	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	हो	ऽ
३				×	ऽ	ऽ	र	ऽ	०	ऽ	ऽ
रे				नि				२			
नि	रे	सा	—	सा	नि	रे	ग	—	म	ग	रे
री	ऽ	में	ऽ	ज	ब	ऽ	जो	ऽ	ग	ये	ऽ
३				×				२	०	ऽ	ऽ

सा	नि	रे	ग	म		प	-	-	ध	म	ध		रें	नि	ध	म	-	ग
३	५	५	तु	म		भा	५	५	जे	५		५	अ	हो	५	५		
						×						२				०		

अन्तरा.

ध	म	-	ध	सां	-	-	नि	रें	-	-	सां	-	-	सां
गा	५	५	री	५	५	५	५	५	५	५	गी	५	५	दि
×						२					३			
रें	नि	-	रें	गं	-	रें	सां	सां	रें	नि	-	नि	ध	प
ला	५	५	ऊं	५	५	५	स	ब	न	५	पै	५	५	५
×						२				०	३			
ध	पध	म	-	म	-	ग	-	ध	म	-	ध	सां	नि	-
मु	ख	५	मी	५	५	५	५	हों	५	५	गी	५	५	५
×						२				०	३			
ध	नि	ध	प	ध	म	ध	रें	नि	ध	म	-	ग	मरे	ग
आ	५	५	जे	५	५	५	अ	हो	५	५	५	५	५	कै
×						२			०			३		से ।

(२७६)

पूर्वी—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

नि
सा
भ

नि रे ग म	प ध - प -	ध प म
लो री ते रो	जु ब ऽ ना ऽ	भ लो ऽ
३	×	२
ग म ग -	ग म रे - ग -	म ग रे -
री भ लो ऽ	भ लो ऽ ते ऽ	रो भा ऽ
३	×	२
सा - - सा	सा ध - म -	प म ग सा
ग ऽ ऽ सु	हा ऽ ऽ ऽ ऽ	३ ऽ ऽ ग, भ।
३	×	२

अन्तरा.

प ध सां	धां	धां	धां	धां	धां	धां	धां	धां	धां
ध म ध नि -	सां	सां	सां	-	-	नि सां सां -			
भ लो ऽ ला ऽ	३	ल	सं	३	३	३ ३ ग ३			
×	२	०	०			३			

(२८०)

नि	सां	-	-	नि ध	नि	ध	सां	नि	रै	निध	नि	ध	प	-
हो	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	खे	ऽऽ	लऽ	त	भ	लो	ऽ	
×					२		०			३				
प			ध	म	-	प	म	ग	सा					
म	प	ध	म	-	प	म	म	ग	सा					
र	चौ	ऽ	तैं	ऽ	ऽ	ऽ	फा	ग,	भ					
×					२		०							

राम मारवा.

रागेऽस्मिन् मारवाख्ये किलगमधनयस्तीव्रकाः स्युर्मृदू रिः ।
वाद्यस्मिन्स्याद्द्वितीयो स्वरपविरहितो लज्जययोगानुरोधात् ॥
संवादी धैवतोऽसौ स्फुटमिहगमनं साध्यतेऽतिश्रमेण ।
सङ्गीताभ्यासशीलैर्नियतमविरतं गीयते सायमेव ॥

कल्पद्रुमाङ्कुरे ।

तीव्रौ गमौ धनी चैव मृदूरिधैवतर्षभौ ।
संवादिवादिनौ चापः स मारुः सायमीरितः ॥

चन्द्रिकायाम् ।

तीखे गमधनि सुर रिखव क्रोमल पंचम नाहिं ।
धरि संवादीवादिते कहत मारवा ताहिं ॥

चन्द्रिकासार ।

धमौ गरी गमौ गश्च रिसौ निधौ मधौ सरी ।
मारवा ऋषभांशाद्याऽप्या सायं चित्ररूपिणी ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

‘मारवा’—यह राग मारवा थाट से उत्पन्न होता है। इसमें रिपभ कोमल व मध्यम तीव्र है, शेष स्वर शुद्ध लगते हैं। पंचम इसमें वर्जित है, अतः इसकी जाति पाड़व-पाड़व मानी गई है। इसके आरोह में निषाद स्वर अनेक बार वक्र गति से दिखाई देता है। वादी स्वर रिपभ और सम्वादी धैवत है। इस राग की सम्पूर्ण विशेषता रे, ग, ध इन स्वरों पर निर्भर है। अवरोह में रिपभ जब वक्र गति में प्रयुक्त होगा, तब यह राग स्पष्ट होकर खुलेगा। इस राग में मीड़ का काम प्रायः नहीं होता और वह सुन्दर भी नहीं लगता। मारवा राग का गायन समय दिन का अन्तिम प्रहर है। इस राग के पश्चात् कल्याण थाट के रागों में प्रवेश करना सहज-साध्य है, अतः इसे “परमेल प्रवेशक” राग भी कोई-कोई मानते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा रे, ग, म ध, निध, सां । सां निध, म ग रे सा ।

पकड़ः—

ध म ग रे, ग म ग, रे, सा ।

(२८३)

मारवा-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि॒ रे॒ ग॒ मे॒	नि॒ ध॒ ऽ मे॒	ग॒ रे॒ ग॒ मे॒	ग॒ रे॒ सा॒ ऽ
३	×	२	०
नि॒ रे॒ नि॒ ध॒	मे॒ ध॒ सा॒ ऽ	नि॒ रे॒ ग॒ मे॒	ग॒ रे॒ सा॒ ऽ।
३	×	२	०

अन्तरा.

मे॒ ध॒ मे॒ ग॒	मे॒ ध॒ सां॒ ऽ	नि॒ रे॒ गं॒ मे॒	गं॒ रे॒ सां॒ ऽ
३	×	२	०
रे॒ नि॒ ध॒ नि॒	ध॒ मे॒ ध॒ मे॒	ग॒ रे॒ ग॒ मे॒	ग॒ रे॒ सा॒ ऽ।
३	×	२	०

मारवा-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध॒ मे॒

ऽ ध॒ ग॒ मे॒	ध॒ मे॒ ग॒ रे॒	नि॒ रे॒ नि॒ ध॒	मे॒ ध॒ सा॒ नि॒
३	×	२	०
ऽ रे॒ ग॒ नि॒	रे॒ ग॒ मे॒ ध॒	ग॒ नि॒ ध॒ रे॒	नि॒ मे॒ ध॒ रे॒
३	×	२	०
ग॒ नि॒ ध॒ मे॒	ग॒ मे॒ ध॒ रे॒	ग॒ मे॒ ग॒ रे॒	नि॒ रे॒, ध॒ मे॒।
३	×	२	०

(२८४)

अन्तरा.

ग म

ध नि ऽ सां ०	नि ऽ रें गं ३	मं गं रें गं ×	नि रें नि ध २
रें ऽ रें नि ०	ध म ग रे ३	ध नि ऽ ×	रे ग म ग २
रे ऽ मं गं ०	रें गं मं धं ३	रें ऽ नि ×	ध म ग रे २
नि रे ध म ०	ध ग म ३	ध म ग रे ×	

मारवा—भूपताल. (मध्यलय).

स्थायी.

सा	—	म	म	ध	म	ध	म	ग	रे
ध	ऽ	व	र	ग	म	ध	नि	सु	र
ती	×	२			०	३			
सा रे	ग	ग	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा
मे ऽ	ऽ	ल	न	स	ज	त	म	धु	र
×		१			०	३			

नि।	सानि	रे	रे	रे	रे	नि।	धः	मं॒व	सा	सा
सा	कऽ	र	त	रि	ख	ख	व	मीऽ	त	र
वि		२			०	०		३		
×										
सा॒रे	ग	ग	ग	म	ग	ग	रे	ग	रे	सा
माऽ	ऽ	रु	व	क	ह	ह	त	च	तु	र।
×		२			०	०		३		

अन्तरा.

ग	—	ध	ध	ध	ध	सां	सां	सां	सां
रा	ऽ	म	गा	ऽ	व	त	सु	क	र
×		२			०		३		
नि।	—	रें	रें	रें	रें	रें	नि	ध	ध
सां	ऽ	च	म	वि	वा	ऽ	दि	सु	र
पं		२			०		३		
×									
ध	ध	म	ग	रे	म	ग	रे	रे	सा
मं	ऽ	वा	ऽ	द	रि	ध	वि	च	र
सं		२			०		३		
×									
सा॒रे	—	रें	रें	रें	ग	रे	ग	रे	सा
अ	ऽ	स्त	दि	न	अ	ति	रु	चि	र।
×		२			०		३		

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग म ग - रे	सा सा नि नि	रे - ग ग	ध म - ध ग
जा ओ ऽ मो	ह न मो रे	फं ऽ द प	रो ऽ ना ऽ
० सां सां	३ ध ध	×	२
नि निरें नि ध	म मध म ग	रे - ग म	ग रे सा -
क पऽ टि कु	टि लऽ ह म	आ ऽ प भ	ले ऽ हो ऽ
०	३	×	२
सा सा	— नि रे रे	ग - ग ग	ध म - ध ग
नि नि ध नि	ऽ न अ रु	श्या ऽ म स	लो ऽ ना ऽ ।
गु न नि धा	३	×	२

अन्तरा.

ग - ग ग	ध म - ध मध	ध सां - सां सां	सां रें सां सां
मं ऽ द म	ती ऽ ह मऽ	का ऽ न्ह च	तु र तु म
०	३	×	२
नि सां सां रें रें	रें नि रें नि ध	म म ध ध	म - ग ग
बि र ह बि	था ऽ भ ले	ह म को स	ता ऽ व त
०	३	×	२
मं ग - म रे	ग - म म	ग - म ग	रे - सा -
मं ऽ दि र	में ऽ अ ब	दे ऽ र प	रे ऽ गी ऽ
०	३	×	२

सा ध - ध -	नि - रे रे	ग ग ग -	ध म - ध ध
क्यूं ऽ पू ऽ	छो ऽ तु म	ह म रो ऽ	रो ऽ ना ऽ
०	३	×	२

मारवा-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा नि नि रे ग	ध ग ग म ध	ध ध सां - नि नि	ग ग म ध म ग
ज ग त ज	न नि ज ग	दं ऽ ब भ	वा ऽ ऽ नि
०	३	×	२
म ग - रे	रे सा सा सा	नि ध ध ध म	ध सा सा सा
कृ पा ऽ क	र नि दु ख	ह र नि सु	ख क र नि
०	३	×	२
सा नि नि रे ग	ध ग ग म ध	म ध नि नि ध म	ग रे सा सा
प्र ण त ज	न श र नि	भ व ज ल	धि त र नि
०	३	×	२

अन्तरा.

ध म - ध सां	- सां सां -	सां सां सां सां	सां रे सां -
मैं ऽ प ती	ऽ त से ऽ	व क च र	न न को ऽ
०	३	×	२
सां नि नि रे रे	सां सां नि नि रे नि	- रे नि ध	ध ध म ग
मु भ प र	कृ पा ऽ द	ऽ ष्टि अ ब	की ऽ जे ऽ
०	३	×	२

म रे - ग	- ग म ध	म ग - म	ग रे सा -
म हा ऽ मा	ऽ य जो ऽ	ग नी ऽ शि	वा ऽ नी ऽ
०	३	×	१
सा नि नि रे ग	ग ग म ध	म नि नि ध म	ग रे सा सा
प्र ण त ज	न श र नि	भ व ज ल	धि त र नि
०	३	×	२

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा नि नि रे ग	- ग म ध	नि ध - नि	म ध म ग
का उ कि री	ऽ त को उ	क रे ऽ स	खी ऽ री ऽ
०	३	×	२
म रे ग म	ग रे सा -	म - ध -	सा सा सा -
मी ऽ त पि	य र वा ऽ	जो ऽ जो ऽ	क रि ये ऽ
०	३	×	२
सा -	रे - सा सा	नि रे ग म	ग रे सा -
ऽ ऽ सो ऽ	सो ऽ स ब	अ प ने ऽ	म न की ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

म - ध सां	- सां सां सां	सां सां सां सां	सां रें सां -
हों ऽ अधी	ऽ न त न	म न ध न	तु म रे ऽ
०	३	×	२

नि नि रे -	नि नि रे नि	- रे नि ध	म ध म ग
तु म तो ऽ	मे ह र बा	ऽ न स ब	के ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
रे रे - ग	- ग म म	ग ग म ग	रे - सा -
स दा ऽ रं	ऽ ग प र	रं ग ब र	सा ऽ यो ऽ
०	३	×	२

मारवा—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा	ध ध म ध	म ग रे रे	रे ग रे ग म	ग रे सा -
०	अ व गु न	ब क स क	र म ऽ क र	मे ऽ रे ऽ
०	३	×	२	
ध	म - ध ध	सा - सा सा नि	रे ग रे ग म	ग रे सा -
०	ए ऽ क र	ता ऽ र स ऽ	र न ऽ द र	ते ऽ रे ऽ
०	३	×	२	

अन्तरा.

म	ग ग ग -	ध - ध म ध	सां - सां सां	सां रे सां -
०	इ त नो ऽ	ही ऽ व ऽ	मां ऽ ग त	अ व मैं ऽ
०	३	×	२	
सां	नि नि रे रे	नि रे - नि	- रे नि ध	ध म ध म ग
०	दि न दि न	ब ढो ऽ ग्या	ऽ न स र	सा ऽ व त
०	३	×	२	

मे रे रे ग	— ग मे ध	मे ग — मे	ग रे सा —
ता ऽ न रा	ऽ ग ता ऽ	ल सू ऽ र	मे ऽ रे ऽ
• सा	३	×	२
ध ध मे ध	मे ग रे रे		
अ ब गु न	ब क स क		
•	३		

मारवा—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

सा	ध ध मे ध	मे ग रे —	सारे ग ग मे	ग रे सा सा
सु	घ र सु	घ र बै ऽ	ठेऽ ऽ स ब	गु नि ज न
• ध	३	×	२	
मे — ध —	सा सा सा —	सारे ग ग मे	ग रे सा —	
दे ऽ खो ऽ	गु न की ऽ	रीऽ ऽ त अ	नो ऽ खी ऽ ।	
•	३	×	२	

अन्तरा

ध	मे — ग ग	ध मे ध —	ध मे सां —	सां — सां —
स ऽ स सु	र न सों ऽ	गु न को ऽ	गा ऽ बे ऽ	
• नि	३	×	२	
सां सां — नि	— रे नि —	रे नि — ध	मे ध मे ग	
उ नं ऽ चा	ऽ स कू ऽ	ट ता ऽ न्नु	ना ऽ बे ऽ ।	
•	३	×	२	

म रे - ग	- ग नि नि	ध म ग म	ग रे सा -
स दा ऽ रं	ऽ ग री ऽ	ऋ त स ब	म न को ऽ।
०	३	×	२

मारवा-त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

ग	ध - म	ग - रे सा	सा	नि - रे	ग - - म
ऽ आ ऽ ना	वे ऽ मि ल	ऽ जा ऽ ना	वे ऽ ऽ ऽ		
०	१	×	२		
ध - म	ग - रे सा	सा	नि - रे	ग - - -	
ऽ आ ऽ ना	वे ऽ मि ल	ऽ जा ऽ ना	वे ऽ ऽ ऽ		
०	३	×	२		
ध	ध	नि ध - नि	ध	ध म ग	
म - ग	म - ध -	नि ध - नि	म ध म ग		
ऽ सा ऽ मि	दा ऽ ऽ ऽ	श र ऽ द्वि	गा ऽ ना ऽ।		
०	३	×	२		
रे	ध - म				
ऽ आ ऽ ना					
०					

अन्तरा.

ग	म ग ग	ध	म - ध ध	ध	सां - सां	सां - सां -
ऽ चं द न	का ऽ क ठ	डा ऽ ऽ ब	ना ऽ या ऽ			
०	३	×	२			

सां सां सां	निसां रें नि ध	म नि ध	म ग रे ग
५ ता प र	बै ५ ठे ५	५ ता ५ ना	वे ५ ५ ५ ।
०	३	×	२
ध ध — म			
५ आ ५ ना			
०			

मारवा—एकताल (मध्यलय) .

स्थायी.

सा
बो

नि	रे	ग	म	ध	म	ध	म	ग	रे	ग	म
ल	न	बि	न	क	ब	५	हुं	५	चै	न	न
३		४		×		०		२		०	
ग	रे	सा	सा	ध	ध	रे	सा	—	सा	रे	—
हिं	प	र	त	पि	य	र	वा	५	जो	चा	५
३		४		×		०		२		०	
ध	म	ध	—	निरे	गमं	ध	ग	म	ग	रे	सा
हे	र	स	५	आ ५	५ ५	५	५	५	वे	मा,	बो
३		४		×		०		२		०	

सा	—	रे	ग	ग	ग	ध	—	ध	सां	सां	सां
नि	५	हा	क	र	त	पां	५	य	प	र	त
हा	×	०		२		०		३		४	
नि	नि	नि	ध	म	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा
सां	र	प	क	र	त	क	छु	ना	ड	र	त।
क	०	०		२		०		३		४	

अन्तरा.

म	—	ग	ग	म	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
ग	५	ट	च	ल	त	अ	च	रा	ग	ह	त
बा	×	०		२		०		३		४	
ध	सां	सां	रें	नि	ध	म	—	नि	ध	म	ग
सां	टु	की	५	स	र	सों	५	डु	र	क	त
म	०	०		२		०		३		४	
सा	—	ग	ग	म	ध	म	ग	म	ग	रे	सा
रे	५	य	क	हों	५	ध	र	को	५	अ	ब
जा	×	०		१		०		३		४	
नि	सां	नि	ध	म	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा
सां	रें	ह	टो	अ	ब	च	तु	र	श्या	५	म।
ह	०	०		२		०		३		४	

मारवा-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा म म ग म	ग रे सा -	सा सा ध -	सा सा रे -
सु न स न	ब ति यां ऽ	स ग री ऽ	र ति यां ऽ
०	३	×	२
ग रे रे ग ग	म ध सां सां	ध सां रें नि ध	म ग रे सा
उ च ट जि	या ऽ मो रा	ड र पा ऽ	ऽ ऽ ऽ वे ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध म म ध ध	ध म ग म ध	सां सां सां सां	सां - रें -
र ह त अ	के ऽ लो ऽ	थ र थ र	कां ऽ पे ऽ
०	३	×	२
सां नि नि रें -	सां नि निरें नि ध	ध म म ध ध	ध म - ग -
जि य रा ऽ	उ नऽ बि न	ल र ज त	मो ऽ रा ऽ
०	३	×	२
रे सा - ग ग	म - ध ध	रें - नि ध	म ग रे सा
का ऽ सें क	हूँ ऽ स ग	रो ऽ दु ख	पा ऽ ऽ वे ।
०	३	×	२

मारवा—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध ध मंमं धमं	गरे सा	ग मंग मंमं	ध मंमं	सां -	सां नि	रेंनि	ध मंमं	मंग
भांमं ऽन	मोऽ रा	भन X	काऽ	ई ऽ	न ऽसु	नाऽ ईऽ		
३	४				२	०		
ध मंमं	मं गरे	गरे सा	नि, निरे निध	निरे गग	मंमंगमं	गरे गरे	सा	
लोऽ ग, ऽऽ	ऽऽ वा	पि, याऽ	काई	मुख दिखा	ऽऽऽऽ ऽइ	ओऽ र ।		
३	४	X		०	२	०		

अन्तरा.

ध मंमं	सांसां	सांसां	निरे	सां -	सां निध	नि	रेंनि	ध मं	ध
लेऽ चलो	नग	रऽ	में	ऽ	में ऽ, सुऽ	र ऽभ	न ऽ		
३	४	X			०	२	०		
निध मंग	रे -	रे -	म ध	सां नि	रेंनि	नि			
मिल बिछु	रे ऽ	आ ऽ	नं द	क ऽ	रे ऽ	रे ।			
३	४	X	०	२	०				

मारवा—भूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

ध मंमं	ध ध, मंग	रेसा रेनि	ध मं -	ध मं	ध मं	ध ध	म ग रे
नऽ नंऽ, दीऽ	याऽ ऽ, छऽ	वा ऽ	व ना	मो	री	रे ऽ ऽ	
३		X	२			०	

रे	ग	म	ध	मध	मध	रे	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा
५	५	५	५	५५	५५	५	स	व	घ	र	५	घ	र
३				×			२				०		
सा	नि	रे	निनि	म	ध	सा	सा	सा	गनि	रे	म	म	म
च	वा	५	वक	र	५	त	फि	र	त	५	र	ह	त
३				×			२				०		
	नि	ध	-	म	-	ग	नि	रे	ग	म	ध	म	म
५	नि	त	५	भू	५	ठ	सां	५	५	५	५	५	च।
३				×			२				०		

अन्तरा.

ध	मध	मग	रे	रे	ग	म	ध	ध	सां	-	सां	रे	सां	-
का	हु	के	ल	गा	५	ये	बु	भा	५	ये	क	हा	५	
३				×			२				०			
सां	-	सां	नि	रे	नि	ध	-	म	-	ध	-	म	ग	रे
हो	५	त	५	है	५	५	५	५	५	५	मा	५	इ	
३				×			२				०			
सा	नि	रे	ग	म	ध	-	नि	ध	नि	रे	ग	म	ध	म
सां	५	च	को	५	५क	हां	आं	५	५	५	५	५	च।	
३				×			२				०			

मारवा-एकताल (विलम्बित)

स्थायी.

ध म ध	म ग	ध म	—	ध म	ग	रे	सा	ग
म ध	म ग	म —	ध म	ग	रे	रे	रे	ग
जि या	नि क	सो ऽ	इ आ	ऽ	वे	आ	ऽ	ऽ
३	४	×	०	२	२	०	०	०
रे ग	— म	ग रे	सा —	सानि	रे	नि	ध	ध
वे मो	ऽ री	मा ऽ	इ ऽ	रीऽ	ऽ	पि	य	य
३	४	×	०	२	२	०	०	०
ध म ध	सा सा	— सा	रे रे	धधमध	धमगरे	गममग	सानि	सा
ग व	न को	ऽ ग	इ ल	वाऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ
३	४	×	०	२	२	०	०	०

अन्तरा.

म ग	म ध	सां —	सां —	नि सां	सां नि	रें	—
उ न	बि न	मैं ऽ	का ऽ	वि	रु	हा	ऽ
३	४	×	०	२	२	०	०
सां सां	नि निरें	नि ध	म म	ध म	ग	रे	सा
दु ख	वा ऽ	नि स	ऽ दि	ना	ऽ	ऽ	ऽ
३	४	×	०	२	२	०	०
सा सा	नि निरे	नि ध	सा सानि	रे —	रेंरेंनिरें	रेंनिधम	धधमग मगरेसा
नि त	भ इ	ल वा	ऽ	ऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ
३	४	×	०	०	२	२	०

स्थायी.

नि.
सा
मा

ध	ध	—	ध	ध	ग	ध	ध	ग	रे
म	म	५	म	म	५	की	क	हा	५
इ	५	४	का	हु	५	०	२	०	०
३	रे	सा	नि	ध	म	ग	रे	सा	नि
ग	प	री	सा	मं	ने	पी	त	को	५
५	३	४	अ	५	०	५	२	०	०
सा	नि	ध	नि	रे	—	ध	ग	नि	सा
नि	खों	मी	सा	रे	५	म	रे	सा	सा
रा	५	४	ग	रे	५	ल	गा	य, मा	०
५			×		०		२		

अन्तरा.

गग
कोऊ

ध म ध म सां सां - सां - नि सां सां नि सां नि सां रें
ला ऽ ख क हो ऽ तो ऽ ए क नाऽ ऽऽऽगि
३ ४ × ° २

नि	ध	म	ग	ध	म	ग	ध	म	सां	सां	नि
नों	५	री	५	ए	रि	हूँ	तो	दे	५	ख	री
३		४		×		०		२		०	
रें	गं	रें	सां	सां	रें	नि	ध	म	ग	रे	सा
५	भ	र	हि	उ	न	को	सु	भा	५	य,	मा।
३		४		×		०		२		०	

मारवा-त्रिताल (विलम्बित) .

स्थायी.

सा
पि

सा	नि	रे	ग	म	म	ध	म	ग	रे	ग	रे	सा	-सा	नि	सा	रे	सा	-
या	५	मो	रे		अ	न	त	५		दे	५	स	५ग		ई	ल	वा	५
३					×					२				०				
ध ध										नि								
म म	-	गरे			ग	रे	सा	-		ध	नि	ध	म		ग	रे	सा	सा
ना	जा	५	वृ	५	५	क	ब	५		ध	र	५	आ		५	वें	गे	पि।
३					×					२				०				

अन्तरा.

ध

म

ध

सां

सां

सां

सां

रें

-

सां

-

नि

सां

सां

नि

रें

सां

नि

रें

नि

ध

म

ग

उन

के

रस

देख

वे

५

को

५

अ

खि

यां

५

५

त

र

स

हीं

५

३

×

२

०

ध म ध सां सां उ न बि न ३	सांनि रें सां - मोऽ ऽ हे ऽ ×	नि सां सांनि रें रें क छूऽ ऽ न २	रें ग रे रे सा -सा भा ऽ वे, ऽपि ०
-----------------------------------	------------------------------------	---	--

मारवा-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि रे
उ द

ग म ध म त न दे रे ०	ध म ग रे ना दी ऽ म्त् ३	सा - - - ना ऽ ऽ ऽ ×	- - नि रे ऽ ऽ उ द २
ग म ध म त न दे रे ०	ध म ग रे ना दी ऽ म्त् ३	सा - म ध ना ऽ त न ×	नि रे नि रे न न द रे २
ग नि - रे ना दी ऽ म्त् ०	ग म ध ध न न दिर दिर ३	म नि - ध त दे ऽ ना ×	रें - नि - दे ऽ ना ऽ २
गं रें नि ता ऽ रे त ०	रें नि ध म दा रे दा नि ३	म ध नि रें - दी ऽ ऽ ऽ ×	नि रें नि ध म म्त् न न न २

ध - ध म	ग ग म -	ग म ग रे सा	नि ध नि रे
तो ऽ स्त न	न न दी ऽ	स्त न न न	न न, उ द।
०	३	×	२

अन्तरा.

म नि नि ध म	म ध ध म ग	म ध नि रें	- सां सां -
दिर दिर ता ना	दिर दिर ता ना	दे ऽ नी दे	ऽ नी दी ऽ
×	२	०	३
सां - नि रें	गं म धं म	धं मं गं रें	गं मं गं मं
म्दी ऽ स्त न	न न दे रे	ना त दा रे	दा नि दी ऽ
×	२	०	३
रें गं नि रें	ध नि म ध	ग म रे ग	नि रे ग म
स्त न न न	दे रे ना त	दि या ना रे	दा नि दी ऽ
×	२	०	३
रे ग म ध	म ध नि रें	नि रें गं गं	गं गं रें नि
स्त न न न	दे रे ना त	दि या ना रे	दा ऽ ऽ ऽ
×	२	०	३
ध म ग रे	सा - नि रे		
ऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ, उ द		
×	२		

मारवा—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध	—	म	ध	म	ग	रे	रे	सा	—	नि निरे
तो	ऽ	म्त	न	न	त	न	न	तों	ऽ	म्त नऽ
×		०		२		०		३		४
नि	ध	ध	ध	—	म	म	ध	म	ग	रे रे
दे	रे	न	दा	ऽ	रे	त	न	न	दे	रे ना
×		०		२		०		३		४
रे	—	ग	—	ग	म	ग	रे	रे	सा	सा सा
तो	ऽ	म्तो	ऽ	म्त	न	न	न	न	दे	रे ना
×		०		२		०		३		४
नि	रे	ग	म	ध	नि	—	म	ध	म	ग म
ना	द्रे	तुं	द्रे	त	दीं	ऽ	म्त	दीं	ऽ	म्त दीं
×		०		२		०		३		४
रे	ग	म	ध	ग	म	ग	रे	सा	नि	ध —
ऽ	म्त	न	द्रे	त	दि	या	ना	रे	त	दीं अ।
×		०		२		०		३		४

अन्तरा.

ध	—	ध	म	ग	रे	ग	म	ध	सां	—	सां
दी	ऽ	म्त	न	दे	रे	त	द	रे	दा	ऽ	नि
(०		२		०		३		४	

नि	रें	गं	रें	सां	सां	नि	-	रें	नि	ध	म
तों	ऽ	ऽ	म्त	न	न	दी	ऽ	ऽ	म्त	न	न
×		०		२		०		३		४	
ध	नि	ध	म	ग	रे	ग	म	ध	-	ग	म
ता	ऽ	रे	त	न	न	ना	द्रे	द्रे	ऽ	तुं	द्रे
×		०		२		०		३		४	
ग	रे	सा	-	ध	-	म	म	ध	सा	सा	ग
द्रे	त	दा	ऽ	नी	ऽ	धा	ती	ना	धा	किट	धुम
×		०		२		०		३		४	
म	ध	सां	-	मध	सां	-	रें	सां	सां	नि	नि
किट	तक	थों	ऽ	तक	थों	ऽ	धुम	किट	तक	धा	किड
×		०		२		०		३		४	
रें	गं	-	रें	सां	सां	रें	नि	-	ध	म	ग
नग	धे	ऽ	धुम	किट	तक	धे	त्लां	ऽ	न	धा	ऽ
×		०		२		०		३		४	
रे	ग	-	म	ध	-	म	ग	रे	सा	ध	-
धे	त्लां	ऽ	न	धा	ऽ	धे	त्लां	ऽ	न	धा	ऽ।
×		०		२		०		३		४	

मारवा—तिलवाड़ा (विलम्बित).

स्थायी.

सा म ध
निरे गम ध मंग
तन नन ऽ तन
३

म धम सा रे
या ऽऽ ऽ रे
०

सा
नि रे ग गम,ध
ना ऽ ऽ ऽऽ,ऽ
२

रे सा सा(सा) -निध
ना ऽ नाऽ ऽन,न
×

म
गग मध मंग रे
दानि मोंऽ ऽऽ ऽ
३

म ग रे सासा
ऽ ऽ रे दोस्
०

सा
नि रे सा निनिरेनिध
ना रे दो स्तनऽ,देरे
२

-सा -सा नि रेध
ऽमां ऽडे ऽ ऽऽ
×

अन्तरा.

मंग ध मध
ऽ ऽ बेऽ ऽव
३

म ग रे सां
से ऽ ऽ ड
०

नि सा
सानि रेध नि रे
कऽ ऽखु दा ऽ
२

ध सां सां -सां
फा ऽ ई ऽन
×

निसां रे नि -ध
ऽऽ ऽर्ज ग ऽह
३

म ग रे सासा
से ऽ ऽ डर
०

नि नि सां
सां -ध नि रे
क ऽखु दा ऽ
२

ध म ध मंग रेरे
सा ऽ ईऽ ऽन
×

सां	रें	नि	ध	म	नि	ध	म	ग	रे	रे	सा
नी	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	को
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

म	म	ध	सां	—	—	नि	नि	रें	रें	सां	—
ध	५	क	की	५	५	सां	५	५	न	थ	५
ना		०		२		०		३		४	
×						नि					
नि	—	नि	रें	सां	सां	सां	नि	रें	नि	ध	ध
सां						में	५	५	बी	५	री
आ	५	५	५	न	न	०		३		४	
×		०		२		म	ग	म	ग	रे	सा
म	म	ध	म	ग	ध	ले	५	५	५	५	ल
ध					फु	०		३		४	
अ	ल	५	क	५	ग	ध	ध	ध	ध	सां	सां
×		०		२		म		म			
नि	नि	रे	ग	—	ग	मा	५	थे	ध	सां	सां
सां						०			के	स	र
सिं	दु	०	मां	५	ग			३		४	
×				२							

सां रे	नि	ध	मे	नि	ध	मे	ग	-	रे	ग	रे	सा
टी	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	को।
×		०		२		०			३		४	

मारवा-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग
ध
अ

ध	मे	ग	रे	सा	सा	-	-	न.	सा	-	सा	नि	रे
ना	५	ह	४	त	ना	५	५	द	५	२	अ	का	५
३					×		०					०	
ग	रे	-		सा	सा	सानि	रे	नि	ध	-		नि	सा
स	वा	५	४	यु	मे	५५	५	दे	५	२	५	न्या	५
३					×		०					०	
सानि	रे	-		रे	मे	ग	ग	रे	ग	रे	सा	-	सा
रो	न्या	५	४	रो	बा	५	५	द	५	२	ल	५	अ
३					×		०					०	

अन्तरा.

ध	नि	सां	सां	सां	—	नि	सां	सां	नि	रें	—	सां
म	ध	सां	सां	सां	—	सां	सां	सां	नि	रें	—	सां
चि	त	च	प	ला	५	च	म	म	५	क	५	त
×		०		२		०			३		४	
सां	—	रें	गं	रें	सां	नि	सां	सां	रें	रें	—	ध
नि						सां	सां	सां	५	नि		
बो	५	ल	बू	५	द	व	५	५	५	ख	५	त
×		०		२		०			३		४	
ध	ध	मंग	म	ग	—	ध	सां	सां	नि	रें	नि	ध
म						मध						
ता	५	५	स	मे	५	प्र	मा	मा	५	५	न	ए
×		०		२		०			३		४	
म	म	ग	रे	ग	रे	सा	सा	सा				
ध												
स	मी	५	५	५	५	र,	अ	अ				
×		०		२		०						

मारवा—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध	ध	म	ग	रे	सा	सा	—	नि	रे	—	सा
म								सा			
गां	५	व	गां	५	व	की	५	लु	गै	५	यां
×		०		२		०		३		४	
नि	—	सा	रे	—	रे	म	म	ग	रे	—	सा
सा											
दौ	५	रि	दौ	५	रि	आ	५	इ	आ	५	इ
×		०		२		०		३		४	

नि	रे	सा	ग	—	ग	ध	ग	—	ध	—	ध
सा	५	६	री	५	६	प्या	रे	५	की	५	ब
री	×	०	२	२	०	०	३	३	४	४	
ध	ध	—	ध	ग	—	ध	ध	म	ग	रे	सा
म	५	५	या	५	५	ले	५	५	५	५	त।
लै	×	०	२	२	०	०	३	३	४	४	

अन्तरा.

ध	ग	—	ध	—	ध	म	सां	—	सां	—	सां
म	५	५	स	५	ब	बू	५	५	६	५	त
वे	०	०	२	२	०	०	३	३	४	४	
×	—	सां	सां	सां	रे	सां	नि	नि	रे	नि	ध
नि	५	म	सुं	द	र	क	म	ल	नै	५	ध
सां	०	०	२	२	०	०	३	३	४	४	न
श्या	ध	ध	ध	म	ग	—	ध	ध	ग	—	ग
×	म	५	क	हां	५	रा	५	५	खे	५	५
ध	रो	०	२	२	०	०	३	३	४	४	
म	—	रे	ग	म	ध	म	ग	रे	ग	रे	सा
ते	५	च	स	कु	च	मु	स	५	का	५	त
×	०	०	२	२	०	०	३	३	४	४	

ग	ग	—	म	—	ध	सां	नि	—	नि	ध	ध	ध
मु	ख	५	फे	५	५	रा	५	त	म	न	५	५
×		०		२		०		३		४		
सां	—	नि	ध	नि	ध	—	म	ध	म	ग	रे	सा
नि	—	५	क	हे	५	दे	५	५	५	५	५	त।
नै	५	०		२		०		३		४		
×												

मारवा—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि	सा	नि	रे	ग	म	ग	रे	सा	सानि	रे	सा
५	गा	य	क	स	ब	मि	ल	बि	चा५	५	र
×		०		२		०		३		४	
म	—	म	ध	—	रे	—	ग	—	ग	म	ग
ले	५	हों	५	५	या	५	बा	५	त	को	५
×		०		२		०		३		४	
रे	ग	रे	सा	—	सा	म	ध	सा	—	सा	सा
सु	ध	अ	स्ता	५	इ	सु	ध	अ	५	च्छ	र
×		०		२		०		३		४	
रे	—	रे	ग	—	ग	म	ध	म	ध	म	ग
ता	५	न	रा	५	ग	की	५	५	सं	ग	त
×		०		२		०		३		४	

ग	म	ग	रे	रे	म	ग	रे	सा	नि	सा	रे	नि	ध
में	५	ध	र	न	मु	र	न	खं	५	द	र		
×		०		२		०		३		४			
म	ध	सा	सा	सा	—	नि	रे	ग	सानि	रे	ध		
त	ब	क	हि	ये	५	वा	५	५	को५	५	५	५	५
×		०		२		०		३		४			
सा	सा												
५	गा												
×													

अन्तरा.

ग	—	ग	ध	—	ध	म	सां	—	सां	—	सां
ओ	५	क्त	जो	५	क्त	का	५	५	व्य	५	में
×		०		२		०		३		४	
सां						सां					
नि	रें	गं	रें	—	सां	नि	—	रें	नि	—	ध
धा	५	५	रे	५	अ	नू	५	५	प्रा	५	स
×		०		२		०		३		४	
ध											
म	नि	ध	म	ग	रे	—	म	ग	रे	—	सा
त	ब	धु	र	प	द	५	ब	५	ना	५	य
×		०		२		०		३		४	

नि	रे	ग	रे	—	सा	नि	रे	ग	रे	सा	—
गा	ऽ	ऽ	वे	ऽ	सु	ना	ऽ	ऽ	वे	ऽ	ऽ
×		०		२		०		३		४	
सा	—	रे	ग	—	ग	म	ध	नि	ध	म	ग
नि											
ऐ	ऽ	ऽ	सो	ऽ	जो	हो	ऽ	ऽ	ऽ	वे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
म	रे	ग	म	ग	रे	सा	सा	नि	सा	रे	ध
श्रे	ऽ	ष्ट	श्र	व	न	सु	ख	दा	ऽ	ऽ	सा
×		०		२		०		३		४	य
मा	सा										
क,	गा										
×											

मारवा—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

नि	ध	—	म	—	—	ध	म	ग	—	रे	—	—	—
सा													
हो	ऽ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	खे	ल	त	ऽ	हे	ऽ	ऽ	ऽ
×					२		०			३			
सा	रे	ग	रे	ग	—	ग	म	ग	रे	—	सा	—	रे
ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नं	द	ला	ऽ	ऽ	ल	ऽ	य	हां
×					२		०			३			

नि
सा सा
कै से

ध	म	ध	—	सा	—	सा	—	नि	रे	ग	रे	—	—	सा
स	ब	५	स	५	स्त्री	५	य	न	५	सों	५	५	क	
×					२		०				३			
सा	नि	रे	—	ग	—	—	म	ग	रे	सा	सा	रे	सा	सा
र	त	५	है	५	५	५	प्या	५	र	अ	हो	५	कै	से
×					२		०				३			

अन्तरा.

म	ध	—	सां	—	—	सां	—	सां	—	रें	—	सां	—	
ब्रि	ज	५	की	५	५	ना	५	री	५	स	५	ब	५	
×					२		०			३				
नि	सां	नि	रें	गं	रें	सां	—	सां	नि	रें	नि	—	ध	—
ब	न	५	ब	५	न	५	आ	५	५	ई	५	५	५	
×					२		०			३				
नि	ध	—	म	—	ग	रे	म	ग	—	रे	—	—	सा	
पि	च	५	का	५	५	५	रि	न	५	की	५	५	प	
×					२		०			३				
नि	सा	रें	—	नि	ध	म	ग	रे	ग	रे	सा	सा	रे	सा
र	त	५	है	५	५	कु	हा	५	र	अ	हो	५	कै	से
×					२		०				३			

मारवा-धमार(विलम्बित).

स्थायी.

सा सा

ह म

नि	सा ध - म -	ध -	म ग -	रे - - रे
आ	५ ५ ये ५	फा ५	५ ५ ५ ५	ग ५ ५ खे
×		२	०	३
रे	ग रे ग -	म ग - -	रे - सा -	
ल न ५ ५ ५	५ उ न ५ ५	स ५ न ५		
×	२	०	३	
ध	म ध - सा नि	रे -	म ग -	रे - सा सा
उ म्हा ५ ५ ५	५ ५ ५ ५ ५	ये ५, ह म।		
×	२	०	३	

अन्तरा.

ध	म ध - सां सां	सां सां	सां सां -	नि	सां रे सां -
भ र ५ भ र	रं ग स ब ५	ले ५ हो ५			
×	२	०		३	
रे	नि - रे नि ध	म नि ध म ग	ग रे सा -		
री ५ क र त	अ प ने ५ ५	चा ५ ५ ५			
×	२	०		३	
ध	म ध - नि सा नि	रे - रे म ग -	रे - सा सा		
५ ५ ५ ५ ५	५ ५ ५ ५ ५	५ ५ ५ ५ ५	हे ५, ह म।		
×	२	०		३	

राग काफ़ी

काफ़ी रागो भुवनविदितः कोमलाभ्यां गनिभ्यां-
मन्यैस्तीव्रैः परममधुरः पंचमो वादिरूपः ॥
संवादी स्यात् स इह कतिचिद्वादिनं गं वदन्ति ।
सांद्रस्निग्धं सरसमतिभिर्गीयतेऽसौ निशायाम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू गमौ रिधौ तीव्राबुभौ नी पंचमोऽशकः ।
यत्र षड्जस्तु सम्वादी काफ़ी सा निशि गीयते ॥
चन्द्रिकायाम् ।

मृदु मध्यम गन्धार है मृदु तीवर हूँ निखाद ।
काफ़ी सुन्दर राग है पस वादी सम्वाद ॥
चन्द्रिकासार ।

निसौ रिगौ मपौ धनी सनिधपा मगौ रिधौ ।
काफ़ी पूर्णा भवेन्नित्यं पंचमांशसमन्विता ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

‘काफी’—यह राग काफी थोट से उत्पन्न होता है। इसमें गंधार व निषाद कोमल हैं और शेष सब स्वर शुद्ध लगते हैं। इसका वादी स्वर पंचम व सम्वादी पड़ज है। कोई-कोई गुणिजन गन्धार और निषाद का सम्वाद मानते हैं। इस ग्रन्थ के लेखक को पहिला मत अधिक माननीय है। इस राग की जाति सम्पूर्ण-सम्पूर्ण है। गायन समय मध्यरात्रि का माना जाता है। कोई-कोई इसका गायन समय सायंकाल भी मानते हैं। सर्व साधारण में यह राग लोकप्रिय है। इसके आरोह में तीव्र गन्धार व तीव्र निषाद अनेक बार लगाये हुए दिखाई देते हैं। इन स्वरों के उचित प्रयोग से इस राग का वैचित्र्य बढ़ता है। किन्तु यह ध्यान रखना चाहिये कि तीव्र ग और तीव्र नि इस राग के नियमित स्वर नहीं हैं। कभी-कभी क्वचित कोमल धैवत लेकर भी चतुर गायक राग हानि नहीं होने देते, किन्तु यह प्रयोग गायक की कुशलता पर निर्भर है। इस राग की विशेषता सा, गु, प, नि इन स्वरों पर है। यह यावन्तिक राग बताया जाता है। साधारण श्रोतागण “सासा, रेरे, गग, मम, प” इस विशिष्ट स्वर समुदाय से तत्काल ही इस राग को पहिचान लेते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा रे गु, म, प, ध नि सां । सां नि ध, प, म गु, रे, सा ।

पकड़ः—

सा सा, रे रे, गु गु, म म, प ।

काफी—भपताल (मध्यलय).
स्थायी.

ग ×	ग	रे २	सा	रे	प ०	५	म ३	प	ध
ग ×	ग	रे २	सा	रे	प ०	५	म ३	प	प
म ×	ध	नि २	सां	नि	ध ०	म	प ३	ग	रे
रे ×	ग	रे २	म	ग	रे ०	सा	रे ३	नि	सा
नि ×	ध	सां २	नि	ध	म ०	प	ध ३	ग	रे।

अन्तरा.

म ×	म	प २	नि	नि	सां ०	५	प ३	नि	सां
रें ×	गं	रें २	सां	रें	नि ०	सां	नि ३	ध	ध
प ×	रें	सां २	सां	रें	नि ०	सां	नि ३	ध	ध
सां ×	५	नि ३	ध	म	प ०	ध	ग ३	ग	रे
रे ×	ग	रे २	म	ग	रे ०	सा	रे ३	नि	सा
नि ×	ध	सां २	नि	ध	म ०	प	ध ३	ग	रे।

काफ़ी—एकताल (मध्यलय) .

स्थायी.

पध (गुऽ ०	मप (निऽ ०	म ग	—	रेसा (वऽ ४	रे	म ग	—	म	प	—	प
नि सां	रें	गा ३	ऽ	त	का ×	ऽ	फि ०	रा	ऽ	ग	
सां	रें	सां	नि	ध	प	ग	—	रे	सा	रे	सा
ख ०	र	ह ३	र	प्रि ४	य	मे ×	ऽ	ल ०	ज	नि २	त
नि सां	—	रे	रे	म ग	ग	म	—	प	प	ध	ध
को ०	ऽ	म ३	ल	ग ४	नि	ऊ ×	ऽ	ज्व ०	ल	प २	र
सां	सां	निसां (पंऽ ३	रें	सां	नि	ध	—	म	प	—	मप (धऽ ३
नि सु ०	र	ऽ	च ४	म	वा ×	ऽ	दि ०	सा	ऽ	२	
पध (गुऽ ०	ध नि										

अन्तरा.

प म	म	म	प	नि	—	सां	नि	सां	—	सां	सां
स ०	र	ल ३	स	रु ४	ऽ	प	वि	प ०	ऽ	श्चि	त २

नि	सां	रें	गं	रें	सां	रें	सां	रें	नि	सां	सां
मा	ऽ	न	त	स	ब	सु	ध	अ	वि	क	ल
०		३		४		×		०		२	
सां	—	नि	ध	म	प	ग	ग	रे	सा	रे	नि
आ	ऽ	श्र	य	गु	नि	च	तु	र	क	ह	त
०		३		४		×		०	२		
सा	—	रे	रे	ग	ग	म	—	प	प	ध	ध
को	ऽ	म	ल	ग	नि	ऊ	ऽ	ज्व	ल	प	र
०		३		४		×		०	२		
नि	सां	निसां	रें	सां	नि	ध	—	म	प	—	मप
सु	र	पंऽ	ऽ	च	म	वा	ऽ	दि	सा	ऽ	धऽ ।
०		३		४		×		०	२		
पध	ध										
(गुऽ	नि										
०											

काफी—एकताल (मध्यलय) .

स्थायी.

म	ग	ग	रे	सा	म	—	प	—	प	प
ग	ग	ग	रे	रे	ग	—	प	—	प	ध
छे	डो	मो	हे	हे	हो	ऽ	ऽ	रया	म	का
३		४			×	०		२		हे
										०
										नि
										सां
										रें
										ब
										हु
										०

सां	नि	ध	प	म	ग	ग	रे	सा	रे	नि	सा -
त	ह	सि	न	क	रो	तु	म	अ	ब	सा	ऽ
३		४		×		०		२		०	
रे	रे	म	ग	म	म	प	प	ध	ध	नि	नि
स	न	न	द	सु	न	जो	पा	व	त	तु	में
३		४		×		०		२		०	
सां	-	निसां	रेंनि	ध	-	म	प	म	प	पध	मप
दे	ऽ	गीऽ	ऽऽ	गा	ऽ	रि	श्या	ऽ	म	काऽ	हेऽ।
३		४		×		०		२		०	

अन्तरा.

म	म	म	प	नि	नि	सां	नि	सां	नि	सां	सां
अ	प	नि	क	र	त	क	छु	न	सु	न	त
०		३		४		×		०		२	
नि	सां	रें	गं	रें	सां	रें	सां	रें	नि	सां	सां
रो	ऽ	क	त	नि	त	ड	ग	र	च	ल	त
०		३		४		×		०		२	
सां	-	नि	ध	म	प	ग	-	रे	सा	रे	सा
नी	ऽ	ल	ज	ठ	हु	रा	ऽ	इ	क	र	त
०		३		४		×		०		२	
नि	-	रे	रे	ग	ग						
सा	ऽ	स	न	न	द						
०		३		४							

काफी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग
म प
जि न

रे सा ग म ग रे	रे ग म म	प प ध प	ग म ग म प
डा रो रं ग	मा नो गि र	धा रि मो रि	बा त, जि न
०	३	×	२
रे सा ग म ग रे	रे ग म म	प प — —	ग — — म ग
डा रो रं ग	मा नो गि र	धा री ऽ ऽ	ऽ ऽ अ ब
०	३	×	२
म नि ध नि	ध प ध म	प प ध प	ग ग म ग म प
सा ऽ स सु	ने गि दे गि	गा रि ह म	हा रि, जि न
०	३	×	२

अन्तरा.

म म प ध	नि — सां सां	नि नि सां सां	सां सां नि नि ध प
गि रि कै ऽ	ला ऽ स को	बा स ह म	छां ऽ व्यो ऽ
०	३	×	२

नि नि सां सां	सां ध सां नि नि	ध प ध प	ग ग म ग म प
ह म अ ब	ला ऽ अ ति	बा रि भि जि	सा री, जि न
०	३	×	२

संचारी.

सां नि ध सां	नि ध म प	म ग - रे म	म ग - रे सा
ड म क ड	म क ड म	रू ऽ ग त	बा ऽ ज त
०	३	×	२
नि सा रे -	रे ग म म	प प ध म	प प - -
म त सं ऽ	गी ऽ त बि	चा रि त त	का री ऽ ऽ।
०	३	×	२

आभोग.

म म प ध	नि नि सां सां	नि नि सां -	सां सां नि नि ध प
ह र रं ग	क हा क हूँ	अ ब मैं ऽ	तो ऽ सों ऽ
०	३	×	२
नि नि सां सां	निसां रें सां नि	ध प ध प	ग ग म ग म प
अ न गि न	दे ऽ ऽ ऊं मैं	गा रि दे दे	ता रि, जि न
०	३	×	२

काफी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग
म
क

ग ग म प	ध प ग म	म ग ग रे रे	प — — ग
द र पि या	नै या मो रि	कै से ला गो	पा र् ऽ तु
२	०	३	×
म ध नि सां	रें नि — नि	ध प ध म	प — — म
खे व ट अ	ना डी ऽ हुँ	ठा डि म भू	धा र् ऽ क
२	०	३	×

अन्तरा.

(म) — म प	सां नि — सां —	मं सां रे सां	रें नि सां —
ना ऽ मो रे	नै ऽ या ऽ	ना ऽ रे खि	वै ऽ या ऽ
०	३	×	२
सां नि — सां सां	रें नि सां नि ध म	प — — ग	म ध नि सां
आ ऽ न प	डी ऽ म भू	धा र् ऽ क	द र पि या
०	३	×	२
नि ध म प	म सां ग ग रे रे	प — — म	
नै या मो रि	कै से ला गो	पा र् ऽ क	
०	३	×	

काफी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि
सा नि
छां डो

सा रे रे (ग)	— म — म	प — प म	प ध नि सां
छां डो छै ला	५ मो ५ रि	वै ५ यां दु	ख त मो रि
०	३	×	२
नि धप म प	(ग) — रे —	सा रे नि ध नि	प ध म प
न ५ म क	ला ५ ई ५	कै से तु म	कै से तु म
०	३	×	२
प म प ग	म म सा नि	सा ग रे म	ग रे सा नि
नि ड र ला	५ ल म ग	रो क त प	राई, छां डो
०	३	×	२

अन्तरा.

ग म म म प	सां नि नि सां सां	गं रें रेंगं रें सां	रें नि सां सां
कै से तु म	म हा रा ५	आ व ५ त न	तो को ला ५
×	२	०	३

ध प रें सां रें जा नो ना कं ×	रें नि नि सां - सां सा को रा ऽज २	प ध प नि प क ड़ मं ०	ध प सा नि गा वे वा की ३
सा ग रे म फि र त दु ×	ग रे सा नि हा ई, छां डो २		

काफी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सां नि सां ऽ आ ऽ ज ० रें नि सां नि ध सु र ति या ० म ग - रे सा तो ऽ से ऽ ० मं गं रें सां रें बा हु के बि ०	ध नि नि ध म प म न ऽ ब स ३ प ध नि सां प्या रि प्या रि ३ म नि प ध अ प ने जि ३ सां नि सां - रें न दे ऽ खे ३	सां नि सां - सां ग ई ऽ सां × प नि ध प स खि रि क × म प नि सां या कि बी ति × सां नि ध प क ल न प ×	नि रें सां रें ऽ व रे कि २ म ग - रे म हा ऽ क हुं २ मं गं रें - मं आ ली ऽ री २ म ग रे सा र त मो को २
---	---	---	--

अन्तरा

प नि प - ध	म प नि सां	मं गं रें - मं	गं रें सां -
हा हा ऽ क	र त तो रे	पैं यां ऽ प	र त हूँ ऽ
३	×	२	०
सां - रें रें	सां - नि प	म ग - रे म	ग रे सा -
जो ऽ पि या	आ ऽ न मि	ले ऽ मो रि	स ज नी ऽ
३	×	२	०
नि सा	प	म	सा सां
सा रें सां -	नि प म प	ग ग रे सा	सां - रें
मैं तो चे ऽ	री स न द	भ इ ते रि	ऽ आ ऽ ज
३	×	२	०
सां नि	सां		
म प	नि सां - सां		
म न ब स	ग ई ऽ सां		
३	×		

काफी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म प
स स्त्री

म ग म रे	रे ग सा रे	प - प म	रे ग ग म प
अ ब कै सो	क र त है	मो ऽ र सो	ऽ र स स्त्री
०	३	×	२

म ग म रे	रे ग सा रे	प - - प	ग रे रे -
अ ब कै सो	क र त है	मो ऽ ऽ र	औ र बो ऽ
०	३	×	२
म रे सा सा	सा - सा -	म ग ग म	ग ग म प
ल त है प	पी ऽ हा ऽ	जो ऽ र जो	ऽ र, सखी
०	३	×	२

अन्तरा.

म म म -	प प नि -	सां - सां सां	नि ध - ध
सु न को ऽ	य ल की ऽ	कू ऽ क जि	या ऽ ऽ में
०	३	×	२
नि - ध ध	नि ध नि प	म ध ध ध	- ध ध नि
हू ऽ क उ	ठ त है ऽ	क द र ओ	ऽ र कै से
०	३	×	२
नि ध प -	प - ध प	म ग ग म	गरेगरे ग म प
जै ऽ यू ऽ	ना ऽ हीं ऽ	हो व त भो	ssss र, सखी।
०	३	×	२

काफी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

रे म ग म प	म ग म ग	म रे - ग	म म प -
जो रे जो रे	छु वो ना ऽ	हीं छै ऽ ल	बं ग री ऽ
२	०	३	×

(३३०)

रे म ग म प	म ग म -	प नि सां रें	नि सां नि ध
जो रे जो रे २	छु वो ना ऽ ०	बि न ति क ३	र त मो हे ×
नि ध नि प	- प म ग	म रे - ग	म म प -
गु ज री रै १	ऽ न स ग ०	री छै ऽ ल ३	बं ग री ऽ ×

अन्तरा.

प प प प	नि - नि नि	सां - सां -	पनि सांरें निसां रें
क द र पि ३	या ऽ जो मैं ×	ऐ ऽ सो ऽ २	जाऽ ऽऽ न्तीऽ ऽऽ ०
सांनि धप - -	प नि - सां	सां नि - ध	नि ध नि प
ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ ३	आ ती ऽ का ×	हे को ऽ मैं २	तो री न ग ०
म रे - ग	म म प -		
री छै ऽ ल ३	बं ग री ऽ ×		

काफी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म

मु

रे ग ग म प	ग म ग म म	रे रे ग सा रे	रे प - ध प
की ऽ के क	ला ई क्युं मु	क र ग ये	छै ऽ ल मु
रे मग ग म प	म ग म म	रे ग सा रे	प - प प
की ऽ के क	ला ई क्युं मु	क र ग ये	छै ऽ ल मु
म ग म प	म ग म म		
की ऽ के क	ला ई क्युं मु		

अन्तरा.

प	म ग म मग	म नि ध नि	ध - प ध
मु	की ऽ के फिर	नै ऽ न मि	ला ऽ व त
नि सां नि ध	प - ध प	म ग म म	रे ग रे रे
हैं स हैं स	बा ऽ त क	र त ऐ सो	नि प ट ढी

ग रे सा रे	नि सा सा, निनि	नि नि सां सां	नि ध नि ध
५ ट क द	र पि या, चलो	ह टो जा ओ	छां डो मो री
×	२	०	३
प - ध प	मग रे ग म प		
गै ५ ल मु	का ५ के क		
×	२		

काफी - त्रिताल (मध्यलय).
स्थायी.

सा नि
र हि

सा रे - ग	म म प -	ध प म ग	रे सा, रे नि
है कै ५ से	बि जु री ५	च म क च	म क र ही
०	३	×	२
सा रे - ग	म म प -		
है कै ५ से	बि जु री ५		
०	३		

अन्तरा.

म म म प	नि नि नि नि	सां सां रें नि	सां - सां -
ग र ज ग	र ज बा दल	ब र स न	ला ५ गे ५
०	३	×	२

प	रैं	सां	रें	नि सां	नि ध	नि ध नि प	ध प म ग
क	द	र	क	र त	मो रा	जि या ध क	ध क र हि ।
०				३		×	२
म	रे	—	ग	म म	प —		
है	कै	ऽ	मे	बि जु	री ऽ		
०				३			

काफी (सिंधुरा) -त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

रे - रे | ^मग ^{रेणु}म म | प प - ग | ^मग ^{सा गु}रेमम ^{गरेनि}सा
 ऽ जा ऽ ने | ^३दो ^३मो हे | [×]छो रो ऽ पि | य रु ^२वा ^३३३३ ^३३३३

अन्तरा.

म म प प	नि - सां सां	सां - रें नि	सां सां <u>सांनिध</u> निप
क द र पि	या ऽ तु म्हें	ला ऽ ज न	ड र है ऽऽ ऽऽ
०	३	×	२
प नि नि नि	सां सां नि ध	नि ध नि प	
इ त ने लो	ग न में ल	गा य ले त	
•	३	×	

म प मपमपधनिधप मगरेसानिन्सा
ग र वाSSSSSSS SSSSSS
३

(३३४)

काफी—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

सा रे - ग	म - प -	ग म ध -	निध नि ध प
मैं वा ऽ री	सैं ऽ या ऽ	औ र वा ऽ	रुं ऽ ऽ त न
३	×	२	०
ध प म ग	रे गु रे सा	ग ग म -	साग मप म ग
म न ध न	स ब ही ऽ	तु म रे ऽ	का ऽ ऽ र न ।
३	×	२	०
म रे - ग			
मैं वा ऽ री			
३			

अन्तरा.

म म प -	नि - नि नि	सां सां रें नि	सां - सां सां
त न से ऽ	जो ऽ ग न	म न से बि	यो ऽ ग न
२	०	३	×
नि ध ध ध	नि - ध प	ध म प प	नि - सां सां
ह म तु म	रे ऽ बि न	क द र पि	या ऽ तु म
२	०	३	×
रें रें रें सां	रें नि सां -	प नि सां निसां	नि ध प ध
जु ग ऽ जु ग	जी ऽ ओ ऽ	क र लूं ऽ	नै ऽ ऽ न
२	०	३	×
नि निसां नि ध	नि प म ग	म रे - ग	
भ र ऽ कर	द र श न	मैं वा ऽ री	
२	०	३	

काफी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म प म ग	म रे ^ग रे ग	सा रे प -	प ध प म ग रे ग
पि या भु म	भु म मो हे	नि दि या ऽ	आ ई रे ऽ ऽ
२	०	३	×
म प म ग	म रे ^ग रे ग	सा रे प -	प ध प म ग
पि या भु म	भु म मो हे	नि दि या ऽ	आ ई रे लो
२	०	३	×
म ध ध ध	नि सां नि ध	प - ध प	मपध प म ग
भो भये आ ये	जा ओ ज हां	रे ऽ न ग	वां ऽ ई रे ऽ ।
२	०	३	×

अन्तरा.

म म प प	नि नि सां सां	नि ध ध सां	नि ध प -
क र के धि	टा ई क दुर	बि न ति क	र त हो ऽ
१	×	२	०
नि सां नि ध	प - प -	म म ध -	ध ध ध ध
ये भी च तु	रा ऽ ई ऽ	अ ब का ऽ	ज य्ये मो रे
३	×	२	०
नि सां नि ध प	मपध प म ग		
जि या से ऽ बु	रा ऽ ई रे ऽ		
३	×		

काफी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प म
त न

नि प ^म ग रे	ग रे सा रे	प - - -	- - गम रेग
दे रे ना ऽ	ऽ दा ऽ नि	दी ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ स्तऽ नऽ
०	३	×	२
म नि नि ध ध नि	पप ध ध सां (सां)	नि ध प प	ध म प प
ना दिर दिर तुं	दिर दिर त न	दे रे ना त	दे रे दा नि
०	३	×	२
नि प ^म ग रे			
दे रे ना ऽ			
०			

अन्तरा.

ग म ध	ध नि सां -	निसां ध नि नि सां	ध नि ध प -
ऽ ख ऽ ल्के	मे ऽ गो ऽ	ऽऽ य ऽ दु के	खू ऽ स्त्रो ऽ
०	३	×	२
ग ग म ध	ध नि सां -	निसां ध नि सां	नि ध प -
ऽ बु ऽ तृप	र ऽ स्ती ऽ	ऽऽ मे ऽ कु	न ऽ ऽ दु
०	३	×	२

ग ग म ध	ध नि सां -	त्रिसां ध नि सां	नि ध प -
ऽ आ ऽ रे	आ ऽ रे ऽ	ऽऽ मे ऽ कु	न ऽ द्वा ऽ
०	३	×	२
ग म ध	ध नि सां -	त्रिसां ध नि सां	त्रिध प म ग
ऽ ख ऽ ल्के	मा ऽ रा ऽ	ऽऽ का ऽ र	नेऽ ऽ स्त न
०	३	×	२
म निनि धध नि	स्थायी अनुसार		
नादिर दिर तुं			
०			

काफी—भूपताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा	सा	रे	ग	सा	ग	मरे	म	प	म
नि	ऽ	त	ऽ	न	रे	ऽऽ	सं	ऽ	ग
सौ		२			के		३		
×					०				
प	-	-	-	ध	सां	नि	ध	-	प
ला	ऽ	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	ते	ऽ	री
×		२			०		३		
म	-	म नि प			म	-	ग		
ग					ग		रे	नि	सा
आ	ऽ	छी	ऽ	ब	ने	ऽ	गी	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प									
म	-	प	-	ध	नि	सां	नि	सां	- सां
हं	ऽ	स	ऽ	न	की	ऽ	ग	ऽ	ति
×		२			०		३		
रें	मं	रें	-	सां	रें	नि	सां	-	-
हं	गं	स	ऽ	हि	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
सां	-	सां	-	रें	सां	नि	ध	म	-
नि	ऽ	ई	ऽ	न	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ
को		२			०		३		
×									
प	-	-	-	ध	सां	नि	ध	-	प
का	ऽ	ऽ	ऽ	ग	रे	ऽ	ते	ऽ	रि
×		२			०		३		
म	-	म	नि	प	म	-	ग	नि	सा
ग					ग		रे		
आ	ऽ	छी	ऽ	ब	ने	ऽ	गी	ऽ	ऽ।
×		२			०		३		

काफी-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि	सा	रे	सा	म	ग	रे	सा	प	-	ध	म	ग	-	रे
आ	ऽ	ये	री	मे	रे	रे	धा	ऽ	म	श्या	ऽ	म		
०		३		४			×	०			२			

काफी-चौताल (विलंबित).

स्थायी.

नि	सा	रे	सा	म	ग	रे	सा	रे	प	—	ध	ग	—	रे
जा	५	गे	मे	५	रे	भा	५	ग	आ	५	ज	५	५	ज
०	३	३	३	४	४	×	×	०	२	२	२	२	२	२
म	रे	ग	सा	रे	नि	सा	म	प	ध	नि	सां	५	५	५
श्या	५	म	सुं	द	र	क	म	ल	न	य	न	५	५	५
०	३	३	३	४	४	×	×	०	२	२	२	२	२	२
नि	—	ध	ग	—	रे	प	ग	—	सा	रे	नि	सा	५	५
आ	५	न	ठा	५	डे	मे	रे	५	द्वा	५	र।	५	५	५
०	३	३	३	४	४	×	×	०	२	२	२	२	२	२

अन्तरा.

म	म	म	म	प	ध	नि	—	सां	नि	सां	सां
त	न	म	न	ध	न	नौ	५	छा	५	व	र
×	०	०	०	२	२	०	३	३	४	४	४
नि	सां	रें	गं	रें	सां	सां	सां	सां	नि	ध	ध
क	रि	हों	५	मैं	५	प	रि	हों	पैं	५	यां
×	०	०	३	२	२	०	३	३	४	४	४

सां -	नि ध	म पध	म ग -	रे नि	सा सा
लै ऽ	ऽ हों	ऽ वऽ	लै ऽ	यां आ	ऽ ज
×	०	२	०	३	४
नि-सा	रें	रें	नि सां		
बा ऽ	र वा	ऽ र			
×	०	२			

काफी-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा -	सा रे	-	सा रे	प ग	म ग	रे रे
धा ऽ	य धा	ऽ	य मे	रे	ऽ ग	र ज
×	०	२	०	३	४	
सा -	सा रे	म म	प -	प प	ध म	
धा ऽ	य धा	ऽ	य सू	ऽ	द र	स ब
×	०	२	०	३	४	
प नि	नि सां	-	रें सां	सांनि	-	ध प म
मि ल	सु जा	ऽ	न आ	ऽऽ	ऽ	नं द ऽ
×	०	२	०	३	४	
म ग	- रे	म म	प ग	मग	म ग	रे रे
ऽ क	ऽ रो	ऽ	ई मे	रे	ऽऽ	ग र ज
×	०	२	०	३	४	

अन्तरा.

	म	म	प	—	ध	सां नि	सां	—	सां	—	सां
५	आ	ज	मो	५	रे	पि	या	५	पे	५	मैं
×		०		२		०		३		४	
	नि	—	सां	—	सां	सां	सां	—	ध	प	—
५	वा	५	रूँ	५	गी	जी	ये	५	रा	५	५
×		०		२		०		३		४	
प	नि	नि	सां	—	रें	सां	सां	—	ध	प	म
स	म	भू	सो	५	च	हूँ	सा	५	य	ने	५
×		०		२		०		३		४	
म	म	म	म	म	म	म	म	म	म	म	म
प	ग	—	रे	म	म	प	ग	म	ग	रे	रे
ह	ल	५	गा	५	ई	मे	रे	५	ग	र	ज
×		०		२		०		३		४	

काफी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ग	नि	प	म	सा	प	—	—	प	नि	म
म	५	ज	ग	रे	रे	५	आ	५	ये	सो
आ	५	३	मो	५	५	५	५	५	५	५
०			४		×		०		२	

म	नि	प	म	रे	सा	प	—	—	प	—	प
आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	सो
०		३		४		×		०	२		
म	म	प	नि	सां	रें	सां	नि	प	म	—	रे
ऽ	आ	ये	मो	रे	ऽ	प्रा	ऽ	ण	ना	ऽ	थ
०		३		४		×		०	२		
—	म	प	नि	सां	नि	रें	सां	नि	प	सां	नि
ऽ	की	नी	मो	से	सां	र	स	की	बा	ऽ	त।
०		३		४	ऽ	×		०	२		
म	नि	प	म	रे	सा						
आ	ऽ	ज	मो	रे	ऽ						
०		३		४							

अन्तरा.

प	म	—	प	—	ध	नि	सां	—	नि	सां	सां
ध	चा	ऽ	न	ऽ	क	आ	ये	ऽ	ऐ	ऽ	से
×		०	२		०			३	४		
	नि	नि	सां	—	रें	सां	सांनि	—	ध	—	प
ऽ	ह	र	को	ऽ	मि	ले	ऽ	ऽ	कै	ऽ	से
×		०	२		०	०	०	३	४		

प	रें	रें	रें	मं	रें	सां	नि	प	नि	सां	—
छां	५	ड	दे	५	रि	मे	५	रि	आ	ली	५
×		०		२		०		३		४	
रें	सां	नि	प	सां	नि	म	नि	प	ग	रे	सा रे
अ	प	नो	धा	५	त	आ	५	ज	मो	रे	५
×		०		२		०		३		४	

संचारी.

ध	म	—	प	—	ध	नि	—	सां	नि	ध	प
जि	या	५	में	५	आ	नं	५	द	सां	ई	५
×		०		२		०		३	भ	४	
	नि	नि	सां	—	रें	सां	सां	—	ध	प	—
५	त	न	की	५	त	प	त	५	ग	ई	५
×		०		२		०		३		४	
म	म	—	म	—	प	ग	—	ग	ग	रे	सा
ग	ग	५	में	५	सु	हा	५	यो	मे	५	रो
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

	म	—	प	—	ध	नि	सां	—	नि	सां	सां
५	ग्रा	५	न	५	जी	व	न	५	बि	५	न
×		०		२		०		३		४	

—	नि	—	सां	—	सां	नि	प	सां	नि	ध	प
५	कै	५	से	५	स	रे	५	गो	मे	५	रो
×		०		२		०		३		४	
प	रें	—	रें	मं	रें	सां	नि	प	सां	सां	सां
क	दी	५	ना	५	हिं	छां	५	डुं	कृ	५	ष्ण
×		०		२		०		३		४	
रें	सां	नि	प	सां	नि	म	नि	प	ग	रे	सा
ति	हा	रो	सा	५	थ	आ	५	ज	मो	रे	५
×		०		२		०		३		४	

काफी—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

सा	सा	—	रे	—	रे	सा	म	—	—	म	—	—	म
ब्रि	ज	५	में	५	ह	रि	हो	५	५	री	५	५	म
×			२				०			३			
प	—	—	प	—	ध	प	म	ग	—	म	ग	(म)	—
चा	५	५	ई	५	५	स	खी	५	५	री	५	५	५
×			२				०			३			

अन्तरा.

प	प	—	रें	—	—	—	रें	रें	—	गं	रें	गं	—
इ	त	५	सों	५	५	५	नि	क	५	सी	५	५	५
×			२				०			३			

सां	रें	-	नि	-	नि	-	सां	सां	-	रें	-	मं	गं	-
कुं	व	५	रि	५	रा	५	५	धि	५	का	५	५	५	५
×			२				०			३				
सां	रें	-	सां	-	नि	-	ध	म	-	प	-	-	ध	
उ	त	५	सौं	५	५	५	कुं	व	५	र	५	५	क	
×			२				०			३				
सां			ध											
नि	-	-	नि	-	रें	-	सां	-	-	-	-	-	-	-
न्हा	५	५	५	५	५	५	ई	५	५	५	५	५	५	५
×			२				०			३				
ग					२									
म	-	-	ग	-	-	ग	म	-	-	प	-	-	ध	
खे	५	५	ल	५	५	त	फा	५	५	ग	५	५	प	
×			२				०			३				
सां	-	नि	ध	-	-	म	प	ध	-	(म)	-	ग	-	
र	५	५	स्प	५	५	र	हि	ल	५	मी	५	ले	५	
×			२				०			३				
सां			सां	-	नि	-	सां	सां	-	सां				
नि	-	-	सु	५	ख	५	ब	र	५	नी	५	५	न	
सो	५	५	२				०			३				
×														
सां	नि	-	ध	-	-	प	ध	प	-	प	-	म	ग	
जा	५	५	ई	५	५	सो	घ	र	५	घ	५	र	५	
×			२				०			३				

प	म	नि	ध	—	नि	ध	ध	ध	प	म	ग (म)	—
ब	ज	ऽ	त	ऽ	ऽ	ब	धा	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ
×			२				•			३		
सा	सा	—	रे	—	रे	सा रे						
त्रि	ज	ऽ	में	ऽ	ह	रि						
×			२									

काफी—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

सा	नि	सा	रे	ग	सा	रे	म	ग	रे	ग	म	—	प	म
अ	ब	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ	टे	ऽ	ऽ		क	ऽ	ऽ	ह
×			२				•				३			
प	—	—	प	—	—	प	—	प	—		म	ग	म	—
मा	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ज	ऽ		रा	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				•				३			
म	—	नि	ध	नि	ध	प	म	ग	—		म	ग (म)	—	
खो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गि	र	धा	ऽ	ऽ		री	ऽ	ऽ	ऽ।
×			२				•				३			

अन्तरा.

प	-	-	रें	-	रें	-	-	रें	-	गुं	रें	गुं	-
जै	ऽ	ऽ	मी	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ज	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	रें	-	नि	-	नि	-	मां	सां	-	रें	-	गुं	-
खी	ऽ	ऽ	अ	ऽ	र	ऽ	जु	न	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	रें	-	सां	-	नि	-	ध	म	-	प	-	-	ध
भा	ऽ	ऽ	र	ऽ	त	ऽ	जु	ऽ	ऽ	द्ध	ऽ	ऽ	म
×			२				०			३			
सां			ध										
नि	-	-	नि	-	रें	-	सां	-	-	-	-	-	-
भा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
म	-	-	ग	-	-	ग	म	-	-	प	-	ध	-
सा	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	थि	हो	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां	सां	-	नि	-	ध	म	प	ध	-	(म)	-	ग	-
र	थ	ऽ	कां	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	क्यो	ऽ	ऽ	ऽ
×			२				०			३			
सां													
नि	-	-	सां	-	-	नि	सां	सां	-	सां	-	रें	-
च	ऽ	ऽ	क्र	ऽ	ऽ	सु	द	र	ऽ	श	ऽ	न	ऽ
×			२				०			३			

सां	नि	-	ध	-	नि	प	प	प	-	म	ग	म	-
धा	५	५	री	५	५	भ	क्त	न	५	की	५	५	५
×			२				०			३			
म	-	नि	ध	-	नि	प	प	ध	-	म	ग (म)	-	
टे	५	५	क	५	५	न	ता	५	५	री	५	५	५
×			२				०			३			

काफी—दीपचन्दी (मध्यलय).

स्थायी.

नि
नि

सा	-	निसा	रे	-	-	रे	म	ग	रे	-	म	ग	सा	-	रे
का	५	५५	ला	५	५	नि	रा	५	५	ला	५	५	अ		
०			३				×			२					
म	म	-	मप	मप	ध	प	म	ग	-	रेग	रे	-	-	नि	
ल	ग	५	स५	५५	५	न्से	रं	५	५५	ग	५	५	जो		
०			३				×			२					
सा	-	-	रे	-	-	रे	म	ग	रे	-	म	ग	सा	-	रे
है	५	५	बा	५	५	त	जी	५	५	स्की	५	५	उ		
०			३				×			२					

म	—	—	मप	मप	ध	प	म	रे	ग	रे	—	—	—
सी	५	५	के	५	५	है	सं	५	५	ग	५	५	५
०			३	५			×			२			

अन्तरा.

म
को

म	—	—	प	—	—	ध	नि	—	—	सां	—	—	नि
ई	५	५	कू	५	५	छ	गा	५	५	ये	५	५	न
०			३				×			२			
नि	—	—	सां	—	—	सां	सां	—	नि	नि	ध	नि	प
हीं	५	५	मो	५	५	हे	भा	५	५	ये	५	५	५
०			३				×			२			
प	नि	नि	नि	नि	सां	—	सां	—	नि	नि	ध	नि	प
क	द	र	तु	म	री	५	हो	५	५	री	५	५	का
०			३				×			२			
	म	म	मप	मप	ध	प	म	रे	ग	सा	—	—	नि
५	ज	म	जा	५	५	ये	रं	५	५	ग	५	५	नि ।
०			३				×			२			

काफा—धमार (त्वलाम्बत).

स्थायी.

म	ग	ग	रे	रे	प	—	—	ध	म	प	ध	म	ग	ग	—
ए	रि	ए	मैं		कौ	ऽ	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ज		त	न	ऽ
३					×					२			०		
रे	—	—	—		म	ग	रे	—	म	—	ग	रे	सा	रे	—
सों	ऽ	ऽ	ऽ		×	खो	ऽ	ऽ	लौं	ऽ	मो	रे	ऽ	पी	ऽ
१					×						२		०		
नि	सा	सा	—		नि	सा	सां	नि	ध	म	प	ध	म	ग	—
या	ऽ	के	ऽ		म	न	में	ऽ	ऽ		प	रि	गां	ऽ	ठ।
३					×						२		०		

अन्तरा.

प	म	म	—	प	—	—	ध	सां	नि	सां	—	सां	—	सां	—
स	ब	ऽ	स	ऽ	ऽ	खि	यां	ऽ	ऽ	मि	ऽ	ली	ऽ		
×					२		०			३					
रें	मं	गं	—	रें	—	सां	—	रें	नि	—	सां	—	—	—	
ब	न	ऽ	ब	ऽ	न	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ		
×					२		०			३					
सां	नि	—	—	सां	—	नि	सां	नि	ध	—	ध	नि	प	ध	
मैं	ऽ	ऽ	बै	ऽ	ऽ	ऽ	ठी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वि	ख	।	
×					२		०			३					

सां	नि	-	ध	म		प	ध		ग	रे	-	ग	ग	रे	सा	रे
धो	५	५	५	५		५	५		लौं	५	५	ए	रि	ए	मैं	
×						२			०			३				

काफी-धमार (विलम्बित).

स्थायी.

नि
सां
सुं

सां	नि	सां	-	सां	-	सां	-	सां	नि	-	नि	ध	-	म	-
द	र	५	ते	५	रे	५	मु	ख	५	सें	५	५	५		
×					२		०			३					
प	-	-	ध	सां	-	सां	नि	-	-	-	ध	प			
गा	५	५	५	५	५	५	री	५	५	५	५	मो	हे		
×					२		०			३					
म	ग	रे	ग	म	-	-	ग	रे	नि	सा	सा	-	-	सां	नि
प्या	५	५	री	५	५	ल	ग	त	५	है	५	५	सुं		
×					२		०			३					

अन्तरा.

म	प	ध		सां	नि	सां	-	सां	सां		रें	रें	मं	गं	रें	गं
५	बे	स	र	की	५	५	मो	ति	य	न	की	५	५			
३				×					२		०					

सां रें नि सां -	सां सां सां नि नि नि सां -	सां रें	सां नि -
३ अ ल क ऽ	चं ऽ ऽ दा ऽ	२ की	च म ऽ
३ ध - प ध	× सां - नि ध म	२ म ध	० म - -
३ क ऽ अ ति	सो ऽ ऽ ऽ ऽ	२ ह त	न्या ऽ ऽ
३ सा रे नि सा नि	×		०
३ ऽ ऽ री, सुं			

राग आसावरी.

रागिण्यासावरीयं मृदुगमधनिभिस्तीव्रकेणर्षभेण ।
संपन्नारोहणे या खलु गनिरहिता चावरोहे तु पूर्णा ॥
वादी स्याद्वैवतोऽस्यां श्रुतिरुचिरतरो गश्च संवाद्यभीष्टो ।
विष्वक्तानग्रसारैर्मृदुमधुरगलैर्गीयते संगवे सा ॥
कल्पद्रुमांकुरे ।

मृदू गर्मा धनी चैव तीव्रस्तु ऋषभो धगौ ।
बादिसंवादिनौ यस्यां सासावर्यपि संगवे ॥
चन्द्रिकायाम् ।

कोमल गमधनि तीखरिखव चढत गनी न मुहाइ ।
धग वादीसम्बादि, ते आसावरी कहाइ ॥
चन्द्रिकासार ।

रिमौ पनी धपौ धसौ निधौ पमौ पगौ रिसौ ।
धांशाऽऽरोहेगनित्यक्ताऽऽसावरी संगवे मता ॥
अभिनवरागमंजर्याम् ।

‘आसावरी’—यह राग आसावरी थाट से उत्पन्न होता है। इसमें गन्धार, धैवत व निषाद स्वर कोमल लगते हैं और शेष सब स्वर शुद्ध हैं। यह राग बहुत लोकप्रिय है। इसका वादी स्वर धैवत और सम्वादी गांधार है। गायन समय दिन का दूसरा प्रहर है। आरोह में गान्धार व निषाद वर्ज्य करते हैं और अवरोह सम्पूर्ण है, अर्थात् इसकी जाति औडुव-सम्पूर्ण है। इस राग से मिलते-जुलते दूसरे राग जौनपुरी व गांधारी हैं, वे आगे बताये जायेंगे। उत्तर भारत की ओर आसावरी में कोमल रिपभ लेने की प्रथा है, किन्तु अपनी ओर (दक्षिण) के ख्याल गायक इसमें तीव्र (शुद्ध) रिपभ ही लगाते हैं। इस पुस्तक में यह दोनों ही प्रकार दिये गये हैं और दोनों ही मधुर हैं। जलद तानों में कोमल रिपभ लगाने से गायकों को कुछ असुविधा होती है, इसीलिये संभवतः तीव्र रिपभ लेने का व्यवहार पड़ गया, ऐसा प्रतीत होता है। इस राग की विशेषता गान्धार पंचम व धैवत, इन स्वरों पर अवलम्बित है। यह राग अवरोह में स्पष्ट होता है।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे म प, ध, सां । सां नि ध, प, म ग, रे, सा ।

पकड़ः—

रे, म, प, नि ध प ।



आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

५	म	प	नि	नि	५	प	५	म	५	म	५
३		४		ध	×	०		२		ग	०
रे	५	सा	५	सा	५	रे	५	म	५	म	५
३		४		×		०		२		०	
प	५	नि	५	रें	सां	नि	ध	प	म	म	सा
३		४		×		०		२		ग	रे
										०	

अन्तरा.

म	प	—	नि	—	ध	सां	—	सां	सां	—	सां
स	स	५	सू	५	र	ती	५	न	ग्रा	५	म
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	—	ध	—	सां	रें	—	सां	नि	—	प
ध	ध		सां		स	मू	५	र	छा	५	न
ए	क	५	ई	५		०		३		४	
×		०		२							
म	प	—	सां	—	सां	रें	—	सां	नि	—	प
प	गं		रें		स	कू	५	ट	ता	५	न
उ	नं	५	चा	५		०		३		४	
×		०		२							
प	प	नि	नि	प	ध	म	सा				
म	५	५	ध	५		ग	रे				
गा	५	०	इ	५	५	ये	५				
×				२		०					

संचारी

सा	नि ध	—	नि ध	—	ध	नि ध	नि ध	—	नि ध	—	प
आ	ऽ	ऽ	रो	ऽ	हि	अ	व	ऽ	रो	ऽ	हि
×				२		०		३		४	
नि ध	नि ध	नि ध	सां	—	सां	रें	सां	—	नि ध	—	प
अ	ऽ	ऽ	स्था	ऽ	ई	सं	ऽ	ऽ	चा	ऽ	रि
×		०		२		०		३		४	
ध	ध	म	प	प	ध	म	—	रे	सा	—	सा
प	ध	म	प	प	ध	ग	—	रे	रे	—	सा
औ	ऽ	ऽ	ड	ऽ	व	सं	ऽ	पु	र	ऽ	न
×		०		२		०		३		४	
सा	सा	रे	म	प	प	नि ध	—	—	नि ध	—	प
सं	पू	ऽ	र	ऽ	न	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न।
×		०		२		०		३		४	

आभोग.

प	प	म	नि ध	—	—	ध	सां	—	—	सां	—	सां
म	प	प	डी	ऽ	ऽ	के	ऽ	ऽ	प्र	ऽ	शु	
धूँ	ऽ	०		२		०		३		४		
×												
नि ध	नि ध	—	सां	सां	—	रें	—	सां	नि ध	—	प	
तु	म	ऽ	ब	हो	ऽ	ना	ऽ	ऽ	य	ऽ	क	
×		०		२		०		३		४		

म	प	—	सां	रें	सां	रें	सां	—	नि	—	प
प	गं	—	रें	रें	सां	रें	सां	—	ध	—	थ
गु	नि	५	ज	न	के	सा	५	५	५	४	
×		०		२		०		३			
प	प	नि	ध	प	ध	म	सा				
म						ग	रे				
गा	५	५	५	५	इ	ये	५				
×		०		२		०					

आसावरी-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प	म	प	म	—	प	नि	—	—	प	—	धम
म	म	प	प	—	सां	ध	—	—	यो	—	५५
च	तु	र	रा	५	ग	गा	५	५	५	२	
०		३		४		×		०			
मप	म	—	सा	—	सा	म	म	—	प	—	प
(आ५)	ग		रे		री	रे	५	५	ड	५	व
सा	सा	५	व	५	औ	×	म	५	सा	५	सा
०		३		४			ग	—	रे	—	यो
नि	—	ध	नि	—	प	पध	त	५	ला	५	
ध			ध		न	ब५		०		२	
सं	५	पु	र	५		×					
०		३		४							

अन्तरा.

प	प	—	नि	—	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
म	प	—	ध	—	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
आ	५	५	रो	५	ह	ग	नि	को	त	ज	त
×		०		२		०		३			

नि ध्रु	नि ध्रु	-	ध्रु	-	सां	-	सां	रें	-	सां	नि ध्रु	-	प
अ	व	ऽ	रो	ऽ	ह	ऽ	पु	र	ऽ	न			
×		०		२			३						
म	गं	-	सां	-	सां	-	सां	रें	-	सां	नि ध्रु	-	प
प			रें		रें		रें						
धै	ऽ	ऽ	व	ऽ	त	ऽ	वा	ऽ	दि	सू	ऽ	र	
×		०		२			०		३		४		
पध्रु	म	-	सा	-	सा	-	म	प	म	प			
(दिऽ)	ग		रे		रे		रे						
×	ख	ऽ	ला	ऽ	यो	ऽ	च	तु	र	रा			
		०		२			०		३				

आसावरी-त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

ध्रु	नि	म	प	म	ग	म	प	-					
म	पसां ध्रु	ध्रु	म	पध्रु	मप	ग	-	रे	सा	रे	म	प	-
का	न्हाऽ	मो	हे	आ	सा वऽ	रीऽ	रा	ऽ	ग	सु	ना	ऽ	ये
०				३			×				२		ऽ
नि	नि	नि	ध्रु	नि	ध्रु	प	प	म	प	म	सा		
ध्रु	ध्रु	ध्रु	-	नि	ध्रु	प	ध्रु	म	प	पध्रु	मप	ग	-
												रे	सा
ग	नि	को	ऽ	आ	ऽ	रो	ऽऽ	ह	न	मेंऽ	छुऽ	पा	ऽ
०				३				×				२	ये
सा	रे	म	रे	म	प	ध्रु	प	नि	ध्रु	गं	रें	सां	रें
०				३				×					२

अन्तरा.

प	म	नि	त्रि	ध	सां	सां	सां	सां	सां
म	प	ध	ध	ध	सां	सां	सां	सां	सां
धै	व	वा	दी	गा	सां	सां	सां	सां	सां
०		३		×					
नि	नि	सां	सां	सां	सां	सां	सां	सां	सां
ध	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां	सां	सां
म	ध्य	सु	र	ग्र	ह	न्या	स	सु	पं
०		३		×					
प	प	नि	म	प	म	ग	ग	रे	सा
म	प	ध	प	पध	मप	ग	ग	रे	सा
अ	व	ह	न	सं	स	पु	र	न	दि
०		३		×					
सा	रे	म	रे	म	प	ध	प	ध	गं
०		३		×					

आसावरी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	म	प	सां	नि	ध	प	प	म	प	म	सा
म	म	प	सां	ध	ध	ध	पमप	ग	ग	ग	रे 'सा
अ	खि	यां	स	ला	गी	र	ह	त	नि	स	दि न
३				×		२				०	
ग	रे	सा	सा	नि	प	सा	म	म	प	म	सा
३				ध	प	सा	रे	म	धध	पमप	ग
प्या	रे	ति	हा	रे	दे	ख	न	कां	हिं		
३			×		२						

अन्तरा.

प	नि	नि	सां	सां	सां	सां	रें	गं	रें	सां	नि	सां	रें	नि	ध	प
म	प	ध	ध	खि	न	मो	हे	जु	ग	सी	ऽ	बी	ऽऽ	त	त	
				×				२				०				
३	म	प	सां		नि			पप				म	सा			
प	गं	रें	सां	रें	सां	ध	प	म	प	धुधु	पमप	ग	ग	रे	सा	
नि	स	दि	न	च	ट	प	टि	ला	ऽ	गऽ	रऽऽ	ह	त	म	हिं	।
३				×				२				०				

आसावरी-त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

प	म	म	प	सां	नि	ध	प	पधु	मप	म	सा	ग	रे	म	म	प	प	प	-
					स	म	भऽ	सऽ	सऽ	म	भ	प	ग	ध	रि	ये	ऽ		
					०					३						×			
२	प				नि	नि	नि							म					
ध	म	प	प	ध	ध	ध	प	ध	म	पधु	मप	ग	ग	रे	सा				
अ	रे	म	न	इ	स	ज	ग	में	ऽ	नऽ	हींऽ	अ	प	ना	ऽ				
२				०				३				×							
				नि	सा			सां				सां		नि					
रे	-	सा	-	सां	सा	गं	-	रें	-	सां	-	रें	रें	ध	प				
को	ऽ	ई	ऽ	प	र	छां	ऽ	ई	ऽ	सों	ऽ	ड	रि	ये	ऽ				
२				०				३				×							

अन्तरा.

प	-	प प		नि	धु	सां	सां	सां	सां	सां - सां -
म	-	प प		धु	धु धु -	सां	सां	सां	सां	सां - सां -
दो	५	ल त		तु	नि यां ५	कु	हु	म क		बी ५ ला ५
०				३		×				२
नि				सां	- सां सां	सां	सां	सां	नि	मां धु प
धु	धु	धु -		ने	५ ह न	गं	गं	रें	सां	क रि ये ५
इ	न	सौं ५		३		×				२
०				नि		म				
प	धु नि धु	- प धुम प		ग	- रे मा	रे	रे	सा	सा	
रा	५ म ना	५ म सु ५ ख		धा	५ म ज	गत	प	ति		
०				३		×				२
सा	सा गं गं	सां रें - सां सां		सां	नि	रें	रें	धु प	धु म प सां	
मु	मि र न	सौं ५ ज ग		त	रि ये ५	अ	रे	म न।		
०				३		×				२

आसावरी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

<u>प</u>	<u>म</u>	<u>प</u>		<u>म</u>				<u>प नि</u>	<u>नि</u>
<u>ध म पथ मप</u>	<u>ग ग रे सा</u>			<u>रे म प प</u>				(सांसां) - ध प	
<u>मे री ऋऽ व्रीऽ</u>	<u>य न के सु</u>			<u>ष न गि र</u>				धाऽ डरीऽ	
२				३				X	
<u>प</u>	<u>म</u>	<u>नि</u>			<u>प</u>	<u>म</u>		<u>म</u>	<u>म</u>
<u>ध म प प</u>	<u>ध धुनि ध प</u>			<u>ध म पथ मप</u>				<u>ग - ग -</u>	
<u>ए रि स खि</u>	<u>ब लिऽ ब लि</u>			<u>जा ऽ उंडऽ छऽ</u>				<u>बी ऽ ली ऽ</u>	
२	०			३				X	

ग रे रे सा सा	नि सा सा सा गं -	रें रें सां सां	नि नि सां रें ध प
छ वि प र	अ ति आ ऽ	नै द सु ख	का ऽ री ऽ।
२	०	३	×

अन्तरा.

म म प प	नि नि धु - धु धु	धु सां सां सां -	सां - सां सां
प र म उ	दा ऽ र च	तु र चि ऽ	ता ऽ म णि
०	३	×	२
नि नि धु धु धु धु	सां सां सां सां	सां - रें -	नि सां - ध प
द र स प	र म दु ख	हा ऽ ऽ ऽ	ॽ ॽ री ऽ
०	३	×	२
पधु पधु नि धु प	प धुम पधु मप	ग ग रे रे	गु रें - सा सा
अऽ तुऽऽ ल सु	भा ऽऽ वऽ तऽ	नि क तु ल	सी ऽ द ल
०	३	×	२
नि सां गं रें रें	रें - सां -	सां सां नि रें रें ध प	प धु म मपधु मप
मा ऽ न त	से ऽ वा ऽ	भा ऽ री ऽ	मे रि अंऽऽ खीऽ।
०	३	×	२

आसावरी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

म	रे	म	प	मप	नि	नि	प	प	म	सा	ग	रे	ग	सा
अ	ब	तो	SS	सै	ध	ध	प	म	म	प	धुम	प	मै	ली
३				×					२				०	
सा	सा	रे	नि	सा	म	प	धु	प	नि	ध	प	मपधु	मप	म सा
पि	या	के	SS	भ	ये	ड	है	नि	का	ड	SSS	SS	री	ड ड ड।
३				×					२				०	

अन्तरा.

प	म	प	नि	धु	सां	सां	सां	नि	सां	सां	सां
नै	ड	ना	ड	ने	ड	ड	क	पा	ड	ड	रा
३				×			२				०
नि	ध	सां	रें	सां	रें	सां	रें	नि	ध	प	म
द	ड	स्त	ह	मा	ड	ड	रे	ड	ड	ड	ड
३				×			२				०
म	सा	ग	रे	ग	सा	म	प	नि	ध	प	मपधु
मे	ड	ड	ड	भी	ड	ख	ति	हा	ड	SSS	SS
३				×				२			०

प		नि	नि	सां	सां	सां	सां	- सां	सां -
म	म	प	प	ध	ध	ध	ध		
र	त	न	ज	त	न	सों	ज	टि	त हिं डो
३				×				२	ल ना
सां	गुं	गुं						सां	जि
रें	रें	रें		- सां	- सां	सां	- रें	रें	ध ध प प
भू ^{ss}	ला	ड	व	ड	त	ड	ज	सो	ड म त
३				×				२	ल ल ना, व।

(३६६)

आसावरी-रूपक (मध्यलय).

स्थायी.

प	ध	म	प	ध	सां	-	सां	गुं	गुं	सां	सां	नि	-	प
हो	५	नं	द	ला	५	ल	अ	ति	हि	र	सा	५	ल	
२	३	३		५	५	५	२	३	३	३	५	५	५	
ध	म	प	नि	ध	-	प	ग	ग	-	ग	-	ग	-	सा
नि	र	त	त	सं	५	ग	गो	५	पी	५	गवा	५	ल	
२	३	३	५	५	५	५	२	३	३	३	५	५	५	

अन्तरा.

प	म	प	नि	-	सां	सां	-	सां	-	गुं	गुं	सां	-	प
ए	क	मा	५	धु	री	५	बा	५	ज	त	वी	५	न	
२	३	३	५	५	५	५	२	३	३	३	५	५	५	
सां	गं	-	गं	गं	-	सां	सां	-	सां	गं	नि	-	प	
मा	५	धु	रि	वां	५	सु	री	५	क	ठ	ता	५	ल	
२	३	३	५	५	५	५	२	३	३	३	५	५	५	

आसावरी-त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

प

प

ध्रुम पसां ध्रुप मपध्रुमप	म सा गु - रे सा	म रे म प -	म नि प नि ध्र प
हऽ रऽ वाऽ SSSSS	जा S S गो	जा S गो S	S S रे S
३	×	२	०
प ध्रुम प , मपध्रु मप	म सा गु - रे सा	रे नि ध्र प	सा रे म प
SS S , SSS SS	जा S S गो	S S रे S	चु र वा S
३	×	२	०
नि - ध्र - प	ध्रुम पध्रु सां -	सां रें रें गं	सां रें नि ध्र प
S ला S गि	SS थाऽ री S	S S S S	धा S त, प ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प म प ध्रुम , पध्रु	सां - सां सां	नि ध्र सां रें गं	सां रें - सां -
ह त निऽ , कऽ	ही S सा री	रै S न S	बी S ती S
३	×	२	०
सां सां गं - रें नि	म प ध्र सां	सां रें गं रें	नि ध्र प प
चे S त पा	S छ ली S	रा S S S	S S त, प ।
३	×	२	०

आसावरी-त्रिताल (विलंबित).

स्थायी.

म प	प	ध	-	प	-	म प	प	ध	ध	प	ध	म
रे म प नि	ध	-	प	-	प नि ध प	प प ध म						
का ऽ रि ः	रू ऽ मैं ऽ	ए क प ल	न मा ऽ ने									
३	×	२	०									
प म	म म	सा	सा									
मपध मप ग -	ग ग - रे	रे सा - सा	रे रे सा -									
जिऽऽ यऽ रा ऽ	पि या ऽ बि	न आ ऽ ज	अ ब मैं ऽ।									
३	×	२	०									

अन्तरा.

प	प	ध	सां	सां	सां	सां
म म प -	ध म प ,पध	सां - सां -	सां सां सां सां			
दि न तें ऽ	रै ऽ न ,मऽ	ई ऽ रै ऽ	न तें दि न			
३	×	२	०			
नि	ध	सां	सां	सां	नि	
ध - ध ध	सां सां सां -	गं गं रें सां	रें सां ध प			
रा ऽ ह त	क त हूँ ऽ	उ न के अ	ब न की ऽ			
३	×	२	०			
म सां	जि	ध	पप	म सा		
प गं रें सां	रें नि ध प	म प मप धध,पमप	ग - रे सा			
का ऽ से क	हूँ ऽ अ प	ने ऽ ऽऽ जीऽ,याऽऽ	की ऽ, अ ब ।			
३	×	२	०			

आसावरी-एकताल (विलम्बित)

स्थायी.

म		सा	सा	रेंसांनि	सा	सा	निसा	म	प			रे
ग	—	रे	सा	रेंसांनि	सा	सा	निसा	रे	म	प	प	ऽक
३	ऽ	वा	ऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	बो	ऽऽ	ल	ही	ऽ	रे	
		४		×		०		२		०		
मप	प,मप	सां	निसां	सां	सांनि	रें	सां	निधु	—	प	धम	
ऽऽ	सो,अऽ	ब	ऽऽ	मो	रेंऽ	ऽ	पि	या	ऽ	को	ऽऽ	
३		४		×		०		२		०		
प	प	पप		म			सा					
म	म	प धधु,पमप		ग	—	—	रे	—	ग	सा	रे	
स	गु	ऽ नऽ,बिऽऽ	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र,	ऽक	
३		४	×			०		२		०		

अन्तरा.

		मप	प		निसां	सां	सां	निसां	सां	—
ऽ	ऽ	दुध	भा	ऽ	ऽऽ	त	तो	ऽऽ	हे	ऽ
३		४	×		०	२			०	
निधु	सां,रेंसां	सां	रेंसां	रेंसांनि	सांरें	निधु	प	म	म	प
जो	ऽ,ऽऽ	लों	ऽखि	लेंऽऽऽ	ऽऽ	यां	ऽ	औ	र	डा
३		४		×		०		२		०

नि	सां	नि	प	ध्रुपम	प	ग	—	सा	ग	सा	रे
३	३	४	३	गSSS	३	रे	३	हा	३	र, ३	३
				X		०		२		०	

आसावरी—भूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

ग	रे	—	सा	ग	रे	—	सासा	नि	प	प	प	प
बी	३	३	३	बा	३	३	मन	वा	३	३	३	स
				X				२			०	गु
								प	प	प	प	३
मप	ध्रुपमप	ग	—	रे	—	सा	म	म	प	मप	ध्रुपम	प
३	३	३	३	३	३	३	३	क	ब	३	३	३
SS	नविSS	चा	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३
				X				२			०	३
म	ग	—	रे	सा	ग	रे	म	म	प	ध्रुपमप	ग	रे
३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३
आ	३	३	३	मो	रा	३	पी	३	३	मं, ३	३	३
				X			२				०	

अन्तरा.

ने	निनि	निनि	निनि	नि	ध	नि	प	ध	म	प	प	प	प	प	प	म
साध	धध	धध	धध	ध	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३
का	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३	३
					X			२								

म म म म	गु गु	नि	गु
गु गु गु गु	रे रे सा	धु - सा -	रे - सा
नै ऽ न न	ढ र त	जो ऽ ऽ ऽ	नी ऽ र
३	×	२	०
प नि	धु सां सां सां	सां धु सां गं -	गं रे गं रे मां
म प धु धु	सां सां सां	धु सां गं -	रे रे मां
त न की वि	था मो रि	का ऽ ऽ में ऽ	क हं में
३	×	०	०
नि	नि नि	प धुम प - पधु	म ग रे सा
धु गं रे मां	सां धु प	धुम प - पधु	ग रे सा
री ऽ अ हे	ल ग त	जो ऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ र ।
३	×	२	०

आसावरी-भूमरा (विलम्बित).
स्थायी.

म	नि	नि	नि	म	म
रे म प प	धु - धु	धु धु धु म	प प प		
रा ऽ ऽ म	जै ऽ जै	म न भा ऽ	ऽ व न		
३	×	२	०		
नि नि	म सा	म म म	नि		
धु धु प धु	ग रे सा	रे म प प	धु - प		
न मो ना ऽ	रा य ण	ए ऽ क न	के ऽ कि		
३	×	२	०		
नि धु	रे नि धु	प म धु प	नि धु प		
धु - सां सां	का ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र ।		
ये ऽ स ब	का ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ र ।		
३	×	२	०		

प नि नि नि	धु	नि	सां रें सां रें गं रें सां	रें - सां
मप धु- धुध -धु	सां - -	सां रें सां रें गं रें सां	रें - सां	
हम ग्वाऽरनि ऽतु	म ऽ ऽ	ग्वा ऽ ऽ ऽ ऽ रगु	सां ऽ ऽ	
३	×	२	०	
रें नि ध प	प म प	नि नि नि	धु	
५ ऽ ऽ ऽ ई	म प प	धु धु धु -	सां - -	
३	ज न म	ज न म ऽ	के ऽ ऽ	
	×	२	०	
सां रें मं -	सां रें सां सां	सां रें नि सां रें	नि ध प	
र ख वा ऽ	५ र ह	मा ऽ ऽ ऽ	५ ऽ र।	
३	×	२	०	

आसावरी--त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

सा रे म
त न न

प नि ध प	ध म प ध	म - रे सा	रे म प प
ना द्रे दा नि	तुं द्रे दा नि	ता ऽ ऽ रे	त दा ऽ नि
०	३	×	२
नि नि	म म	रे रे ग सा	रे नि सा सा
धु - धु -	ग - ग -	स्त दा ऽ रे	त न दे रे
दी ऽ म्दी ऽ	स्तों ऽ स्तों ऽ	×	२
०	३		

सा रे म प	नि ध - ध ध	सां - - रें	नि ध प प प
त दि या ना	रे ऽ त न	दी ऽ ऽ म्	दा नि त न
०	३	×	२
प ध नि ध	प म प ध	ग - रे सा	नि सा रे म
दी ऽ ऽ म्	दा नि त न	दी ऽ म्	दा नि, त न न।
०	३	×	२

अन्तरा.

म म म म	प प ध -	नि ध सां - सां	रें नि सां सां
दे रे ना दे	रे ना दी ऽ	म् दा ऽ रे	त न दे रे
०	३	×	२
नि ध ध - ध	सां - रें सांसां	रें गं रें सां	रें नि ध प
त नु ऽ म्	नो ऽ म्तो ऽ	दे रे ना त	दा रे दा नि
०	३	×	२
प गं - रें	सां - रें नि	निनि निनि सां -	पप पप सांसां सांरें
तक ष्टा ऽ न्तक	ष्टा ऽ न्धा ऽ	किड नग धा ऽ	तिट कत गदि गिन
०	३	×	२
मं गं - सांसां सांसां	सांसां सांसां रें नि	निनिनिनि निनि सांसां	नि ध प म
धा ऽ तिट कत	गदि गिन धा ऽ	तिट कत गदि गिन	धा , त न न।
०	३	×	२

आसावरी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा											
५ ओ											
२											
रे	म	म	प	प	म	प	नि	ध	प	—	
दा	ता	ना	ता	ना	त	दी	य	न	रे	५	
०		३	४		×		०		२		
धु	प	ध	म	—	मग	मग	रे	रे	सा	सा	
प	नि	या	रे	५	त	दि	या	ना	रे	त	
त	दी	३	४		×		०		२		
०		नि	प	—	प	प	—	नि	ध	नि	
सा	रे	ध	प	—	म	प	५	ध	—	ध	
ना	द्रे	ना	दी	५	ता	दी	५	म्दी	५	म्त	
०		३	४		×		०		०		
सा	सा	म	म	म	ग	ग	रे	सा	सा	सा	
ना	ना	ना	ग	ग	ग	ग	रे	रे	सा	सा	
०		३	४		×		०		२		
									नि, ओ	।	

अन्तरा.

प	प	—	नि	—	ध	सां	सां	सां	सां	सां	—
म	प	५	ध	५	ध	ता	ना	दे	रे	ना	५
ओ	दे	०	ता	२	ना	ता	ना	३		४	
×						०					

नि ध्र	नि ध्र	—	ध्र सां	—	सां	सां गं	गं	रें	रें	सां	सां
ता ×	दी	ऽ	म्दी	ऽ	म्त	त	ना	ता	ना	ना	ना
सां ×	रें	०		२		०		३ म		४	
रें	सां	नि	ध्र	प	प	ध्र	म	रे	म	प	प
त	द	रे	दा	नि,	ओ	दा	ता	ना	द्रे	ता	ना ।
×		०		२		०		३		४	

आसावरी-भपताल (मध्यलय).

स्थायी.

[illegible]

अन्तरा.

प		नि	नि	नि	ध	सां	सां	सां	—	सां
म	प	ध	ध	ध	सां	ध	र	भा	ऽ	ल
अं	ऽ	ज	न	अ	०	०				
×		२								
सां	रें	रें	गं	सां	सां	सां	सां	नि	—	प
रें	गं	रें	रें	सां	सां	सां	सां	ध	—	प
क	व	न	ति	य	अ	०	नु	रा	ऽ	गे
×		२								
म	गं	गं	रें	सां	सां	सां	सां	नि	—	प
प	ऽ	चि	क	हो	ह	०	र	रं	ऽ	ग
सां		२			म	म		ग	—	सा
×					धुप	ग	ग	रें	—	सा
पधु	नि	ध	पम	धुप	ग	ग	स	ला	ऽ	गे।
काऽ	ऽ	कें	मुऽ	खऽ	हं	०				
×		२								

आसावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

ध	नि	नि	म	म	—	ग	ग	सा
प	ध	ध	प	ग		ग	रें	—
ब	र	त	न	सा	ऽ	थ	बूँ	ऽ
०		४		×		०	२	द
सा	म	ग	सा	—	सा	सा	म	—
ग	ग	रें	ल	ऽ	त	रें	की	ऽ
स	ज	ज	ल	×		०	२	त
०		४						

प	नि ध	—	नि ध	सां	—	सां	रे	नि ध	प ध्रुम
प	त	ऽ	ग	ई	ऽ	मी	त	अं	ऽ (गऽ)
०	प	३	नि ध	४		×	०		२
प	सां		नि ध						
व	र	स	त						
०		३							

अन्तरा.

म	म	प	प	नि ध	नि ध	ध सां	—	सां	सां	सां	सां
नि	र	ख	नि	र	ख	ने	ऽ	त्र	क	म	ल
×		०		०		०		३		४	
नि ध	नि ध	नि ध	ध सां	सां	सां	गं	गं	सां	नि ध	—	प
अ	र	स	प	र	स	अ	ति	उ	मं	ऽ	ग
×		०		०		०		३		४	
म	म	प	प	—	प	नि ध	—	—	सां	सां	सां
प्र	कु	लि	त	ऽ	भ	ये	ऽ	ऽ	री	म	न
×		०		२		०		३		४	
सां	सां	सां	नि	ध	प, ध्रुम	मप	प	नि ध	नि ध	पम	म
रे	ति	रे	मं	ऽ	ग, ऽऽ	वऽ	सां	ध	त	(घऽ)	प
अ		उ		२		०	र	स		४	न
×		०						३			

आसावरी-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

म	म	प	प	—	प	नि	—	—	प	—	ध्रुम
रे	ति	प्र	ता	५	प	ते	५	५	रो	५ ५५	
०	३	३	४	४	×	×	०	०	२		
म	म	सा	रे	—	सा	रे	म	—	म	—	—
प	ग	—	मे	५	५	हो	५	५	५	५ ५	
ज	ग	३	४	४	×	×	०	०	३		
०	नि	ध्रु	नि	—	प	पथ्रु	ग	—	सा	रे	— सा
रा	५	व	रा	५	जे	वा ५	हा	५	दू	५ र ।	
०	३	३	४	४	×	×	०	०	२		

अन्तरा.

प	प	—	नि	—	नि	ध्रु	सां	सां	—	सां	—	सां
म	५	५	म	५	सु	न	त	५	गू	५	नि	
×	०	०	२	२	०	३	३	३	४			
नि	ध्रु	—	सां	—	सां	रें	—	सां	नि	ध्रु	—	प
आ	५	५	व	५	त	धा	५	य	धा	५	य	
×	०	०	२	२	०	३	३	३	४			
म	प	गं	रें	सां	सां	रें	सां	—	नि	ध्रु	—	प
पा	५	व	त	म	न	इ	छा	५	फ	५	ल	
×	०	०	२	२	०	३	३	३	४			

म	प	—	नि	सां	—	रें	मां	रें	नि	ध	प
ति	न	५	को	५	५	५	५	५	५	५	५
×		०		२		०		३		४	
धु	म		मा		मा						
पधु	ग		रे								
(आ५	धा	५	५	५	५						
×		०		२							

आमावरी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

प	ग	ग	—	रें	सा	ग	रें	सा	—	सा
धु	रे	रे	—	ल	रे	५	ने	भा	५	रे
नै	५	न	५	२	०	५	३	४		
×		०			धु		रे	रे		
नि	—	रें	नि	धु	धु	—	ग	—	सा	
सा	५	से	आ	५	ज	५	ज	ना	५	रे
ऐ		०		२	०		३	४		
×					नि			धु		
सा	—	रें	म	प	—	धु	—	प	ध	सां
दे	५	ख	म	न	५	मे	५	रो	पि	या
×		०		२	०			३		४

सां ^२	नि	ध	प	धुम	पधु	म	ग	ग	सा
अऽ	ति	ऽ	ही	ऽऽ	अऽ	कु	ला	त	हं
५		०		०		०		५	५

अन्तर्ग.

प	प	मप	नि	—	नि	मां	—	मां	मां	—
म	स	SS	ध	५	म	ली	५	न	भ	५
व	—	०	न	२	—	सां	३	सां	यें	४
नि	—	नि	सां	मां	—	गं	५	सां	नि	५
ध	५	ज	न	हूँ	५	नै	५	न	ध	५
अं	—	०	गं	२	—	०	३	३	४	४
म	गं	—	रें	रें	रें	सां	सां	रें	नि	ध
प	५	५	व	र	त	न	सा	५	ज	त
भा	—	०	ध	०	प	०	—	३	ग	४
म	नि	नि	ध	ध	धुम	ग	—	रे	रे	—
प	५	ग	रा	५	ग	आ	५	५	त	५
अं	—	०	—	२	—	०	३	३	४	४

संचारी.

नि $\frac{\text{मा ध}}{\text{को ऽ न}} \times$ | ति $\frac{\text{ध}}{\text{तो ऽ न}} \times$ | प $\frac{\text{नि ध}}{\text{मि ली ऽ न}} \times$ | ति $\frac{\text{ध}}{\text{ना ऽ रि}} \times$ | प

म	प	नि	ध	प	ध	मप	म	ग	—	रे	ग	रे	सा	—
खं	५	डि	ता	५	कह	ला	५	५	५	३	त	हे	५	।
×		०		२		०								

आसावरी—चौताल (विलम्बित).
स्थायी.

म	प	—	नि	ध	—	—	नि	ध	—	प	ध	म	०
५	यो	५	रे	जी	५	५	त	५	२	ही	५	रा	०
३		४		×		०							
—	प	—	नि	ध	—	प	नि	ध	—	प	ध	म	०
५	जा	५	५	रा	५	म	चं	५	२	द्र	५	लं	०
३		४		×		०							
—	सा	—	सा	ग	—	—	सा	रे	—	सा	—	म	०
५	का	५	५	न	५	५	ग	५	२	र	५	आ	०
३		४		×		०							

अन्तरा.

प	प	—	नि	ध	—	ध	सां	सां	—	सां	—	सां	—
म	त	५	ती	५	त	सु	नी	५	३	य	५	त	४
×		०		२		०							

नि ध	नि ध	—	धु सां	—	सां गं	रें	—	सां	नि सां	नि ध	प
च	हं	५	दे	५	स	बा	५	जे	ब	ज	त
×		०		२		०		३		४	
प	प	नि	नि ध	—	प	रें	रें	सां	नि ध	—	प
म											
रा	५	५	ज	५	त	अ	नं	द	भ	५	यो
×		०		२		०		३		४	
प	म	—	सा रे	—	सा	—	म रे				
ध	ग										
घ	र	५	घ	५	र	५	आ				
×		०		२		०					

संचारी.

प	म	—	प	—	प	नि ध	नि ध	—	नि ध	प	—
म	ब	५	को	५	प	कि	ये	५	च	हे	५
ज		०		२		०		३		४	
×											
नि	नि ध	—	धु सां	—	सां	सां रें	नि ध	—	नि ध	—	प
ध											
ह	नू	५	मा	५	न	अ ५	ग	५	वा	५	न
×		०		२		०		३		४	
प	म	प	प	—	ध	म ग	—	—	सा रे	—	सा
ध											
क	र	जो	धा	५	ये	लं	५	५	के	५	स
×		०		२		०		३		४	

म	—	प	प	—	—	प	नि	नि	—	प
कां	ऽ	पि	यो	ऽ	ऽ	सां	ध	ध	—	र
×		०		२		०	३	४		

आभोग.

[illegible]

प मप (च × नि सां च ×	प गं तु नि ध तु ×	— ५ ० नि ध र ०	सां रें रा ध नि त	— ५ २ ध र २	सां ई प न	सां रें क ० ध्रुम (५ ०	सां र प म अ	नि ध न ३	सां ला	— ५ ४ गि
---	-------------------------------------	----------------------------------	----------------------------------	----------------------------	--------------------	--	-------------------------	-------------------	-----------	-------------------

संचारी

प म प्रे × ध्रु क × ध्रु प कै × नि सां सों ×	— ५ ० म र ५ — ५ ० रे ५	प म ० — ५ ० ध्रु ५ ० म ५ ०	प की ५ १ — प त ५ २ — म से ५ २ प म धें ५ २	— ५ १ — ५ २ — ५ २ — ५ २ — ५ २	मप (५ ५ नि री प दु प प की	नि ध्रु चो ० नि ध्रु स ० म ग र ० प नि ह	— ५ ५ नि ध्रु ज ५ ३ म ग त ५ ३ नि ध्रु र ५ ३	नि ध्रु ५ ३ नि ध्रु ५ ३ सा रे ते ५ ३ नि ध्रु ५ ३	— ५ ५ प — नी ५ ४ — सा री ५ ४ — प न। ५
--	--	---	---	---	--	---	--	--	---

आभोग.

प	प	—	नि	—	ध	ध	—	सां	सां	सां	—
म	प	—	ध	—	ध	सां	—	सां	सां	सां	—
धी	५	५	र	५	ज	के	५	प्र	धु	मों	५
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	—	ध	सां	—	गं	रें	सां	रें	नि	ध
ध	ध	—	सां	—	गं	रें	सां	रें	नि	ध	प
रि	त	५	मा	५	न	आ	५	५	५	५	३
×		०		२		०		३		४	
म	गं	रें	सां	रें	सां	सां	रें	नि	ध	सां	सां
प	गं	रें	सां	रें	सां	सां	रें	नि	ध	सां	सां
को	५	टि	का	५	म	ला	५	५	५	जे	५
×		०		२		०		३		४	
नि	नि	नि	ध	नि	ध	प	धुम	प	म		
सां	ध	ध	नि	ध	प	धुम	प	म			
चै	व	र	डु	र	न	५५	अ				
×		०		२		०					

आसावरी—धमार (विलम्बित).

स्थायी.

प	—	प	—	नि	—	नि	ध	प	—	ध	म	—
३	५	है	५	खे	५	ल	न	के	५	फा	५	५
				×				२		०		

सा
रे म —
आ ५ ५
०

प - - ध	म	ग - - रे -	सा -	सा रे	त्रि ध -
ग ऽ ऽ ल	ला ऽ ऽ ऽ ऽ	सों ऽ	ह म ऽ	३	०
सा - - रे	ग रे - - रे -	सा -	सा रे म -	३	०
सों ऽ ऽ छि	पा ऽ ऽ व ऽ	त ऽ	क हा ऽ	३	०
प - ध ध	म ग रे -	सा -	सा रे म -	३	०
ऽ ऽ जि य	ठा ऽ ऽ ऽ ऽ	नी ऽ	आ ऽ ऽ ।	३	०

अन्तरा.

प	म	प - ध -	-	ध	सां -	सां	सां -	सां -
हों ऽ ऽ तो ऽ	ति	हा	रि	प्या ऽ	री ऽ	३	०	३
सां	रें	रें	गं	रें	रें	सां	ध -	प -
स खी ऽ	हि	त	जा	न	त	हे	ऽ	ऽ
म	गं	-	रें	-	रें	गं	रें	मां
ते ऽ ऽ री ऽ	न	न	द	ऽ	जै	ऽ	ऽ	ऽ
म	ग - - रे -	सा -	रे	म -	३	०	३	३
ठा ऽ ऽ ऽ ऽ	नी	ऽ	आ	ऽ	ऽ	३	०	३

आसावरी-धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सा	रे	म	-	प	-	-	-	नि	-	-	नि	-	प	-
आ	५	५		यो	५	५	५	फा	५	५	गु	५	न	५
०				३				×					२	
ध	म	-		प	-	-	ध	ग	-	-	रे	-	सा	-
मा	५	५		स	५	५	स	खी	५	५	५	५	री	५
०				३				×					२	
सा	रे	नि	ध	सा	सा	रे	सा	प म	ध	ग	-	रे	सा	-
ले	५	५		च	ल	उ	न	ही	पा	५	५	५	स	५
०				३				×					२	

अन्तरा.

प	-	-	नि	नि	ध	ध	सां	सां	-	सां	-	सां	सां
वै	५	५	ठा	कु	र	अ	ज	५	हूँ	५	न	हिं	
×				२		०			३				
रे	-	गं	रे	सां	-	रे	सां	-	नि	ध	-	ध	नि
आ	५	५	ये	टू	५	ट	न	५	ला	५	गी	५	
×				२		०			३				
ध	म	ग	ग रे	सा	-	रे	म	-					
आ	५	५	५	स	५	आ	५	५					
×				२		०							

राग भैरवी.

आभांत्यस्यां रिगमधनयः कोमला मोऽत्रवादी ।
सः संवादी क्वचिदपि धगौ वादिसंवादिनौ च ॥
प्रातर्गेया सुरुचिरतरा स्वैरिणी सर्वगम्या ।
संपूर्णा सा जनयति सुखं भैरवी रागिणीयम् ॥

कल्पद्रुमांकुरे ।

यत्र मध्यः स्वरो वादी संवादी षड्ज ईरितः ।
स्वैरिणी गीयते प्रातर्भैरवी सर्वकोमला ॥

चन्द्रिकायाम् ।

सब कोमल सुर भैरवी संपूरन सुर होइ ।
मस वादी सम्वादि है सब जो चाहै कोइ ॥

चन्द्रिकासार ।

निसौ गमौ पधौ निश्च सनिधपा मगौ रिसौ ।
संपूर्णा भैरवी प्रोक्ता धैवतांशा प्रभातगा ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

“भैरवी”—यह राग भैरवी थाट से उत्पन्न होता है । इसमें मध्यम शुद्ध (कोमल) तथा शेष स्वर भी कोमल लगते हैं, यह राग सम्पूर्ण है। वादी स्वर मध्यम और सम्वादी पडज है। कोई-कोई गुणीजन धैवत वादी व गान्धार सम्वादी मानते हैं। इन दोनों मतों के गीत प्रचार में दिखाई पड़ते हैं। इस राग के गाने का समय प्रातःकाल माना जाता है, कोई-कोई इसे सर्वकालिक (प्रत्येक समय का) मानते हैं। प्रायः इसके आरोह में अनेक बार तीव्र रिपभ का प्रयोग किया हुआ दिखाई पड़ता है किन्तु यह इस राग का नियमित स्वर नहीं है, यह ध्यान अवश्य रखना चाहिये। प्राचीन ग्रन्थों में भैरवी में तीव्र रिपभ लेने का उल्लेख मिलता है, जिसका प्रचार दक्षिण में आज भी है। यह राग अति लोकप्रिय है और बहुत से गायकों का आता है। इस राग में ख्याल बहुत कम गाये जाते हैं; गजल, ठुमरी, टप्पा आदि गीत ही अधिकतर दिखाई देते हैं। इस राग की विशेषता और सुन्दरता सा, ग, प, ध इन स्वरों पर निर्भर है। मध्यम को प्रधानता (वादित्व) देने वाले गायक, मध्यम का ठीक-ठिकाने अधिक प्रयोग करके गन्धार का महत्व घटा देते हैं।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे ग म, प ध, नि सां । सां, नि ध प, मग, रे सा ।

पकड़ः—

म, ग, सा रे सा, ध नि सा ।

भैरवी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ग० ग रे सा	नि सा ध ३ ऽ	नि ध ३ ऽ ग	म ध म प २
ग० म ग रे	सा नि ध ३ ऽ	म ध नि ग ३	३ म ध ३ ऽ
नि सां ३ ऽ रे	सां नि ध म ३	प नि ध प ३	म ग रे सा । २

अन्तरा.

नि नि ध नि ०	ध प म ग ३	म ध नि सां ३	ध नि सां ३ ऽ
गं० मं गं रे	सां नि ध नि ३	गं ३ सां ३	रें नि सां ३ ऽ
ध ३ नि म ०	३ ध ग ३ ऽ	म नि ध प ३	म ग रे सा । २

भैरवी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

				रे	
				म	-
				मै	३
रे म	ग - रे	सा - नि	नि	सा रे सा -	- - - -
र वी ३ क	ही ३ म न	मा ३ नी ३	३ ३ ३ ३		

धृ नि - नि नि	नि नि धृ नि	मा सा रे नि	सा - सा सा
को ऽ म ल	स व सु र	क र गु नि	गा ऽ व त
०	३	×	२
सा सा धृ धृ	प प पधृ नि	नि धृ - प म	ग - म -
प्र थ म प	ह र को ऽ ऽ	रा ऽ नी ऽ	हो ऽ, मै ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

त्रि धृ - धृ धृ	धृ म धृ नि	सां सां सां सां	सां - सां -
म ऽ ध्य म	वा ऽ दी ऽ	सु र म म	वा ऽ दी ऽ
०	३	×	२
सां नि - नि -	सां सां सां -	गुं रें सां रें -	त्रि नि सां - धृ प
भ ऽ क्ती ऽ	र म की ऽ	खा ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ नी ऽ
०	३	×	२
सा सा धृ धृ	प - प प	धृ प धृ नि	त्रि धृ प म रे ग
स व को इ	गा ऽ व त	स व को रि	भा ऽ व त
०	३	×	२
रे प ग - धृ धृ	प - धृ सां नि	धृ म प ग -	प - धृ प म
मै ऽ र वि	शा ऽ स्त्र प्र ऽ	मा ऽ नी ऽ	हो ऽ, मै ऽ।
०	३	×	२

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	ध - नि	सा - रे सा	रे	ग रे ग म	रे ग रे सा
५	जा ५ य	तू ५ म न	गु रु च र	न श र न	
३		×			
सा ध प ध	- पम रे ग	रे	सा - रे म	ग रे ग रे सा	
ए ५ क भा	५ व ५ ध र	अं ५ त र	मों ५ ध न ।		
३	×	२	०		

अन्तरा.

नि	ध म ध नि	सां रे सां सां	सां	नि - सां सां	सां नि नि
जो इ जा ५	व त ज न	स ५ द्गु रु	केश र न		
३	×	२			
प - प	ध पम म प	रे ग सां म	ग रे ग रे सा		
५ वा ५ को	ह र ५ त च	तु र भ ५ व	वं ५ ध न ।		
३	×	२	०		

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा	नि सा ग म	(ध) - ध प	- ध प प	म प म ध
कै सी ये भ	ला ५ ई रे	५ क न्हा इ	प नि यां भ	
३	×	-		

प म ग रे	म ग प ध नि	ध प ग म	रे ग रे सा सा
र त मो रि	ग ग रि मि	रा इ क र	के ल ग इ ।
३	×	२	०

अन्तरा.

ध म ध नि	सां - सां नि	सां रे गं रें गं	रें गं मां रें मां सां
स न द क	हे ऽ ऐ सो	ढी ऽ ट भ	यो क न्हा इ
०	३	×	२
प ध - ध ध	प म प ग ग रे	ग प ध नि	म ध प ग म
का ऽ क रुं	मा इ न हिं	मा न त क	न्हा इ क र
०	३	×	२
रे ग रे सा सा			
त ल रा इ			
०			

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि
सां नि
अ त

सा रे ग म	ग रे (ग) - सा	रे ग - रे	सा - - रे
सां डे ना ले	ग लां ऽ क	र के ऽ च	ला ऽ ऽ आ
१	०	३	×

नि मा ध - नि	सा - सा रे	(ग) सा ग रे	सा - सा रे
५ मो ५ द	दे ५ ले बे	चे र ५ दि	या ५ सु न
२	०	३	×
नि मा - रे	ग म - ग	म ग - रे	सा - सा नि
मि या ५ मि	यां बे ५ क	र के ५ च	ला ५, अ त।
२	०	३	×

अन्तरा.

			ध ध
			इ श्क
नि म ध - म	ध नि सां नि	सां - सां रे	नि म
दि सा ५ र	न हिं जा ने	दे ५ मि यां	सां ध प ग
×	२	०	३
म - नि -	प ध म प	रे ग - सा	रे ग - रे
त ५ जा ५	प्या रे ते रे	भ ला ५ क	र के ५ च
×	२	०	३
मा - सा नि			
ला ५, अ त			
×			

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प
तो

ध	प	-	ध	म	प	-	-	म	ग	-	प	म	ध	-	प	म
गी	ब	ऽ	न	वा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ
३				५				०					०			
	रे			सा	-	-	-	सा	रे	म	ग	-	रे	सा	-	प
	ग	-	रे													
ऽ	ढो	ऽ	ला	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	तो
३				५				२					०			

अन्तरा.

प
ध
इ

म	ध	-	नि	सां	-	-	-	-	-	गं	रे	-	सां	-	-	नि
शक	दी	ऽ	सां	डे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
३				५				२					०			
नि	सां	-	सां	गं	रे	-	-	सां	-	रुं	नि	सां	ध	-	प	सा
गी	त	ऽ	न	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ही	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	घा
६				५				२					०			

ध प - प	नि ध - म	म ग - - म	प - - म
ऽ य ऽ क	ले ऽ जे ऽ	का ऽ ऽ रि	रे ऽ ऽ ऽ
३ रे	×	२	०
ग - रे	सा - - -		
ऽ हो ऽ ला	या ऽ ऽ ऽ		
३	×		

भैरवी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा
रे म
ए जि

म म सा	रे सा रे नि	सा - सा -	- - पधु मप
रे ग - रे	रे आ ऽ ये	सैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ एऽ जिऽ
मे रे ऽ भो	३	×	२
० म म ग	रे सा रे नि	सा - सा -	- - - नि
रे ग - रे	रे आ ऽ ये	सैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ ऽ मैं
मे रे ऽ भो	३	×	२
० सा	नि नि नि	नि नि ध प	ध - प - म - - -
नि - नि नि	प ट प र	हूँ ऽ पै ऽ	यां ऽ ऽ ऽ
दौ ऽ रि भ	३	×	२
०			

सा नि - नि नि	नि - ध नि	सा - सा -	- - सा म
डा ऽ रि फि	रू ऽ ग र	वै ऽ यां ऽ	ऽ ऽ, ए जि
०	३	×	२

अन्तरा.

प ध - म ध	- ध नि नि	सां - सां सां	सां - सां -
अं ऽ ध का	ऽ र जि न	ठा ऽ डो गु	सै ऽ यां ऽ
०	३	×	२
सां नि नि नि नि	सां - सां सां	गुं रें सां रें सां	नि ध - प -
ग ह प क	रो ऽ मो रि	वै ऽ ऽ ऽ ऽ	यां ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
सा सा ध ध	प - प -	प - ध सां नि	नि ध प (ग) -
मु रा ऽ द	ली ऽ की ऽ	ला ऽ ज तु ऽ	म्हीं ऽ को ऽ
०	३	×	२
म ग - प -	प प ध प	प - म -	म प म
रा ऽ खो ऽ	सं ग इ क	टैं ऽ यां ऽ	ऽ ऽ, ए जि।
०	३	×	२
म म रे ग - रे	रे सा रे नि		
मे रे ऽ भो	रे आ ऽ ये		
०	३		

भैरवी-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

सा - रे	ग - म -	ग रे - - सा	- - - रे
५ रा ५ व	रे ५ ५ ५	का ५ ५ न्हा	५ ५ ५ ५
०	३	×	२
नि सा - रे	सा ध - नि	सा - - नि	सारे गुम - रे
५ ५ ५ म	न मे ५ रो	ली ५ ५ नो	रे ५ ५ ५ ५
०	३	×	२
ग सा - रे			
५ रा ५ व			
०			

अन्तरा.

प म	नि	सां	सां
ध प ग म	ध - नि नि	नि -	गं गं गं ध
अ चा न क	जा ५ नि क	सी ५ हों ५	सु भ क भि
३	×	२	०
ध ध - ध	पध निध प ग	- म ग रे -	ग सा - रे
भ क ५ उ	ठी ५ ५ अ जा	५ न जा ५	न, रा ५ व।
३	×	२	०

भैरवी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

मा नि सा ग म	त्रि ध - प -	म ग ग - प म	ग रे - सा -
अ व तो रि	बां ऽ की ऽ	लो ऽ अ नि	या ऽ रे ऽ
३ मा नि सा ग म	× त्रि ध - प -	२ ध ध प प	० प ध ध नि ध प
अ व तो रि	बां ऽ की ऽ	चि त व न	मे रो म न
३ म म प ग म	× त्रि म ध - प ग	२ - ग प म	० ग रे सा रे
व म की नो	प्या ऽ रि प्या	२ ऽ रि व ति	० यां कर के ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प ध म ध नि	सां - रे सां	सां नि नि सां मां	नि रे नि सां ध प
स न द क	हे ऽ मो रा	जी रा न हिं	मा ऽ ने ऽ
३ प गं - - रे	× त्रि सां ध - प	२ म ग ग ग प म	० ग रे सा रे
डा ऽ ऽ दी	नो मो ऽ पै	जा दु सा क	० लु क र के ।
३	×	२	०

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

सा, सार
स, खी

रे म — पध प	म — रे रे	सा रे सा —	सा रे नि — सा, सारे
आ ऽ ज ऽ प्र	मा ऽ द भ	ई ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ स, खी
रे म — — पधपम	म — — रेरे	सा रे नि सा —	— — सा मा
आ ऽ ऽ ज ऽ प्र ऽ	मा ऽ ऽ द भ	ई ऽ ऽ ला ऽ	ऽ ऽ स खी
नि सा ध प प	प ध नि ध प म	प म रे सा	रे नि — सारे
सा ऽ ज न	आ ऽ ऽ प त	जी ऽ ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ सखी।

अन्तरा.

सा ग — ग ग	ग ग — गग	म म म म	म पग म म —
चा ऽ दु ब	च न ऽ कछु	श्र व न न	की ऽ ऽ ने ऽ
सा ग — ग ग	म — म म	गग म प ध नि ध प	मग रे सा रे नि सा—
अ ऽ पि त	हा ऽ र त	जी ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ला ऽ

नि सा - ध ध	प - प प	प - ध ध	पम प म -
बो ऽ ध म	खी ऽ ज न	के ऽ अ ब	माऽ ऽ ने ऽ
० नि सा	३	×	२
सा - ध -	पधु निधु प म	प म रे सा	रे नि - सा, सा रे
प ऽ छछा ऽ	ताऽ ऽ प भ	ई ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ स, खीऽ ।
०	३	×	२

अन्तरा. २ ग.

प ध ध ध ध	नि ध म - ध नि	सां सां - सां	गुं रे रे सां सां
च र न न	ते ऽ ऽ गिर	प र्यो ऽ च	तु र म खि
० सां	३	×	२
नि नि सां सां	सां - - रेगं	गुं रे सां नि सां -	नि ध - प -
त ब हुं न	हा ऽ ऽ थग	हीऽ ऽ ऽ ऽ	ला ऽ ऽ ऽ
० नि सा	३	×	२
सां सा ध -	प प प -	प नि ध ध सां ध	- पम म -
क ल हा ऽ	न्त ता ऽ	क ह त ना	ऽ यिऽ का ऽ
० नि सा	३	×	२
सां सा ध -	पधु निधु प मप	म - रे सा	रे नि - सा, सा रे
जि या में ऽ	दाऽ ऽ ग ऽ	ही ऽ ला ऽ	ऽ ऽ ऽ स, खीऽ ।
०	३	×	२

भैरवी-पंजाबी त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

	सां	नि	म सा	म ग		
प	धु नि	ध	पम ग रे	सारे ग सा रे	मा - - मा	
५	वा ५वु ल	मो ५५	रा नै	यर छू टो ५	जा ५ ५ य	
२		०		३	×	
	सा	नि	म सा	म ग		
प	धु नि	ध	पम ग रे	मा सारे ग सारे	सा - - सा	
५	वा ५वु ल	मो ५५	रा नै	य ५ छू टो ५	जा ५ ५ य।	
२		०		३	×	

अन्तरा.

ध म धुनि	सां रे सां सां	निनि सां सां	गुंगुंसां रे निसां (ध) प
५ चा ५ रुक	हा र मि ल	५ डुलि यां ५म	गा ५५५ ५ ५५ वो ५
२	०	३	×
सा		ध प	नि म म
सा सा धु धु	प - प -	प - ध सां	ध प ग -
अ प ना ५वि	गा ५ ना ५	छू ५ टो ५	जा ५ ये ५।
२	०	३	×
	म सा		
प धु नि	ध पम ग रे	सा सारे ग सारे	सा - - सा
५ वा ५वु ल	मो ५५ रा नै	य ५ छू टो ५	जा ५ ५ य।
२	०	३	×

भैरवी-त्रिताल पंजाबी (विलंबित).

स्थायी.

सा

बि

नि _२ सा ध प -प	प म धुप (ग) प धु,पम	रे गु ग रे -सा रेनि	सा - - -सा
ना ऽ रे ऽखि	बैऽ या नै या,SS	कै मे ऽला ऽगे	पा ऽ ऽ ऽबि
नि _२ सा ध प धुसां	निम ध धुप(ग) प मपधुनिधुपम	रे गु ग रे -सा रेनि	सा - - -सा
ना ऽ रे ऽखि	बैऽ या नै याSSSSSS	कै मे ऽला ऽगे	पा ऽ ऽ ऽबि ।

अन्तरा.

सा सा सा सारे	ग ग म -	रे गु ग - म म	धुधुमम गुम रे सा
न दि या ऽऽ	ग ह री ऽ	ना ऽ व पु	राSSSS ऽऽ नी ऽ
नि _२ सा सा ध -धु	प प ध सां	नि _२ धु,पम (ग) प धु,पम	रे ग रे सारे नि
मौ ला ऽ ऽल	गा वे बे डा	पा,SS र नै या,SS	कै मे लाऽ गे
सा - - -सा			
पा ऽ ऽ ऽबि			

(४०६)

भैरवी-पंजाबी (विलम्बित).

स्थायी.

सा सारे रे पम	म ग गुम रे सारे सानि	सा - - ,प	पप ध्र,पम ग रे नि
५ ना ५५ हिप	र ५ त ५५ मैका	चै ५ ५ न्मा	वरि या, ५५ ५ ५ ।
०	३	×	२
सा - सारे रे पम			
५ ना ५ ५५ हिप			
०			

अन्तरा.

सा सा सा रे	ग - म -	ग - म - म	गगमप धनिध्रप मगरे सा रे नि सा
द र स ५पि	या ५ को ५	वे ५ मि ५दि	खा ५५ ५५ ५५ ५५
०	३	×	२
नि	प	नि म म	
सां ध्र प प	प - - ध्र सां	ध्र प ग ,प	पप पध्र नि सां निध्रपम ग रे सा -
मा ५ न त	ना ५५ दिन	रै ५ न सां	वरि या ५५ ५५ ५५ ।
०	३	×	२
सा - सारे रे पम			
ना ५ ५५ हिप			
०			

भैरवी--त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध्रु

त

म प ग म	प ध नि प	— ध्र प म	प — — ध्र
न न <u>दिर</u> <u>दिर</u>	ता ऽ ऽ नो	ऽ म्त् दे ऽ	र्ना ऽ ऽ त
३	×	२	०
म प ग म	प ध <u>निध्र</u> प	— ध्र प म	प — ^म ग म
न न <u>दिर</u> <u>दिर</u>	ता ऽ <u>ऽऽ</u> नो	ऽ म्त् दे ऽ	र्ना ऽ त न
३	×	२	०
प ध नि प	— ^म ग — ^म म	प ^म ग — म	ग ^म रे सा सा
दे रे ना दि	ऽ म्दी ऽ म्त्	त दी ऽ म्त्	न दे रे ना
३	×	२	०
^{सा} नि सा ग म	प ^म ग — प	— ध्र — नि	सां सां — नि
ता ना दे रे	ना दे ऽ र्ना	ऽ दी ऽ म्त्	त दी ऽ म्त्
३	×	२	०
सां रें गं मं	प — ध्र प	— ^म ग — म	प ^म ग — म
न दे रे ना	दी ऽ म्त् दी	ऽ तो ऽ म्त्	त दा ऽ रे
३	×	२	०
ग रे सा सा	प ध्र <u>निध्र</u> प	— ध्र प म	प — — ध्र
त द्रे दा नि	ता ऽ <u>ऽऽ</u> नो	ऽ म्त् दे ऽ	र्ना ऽ ऽ त।
३	×	२	०

अन्तरा.

ग म म ध	— नि सां सां	सां सां — सां	सां रे गं मं
ना दिर दिर दा	ऽ नि तुं दिर	दिर दा ऽ नि	ता ना दे रे
३	×	२	०
सां रे गं मं	पं मं — धं	पं — गं —	मं — गं रे
ता ना दे रे	ना दी ऽ म्ता	दी ऽ म्ता ऽ	नो ऽ म्ता न
३	×	२	०
सां नि सां प	— ध — प	— ग — म	प ग — म
दे रे ना दी	ऽ म्ता ऽ दी	ऽ म्ता ऽ म्ता	त दा ऽ रे
३	×	२	०
ग रे सा सा	प ध निध प	— ध प म	प — — ध
ता द्रे दा नि	ता ऽ ऽ नो	ऽ म्ता दे ऽ	र्ना ऽ ऽ त।
	×	२	०

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

रे
त

नि सा ग म	ध प नि ध प	म ग म रे	— सा — सा
दा नि दा नि	तो ऽ म्ता न	न न दे रे	ऽ ना ऽ त
३	×	२	०

सा नि नि सारे ग	सारे गुरे सा ध नि	प - प सां	नि सां ध नि
न न नऽऽ	देऽऽ रे ना	ऽऽ ओ दा	नि दा नि त
३	×	२	०
म ध प ग म	ध प नि ध प	म ग म रे	- सा - रे
दा नि दा नि	तो ऽ म्त्त न	न न दे रे	ऽ ना ऽ, त ।
३	×	२	०

अन्तरा.

प ध ध ध ध	ध म ध नि	सां सां सां सां	रें नि सां सां
ओ द त न	ओ द त न	नि त त न	नि त त न
×	२	०	३
सां गं - रें	- गं रें सां	सां नि	- नि ध प
त दी ऽ म्दी	ऽ म्त्त न न	त दी ऽ म्दी	ऽ म्त्त न न
×	२	०	३
म ग प - प	ध नि ध प	म ग म रे	- सा सा सा
त दी ऽ म्दी	ऽ म्त्त न न	त न दे रे	ऽ ना त न
×	२	०	३
नि नि नि सावा सावा	ग गग मम मम	धधध नि नि नि नि	सांसांसांसांसांसां
ना दिर दिर दिर	तुं दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर	दिर दिर दिर दिर
×	२	०	३

सांसां गुंगं रेंरें सांसां दिर दिर दिर दिर ×	निनि रेंरें सांसां निनि दिर दिर दिर दिर २	धध निनि धध पप दिर दिर दिर दिर ०	म गुग गुग रे सा दिर दिर दा नि ३
नि निनि सा सा धीं तुक धी ना ×	गुग गुग म - नक तिक धा ऽ २	ध -ध नि - कडा ऽन धा ऽ ०	सांसां सां मं मं किड धा ऽन्धा ३
गं रें सां ध क ची ना कडा ×	नि म - ग -ग म ऽ न्ता ऽड् ता २	ग रे - सा रे धा ऽ ऽ, त ०	

भैरवी—त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध प ध ऽ त न न ०	म प ग म त न ना दिर ३	म नि ध - ग त नो ऽ म्दी ×	- ग म प ऽ म्त्त न न २
रे - सा रे दी ऽ म्त्त न ०	सा नि ध नि दे रे त न ३	सा ग - म दिर तो ऽ म्त्त ×	नि ध - नि सां दी ऽ म्त्त दि २
गं गं रें सां या नारे त ०	नि ध प म दा नि ना द्रे ३	ग म नि ध तुं द्रे त न ×	प म ग रे न ता रे दा २
सा ध प ध नि, त न न ०			

अन्तरा.

म सा ग - म त नो ऽ म् ×	नि ध - ध म ध नो ऽम ओ दा २	नि सां - रे ना दी ऽ म्नि ०	सां नि ध नि त न न न ३
सां - गं गं दी ऽ म्त्त न ×	रे सां नि सां दे रे त दि २	गं मं पं गं या ना रे दी ०	मं - मं गं रे ऽ म्त्त न न ३
सां नि ध - त न दी ऽ ×	नि (रे) - नि म्त्त दी ऽ म्त्त २	(ध) - नि ध दी ऽ म्त्त न ०	नि ध प म दे रे ना त ३
ग म नि ध दा नि त न ×	प म ग रे न ता रे दा २	सा ध प ध नी, त न न ०	

भैरवी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

				पप धध दिर दिर
नि ध नि ध	म प ग - रे	सा - ग -	नि म - ध -	
त न न त	न दी ऽ म्त्त ३	ना ऽ दी ऽ ×	म्तो ऽ म्ता ऽ २	
०				

नि ध नि सां	— ग — म	म ग म ध —	म — ध — ध
न्न दे रे ना	३ ता ३ न्न	दे रे ना ३	दी ३ म्तो ३
०	३	×	२
म ध ध म म ध	— नि सां —	नि ध ध प	ग म प ध ध
ना दिर दिर दा	३ नि ता ३	रे त द रे	दा नि, दिर दिर ।
०	३	×	२

अन्तग.

नि नि नि ध प	ध ध ध म म प	ग म ध —	— सां — गं
दिर दिर ना दिर	दिर तुं दिर दिर	त न दी ३	३ म्ता ३ रे
×	२	०	३
गं	नि	नि ध नि ध	म
रें — सां —	नि नि सां सां	ध ध नि ध	— प ग —
दा ३ न्नी ३	न न तुं द्रे	त द रे दा	३ न्नि दी ३
×	२	०	३
म म ग रे	सा — ग म	— म ध —	नि — सां —
त न द रे	ना ३ त द्रे	३ न्ना दी ३	म्तो ३ म्ता ३
×	२	०	३
नि ध ध प	ग म प ध ध		
रे त द रे	दा नि, दिर दिर		
×	२		

स्थायी.

[illegible]

अन्तरा.

प	म	ध	—	नि	सां	—	सां	—	सां
ध	ऽ	जे	ऽ	कृ	पा	ऽ	द्र	ऽ	ष्टि
की		२			०		३		
×					सां	त्रि	त्रि		
सां	नि	नि	सां	सां	रें	सां	ध	—	प
नि									
से	व	क	प	र	अ	प	ने	ऽ	ऽ
×		२			०		३		
प	—	ध	—	सां	त्रि	—	प	—	प
ध					ध				
ना	ऽ	रा	ऽ	य	नी	ऽ	से	ऽ	त
×		२			०		३		
प	गं	गुं	रें	—	सां	त्रि	प	—	प
गं									
क	म	ला	ऽ	स	नी	ऽ	से	ऽ	त
×		२			०		३		
सा	सा	म	ग	ग	म	त्रि	सां	सां	सां
नि									
से	त	अ	खि	नि	मे	नि	अ	शिव	नि
×		२			०	त	३		
ग	रे	रे	—	म	गुं	—	सा	—	सा
रे					रे				
ह	र	पा	ऽ	र्व	ती	ऽ	शा	ऽ	र।
×		२			०		३		

भैरवी-भूपताल (मध्यलय).

स्थायी.

									ध	भ
ध	सां	—	सां	—	सां	—	नि	ध	प	प
वा	५	नी	५	द	या	५	नी	५	५	म
×		२		०	०		३			
नि	—	ध	—	प	प	—	म	—	म	
हा	५	बा	५	क	बा	५	नी	५	सु	
×		२		०	०		३			
प	प	नि	ध	प	प	ग	रे	—	सा	
र	न	र	सु	नि	ज	न	मा	५	नि	
×		२		०	०		३			
सां	गं	गं	रें	रें	सां	—	त्रि	—	नि	
गं							ध			
स	क	ल	बु	ध	ग्या	५	नी	५,	भ।	
×		२		०	०		३			

अन्तरा.

प	म	ध	ध	नि	सां	सां	सां	—	सां
ध	ग	ज	न	नि	ज	ग	जा	५	नि
×		२			०		३		

सां	रें	—	रें	गां	रें	रें	सां	सां
रें	हि	५	सु	र	म	र	द	नि
म ×	—	—	मं	गं रें	—	सां	—	सां
सां गं	५	५	मु	खी	५	चं	५	डि
ज्वा	ध	सां	रें	सां	—	त्रि ध	—	नि
×	म	प	द	दा	५	नी	५,	भ।
प				०				
अ								
×								

भैरवी-भूपताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	सा	ध ×	ग	सा	ध ×	सारै	धऽ	×
सा	न	सा	न	नि	सा	न		
प	री	रे	न	ध	न			
ध	ऽ	म	सु	नि	स			
प	ध °	ग	रै	ह	°	सा	खी	°
म	न	ग	ऽ	—	ऽ			
प	सु	रे	र	—	ऽ			
रे	दि	—	ऽ	रे	ध			
म	ग	न	सा	त	सा	न		

सा				म		ग		
ध	-	प	म	प	ग	-	रे	सा
आ	५	ज	की	५	बे	५	५	५ लि ।
×		२			०		३	

अन्तरा.

प		म	ध	ध	नि	सां	-	-	रे	सां
ध		न	ध	न	बिं	द्रा	५	५	ब	न
×			२			०	३			
सां		रे	सां	रे	-	मं	रे	सां	-	सां
रे		न	बं	५	सि	ब	ट	ध	५	न
ध			२			०	३			
×										
प		ध	प	प	ध	प	म	प	ग	म
ध		न	स	रि	त	मि	रि	ज	मु	ना
×			२			०	३			
प	नि	धुप	म	ग	म	ग	-	ग	-	सा
का	५	रु५	क	र	त	५	के	५	लि ।	
×		२			०		३			

भैरवी—चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा		रे		ग		ग	रे	सा		सा
म	-	ग	-	म	रे	ग	रे	सा	-	सा
जो	५	तू	५	र	चो	५	सा	मा	५	न
×		०	२		०	३		४		

नि	रे	नि	सा	—	रे	ग	—	रे	सा	—	सा
सा	या	५	सौं	५	ना	ना	५	प्र	का	५	र
×		०		२		०		३		४	
नि	ध	ध	प	—	ध	प	म	म	प	म	—
सा	५	हे	ना	५	बि	सा	५	रों	स	दा	५
तो	५	०		२		०		३		४	
×						गुरे					
सा	सारे	ग	ग	ग	म	ग	रे	सा	—	सा	
ह	र	ह	र	गु	न	गा	५	य	गा	५	य
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

प	ध	ध	म	ध	—	नि	सां	—	रें	सां	—	सां
दु	ख	५	ख	५	ख	जी	५	स	हा	५	य	
×		०		२		०		३		४		
सां	रें	गं	गं	गं	—	रें	रें	रें	सां	—	सां	
गं	५	त	र	ना	५	क	छु	उ	पा	५	य	
अं	५	०		२		०		३		४		
×												
सा	ध	—	ध	प	—	ध	प	म	प	—	म	म
ओ	५	क्त	जो	५	क्त	सं	५	पू	५	र	न	
×		०		२		०		३		४		
सा	सारे	ग	—	म	म	गुरे	ग	रे	सा	—	सा	
ध्या	र	नां	५	त	र	ला	५	य	ला	५	य।	
×		०		२		०		३		४		

संचारी.

नि	सा	—	सा	ध	प	—	प	नि	ध	पम	प	म	म
जा	५	की	मा	५	या	५	या	नि	रं	५५	का	५	र
×		०		२				०		३		४	
रे	सा	रे	ग	—	म	ग	रे	रे	—	सा	—	सा	
लि	खि	न	जा	५	त	अ	प्रं	५	पा	५	र		
×		०		२		०		३		४			
ध	नि	ध	प	ध	नि	सा	सा	रे	सा	—	सा		
नि	र	न	र	मु	नि	क	र	बि	चा	५	र		
×		०		२		०		३		४			
सा	—	सा	रे	ग	म	ग	रे	ग	रे	सा	—	सा	
जा	५	को	५	शि	व	ध्या	५	य	ध्या	५	य।		
×		०		२		०		३		४			

आभोग.

प	ध	—	म	ध	—	नि	सां	सां	सां	सां	—	सां
प्रे	५	म	दा	५	स	सि	रि	नि	बा	५	स	
×		०		२		०		३		४		
सां	—	रें	रें	गं	गं	गं	रें	गं	सां	—	सां	
गं												
पू	५	र	न	ध	ट	ध	ट	प्र	का	५	स	
×		०		२		०		३		४		

सा	सा	ध	ध	प	प	प	ध	प	म	—	म
ज	ल	थ	ल	प्र	भु	व	न	वि	ला	५	स
×		०		२		०		३		४	
म			म			ग					
नि	ध	—	ग	—	म	रे	ग	रे	सा	—	सा
र	हे	५	प्र	५	भु	छा	५	य	छा	५	य।
×		०		२		०		३		४	

भैरवी—चौताल (विलम्बित) .

स्थायी.

सा	—	ग	सा	रे	म	ग	रे	सा	—	सा
ग	५	स्म	अं	५	ग	गौ	५	रि	सं	५
भ		०		२		०		३		४
×										
नि	रे	नि	सा	—	रे	ग	—	म	ग	—
सा	टा	५	में	५	वि	रा	५	जे	गं	५
ज		०		२		०		३		४
×										
म	—	ध	प	—	प	नि	ध	प	म	—
ग	५	द्र	मा	५	ल	ला	५	ट	ध	५
चं		०		२		०		३		४
×										
सा	सा	रे	ग	—	म	ग	—	ग	रे	सा
अ	धि	५	क	५	सु	हा	५	५	यो	है
×		०		२		०		३		४

म	ग	—	म	ग	—	ग	रे	सा	—
जा	५	०	दि	५	२	ते	५	बि	५
—	—	—	नि	सा	रे	०	—	ग	रे
५	५	०	म	न	५	मो	५	५	ह
५	५	०	३	३	०	३	३	३	३

सा	प	—	—	धु	म	प	ग	ग	—	—	ग	म	रे	सा
वा	५	५	५	दि	न	५	ते	५	५	३	भ	६	५	
×			०		२		०						४	
नि	—	—	रे	ग	—	म	ग	रे	ग	—	ग	रे	रे	सा
सा	५	५	५	ख	५	स	रा	५	५	३	खे	५	५	
५			०		२		०						४	

अन्तरा.

ध	—	म	ध	—	नि	सां	—	—	सां	—
जे	५	५	चू	५	रि	यां	५	५	क	र
×		०		२		०		३		४
सां	—	—	सां	—	सां	रें	—	—	सां	नि
नि	—	—	न	—	हिं	भा	—	—	व	ध
में	५	५		२		०	५	५		त
×		०		२		म		३		४
प	—	—	ध	प	पम	ग	—	—	म	ग
ध	—	—	चु	री	(५५)	यां	—	—	ग	रें
जे	५	५		२		०	५	५		ई
×		०		२		म		३		४
रें	—	रें	ग	—	म	ग	रें	ग	रें	सा
सा	—	५	ई	—	ढ	रा	५	५	५	—
बां	५	५		५				३		के
×		०		३		०		३		४

सा			प		ध	प	धुम	प	म		
ध	-	-		-	स	पू०	(SS)	ति	ग	-	-
ए	S	S	क	S	रे	ग		३	ने	S	S
श				२					गुरे	४	
ग	-	म	सा	-	क	ह्यो	-	म	ते	-	सा
आ	S	S	न	S	रे	०	S	S	रे	S	रे
×				२				३		४	
नि	-	-	सा	-	रे	०	-	ग	रे	सा	-
ध			नि	सा	ठा			के	हैं	S	S
मौ	S	S	ह	न	०	S	S	३		४	
×				२					म		
नि	-	-	प	-	ध	प	म	प	ग	-	-
सा	ध		रे	-	ध	रा	S	S	के	S	S।
झा	S	S		S	ध			३		४	
×				२							

आभोग.

म	म	नि	नि	सां	सां	सां	सां	सां	सां
ग	५	ध	५	५	५	५	५	५	५
का	५	५	५	५	५	५	५	५	५
×	०	०	२	०	३	४	४	४	४
ध	—	सां	सां	सां	सां	सां	सां	सां	सां
नि	—	नि	५	५	५	५	५	५	५
युं	५	५	५	५	५	५	५	५	५
×	०	०	२	०	३	४	४	४	४

ग॒ रे	-	-	सा	-	-	ग॒ रे	रे	-	सा	-	सा	-
ऐ	५	५	सो	५	५	च	ट	क	५	रं	५	ग ५
×			२				०			३		
सा			सा	-	-	ग॒ रे	-	सा		नि॒ ध	-	नि॒
नि॒	नि॒	-	मा	-	-	ग॒ रे	-	सा		३		
व	द	५	न	५	५	५	मा	५	५	रो	५	५, गु।
×			२				०			३		

अन्तरा.

सा	-	-	मा	-	-	रे	ग	-	-	म	-	म	म
आ	५	५	वो	५	५	सैं	यां	५	५	५	५	मु	ख
×			२				०			३			
म			म	-	-	प	ग	-	म	ग॒ रे	-	सा	-
ग	-	-	खो	५	५	मो	रे	५	मं	द	५	र	५
दे	५	५	२				०			३			
×							ग॒ रे	-	-	सा	-	-	रे
रे	रे	-	ग	-	-	म	चं	५	५	द्र	५	५	ब
मु	ख	५	२				०			३			
×							ग॒ रे	सा	-	नि॒ ध	-	-	नि॒
रे	नि॒	नि॒	सा	-	-	ग	ता	५	५	रो	५	५, गु।	
द	न	५	२				०			३			
×													

भैरवी-धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सा	नि	सा	ग	म	नि	ध	-	-	प	पम्	म	ग	म	ग	रे	-	सा
डा	५	र	त	के	५	५	स	र	५	पि	च	का	५	रि	०	५	रे
३	नि	सा		म	५	ग	ग	-	म	-	-	म	ग	रे	-	मा	३
सां	नि	ध	प	ग	ग	-	म	-	-	-	म	ग	रे	-	मा	३	३
स	खि	मो	पै	कु	व	५	र	५	५	क	नहे	५	या	०	३	३	३
३				५													

अन्तरा.

प	ध	-	म	ध	-	-	नि	सां	सां	-	सां	-	-	-
बा	५	५	ट	५	५	५	घा	५	ट	५	मे	५	५	५
५	सां					३	०				३	नि	ध	-
नि	-	-	सां	-	-	-	गं	रें	मां	-	ध	-	प	-
रो	५	५	क	५	५	५	त	रूं	५	५	ध	५	त	५
५	म					३	०				३	सा	नि	सा
ग	धुप	नि	ध	प	ग	म	म	ग	रे	-	सा	नि	सा	ग
क	हा	क	रूं	५	मो	३	रि	दै	५	या	डा	५	र	त
५					३	३	०				३			

भैरवी-धमार (विलम्बित).

स्थायी.

मारे नि सा ध नि	सा - - मा -	-	गरे	ग -	ग
काऽ न्हाऽ ऐ सी	वं ऽ ऽ मी ऽ	ऽ	यऽ	जा ऽ	ई
३	×	२		०	
ग प ध नि	ध म म रे ग	गप	म	गरे	- सा
मो ऽ ह ल	ई ऽ ऽ ऽ ऽ	नऽ	ई	ना ऽ	र ।
३	×	२		०	

अन्तर्ग.

म ग म ध नि	सां - - सां -	रें	सां	नि सां	सां	गं
श्या ऽ म में	सै ऽ ऽ न ऽ	क	र	र	ही	है
३	×	२		०		
रें सां ध प	ग नि धुप रे ग	मम	म	गरे	-	सा
स न मु ख	री ऽ भऽ र ही	रीऽ	भ	वा ऽ	र ।	
३	×	२		०		

भैरवी- धमार (विलम्बित).

स्थायी.

सां नि नि	प ग म - ध -	नि	सां	-	-
रें सां ध प	भो ऽ ऽ र ऽ	ऽ	भ	ई	ऽ
आ ली दे खो	३	×	२	०	ऽ

-	-	सां नि	सां	-	गं	रें	रें	गं	रें	-	सां	-	सां
५	५	लो ग	जा	५	गे	प	व	न	५	जा	५	गे	
			×					०		०			
नि			नि		म			गुप	म	गं			
सां	नि	रें	सां	ध	-	प	ग	ग	गुप	म	रें	-	सा
पं	५	५	छि	जा	५	गे	ग	ग	न(५	वि	रा	५	जे ।
३			×						२		०		

अन्तरा.

म	ग	म	-	ध	-	-	नि	सां	-	-	सां	-	सां	सां
प्रे	५	५	म	५	५	अ	ला	५	५	प	५	क	छु	
×					०		०			३				
नि	सां				नि	ध	प	प	गं	-	रें	सां	ध	प
सां	सां	गं	रें	सां	ध	प	प	गं	-		रें	सां	ध	प
सु	न	त	ह	५	ना	हिं	क	हा	५	क	रूं	मो	रे	
×					२		०				३			
धु			म				रे			सां	नि	नि		
प	नि	धु	ग	-	प	म	ग	रे	सा	रें	सां	ध	प	
प्रा	५	न	जा		५	५	५	व	त	आ	ली	दे	खो ।	
×					२		०			३				

राग तोड़ी.

मनी तीव्रौ यस्यां खलु धगरयः संति मृदवो ।
मतो वादी षष्ठोऽस्य तु सहचरो गोऽतिमधुरः ॥
गभीरा सम्पूर्णा प्रकटसग्रहन्याससुभगा ।
प्रसिद्धा तोड़ीयं दुरधिगमना संगवचरा ॥

कल्पदुर्मांकुरे ।

मनो तीव्रौ धगरयः कोमलाः स्युर्धगौ स्मृतौ ।
वादिसंवादिनौ यत्र तोड़ी सा संगवे मता ॥

चन्द्रिकायाम् ।

तीखे मनि कोमल रिगध वादी धैवत साज ।
सम्वादी गंधार है टोड़ी राग विराज ॥

चन्द्रिकासार ।

धनी सरी गरी सश्च मपौ धपौ मगौ रिसौ ।
सम्पूर्णा तोड़िका ज्ञेया धैवतांशा च संगवे ॥

अभिनवरागमंजर्याम् ।

“तोड़ी”—यह राग तोड़ी थाट से उत्पन्न होता है । इसमें मध्यम तीव्र, निषाद शुद्ध शेष स्वर रे, ग, ध कोमल लगते हैं । वादी धैवत व सम्वादी गान्धार है । यह राग सम्पूर्ण जाति का है, गायन समय दिन का दूसरा प्रहर मानते हैं । पंचम स्वर का प्रयोग इस राग में कभी के साथ किया जाता है । नवीन विद्यार्थियों को इस राग में विकृत स्वर उचित स्थानों पर लेना कठिन होता है । इस थाट से उत्पन्न होने वाले “मुलतानी” नामक राग में भी ऐसी ही अड़चन होती है । इस राग की सारी खूबी रे, ग, ध, इन स्वरों पर अवलम्बित है, जबकि मुलतानी में ग, प, नि, यह स्वर विशेषता रखते हैं ।

आरोहावरोह स्वरूपः—

सा, रे ग, मप, ध, निमां । सांनिधप, मग, रे, सा ।

पकड़ः—

ध नि सा, रे, ग, रे, सा, म, ग, रे ग, रे सा ।

तोड़ी—एकताल (मध्यलय) .

स्थायी.

									सा नि सां
रे	ग	प	ग	प	—	ध	ध	—	सां
जे	सु	र	न	गा	ऽ	ये	ऽ	व	जा
३		४	×	०	०	२	०		०
—	नि	ध	नि	ध	—	म	ग	म	—
५	ये	ऽ	रि	भा	ऽ	ये	ऽ	ले	ऽ
३		४	×	०	०	२	०		०
ध	म	प	ध	म	म	ग	म	ग	रे
म									
स	व	वि	धि	अ	प	ने	गु	रु	न
३		४	×	०	०	२	०		०

अन्तरा.

म	ग	म	म	ध	—	सां	नि	सां	—
ग	नि	ज	न	की	ऽ	सं	ऽ	ग	त
गु		०	२	०	०	३	४	०	०

नि	—	ध	सां	सां	रें	रें	नि	—	ध	नि	सां	रें
ग	५	ग	पु	र	न	स	५	स	सु	र	न	
×		०		२		०		३		४		
नि	५	५	ध	५	५	प	५	५	म	५	५	
×		०		२		०		३		४		
ग	५	५	रे	५	५	सा	५	सा	रे	ग	म	
×		०		२		०		३		४		
ग	रे	सा	५	सा	रे	ग	म	प	म	ग	रे	
×		०		२		०		३		४		
ग	रे	सा	रे	ग	म	प	ध	प	म	ग	रे	
×		०		२		०		३		४		
सा	५	सा	रे	ग	म	प	ध	नि	सां	५	नि	
×		०		२		०		३		४		
५	ध	५	प	५	म	५	ग	५	रे	५	सा	
×		०		२		०		३		४		
नि	निनि	सासा	रेरे	गग	गग	म	म	धध	धध	निनि	सासां	
धा	किट	तक	धुम	किट	तक	धि	त्ता	तिर	किट	धिड	नग	
×		०		२		०		३		४		
निनि	निधु	धुध	मम	ग	रे	सा	सा	नि	सां			
नगि	नत	गिन	तक	धि	त्ता	धा,						
×		०		२		०						

तोड़ी—एकताल (मध्यलय) .

स्थायी.

सा रे	रे ग	रे	रे	सा	सा	नि ध	ध	नि	सा	रे	ग
बि	क	र	त	ज	ब	ध	ग	रि	क	र	त
×		०		२		०		३		४	
म	प	मप	ध	म	ग	रे	ग	रे	—	सा	सा
म	नि	तीऽ	ऽ	व	र	सु	र	सं	ऽ	ग	त
×		०		२		०		३		४	
सा नि	सांरे	ग	ग	म	म	ध	—	ध	नि	ध	ध
सु	गऽ	म	स	र	ल	सं	ऽ	पू	ऽ	र	न
×		०		२		०		३		४	
प ध	नि	नि	नि	ध	ग	ग	ग	रे	रे	सा	सा
गु	नि	तो	ऽ	डी	ऽ	कौ	ऽ	ब	र	न	त
×		०		२		०		३		४	

अन्तरा.

ध	ग	ध	म	ध	ध	सां नि	—	सां	नि	सां	सां
म	ऽ	म	त	ज	हां	अं	ऽ	श	र	ह	त
धै		व		२		०		३		४	
×		०		रें	सां	नि	नि	रें	नि	ध	प
सां नि	नि	सांरे	गं	त	हां	स	ह	च	र	म	त
रि	ग	मुऽ	र	२		०		३		४	
×		०									

तोड़ी-त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

प ध प ध	ध मे म प ध	ध मे ग - ग	मे म प प
का ऽ न्ह क	र त मो से	रा ऽ ऽ र	ए रि मा ई
० मं	३ ध मे - ग ग	× रे - रे रे	२ ग रे - सा सा
ग म प ध	जा ऽ य क	हूं ऽ ज सो	दा ऽ घ र
अ ब ही ऽ	३ ध मे मे ध ध	× मे ध नि ध	२ सां नि ध प
० नि सां ग ग	ग र मो रि	ग ग रि दि	नि डा ऽ र ।
लं ग र भ	३	×	२

अन्तरा.

ध मे - ग ग	ध मे - ध ध	सां नि - सां नि	सां - सां सां
मैं ऽ द धि	वे ऽ च न	जा ऽ त वि	द्रा ऽ ब न
० सां	३	× सां	३ रे
नि - ध ध	नि - सां सां	नि नि सां रें	नि - ध ध
आ ऽ न अ	चा ऽ न क	तु म रो ऽ	बा ऽ ऽ र
० ध	३	× मे	२ ग
मे ध नि ध	नि ध प -	ग - रे रे	रे - सा सा
बा ऽ ट घा	ऽ ट में ऽ	रो ऽ क त	टो ऽ क ।
०	३	×	२

सा रे रे ग ग	ध म म ध -	ध म ध नि धनि	सां नि ध प
अ प ने च	तु र को ऽ	ली ऽ जे संऽ	ऽ भा ऽ र
०	३	×	२

तोड़ी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

सा रे रे ग रे	- सा सा -	रे नि - सा रे	ग - - -
अ ल्ला ऽ जा	ऽ ने अ ऽ	ल्ला ऽ जा ऽ	ने ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
ध म प - ध	ध म - ग -	रे - रे ग	रे रे सा -
न बी ऽ अ	ली ऽ को ऽ	नू ऽ र भ	र र हो ऽ
०	३	×	२
सा रे रे ग -	ध म म ध ध	ध म ध नि म	- ग रे सा
ज ग में ऽ	ह स न हु	से ऽ न चै	ऽ न जि ये ।
०	३	×	२

अन्तरा.

ध म म ग -	ध म - ध ध	नि - सां नि	सां - सां -
जो ह रा ऽ	के ऽ फ र	जं ऽ द न	बी ऽ के ऽ
०	३	×	२
सां रे रे ग रे	गं रे सां सां	सां नि - सां रे	नि - - ध
जि ग र गो	ऽ से अ लि	का ऽ स म	हो ऽ ऽ बै
०	३	×	२

म ध नि सां	नि ध ध नि	ध म - ग रे	ग रे सा -
कौ ऽ स र	के ऽ दो उ	जा ऽ म ह	म पि ये ऽ।
०	३	×	२

तोड़ी-त्रिताल (मध्यलय)

स्थायी.

रे सा सा	सा - प प	म - प ध	ध म ग - रे
३ लं ग र	कां ऽ क रि	या ऽ जि न	मा ऽ ऽ रो
	×	२	०
ग रे सा सा	ध - प प	मं ध ध नि	ध म ग - रे
३ लं ग र	कां ऽ क रि	या ऽ जि न	मा ऽ ऽ रो
	×	२	०
ग रे - सा	नि रे ग -	म - प ध	ध म - ग रे
३ मौ ऽ रे	अं ग वा ऽ	३ ऽ ल ग	जा ऽ ऽ ऽ।
	×	२	०
ग रे सा सा			
३ ये लं ग र			

अन्तरा.

म प ग -	ध म - ध ध	सां नि - सां नि	सां सां सां -
३ सु न पा ऽ	वे ऽ मो रि	सा ऽ स न	न दि या ऽ
×	२	०	३

सांरें	गं	रें	नि	-	नि	सां	रें	रें	ध	नि	ध	-	प	ग	म
दौऽ	ऽ	रि	दौ	ऽ	रि	ध	र	आ	ऽ	ऽ	वे	ऽ	लं	ग	र
×				२				०				३			
प				ध				ध							
ध	-	ध	नि	म	-	प	ध	म	ग	-	रे	ग	रे	सा	सा
कां	ऽ	क	रि	या	ऽ	जि	न	मा	ऽ	ऽ	रो	ऽ	लं	ग	र
×				२				०				३			

तोड़ी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

प				ध				ध			ग				
म	-	प	ध	म	ग	-	पध	म	ग	-	म	ग	रे	सा	-
बे	ऽ	ग	लि	आ	ऽ	ऽ	पति	या	ऽ	ऽ	प	थि	क	वा	ऽ
×				२				०				३			
सा				ध				मं			ग				
रे	ग	-	म	ध	नि	ध	प	मं	ध	प	ग	-	म	ग	रे
मो	रे	ऽ	पि	या	ऽ	स	न	मो	ऽ	ऽ	रा	ऽ	सं	दे	स
×				२				०						३	वा

अन्तरा.

प				ध				सां							
म	म	ग	ग	म	म	ध	ध	नि	नि	सां	सां	रें	-	सां	-
ध	रि	ध	रि	प	ल	प	ल	छि	न	छि	न	मै	ऽ	का	ऽ
३				×				२				०			

सां रें गं गं रें	गें रें रें सां -	सां नि - सां रें	रें नि - ध -
जु ग सि बि	त त है ऽ	बे ऽ ग लि	आ ऽ ऽ ऽ
३ ध म ध नि सां	× नि ध ध नि	२ ध पम प ध	० ध ग ग म ग - म
सि य री ऽ	हो ऽ छ ति	या ऽ ऽ प ति	या ऽ ऽ प
३ ग रे सा -	×	२	०
थि क वा ऽ			
३			

तोड़ी — त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

ध
नि
क

ध प ग म	प - मप ध	ध म ग - रें	ग रें - सा -
ल लि म्हा ने	दा ऽ ऽ ऽ	रु डी ऽ पि	ला ऽ वै ऽ
३ नि ध नि सा ग	× रे - सा सा	२ निसा मंग पम ध	० निनि धम गुरे सा नि
हों ऽ तो ऽ	रा ऽ म द	छ ऽ की ऽ ऽ ऽ	वे ऽ ऽ ऽ ऽ क ।
३	×	२	०

अन्तरा.

धु म ग म धु	सां	नि नि सां मां	नि धु नि सां गं	रें सां धु -
सु न री ऽ	भ ग ति न	प्रे ऽ म ऽ का	म धु वा ऽ	
सां	×	२	०	
रें गं रें सां	नि सां रें नि धु	धु नि मां रें	नि - धु नि	
म र म र	मो ऽ हे छ	का ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ वे क।	
३	×	२	०	

तोड़ी—त्रिनाल (मध्यलय).

स्थायी.

रें ग ग रें रें	ग रें - मा सा	सा नि - मा रें	ग - गुमं प
पि या सं ग	खे ऽ ल त	प्या ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
म ग रें रें	ग रें - मा सा	नि धु नि सा रें	ग - - -
पि या सं ग	खे ऽ ल त	प्या ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
म ग - म म	प - धु धु	धु धु नि नि धु प	म ग गुमं धु
जो ऽ ब न	की ऽ म त	बा ऽ ऽ ऽ	री ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२
म ग रें रें			
पि या सं ग			
०			

अन्तरा.

मं प म प ध	ध म ग म ध	सां नि - सां नि	सां - सां -
मृ ग म द	औ ऽ रे ऽ	के ऽ स र	डो ऽ रे ऽ
० सां	३	×	२
नि - सां गं	रें - सां -	प प ध ध सां नि	ध प प ग
भी ऽ ज त	रं ऽ ग ऽ	सा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ री ऽ।
० ग	३	×	२
म ग रे रे			
पि या सं ग			
०			

तोड़ी-त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

ध ध ध	ध म म प प	मप धुप म -	ग - - -
ऽ दे उ द	र स मो रे	प्याऽ ऽऽ रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ।
०	३	×	२

अन्तरा.

- म - ध	नि नि सां सां	सां रें सां रें	नि नि सां -
ऽ हों ऽ तो	दा सी तो रि	ज न म ज	न म की ऽ
० सां	३	×	२
रें गं - रें	- नि सां -	नि सां निसां रेंसां	नि ध - -
तु ही ऽ है	ऽ मो रा ऽ	प्या ऽ ऽऽ ऽऽ	रा ऽ ऽ ऽ
०	३	×	२

— ध — नि	ध ध म प —	ध — नि	ध — प —
५ प्रे ५ म	र स वा ५	५ रा ५ ज्दु	ला ५ रे ५ ।
०	३	×	२

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

म
प प
मैं तो

म	ग	ग	रे	रे	ग	रे	— सा	सा	सा	रे	ग	—	—	—	—
अ	प	ने	सैं	या	५	म	न	मा	५	ती	५	५	५	५	५
०	सा	रे	रे	रे	३	ग	रे	—	सा	—	नि	—	सा	रे	नि
भ	र	भ	र	प्या	५	ला	५	दे	५	त	अ	मी	५	र	स
०	सा	रे	रे	ग	३	म	ध	ध	नि	नि	ध	प	म	ग	म
ल	ट	क	च	ल	३	त	ब	हु	भां	५	५	५	ती	५	मैं तो
०				३				हु	×				२		

अन्तरा.

ध	म	—	ग	ग	ध	म	—	ध	—	सां	नि	नि	सां	—	सां	सां	सां	—
जो	५	को	उ	वा	५	की	५	च	र	चा	५	क	रि	है	५			
०				३				×							२			

सां नि - सां गं	रें - सां सां	सां नि - सां रें	रें नि - ध -
मो ऽ ऊं ऽ	ना ऽ दि न	रा ऽ ऽ ऽ	ती ऽ ऽ ऽ
ध्रु म ध नि सां	ध्र नि ध्र प	म ग रें रें	ग रें - सा -
गा ऽ वे गु	द र गु रु	जि न लि ख	दी ऽ नो ऽ
सा नि सा ग ग	ध्र म ध्र ध्र	ध्र नि नि ध्र प	म ग म प
जो ऽ मो रे	ज न म मं	गा ऽ ऽ ऽ	ती ऽ, मैं तो

तोड़ी—त्रिताल (मध्यलय) .

स्थायी.

- ध्र - प	प म म प प	मप ध्रप म ग	प म ध्र -
ऽ रा म सु	मि र मो रे	प्या ऽ ऽ रे ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
ध्र नि ध्रप	म म प प	ग म प ध्र	म - ग -
ऽ रा म सु	मि र मो रे	प्या ऽ ऽ ऽ	रें ऽ ऽ ऽ ।

अन्तरा.

धु म - ध	नि - सां सां	रें - सां सां	नि सां सां सां
ऽ रा ऽ म	ना ऽ म स	दा ऽ सु ख	दा ऽ य क
३	३	५	२
नि सां रें	सां नि सां रें	रें नि धु म ध	नि धु - प
संऽ ऽ क ट	म क ल नि	वा ऽ ऽ रे	ऽ तो ऽ रे।
	३	५	२

तोड़ी—एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

प	प	म	-	रें	सा	नि	-	सा	रें	ग	ग
म	न	वा	ऽ	मो	रा	ना	ऽ	हिं	र	ह	त
०		३		४		५		०		२	
म	म	प	धु	म	प	धु	नि	धु	प	म	प
ग											
इ	त	नि	क	ह	त	अ	र	ज	ग	र	ज
०		३		४		५		०		२	

अन्तरा.

प	-	म	-	प	धु	सां	-	नि	सां	-	सां
म		ग		म		नि		नि			
कै	ऽ	से	ऽ	क	र	रा	ऽ	खुं	प्रा	ऽ	न
५		०		२		०		३		४	

सां	नि	सां	गं	रें	सां	सां	सां	नि	—	ध	—
पि	या	बि	न	हां	ऽ	रे	ऽ	दू	ऽ	जे	ऽ
×		०		२		०		३		४	
प	ध	ध	रें	सां	रें	नि	सां	नि	सां	नि	ध
उ	मं	ड	उ	मं	ड	घु	मं	ड	गा	—	वे
×		०		२		०		३	ऽ	४	
प	ध	नि	ध	नि	ध	प	प	प			
ग	र	ज	ग	र	ज	म	न				
×		०		२		०					

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि	ध	नि	सा	रें	ग	—	सा	नि	सा	सा	ध	म	ग
अ	ब	मो	रे	रा	ऽ	म	रा	ऽ	म	म	रे	ऽ	
३		४		×		०		२			०		
ग	रें	—	सा	ग	—	रें	ग	—	रें	ग	रें	सा	
वि	रा	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	।	
३		४		×		०		२			०		

अन्तरा.

ध	म	ग	ध	ध	सां	सां	—	सां	नि	ध	नि	सां
नि	स	दि	न	ति	हा	ऽ	रि	टे	ऽ	र	क	
३		४		×		०		२		०		

सांरें	गं	रें	सां	सां	सांरें	नि	ध	ध	नि	मां
रुड	त	म	न	रं	SS	ग	५	ह	म	५
३		४		×		०		२	०	
नि	धनि	ध	प	ध	पध	नि	ध	प	ध	ग
री	SS	तु	म	शा	SS	म	रा	५	म	५
३		४		×		०		२	०	
रे				रे		रे	ग	रे		
ग	रे	—	सा	ग	—	रे	ग	रे	—	सा निसा
वि	रा	५	म	रा	५	५	५	५	म	SS।
३		४		×		०		२	०	

तोड़ी-भूमरा (विलम्बित).

स्थायी.

नि	ध	नि	—	सारे	(सा)नि ध	सा	नि	सा	सा	निसा	रे	रे	सा
स	ब	५		निस	ब	र ५	जो	५	री	SS	क	र	त
३					×		२				०		
निसा	रेरेसानिसा	नि	सारे		ग	रे	सा	नि	सा	सारे	सारेग	रे	—
					रे	—	सा					सा	
रुह	तSSSS	५	नित		बो	५	ली	ठो	५	ली	SSS	प्या	५
३					×			२				०	
नि	सा	ध			रे	—	सा	नि	ध	नि	सा	रे	ग
सा	ध	म	ग		रे	—	सा	ध	नि	सा	रे	ग	रे
अ	प	ने	५		५	५	५	गां	५	५	५	५	व
३					×			२				०	

प मंपध म	ग -	ग रे	ग रे	ग रे	सा निसा	रे सा	ध ध
मो ^{SS} रे	५ ५	पि	या	५ सों	५ SS	क ह	५ दे
४	०	×	२	०	०	३	०
म ग	मरे ग	मप धनि	ध प	मप मंपध	म ग	रे सा	
५ ५	SS ५	हो ^५ SS	प ति	SS SSS	या ५	रे ५।	
४	०	×	२	०	३	०	

अन्तरा.

प मम पध	मग ध मध	सां नि	सां नि	सां नि	सां नि	सां नि	सां नि
पह ले ^५	मुख सों ^५	क ही	५ ५	५ यो	तु म	रो ५	
४	०	×	२	०	३	०	
सां रे	गं - रे	सां निसां रे	नि ध	म ध	नि ध	प मप	
खु दा	५ हा	५ SSS	फि ज	तु म	५ बि	न SS	
४	०	×	२	०	३	०	
प ध म	ग मरे	ग रे	- सा	- रे	सा निसा	सा रे रे	
स दा	५ रं ^५	५ ५	५ ग	५ अ	ब SS	ज री	
४	०	×	२	०	३	०	
- गं रे	- सां	सां सां रे	गं -	रे सां	निसां निसां रे	नि ध	
५ जा ^५	५ त	छ ति ^५	यां ५	रे ५	SS SSS	५ ५।	
४	०	×	२	०	३	०	

तोड़ी--एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

प
धुनि
किर

ध	प	म	पधु	ध	ग	रे	सा	सा	नि	सा	निसा	रेरे
पा	५	५	५क	म	५	५	५	५	मो	५	५५	मन
३		४		×		०		२	२		०	
ग	—	सा	निसा	नि	नि	सा	रे	सारेग	रे	रे	नि	ध
रै	५	यां	५५	त	न	म	न	ध५५	न	नौ	५	
सैं		४		×		०		२		०		
३												
नि	नि	सा	रे	ग	रे	सा	निसा	सा	नि	सारे	ग	—
ध	५	व	र	क	रि	हूँ	५५	प	रि५	हूँ	५	
छा		४		×		०		२		०		
३												
ध	—	ध	—	नि	नि	सां	रें	नि	ध	पम	धुनि	
म	५	५	५	यां	५	५	५	५	५	५५	किर	
पैं		४		×		०		२		०		
३												

अन्तरा.

ध	ध	नि	सां	सां	—	निसां	सां	गुं	रें	—	सां	निसां	रेंगुं
म	हु	म	द	शा	५	५५	सु	जा	५	न	अ५५५		
३		४		×		०		२		०			

रेंसां	निसांरेंसां	नि ध	म प	मपधनि ध	— मपध	म ग
बऽ	कऽऽऽ	हीं ऽ	भा ऽ	ऽऽऽऽ ग	ऽ हऽऽ	मा ऽ
३		४	×	०	२	०
रे	रे	— सा	नि सा	रे ग	म ध	नि सां
रे	जा	ऽ गे	ले ऽ	ऽ हों	ऽ ब	लै ऽ
३		४	×	०	२	०
रें	नि	— ध	ध नि	सां रें	रें	सां ध
ऽ	या	ऽ ऽ	सु र	ज न	मैं	यां निनि
३		४	×	०	२	०

तोड़ी—त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

सारे
जिऽ

ग	—	— रेसा	ग रे	— सा	— नि सा रे रेग	प म रे ग	—
ऊ	ऽ	ऽ मोरा	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
३			×		२	०	
म ध	निनि	मध	सां	निसां	नि ध	प पध	म ग
ऽ	ऽ हेऽ	ऽऽ	पी	ऽ	या	मि लन	को
३			×			२	०

मा रे ग -	ध म ध नि ध	धधनिसां रेगं रेनि ध	म ग म ध धुनि
र खि ये ऽ	ग रे ऽ ल	गाSSS SS SS ऽ	ये ऽ ऽ, ऽजि ।
३ म	×	२	०
ग - - रेसा			
ऊ ऽ ऽ मोरा			
३			

अन्तरा.

म ग - - मध	सां निसां सां सां	नि धुध नि सांरे सांरेगं	सां नि
सू ऽ ऽ दर	मू ऽ ऽ र त	जब ते देऽ SSS	नि सांरे ध -
३	×	२	०
ध प ध म ग	ग म ध नि सां	निसां निसांरे नि ध	म ग म ध धुनि
त ब ते ऽ	क लु न हिं	SS SSS भा ऽ	वे ऽ ऽ, ऽजि ।
३	×	२	०
म			
ग - - रेसा			
ऊ ऽ ऽ मोरा			
३			

तोड़ी-त्रिताल (विलम्बित)

स्थायी.

नि ध नि सा -रे	ग रे सा -	रे नि ध प	ध नि सा -रे
बा जो रे ऽमं	म द सा ऽ	घ र वा ऽ	अ नं द ऽ
३	×	१	०

^१नि ध्र प - सासा प - मंय पध्र मंयध्र ग - ग रे ग रे सा
 धा ऽव रा ऽ पूजि ले ऽ ऽ ऽ मन का ऽ ऽ ऽ ई ऽ का ऽ जो रे ।
 ३ × २ ०

अन्तरा.

ध्र मंय निध्र प,पध्रप मं गु,मंय सां नि सां सां -निसां
 तन ऽम न,ध्र ऽ ऽ न,पाऽ ई ऽ ला ऽ ऽ ऽ
 ३ नि ध्र नि सां सां सां नि सां रे नि ध्र
 गा जी ऽ ला ऽ वन रा ऽ
 २ सां नि सां रे गुं रे सां सां नि निसां रे नि ध्र
 स दाऽ ऽ रंऽ गी ऽ ऽ ला ऽ
 ३ नि ध्र मंय मंग रे सा
 ध्र नि सां रे गुं गं रे निसां, निसां रे सां ध्र मंय मंग रे सा
 ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ मोऽ, ऽ ऽ ऽ रा रा ऽ ऽ ऽ जो रे ।
 ० ०

तोड़ी—एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

प मरे	ग	रेसा	सारे	ग	—	रे	सा	सा	नि	सारे	रे	सा
वै	५	या	बट	दू	५	भ	र	भ	५	ई	५	
३		४		३		०		२		०		
नि	निसारे	नि	ध	नि	नि	—	सारे	नि	ध	प	—	
सा	५	का	५	लं	५	५	गर	वा	५	५	५	
मै	५	४		३		०		२		०		
३				ग								
नि	नि	सा	सारे	रे	—	सा	सा	सा	ग	रे	सा	
ध	र	५	नन	दे	५	त	नि	सारे	ग	या	५	
भ		४		३		०	ग	ग	रि	०		
३								२				
रे	—	रेसा	निसारे									
ग	५	या	५, बट									
दे												

अन्तरा.

ग	धुध	निधु	पप	प	मपध	धु	गुरे	ग	रे	सा	निसा
रे	५	तोरे	संग	म	से	मंग	जा	स	ज	नी	५
बिहा	५	४		कै	५	०	५	२		०	
३				३				५	ध	ग	रे
ध	धुनि	सां	—, सां	नि	ध	प	मप	ध	म	५	५
म	चमां	५	५, रु	ठा	५	डो	५	स	दा	५	
बी		४		३		०		२		०	

<u>ग</u>	<u>रे</u>	सा	(सारे)	<u>गे</u>	-	<u>मरे</u>	<u>ग</u>	-	<u>रे</u>	सा	(सारे)
S	S	ग	(उच)	X कै	S	SS °	S	S	S	या,	SS °
<u>मा</u>	-	<u>रे</u> सा	(नि, सारे)								
S	S	याS	(S, बट)								

तोड़ी-एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

सा ध री ३ ध मं ध (नऽ) ३ सा ध री ३ ग ऽ	- ऽ मं ग भाऽ - ऽ ग रे भा	म प छ ४ रे ऽ ४ म प छ ४ - ऽ	मं प ध बिऽऽ सा वे मं प ध बिऽऽ सा वे	ध म मो × नि ध अ × ध म मो ×	ग ऽ नि धि ग ऽ	- ऽ सा क - ऽ	ध म म -सा ऽ, सु ध मं ध (मन)	ध न २ सारे हाऽ २ सां नि ही २	सां नि ही सारे ऽऽऽ सां ऽ	नि सा तो ध म न	सां नि म रे वे, ० नि म ०	नि सा तो ध म न
--	---	--	--	---	------------------------------	-----------------------------	---	--	---	-------------------------------	---	-------------------------------

नि ध - प	प सा सा नि सा सारे	रे ग ग - -	म ग रे म ग
र S S S	ह ज SS रत	मी रा S S	जी S S S
३	X	२	०
मंग मप - ग	मरे ग रे सा	सा ध नि नि	सा रे रे सा
ते S हा S S रे	ना S म को	आ S धा S	S S S र।
३	X	२	०

अन्तरा.

सासा सा ध ध	नि ध - प मंग	प मप धुनि ध प	(प) - म ग
मन डो S रे	जा S में SS	शु S SS S द	पा S ऊं S
३	X	२	०
प मप मपध मंग रेरे	ग रे - सा -	ध ध मध सां निसां निधु	धुम रेग रे सा
सो S SSS ही S कर	रा S खों S	अव हूं SS जे S	हर SS वा S।
३	X	२	०

तोड़ी-एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

मं प	मप पधु म	ग -	ग रे	ग रे	सा नि सा
S ला	SS लम ना	S S S	S S	व न SS	
३	४	X	०	२	०

सा निसा (मैऽ ३ सां नि का ३ ध ऽ ३	निसारे (SSच (- ऽ प ला	नि ध ली ४ - ऽ हुकी ४	नि सा स × मां नि बा ×	सारे (मुऽ - ऽ ऽ ०	ग ग भू त ० ध - ऽ ०	ध मंग (नाऽ २ धुधनिसारें (SSSS २	पम (हींऽ गं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ध ध ऽ मा ० रें नि त ०
--	--	--	---	----------------------------------	--------------------------------------	---	--	--------------------------------------

अन्तरा.

प म ३ गं ऽ ३ म पम (चल ३ ध ऽ, ३	ग - ऽ रें भ धुनि (मोरे ३ मं प ला	ध मध (तोरे ४ सां निसां (SS ४ - ध ऽ ऽ	सां का × सां निसां (प्याऽ × सां निसां (SS ×	निसां (SS निसारें (SSS निसारें (SSS सा ०	सां सां र न ० रें नि ध रे ० सां नि ध सा ०	रें व्या २ मप (तूऽ २ धुधनिसारें (SSSS २	- ऽ मपध (SSS गं ऽ ऽ	सां सारें कु ल ० म ग उ ठ ० रें नि थ ०
--	--	--	---	---	---	---	---------------------------------------	---

ध -नि	ध	प	म	ध	म	ग	मरे	ग	प
प्या SS	रे	४	उ	न	के	४	SS	४	मु
३	४	४	४	४	४	४	४	४	४
मपधुनि नि	ध	ग	ग	रे	सा	निसा	नि	—	सा रे
खSSS ४	की	४	ब	ति	यां	SS	नै	४	न स
३	४	४	४	४	४	४	४	४	४
नि	ध	प	—	सारे	ग	मरे	ग	—	रे सा निसा
लो	४	ने	४	जो	ब	न	४	४	म द
३	४	४	४	४	४	४	४	४	४
नि	नि	सा	रे	ग	रे	सा	निसा	ध	नि सा रे
ध	त	वा	४	४	४	री	SS	४	४ ४
म	४	४	४	४	४	४	४	४	४
३	४	४	४	४	४	४	४	४	४
ग	—	—	रे	रे	रे	रे	रे	रे	रे
को	४	४	सम	सम	सम	सम	सम	सम	सम
३	४	४	४	४	४	४	४	४	४

अन्तरा.

प	ध	नि	सां	—सां	सां	निसां	निसांरें	निध	प	ध	नि
मग	मधु	सां	—सां	सां	निसां	निसांरें	निसांरें	निध	प	ध	नि
४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४
ला	इलि	ला	इ	क	SSरि	ये	४	र	स	४	४
४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४	४

सांरें	सांरेंगं	रेंसां	निसां, निसांरें	रें	नि ध	प ध	नि ध	प ध	धु म	पध
नाऽ	SSS	SS	ताऽ, SSS	की	ऽ	उ	ल	ट	पु	ल
३		४		×	०	२	०	२	०	०
धु म	ग	मरे	ग	-	रे	-	सा	सा गु	रे	-
कै	सी	SS	ऽ	ऽ	नी	ऽ	की	सु	हा	ऽ
३		४		×	०	२	०	२	०	०
नि ध	नि	सा	-मारे	नि	-	ध	प	ध	नि	सा
३				×						
म	हं	ऽ	मद	मा	ऽ	ऽ	ऽ	स	दा	ऽ
३		४		×	०	२	०	२	०	०
नि	-	ध	-	नि	ग	ग	ग	रे	मा	सा
गी	ऽ	लो	ऽ	ने	ऽ	क	च	ल	त	बा
३		४		×	०	२	०	२	०	०
रे	-	ध	-	ध	नि	सा	रे	नि	ध	नि
३				×						
डा	ऽ	री	ऽ	ब	लि	हा	ऽ	ऽ	ऽ	रि,
३		४		×	०	२	०	२	०	०

तोड़ी-त्रिताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि ध	नि	सा	रे	ग	रे	सा	नि	मा	रे	नि ध	-	सा	सा	-	नि	सा	रे
३				४						३			०				
ह	मा	ऽ	रे	तो	ऽ	SS	जे	ही	ऽ	ऽ	स	र	ऽ	SSS	व		
३				×				२				०					

अन्तरा.

ग	ग	ग	म	ध	ध	सां	सां	सां	सां	सां	सां
ना	द्रे	द्रे	तुं	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे	द्रे
×		०		२		०		३		४	
नि	रें	गं	रें	सां	सां	म	ध	नि	ध	प	प
धि	त्ला	ऽ	न्तुं	द्रे	द्रे	धि	त्ला	ऽ	न्तुं	द्रे	द्रे
×		०		२		०		३		४	
नि	मासा	रेरे	रेरे	गग	गग	म	म	ध्र	ध्र	निनि	निनि
धा	किट	तक	धुम	किट	तक	धि	त्ता	गदि	गिन	तिर	किट
×		०		२		०		३		४	
ध्र	ध्र	पप	मंम	म	मं	म	रे	ग	रे	—	सा
नगि	तक	निग	तक	धि	त्ताऽ	धा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	न्न।
×		०		२		०		३		४	

तोड़ी—एकताल (मध्यलय) .

स्थायी.

नि	सां	नि	ध	नि	ध	प	—	म	ग	ग	म	ग
तो	ऽ	न	न	न	तो	ऽ	म	म	न	न	अ	त
४		×	०		२				०		३	
सा	रे	सा	रे	ग	—	म	म	प	म	प	ध	
त	न	दे	रे	ना	ऽ	अ	त	त	न	दे	रे	
४		×		०		२		०		३		

म	ग	ध	—	ध	—ध	ध	—ध	म	ध	नि	सांसां
ना	५	दी	५	५	५म	दी	५म	दा	रा	दी	५म
४		×		०		२		०		३	
सां	—	सांरें	गं	गं	रें	नि	ध	नि	सां	रें	ध
दी	५	स्त५	न	न	त	द	रे	ता	रे	दा	नि।
४		×		०		२		०		३	

अन्तरा.

मं	ग	गुग	मंमं	मंमं	ध	—ध	नि	निनि	सांसां	सांसां	सां	—सां
ना	दिर	दिर	दिर	दिर	दी	५म	तुं	दिर	दिर	दिर	दी	५म
×		०			२		०		३		४	
ध	नि	सां	गं	रें	—	सांसां	नि	सां	रें	नि	ध	—
त	दी	५	म्दी	५	२	५म	त	न	न	ना	५	५
×		०					०		३		४	
प	—	म	प	—	ध	म	ग	म	रे	ग	—	
ता	५	रे	ना	५	रे	ना	५	५	५	५	५	५
×		०		२		०		३		४		
ग	—	रे	म	—	ग	ध	—	ध	नि	सां	सां	
रें	५	रे	ग	५	रे	म	५	रे	दा	५	बि	
ता	×	०	ना	५		ता	५	३		४		
×				२		०						
ध	ध	नि	सां	रें	गं	रें	सां	रें	ध			
त	द	रे	दा	नी	५	ता	रे	दा	नि			
×		०		२		०		३				

तोड़ी —त्रिताल (मध्यलय).

स्थायी.

								मं
								प -
								दीं ऽ
प	ग	रे	सा	ग	रे	सा	सा	मं
ओ	दे	ता	ना	ना	त	दा	रे	प -
०				३				२
प	ग	रे	सा	ग	रे	रे	सा -	नि सा ग म
ओ	दे	ता	ना	दे	रे	ना	ऽ	प ध प -प
०				३				२
प	ध	प	ध	प	ध	म	प	मं
किड	नग	तिर	किट	नग	धे	किड	नग	मं
०				३				२
प	ग	रे	सा	ग	रे	सा	सा	मं
ओ	दे	ता	ना	दे	रे	ना	ऽ	प ध प -प
०				३				२
प	ध	प	ध	प	ध	म	प	मं
किड	नग	तिर	किट	नग	धे	किड	नग	मं
०				३				२
प	ग	रे	सा	ग	रे	सा	सा	मं
ओ	दे	ता	ना	दे	रे	ना	ऽ	प ध प -प
०				३				२
प	ध	प	ध	प	ध	म	प	मं
किड	नग	तिर	किट	नग	धे	किड	नग	मं
०				३				२
प	ग	रे	सा	ग	रे	सा	सा	मं
ओ	दे	ता	ना	दे	रे	ना	ऽ	प ध प -प
०				३				२
प	ध	प	ध	प	ध	म	प	मं
किड	नग	तिर	किट	नग	धे	किड	नग	मं
०				३				२
प	ग	रे	सा	ग	रे	सा	सा	मं
ओ	दे	ता	ना	दे	रे	ना	ऽ	प ध प -प
०				३				२
प	ध	प	ध	प	ध	म	प	मं
किड	नग	तिर	किट	नग	धे	किड	नग	मं
०				३				२

अन्तरा.

धु	सां	नि	ध	प	सां	नि	ध	प	प	नि	-	ध	-	प	-	ध
ओ	दे	ता	ना	ओ	दे	ता	ना	दे	रे	ऽ	ना	ऽ	दी	ऽ	म	त
०				३				२				२				
प	ग	-	-	-	ग	रे	-	सा	-	नि	सा	ध	म	-	ध	-
दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ	धि	ति	ली	ति	ला	ऽ	ना	ऽ
०					३				२				२			

प	प	प	ध	प	ध	म	प	प	ग	-	प	म	ग	-	प	-
नग	डुधि	गडु	तु	नग	तिर	किट	तक	ते	डडा	ऽ	न्ते	डडा	ऽ	न्दी	ऽ	
०				३				×				२				

तोड़ी-एकताल (मध्यलय).

स्थायी.

नि	-	रे	ग	म	म	ध	नि	ध	म	ग	म
दा	ऽ	रा	ते	ऽ	ले	दा	ऽ	रा	ते	ऽ	ले
×		०		२		०		३		४	
नि	-	-	-	-	-	ध	म	ध	नि	-	ध
ध						त	न	दे	ऽ	ऽ	रे
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	०		३		४	
×		०		२							
नि	ध	प	-	म	धनि	नि	ध	प	ध	म	ग
ना	ऽ	ऽ	ऽ	य	लऽ	लि	य	लि	य	लो	ऽ
×		०		२		०		३		४	
ग	ग	गम	धनि	-नि	ध	म	रे	ग	रे	-	सा
अ	य	लोऽ	ऽऽ	अ	य	ला	ऽ	ऽ	ला	ऽ	न्ले
×		०		२		०		३		४	

तोड़ी- एकताल (विलम्बित).

स्थायी.

मम ध्रुग तदा ३ म प दा २ ग ३	ग -मरे S, रेS ध्र नी सारेगरे SSSम्त ध्र मंग दाS	ग रेसा S, दर ग म दी सा ना ग मरेग नीSS ४	रेसा S, दर -ग SM निसा, सा SS, त -रेसा S, दर	ग रे आ X म गर्मम नादिर ३ सा निरे दाS २	सा निरे S ध्रुसां दिरतो -निरेग SSS SSS SSS	रे निरेग SSS निसारें - SSम ४ रेगम गमप SSS SSS SSS
--	--	--	--	---	--	--

अन्तरा.

S १	S	ध्र म Sना ४	ध्रुनिनि दिरदिर	सां तो X	निसांसां SSम	सां तो ०	- म	नि ध्रुनि तन २	सांरें देरे
--------	---	----------------------	--------------------	----------------	-----------------	----------------	--------	-------------------------	----------------

गं रें ५ ०	सांमि नाऽ ()	रेंगं ऽत ३	रें दा ४	सां ५	निसां ऽऽ ()	रें नि रे ×	सांरें दाऽ ()
नि नी ० गं मरे रेंऽ ४	धु ५ गं ५	मधुनि ताऽऽ २ मं गुमं तुं ३ ×	धु रे मं धुनि ५ऽ ५	मं ५ ऽऽ ० सांरें ५ऽ ०	मं धु ऽऽऽ () — ५	धु म ना ३ रें गंरेंसां नाऽऽऽ २	गं ५ निधु ५ऽ,त ()
मधुनिसां दाऽऽऽ ०	रेंधु ऽऽ ()	रेंनि ऽरें ३	धु मं दाऽ ()	गं मरेगं नीऽऽ () ४	—रेसा ५,दर। ()		

तोड़ी-तिलवाड़ा (विलम्बित)

स्थायां.

मं धु ५ ३ गं रें दा ०	पमं गुमं नन दरे — सा नी	नि धु ना × सा निरेगमं दाऽऽऽ ३	धु —प ऽत दा ५ मं गुमं नीऽऽऽ ५	गं ५ ५ निधु,नि ५ऽ,त ()	३ मरे नीऽ २ सा दी ×	गं — ५ रे गं दी	रेरे तारे — — दी
--	--	--	---	--	---------------------------------------	--------------------------------	------------------------------

मपधनि -धु पधु मंगु	धु नि	धु सां निसां रे सां
ताSSS डन्न देरे नाS	म ध ध -धु	दा SS नी S
२- नि सांरें रे	० दा S नी S	३
धुनि सांरें गं -	० नि -धु मधु निसां	रे सांरें गंगरेंसां निधुपमं
नाट्रे तुट्रे दी SM	दी SM तदि याना	रे SS नाSSS SSSS
×	२	०
म		
गरेसासा -धु पमं गुमं		
SSSS डत नम देरे		
१		

अन्तरा.

धु -मे धुनि	सां निसां -नि सांरें	रे	नि ध धुनि सांरें
S S डउ दन	तो SS डस्त दिया	रे S तन देरे	३
३	×	२	धु
गं रे सांनि सांरें	नि ध प -	मपधनि ध प मंगु	ताSSS रे S देरे
S न्ना डत नन	ना S रे S	×	गं
०	३	३	रे - सां -
धु म ध ध -धु	नि सां -धु निसां	दी SM दी SM	३
ना S दी डस्त	दी S डस्त नन		
२	०		

धु	-	धु	धु	नि	धु	प	म	ग	ग
आ	ऽ	दि	अ	न	ह	द	ना	ऽ	द ।
×		२			०		३		

अन्तरा.

प	ग	म	धु	धु	नि	सां	सां	-	सां
म	र	ज	रि	ख	ब	गं	धा	ऽ	र
ख		२			०		३		
×					सां	सां	रें		नि
सां	सांरें	गं	रें	सां	नि	ऽ	ह		धु
नि	(SS)	म	सु	र	आ		३		मि
म		२			०				
×									
धु	धु	निसा	नि	धु	म	ग	रे	-	सा
म	ऽ	यऽ	नि	र	गु	न	ब	ऽ	ह
ला		२			०		३		
×		रें				सां	नि	धु	प
सा	गं	गं	रें	सां	नि	त	में	ऽ	ऽ
रें	ऽ	प	क	ज	ग		३		
व्या		२			०				
×									
धु	-	धु	नि	धुप	म	प	म	ग	ग
आ	ऽ	दि	अ	(नऽ)	ह	द	ना	ऽ	द ।
×		२			०		३		

तोड़ी-भपताल (मध्यलय) .

स्थायी.

ग॒ रे	रे	ग॒ रे	रे	—	सा	सा	सा	—	सा
ल	डे	ह	स	ऽ	न	हु	मे	ऽ	न
×	२				०		३		
मा	—	सा	—	रे	सा	सा	नि	ध	ध
नि	ऽ	मा	ऽ	म	नि	ऽ	य	ऽ	द
ई		२			०		३		
×									
नि	ध	ग	ग	—	ध॒ म	म	ध	—	नि
ध	भ	ट	धू	ऽ	म	म	ची	ऽ	भ
सु		२			०		३		
×									
ध॒ म	ध	ध॒ म	—	ग	म	म	प	ध	नि
ई	ऽ	जं	ऽ	ग	ग	ऽ	ऽ	ऽ	ती ।
×		२			०		३		
ध॒ म	म	म	ग	रे	—				
ल	डे	ह	स	ऽ					
×		२							

अन्तरा.

ध॒ म	—	ग	ध॒ म	ध	नि	सां	सां	सां	—
खे	ऽ	त	बि	र	छा	ऽ	इ	यो	ऽ
×		२			०		३		

रें	—	गं	रें	सां	सां	रें	नि	सां	नि	—
सि	५	घ	के	५	छा	५	०	५	व	५
नि	ध	गं	रें	गं	रें	—	५	—	सां	ध
भ	ले	च	ले	५	ख	५	०	५	झ	गि
ध	ध	नि	सां	रें	सां	सां	नि	सां	नि	प
म	५	५	५	५	हा	५	०	५	थी	५।
रें	५	२	ध	ग	ग	५	०	५	३	सा
प	प	ध	म	५	रें	५	०	५	३	न।
ल	डे	ह	स	५	न	हु	०	५	३	

संचारी.

नि	सा	ध	ध	—	नि	ध	—	ध	प	प
सा	र	व	ला	ऽ	भू	ऽ	मि	प	र	र
क	×	२			०			३		
प	म	प	—	ध	प	ध	म	ग	—	
म	हा	भा	ऽ	र	त	भ	यो	ऽ	ऽ	
×		२			०		३			

मं ग
हु
×
नि ध
न
×

म	प	ध	म	मं ग
वे	सै २	ऽ	य	द ० प म
नि	सा	रे	ग	ऽ
बी	ना २	ऽ	ऽ	ऽ ०

-	रे	सा	-
ऽ	ज ३	ब	ऽ
प	म	ग	-
ऽ	ती ३	ऽ	ऽ ।

आभोग.

ध
म
आ
×
सां
रें
नू
×
प
ध
सा
×
ध
म
बा
×

ग	ध	-	ध	सां
ऽ	म ई २	ऽ	ऽ	नि ज ० सां
-	गं	रें	सां	नि
ऽ	र	को	ऽ	त ०
गं	गं	रें	गं	रें
ऽ	ह २	प	र	भी
ध	नि	सां	रें	नि
ऽ	न	जा	ऽ	ती ०

नि	सां	-	सां
ब	हु ३	ऽ	र
नि	सां	नि	ध
ख	त ३	ले	ऽ
-	सां	नि ध	ध
ऽ	स्त ३	कु	र
सां	नि	ध	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ ।

ध	ध	ध	ग	-	रे	रे	ग	-	मा
ल	डे	ह	स	ऽ	न	हु	मे	ऽ	न।
×		२			०		३		

तोड़ी—भूपताल (मध्यलय) .

स्थायी.

प	ध	ध	ध	नि	ध	ध	प	म	ग
तु	म	स	मा	ऽ	न	न	दू	ऽ	जो
×		२			०		३		
म	ग	म	प	ध	म	ग	-	रे	-
ज	ग	मे	ऽ	मो	रे	ऽ	रा	ऽ	ज
×		२			०		३		
नि	नि	सा	रे	ग	रे	-	सा	-	सा
ध	क	ल	गु	न	सं	ऽ	प	ऽ	न्न
स		२			०		३		
×		सां							
प	ध	नि	सां	-	निध	नि	ध	-	प
म	म	ग	री	ऽ	बऽ	न	वा	ऽ	ज
तु		२			०		३		
×									

अन्तरा.

प	म	ध	म	ध	-	सां	नि	सा	-	सां
भ	र	न	पो	ऽ	ष	न	दु	ऽ	क्ख	
×		२			०		३			

नि		सां	रें	गं	रें	सां	सां	निध
ध	नि	ली	५	द्र	भ	य	ह	र
दा	५	२		मं	०		३	न
×				ग	प	ग	रे	—
ध	नि	ध	प	स	न	नि	वा	५
ख	ट	२	र	०	सां	३	३	म
×				सां	नि	मां	नि	ध
सां	नि	रें	गं	रें	र	म	ग	५
नि	म	हो	५	ध	०		३	ज ।
तु		२						
×								

तोड़ी-चीताल (विलम्बित).

स्थायी.

प	मं	म	ग	रे	सा	सा	ग	म	प	—
ध	मं	रे	र	शि	व	शं	क	र	गं	५
ह	५	३	४	४	×	५	०	२	२	
०										
प	प	ध	मं	ग	ध	म	प	सां	मां	नि
म	ध	म	ग	ग	म	ध	ध	नि	५	र
गा	५	३	४	४	×	५	०	२	२	
०										
ध	प	म	प	ध	म	ग	—	ग	—	सा
व	ती	अ	र	५	धां	५	गी	सो	५	हे ।
०		३	४	४	×	०		२		

तोड़ी-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि	सा	रे	रे	सा	ग	-	रे	-	रे	सा	-
रे	ता	ऽ	अ	ब्रा	ऽ	ना	ऽ	म	को	ऽ	
	४		×		०			२		०	

[illegible]

अन्तरा.

मं		मं	नि		नि	सां	नि	सां	सां सां
प	प	-	धु	-	अ	र	स	कु	र स
जि	ने	५	चो	५	०				४
X		०	२						नि
नि	नि	सां	सां	रें	गं	रें	सां	(निसां)	धु -
सां	धु	-	नि	सां	५	मा	५	५५	न ५
ज	मीं	५	आ	५	०				४
X		०	२						

मं॒धु	नि	मां	नि	धु	प	धु	मं	गु	रे	गु	रे	मा
निऽ	रं	ऽ	ज	ऽ	त	नि	रा	ऽ	का	ऽ	र	
×		०		२		०		३		६		
सा	नि	सारे	धु	मं	धु	धु	नि	धु	नि	धु	प	प
सां	SS	चो	क्यों	ऽ	न	से	ऽ	ऽ	बो	प	र	
×		०		२		०		३		४		
प	धु	मं	गु	रे	गु	रे	मा	नि	सा	नि	धु	नि
व	र	ऽ	दि	गा	ऽ	र,	मे	ऽ	रे			
×		०		२		०		३		३		

तोड़ी—चौताल (विलम्बित)
स्थायी.

धु	प	मं॒प	धु	मं	—	गु	मं॒रे	गु	धु	मं	धु	प
र	नी	SS	न	जा	ऽ	ऽ	SS	ऽ	ये	ऽ	हो	
३		४		×		०		२		०		
—	नि	धु	प	मं	प	धु	मं	गु	—	गु	रे	गु
ऽ	ते	हा	रि	ली	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	या	ऽ	
३		४		×		०		२		०		

तोड़ी-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

नि. ध्रु	नि. रे	सा	रे	सा	रे	ग	—	ग	रे	मा	—	रे
मे	रे	तो	ऽ	तू	ही	—	ऽ	आ	ऽ	न	ऽ	मा
३		४		×			०	२		०		
रे	ग	—	सा	सा	सा	—	सा	—	ग	रे	मा	
न	ध्या	ऽ	न	जि	या	ऽ	जा	ऽ	न	नै	ना	
३		४		×		०	२			०		
—	सा	सा	नि. ध्रु	ध्रु	ध्रु	—	सा	मा	रे	ग	—	
ऽ	नि.	ऽ	न	ह	ज	ऽ	नि.	त	SS	मा	ऽ	
३	प्रा	४		×		०	२			०		
रे	—	प	प	ध्रु	म	ग	रे	ग	रे	सा	नि. ध्रु	
ग	ऽ	म	र	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न, मे।		
३		४		×		०	२			०		
—	नि.	मा	रे									
ऽ	रे	तो	ऽ									
३		४										

अन्तरा.

प	प	—	नि. ध्रु	—	नि	सां	सां	—	सां	सां
अ	न	ऽ	ध्रु	ऽ	न	त	न	ऽ	म	न
×		०	२		०			३	४	

नि	—	ध	सां	सां	गं	रें	सां	नि	सां	नि	ध
ध	५	र	धा	५	म	मा	५	त	पि	ता	५
बा	×	०		५	५	०		३	४		
प											
ध	ध	नि	ध	—	प	ग	ग	रे	ग	रे	सा
गु	रू	५	ज	५	न	स	क	ल	तु	मी	५
५		०		२		०		३	४		
रे	रे	म	प	प	—	म	ग	—	ध	म	ध
नि	सा	ग	म	५	५	५	५	५	५	५	५
दी	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५	५
५		०		२		०		३	४		
ध			ग	ग	सा	—	नि	—	नि	सा	रे
म	ग	रे	रे	—	सा	—	ध	—	नि	सा	रे
५	५	न	मा	५	न	५	मे	५	रे	तो	५
×		०		२		०		३	४		

तोड़ी-चौताल (विलम्बित).

स्थायी.

—	सा	नि	नि	सा	रे	नि	ध	नि	ध	प	सा
५	री	५	ब	ला	५	५	५	५	५	वै	म
३		४	५	×	०	०	५	२	०		जो

ध॒	नि॒	सा॒	—	रे॒	सा॒	—	नि॒	नि॒	सारे॒	ग॒	—
५	घ	री	५	घ	री	५	मो	हे	खि५	जा	५
३		४		×		०		२		०	
रे॒	—	सा॒	नि॒	नि॒	नि॒	सा॒	रे॒	ग॒	रे॒	सा॒	रे॒
५	५	वै	सा	ध॒	५	५	५	५	५	वै,	मे।
३		४	म	ना	५	०		२		०	
				×							

अन्तरा.

ध॒	ग॒	—	ध॒	म॒	ध॒	नि॒	सां॒	नि॒	सां॒	—	सां॒
मे	सो	५	लं	ग	र	ढी	५	५	५	५	ट
५		०		२		०		३		४	
नि॒	नि॒	—	सां॒	रें॒	गं॒	रें॒	सां॒	नि॒	ध॒	नि॒	ध॒
५	५	५	ऊ	५	न	दे	५	५	५	खो	५
×		०		२		०		३		४	
ध॒	ध॒	नि॒	ध॒	—	प	सां॒	—	रें॒	नि॒	ध॒	प
स	ब	न	छां॒	५	ड	नि॒	५	५	हू	५	सों
×		०		२		०		३		४	
ध॒	ध॒	म॒	ग॒	ग॒	रे॒	—	सा॒	रे॒			
मे	५	ह	ज	ना	५	सा॒	रे॒	मे			
५		०		२		०					
×											

i

धु	ग	—	धु	ध	ध	सां	सां	—	सां	—	सां
म	ऽ	ऽ	च	ऽ	ल	स	स	ऽ	प्र	ऽ	भु
×		०		२		०		३		४	
सां	धु	—	सां	सां	रें	गं	रें	सां	सां	नि	धु
नि	म	ऽ	ब	ह	ऽ	ऽ	ना	ऽ	यऽ	क	ऽ
×		०		२		०		३		४	

ध	ध	नि	ध	—	ध	म	ग	ध	सां सां
म	ह	ऽ	भा	ऽ	प	का	ऽ	ऽ	ह न
×		०		२	वे	०		३	४
रें	नि	ध	म	ग	रें	सा	सा	रें	
भा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वै,	मे		
×		०		२		०			

तोड़ी-धमार (विलम्बित).

स्थायी.

रे	ध	म	ध	ध	सां	नि	ध	प	-	-	ध	म	प	ध	-
मंग	म	ध	ध	ध	सां	नि	ध	प	-	-	म	प	ध	-	
भा	५	५	र	च	ल	५	त	५	५	५	ध	र	त	५	
३				×						२		०			
ध	प	म	ध	म	ग	-	रे	-	ग	रे	सा	नि	सा	रे	
म	ग	मप	ध	म	ग	-	रे	-	ग	रे	सा	नि	सा	रे	
प	ग	हि	ग	म	गा	५	त	५	५	५	छि	पा	५	५	
३				×						२		०			
नि - ध ध				सा	म	ध	-	नि	सा	रे	ग	रे	सा	सा	नि
व	५	५	त	म	ध	५	के	५	री	३	ब	च	न,	सं।	
३				×						२		०			

सा	नि	सा	रे	नि	ध	रे	सा	नि
खे	५	५	ले	५	५	फा	५	ला
०			३			५	२	

अन्तरा.

धु	म	ध	नि	सां	सां	मां	नि	मां	मां
म	ब	५	म	खी	५	य	न	मो	ले
५				२		०		३	
नि	ध	नि	मां	रे	मां	नि	सां	नि	ध
मं	५	५	५	ग	ल	गा	५	वो	५
५				२		०		३	
धु	ध	नि	ध	प	प	ग	म	धु	म
अ	प	५	नी	५	अ	प	नी	खे	ले
५				०		०		३	
धु	म	ग	रे	सा	सा				
फा	५	५	५	ग,	ला				
५				०					

इस पुस्तक में आये हुए रागों के स्वर विस्तार

इन स्वर विस्तारों से शिक्षार्थियों के गायन में सुन्दरता आवेगी तथा इस पुस्तक में वर्णित १० रागों के चलन उनके ध्यान में भली प्रकार से आजायेंगे ।

इन स्वर विस्तारों में म्वल्प विराम (कौमा) उचित स्थानों पर रुकने की जगह दिखाते हैं, अतः इन विरामों का विशेष महत्व समझना चाहिये ।

शिक्षकों को चाहिये कि कक्षा में अपने विद्यार्थियों को योग्य रीति से इन स्वर विस्तारों को स्वयं बारम्बार गाकर दिखावें । तत्पश्चात् उनके सम्मुख उसी प्रकार पढ़कर (वांचकर) दिखावें, ऐसा करने से विद्यार्थियों को ठीक-ठीक स्वर स्थानों की समझ तथा योग्य स्थानों पर आवाज को ऊंची-नीची करने की कला, इन दोनों ही बातों का शीघ्र ज्ञान हो जावेगा । जिस प्रकार भाषा की विशेषता प्रत्यक्ष रूप से भाषा को सुनकर शीघ्र ही समझ में आजाती है, उसी प्रकार यह सङ्गीत रूपी भाषा है, ऐसा कहना कुछ अंशों में उचित ही होगा ।

ये विस्तार अच्छी तरह सध जाने पर फिर इनकी सहायता से छोटो-बड़ी तानों को रचने की कला विद्यार्थियों को, शिक्षकों द्वारा समझानी चाहिए । विद्यार्थियों को नई-नई तानें तैयार करने की स्वयं इच्छा हो, ऐसी प्रेरणा शिक्षकों के द्वारा मिलनी सदा हितकारी रहेगी । कौनसी तान ठीक है और कौनसी गलत ? यह बात विद्यार्थियों को कारण सहित समझाई जावेगी तो इससे उनका बहुत हित होगा ।

यमन-स्वरविस्तार.

- (१) ग, रे, सा, निरे, सा, नि, रेग, रेग, मग, प, मग, रेग, रे, नि, रे, सा ।
- (२) निरेग, रेसा, सा, निध, निध, प, पधनि, धनि, रे, गरे, निरेग, रे, निरे, सा ।
- (३) साग, रेग, मग, पमग, ध, पमग, निध, पमग, सां, निध, पमग, ध, पमग, रेग, प, रे, सा, नि रे, सा ।

- (४) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमगरेसा, सारेगमपमगरेसा,
सारेगमपधपमगरेसा, सारेगमपधनिधपमगरेसा,
सारेगमपधनिसां निधपमगरेसा ।
- (५) सा, नि, ध, प, नि, ध, प, नि, ध, नि, रे, ग, रे,
गमपमग, रे, पमग, रे, ग, रे, निरे, ग, रे, निरे सा ।
- (६) सा, रेग, प, म, ग, रे, गमपधनिधपम धपमग पमग
रे, प, रे, सा ।
- (७) सारेगमप, गमप, मप, धप, निध, प, सां, नि, ध, प,
निध, प, मध, प, म, ग, रे, गमपमग, रे, ग, रे, निरे, सा ।
- (८) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमपरे, सा, सारेगमपध-
पमरे, सा, सारेगमपधनिधपमरे, सा, सारेगमपध
निसांनिधपमरे, सा ।
- (९) गग, पधप, सां, मां, निरेंसां, निरेंगंरेंसां, रेंसां, निध,
प, मप, निध, प, मां, निध, प, रेंसां, निध, प, मप,
निधप, मपधप, मग, रे, गमपधनिध, प, मग, रे, पमग,
रे, ग, रे, निरे, सा ।
- (१०) साप, प, मध, प, पध, निध, प, धप, मग, ध, प,
म, ग, रे, पगरे, गरे, निरे, सा ।
- (११) पग, पधप, सां, सां, रेंसां, गंरेंसां, पंरें, सां, निरेंगंमं-
पं, रें, सां, रेंसां, निध प, मप, निध, प, ध, प, मग,
रे, गमपमग, रे, ग, रे, रे, सा ।

बिलावल—स्वर विस्तार.

- (१) ग, रे, सा, सारे, सा, ग, मग, प, मग, मरे, सा ।
- (२) सा, ग, रे, सा, सा, निध, निध, प, धसा, रेसा, ग,
मपमग, मरे, सा ।

- (३) सारेग, मग, प, मग, मरे, गप, ध, प, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।
- (४) सा, निध, निध, प, सा, सारे, सा, सारेगमरे, सा, ग, प, धनिधप, मप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।
- (५) सां, निध, प, धनिध, प, ध, मग, मरे, गपधनिध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।
- (६) सारेगमरे, सा, सारेगमपग, मरे, सा, सारेगमध, प, मग, मरे, सा, ध, सां, निध, प, ध, मग, मरे, सा ।
- (७) सासागमरे, गप, ध, निसां, सारेंगंमरें, सां, सां, रेंसां, निध, प, ध, मग, मरे, गपधनिसां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।
- (८) सारेगम, रेगमप, गमध, प, निध, निसां, गंरेंसां, रेंसां, निध, प, धनिधप, मग, मरे, गमध प, मग, मरे, सा ।
- (९) सारेगमप, गमप, ध, प, निध, निसां, सारेंसां, गंमरें, सां, रेंसां, निध, प, धनिसां, ध, प, ध, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।
- (१०) सारेसा, सारेगमरेरेसा, सारेगमपग, मरेरेसा, सारे-गमधधपध, मग, मरेरेसा, सारेगमपधनिसां, सांनिधपमगरे, सा ।
- (११) सा, ग, मरे, सा, रे, सा, ध, प, ध, सा, ग, गमग, गमध, प, मग, सां, निध, प, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।
- (१२) ग, ग, मग, मरे, गप, धनिधप, ध, सां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।
- (१३) पप, ध, निसां, सारेंसां, सारेंगंमरेंसां, गंमरेंरेंसां, रेंसां, सां, निध, प, धनिसां, निध, प, ध, मग, पं, गं, मरें,

सां, रेंसां, निध, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१४) साध, ध, निध, प, धनिसां, निध, प, ध, मग, मरे, गप, ध, निसां, निध, प, ध, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा ।

(१५) पप, ध, निसां, सां, रें, सां, सारेंगंमरेंसां, सारेंगंमपंगं, मरेंरेंसां, गंगंमरेंसां, रेंसां, निध, प, सां, ध, प, ध, मग, मरे, गमध, प, मग, मरे, सा ।

खमाज—स्वरविस्तार

(१) नि, सा ग, म ग, प, म ग, नि ध, म प ध, मग, प, मगरेसा ।

(२) निसागमपग, म, निध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(३) निसागमपग, म, धप, सां, नि, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(४) सागमपधग, म, ध, प, सां नि, ध, सारेंसां, नि, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(५) गगसागमपगम, निध, मपध, मग, धनिसां, सांनि-
धपमगरेसा ।

(६) निसाग, मगरेसा, प, मग, मगरेसा, निसागमपनि, सां, रें, नि, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(७) निसाग, मगरेसा, गमपगमगरेसा, सारेंसांनिध, मप, निध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

(८) निसा, ग, म, प, म, ध, प, सां, नि, ध, मपध, मग, प, गमगरेसा ।

(९) निसागमप, गमप, धप, निधप, सांनिधप, सारेंसांनिधप, सां नि, ध, मपध, मग, प, मगरेसा ।

- (१०) नि॒साग, मगरे॒सा, गमप॒गमगरे॒सा, नि॒सागमप॒धनि॒सां
सांनि॒धपमगरे॒सा ।
- (११) नि॒साग, मगरे॒सा, गमध॒पमगरे॒सा, नि॒सागमप॒निसांरें
सांनि॒धपमगरे॒सा ।
- (१२) नि॒सागमगरे॒सा, नि॒सागमपमगरे॒सा, नि॒सागमप॒धप-
मगरे॒सा, नि॒सागमप॒धनि॒धपमगरे॒सा, नि॒सागमप॒धनि-
सांनि॒धपमगरे॒सा ।
- (१३) नि॒साग, म, नि॒सागमप॒ग, म, नि॒सागमप॒धपमग, म,
नि॒सागमप॒धनि॒धपम, ग, म, नि॒सागमप॒धनि॒सांनि॒ध-
पमग, म, नि॒सागमप॒धनि॒सांरेंसांनि॒धपम, ग, म ।
- (१४) गमध, मध, नि॒ध, सां, नि॒ध, सांरेंसां, नि॒ध; मधनि॒सां
नि॒ध, सां, नि॒ध, गंमं॒गंरेंसां, रेंसां, नि॒ध, सां, नि॒ध,
मप॒ध, मग, प, मगरे॒सा ।
- (१५) गमधनि॒मां, नि॒सां, नि॒निसांरें, सां, नि॒ध, गंमं॒गंरेंसां,
नि॒सां, प॒निसांरेंसां, नि॒ध, सां, नि॒ध, मप॒ध, मग, प,
मगरे॒सा ।

भैरव-स्वरविस्तार.

- (१) सा, रे, रे, सा, ध्र, सा, रे, सा, ग॒रे, मग॒रे, रे, सा ।
- (२) सा, रे, सा, नि॒सा, ध्र, नि॒ध, प, प॒ध, सा, रे, ग॒रे,
मग॒रे, पमग॒रे, रे, सा ।
- (३) नि॒सा, रे, सा, नि॒साध्र, साध्र, नि॒ध, प, म॒प॒ध, नि,
सा, रे, ग॒रे, मग॒रे, गमपमग॒रे, ग॒रे, रे, सा ।
- (४) नि॒सा॒रे, सा, नि॒साध्र, सा, गमपमग॒रे, गमध्र, प,
मपमग॒रे, गमपमग॒रे, रे, सा ।

- (५) साग, मप, ध, प, मप, मगरे, गमपमगरे, रे, सा; ग, मप, ध, प ।
- (६) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमरेरेसा, सारेगमपग, मरेरेसा, सारेगमपधपमग, मरेरेसा, सारेगमपधनिधपमग, मरेरेसा, सारेगमपधनिसां, सांनिधपमगरेसा ।
- (७) निसामगरेसा, निसागमपग, मरेरेसा, निसागमपग, म, ध, निध, प, मप, मग, रेसा, निसागमपधनिसां—निधमपगमरेसा ।
- (८) निसागमप, गमप, मप, ध, प, निध, प, सां, निध, प, रेसां, निध, निध, प, मप, मगरे, गमपमगरे, रे, सा; गमप, ध, प ।
- (९) निसागमपग, म, ध, निसां, सांरेसांनिध, सांनिध, निध, प, गमनिध, प, मप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, सा; ग, मप, ध, प ।
- (१०) साधपधमपमगरेगमपमगरेसा, सारेसानिध, निसा, गरेगपमगरेसा; ग, मप, ध, प ।
- (११) मप, ध, निसां, निसां, सांध, निमां, रे, सां, नि, सां, ध, प, मग, मप, ध, रे, सां, निध, धप, मग, मरे, गमप, मग, मरे, रे, सा; ग, मप, ध, प ।
- (१२) साध, ध, निध, प, पध, निसां, रेसां, निसां, ध, प, ग, मप, ध, प, मग, रे, गमपमग, रे, सा ।
- (१३) प, प, ध, निसां, सां, निसां, ध, निसां, रे, सां, निसांध, प, मं, गं, मं, रे, सां, रे, सां, निसां, ध, प, मग, मप, ध, प, मग, रे, गमपमग, रे, रे, सा; ग, मप, ध, प ।

पूर्वी-स्वरविस्तार

- (१) ग, रे, सा, निरे, मा, नि, सारेग, रेग, मग, प, म, ग, रेग, मग, ग, रे, सा, निरे, सा ।
- (२) नि, सारेग, रेग, मग, पमग, ध्रुपमग, मग, रेग, मध्रमग, ग, रे, सा, निरे, सा ।
- (३) निनि, सारेग, मग, गममगमग, पध्रमपमग, मग, निरेगमध्रमग, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।
- (४) सा, नि, रेनि, ध्र, प, मप, ध्रनिध्रप, मग, मध्र, नि, ध्रनि, सा, निरेग, मग, रे, सा, निरे सा ।
- (५) सा, निरे, सा, निरेग, रे, सा, निरेगमगरेसा, निरेगम-पमगरेसा, निरेगमपध्रपमगरेसा, निरेगमपध्रनिध्रपमगरेसा, निरेगमपध्रनिसां निध्रपमगरेसा, नि, सारेग ।
- (६) निरेगमप, गमप, मप, ध्रप, निध्रप, सां, नि, ध्र, प, रे, नि, ध्र, प, मपध्र, मप, मग, मग, निरेग, ध्रमग, रे, सा, निरे, सा ।
- (७) साध्रपध्रमपमग, मरेग, मगरेसा, निरेगरेसा, पमगरे-गमगरेसा ।
- (८) निरेगमप, गमप, ध्रप, निध्र, प, मपध्रमप, मग, मग, निरेगमपमग, मग, ध्रपध्रमपमग, मग, निरेगमध्रमग, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।
- (९) निरेग, निरेगमग, निरेगमपमगमग, निरेगमपध्रपम-गमग, निरेगमपध्रनिध्रपमगमग, निरेगमपध्रनिसां-निध्रपमगमग, निरेगमपध्रनिसारेंनिध्रनिध्रपध्रपमगमग, निरेगमध्रमग, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।
- (१०) मग, मध्रम, सां, सां, निरें, सां, निरेंगंरें, सां, रेंसां, नि,

- ध, रे, नि, ध, प, मधुनि, रेनि धप, पधमप, मग,
मग, निरे, ग, मधमग, रेग, ग, रे, सा, निरे, सा ।
- (११) सा, प, प, मपध, प, निध, प, सां, नि, ध, प, मप,
निध, प मपधमपमग, निरेगमधमग, रे, ग, रे, सा,
नि रे सा ।
- (१२) मग, मधुप, सां, सां, निरेसां, निरेगंरेसां, निरेगंमगं-
रेसां, गंरेसां, रेसां, नि, ध, प, मधरेनिध, प, मपधम-
प, मग, मग, निरेग, मधमग, रेग, रे, सा, निरे, सा;
नि, सारेग ।

मारवा-स्वरविस्तार

- (१) ग, रे, सा, नि रे, सा, निरेग, रेग, मग, रे, सा ।
- (२) निरेग, मग, धमग, रेगमधनिध, मग, रे, ध, मग, रे,
ग, रेसा, निरे, सा ।
- (३) निरेग, मधमग, निध, मग, निरेनिधमध, मग, ध, मग,
मग, रे, सा, नि रे, सा ।
- (४) सा, निरेनिध, मधसा, रे, गरे, मगरे, धमगरे, निधम
गरे, गमध, मगरे, गरे, सा, नि, रे सा ।
- (५) निरेसा, निरेगरेसा, निरेगमगरेसा, निरेगमधमगरेसा,
निरेगमधनिधमगरेसा, निरेगमधनिरेनिधमगरेसा ।
- (६) धमधमगरे, गमगरेसा, निरेसा, निरेनिध, मधसा, निरेगम-
गरेसा, निरेगमधनिरेनिधमगरेसा ।
- (७) निरेग, रेग, मग, धमग, निरेनिधमग, निनिधधममगग,
रेरेनिनिधधममगग, रेगमधनिधमग, निधमगमगरेसा ।
- (८) मग, मधम, सां, सां, निरेसां, गंरेसां, मगंरेसां,

निरेसां, निरेनिध, मध, निधमग, रेगमधनिधमग, ध मग,
मग, रेसा ।

(६) साध, ध, निध, मध, निध, मगर, गमध, निध, मग,
रे, ग, रेसा ।

(१०) मग, मध, म, सां, सां सारिंसां निरेगंमगरेंसां, मगरेंसां,
रेंसां, रेंनिध, मध, निधमग, रे, गमधमग, रे, ग, रे,
सा, निरे, सा ।

काफी—स्वरविस्तार.

(१) सा, रेरेग, सा, रेप, मप, धप, मपधमप, ग, रे, रेग
रेमगरेसा; सारेरे, ग, सा, रेप ।

(२) निसा, मगरेसा, निसा, धनिसा, रेगरे, मगरे, पमगरे,
धपमपगरे, निधमपधमपगरे, रेगरेमगरेसा; निमारेग,
सा, रेप ।

(३) निसाग, रे, म, ग, रे, प, मपग, रे, धमपगरे,
निधपमपधमपग, रे, सांनिधपमपधमपग, रे, रेगरेम-
गरेसा, सारेरेग, सा, रेप ।

(४) सा, रेसा, निधनिसा, धनिसा, मधनिसा, धनिसा
ग, रे, म, ग, रे, प, मप, ग, रे, सारिंसांनिधपमप-
सांनिधपमपगरे; रेगरेमगरेसा, सारेरेग, सा, रेप ।

(५) सा, रेप, मप, धप, धनिधप, सांनिधप, रेंसांनिधप,
सांनिधप, मपधमप, ग, रे, निनिधपमपधमप, ग, रे,
प, ग, रे, रेगरेमगरेसा, सा, रेग, सा, रेप ।

(६) सा, गमप, गमपधनिधप, गमपधनिसांनिधप, गम-
पधनिसारिंसांनिधप, गमपधनिसारिंमगरेसांनिधप, सां,

निधप, धप, मपधमप, ग, म, ग, रे, रेगरेमगरेसा;
साररे, ग, सा, रेप ।

(७) साररेग, सा, रेप, म, पधनिसां, निधपमगगरेरे, रेनि-
धनिपधमप, मगमप, म, सान्ति, सागरेमगरेसा;
साररेग, सा, रेप ।

(८) सांनिधप, निधपम, धपमग, मगरेसा, सागरेग, सा, रेप ।

(९) गंगरेंसां, रेंसांनि, सांसांनिध, निनिधप, धधपम, पप-
मग, ममगरे, मगरेसा, सारेमपधनिसारेंनिधपमग,
रेसा; साररेग, सा, रेप ।

(१०) म, पध, निनिसां, निनिसारेंसांनिध, सारेंसांनिध,
मप, निधमप, ग, रे, रेगरेमगरेसा; साररेग, सा, रेप ।

आसावरी-स्वरविस्तार.

(१) सा, रेम, प, प, ध, प, धम, पधमप, ग, रेसा;
रेम, प, प, ध, प ।

(२) सा, रेम, प, प, ध, प, निध, प, सां, नि, ध, प,
मपधमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(३) सा, रेसा, निध, निध, प, मपध, सा, रेमपधमपग,
रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

(४) सारेम, रेम, प, प, ध, निध, सांनि ध, प, रेंसां,
निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा; रेम, प, प,
ध, प ।

(५) सारेमप, प, ध, प, निध, प, सां, निध, प, रेंसां,
निध, प, गंगरेंसां, रेंसां, निध, प, मपनिध, प,
धमपग, रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।

- (६) सासामगरेसा, रेमपधमपग, रेसा, रेमपनिधपधमपग,
रेसा, रेमपनिधसां, निधप, धमपग, रेसा; रेम, प,
प, ध, प ।
- (७) सारेसा, सारेगरेसा, सारेमपग, रेसा, सारेमपधमपग,
रेसा, सारेमपधनिधपधमपग, रेसा, सारेमपध, सां,
सांनिधपमगरेसा; रेम, प, प, ध, प ।
- (८) सां, रेंसां, गं, रेंसां, मंगरेंसां, रेंसां, निध, सां, निध,
नि ध, प, मप, सां, निध, प, म, प निध, प, मपधमपग,
रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।
- (९) सासा, ध, प, निध, प, मपनिध, प, धमपग, रेसा,
साग, रेसा, रेसा, निधप, मपध, सा, रेमपधम, पग,
रे, सा; रेम, प, प, ध, प ।
- (१०) सारेमगरेसा, सारेमपधमपग, रेसा, सारेमपधनिधप-
धमपग, रेसा, सारेमपध, सां, निधपधमपधमपग, रेसा;
रेम, प, नि, ध, प ।
- (११) मर, ध, ध, सां, सां, ध, सां, रें, रें, गं, रें, सां, रेंसां,
निध, निध, प, मप, गं, रेंसां, रेंसां, निध, प, मपनिध,
प, सां, निध, मपधमप, ग, रे, सा; रेम, प, सां, ध, प ।
- (१२) सांध, ध, निध, प, सां, निध, ध, प, धम, पनिध, प,
धमप, ग, रे, रे, सा, साध, सा, रेम, प, धमप, ग, रे, सा ।
- (१३) म, पध, सां, सां, गुरेंसां, मंगरेंसां, गुरेंसां, रेंसां, सां,
ध, निध, प, मपध, गं, रें, सां, रेंसां, निध, निध,
प, मप, सां निध, प, मपनिध, प, धमपग, रे, सा;
रेम, प, सां, ध, प ।

भैरवी-स्वरविस्तार.

- (१) ग, सारेसा, ध, नि, सा, ग, मगरेसा ।
- (२) सा, नि, सा, ध, नि, सा, ग, मग, पमग, रेसा, मगरे, सा ।
- (३) नि, साग, मग, पमग, धपधमपग, निनिधधपधमपग, पग, मग, सा, रेग, मगरेसा ।
- (४) नि, साग, रेग, मग, पमग, पधमपग, निनिधधपधमपग, सां, नि, ध, प, धमपग, रेसा, रेग, मगरेसा ।
- (५) नि, सागगरेसा, नि, सागमपग, मगरेसा, नि, सागमपधमपग, मगरेसा, नि, सागमपधनिधपधमपग, मगरेसा, नि, सागमपधनि, सांनिधपधमपग, मगरेसा ।
- (६) सा, नि, ध, प, ग, म, ध, नि, सा, धनि, सा, रेसा, मगरेसा, नि, सागमप, ग, मगरेसा, नि, सागमपधनि, सांनि धपमगरेसा ।
- (७) नि, सागमप, गमप, धप, निधप, सां, नि, ध, प, गं, रे, सां, नि, ध, प, सां, नि, ध, प, नि, ध, मपग, सा, रेग, मगरेसा ।
- (८) साधपधमपगम, निध, सा, रेगम, गरेसा, धनि, सारे, नि, सा, पमगरेसा ।
- (९) सारेग, रेगम, गमप, मपध, पधनि, धनि, सां, सांनिध, निधप, धपम, पमग, मगरे, गरेसा, नि, सागमपधनि, सांनिधपमगरेसा ।
- (१०) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमगरेसा, सारेगमपमगरेसा,

सारंगमपधपमगरेसा, सारंगमपधनिधपमगरेसा, सारंग-
मपधनिसानिधपमगरेसा ।

(११) सा, ध, निध, गमध, ध, नि, सा, ग, पग, धपग,
धधमपग, रे, मगरेसा ।

(१२) ध, मध, निसां, सां, रेंसां नि, नि, सां, गुरेंसां, नि,
ध, प, साध, प, धमप, ग, म, नि, ध, प, ग, म,
ग, रे, सा ।

(१३) सा, ध, प, ध, मपम, सा, रेग, म, ग, रेसा, रेसा,
ध, निसा, सारसा, सा, रेग, म, ग, रेसा ।

(१४) ध, मध, निसां, सां, रेंसां, गं, रेंगं, मंगं, रेंसां, गं,
रेंसां, सां, रें, निसां, ध, सांध, प, सा, ध, पधमप,
ग, पग, सा, रेग, म, ग, रेसा ।

तोड़ी-स्वर विस्तार.

(१) ग, रे, सा, नि, सारंग, मग, धमग, रेग, रे, सा,
निरे, सा ।

(२) नि, सारंग, मग, प, मध, प, मपध, मग, ध, मग, रे,
सा, निरे, सा ।

(३) निनि, सारंग, मग, धमग, मधनिध, प, मपधमप, मग,
ध, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(४) सारंग, रेग, मग, धमग, निध, प, मपध, मग, रेंनि-
धनिध, प, मपधमप, मग, धमग, धनिसारंग, मग,
धमग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।

(५) सा, निसा, रे, निध, निध, मध, निसा, धनिसा,
रेगरेसा, मग, रे, सा, मधनिध, प, मधमग, रे, सा
नि, सारंग ।

- (६) सा, निधु, निधु, प, मपधु मग, मधु, नि, धुनिसा,
रेगरेसा, धुनिधुपमग, रेसा, निसागमधुनिसां, निधु-
पमगरेसा; निनि, सारेग ।
- (७) सा, रेसा, ग, रेसा, मग, रेसा, धमग, रेसा, निधुमग.
रेसा, रेंनिधु, निधुप, धुमग, रे, सा, नि, सारेग ।
- (८) सारेसा, सारेगरेसा, सारेगमगरेसा, सारेगमपमगरेसा,
सारेगमपधुमगरेसा, सारेगमपधुनिधुपमगरेसा, सारे-
गमपधुनिसांनिधुपमगरेसा, निनि, सारेग ।
- (९) निसागमप, गमप, धुप, निधु, प, सां, निधु, प, मप-
धुनिधुप, मपधुमपमग, नि, सारेग, धुमग, रेग, रे,
सा, नि, सारेग ।
- (१०) निसागमधुनिसां, धुनिसां, रेंसां, गं, रें, सां, निसारें,
निधु, रेंनिधु, निधु, प, मधुनिसारेंगेंसां, निधु, निधु,
प, मपधुनिधुप, मपधु, मग, धुमग, रेग, मग, रे, सा,
निरे, सा ।
- (११) मग, मधु, नि, सां, सां, निसां, निधु, निसां, रेंगं, रें,
सां, नि, सां, रें, निधु; निधु, प, गं, मगं, रें, सांनि,
सां, रें, निधु, मधुनिसां, रें, निधु, निधु, प, मपधुनिधु,
प, मपधु, मग, धु, मग, रेग, रे, सा, निरे, सा ।
- (१२) सा, ध, ध, निधु, प, मप, मधु, नि, रेंनिधु, प, म,
पधु, मग, रेग, रे; सा ।
- (१३) मग, मधु, सां, सां, रें, सां, रेंगेंसां, मगं, पं, मगं, रें,
सां, निसां, रें, निधु, रेंनिधु, प, मधुनिधु, प, मपधु,
मग, गं, रें, सां, निसारें, निधु, निधु, प, मधुनिधु,
प, मपधु, मग, रेग, ध, मग, ग, रे, सा, निरे, सा

चीजों की सूची.

	पृष्ठ		पृष्ठ
अ.		आज और काल और.	१०८
अखियां लागी रहत.	३६०	आजको सिंगार सुभग.	११३
अचरा छोरो अब.	१५६	आज तो सखिरी देखे.	१५२
अति अरुण बरन पिया.	८६	आज नंदलाल सखी.	२०७
अति अलसानि री.	३८५	आज मन बस गई.	३२७
अति प्रताप तेरो.	३७८	आज मोरे आये सो.	३४२
अति सांडे नाले गलांकरके.	३६५	आज रसमाते होरी.	२३१
अनत कहा जिन जावो.	१७४	आदि अनहद नाद.	४६८
अनाहत नाद अकास.	३०६	आनावे मिल जानावे.	२६१
अनि मेंकी तन्हां.	३४	आये भैरव भोला.	२००
अब कब तक तरसाये.	१३५	आये रंग सों भीजे.	१६२
अबके टेक हमारी.	३४७	आयेरी मेरे धाम.	३३८
अबके समें फागुन	१६१	आयो फागुन मास.	३८६
अब चतुर दंडिमत्.	२६७	आयोरे जीतही राजाराम.	३८२
अब तोरि बांकी लो.	४०१	आली देखो भोर भई.	४२७
अब तो सैली उगे.	३६४	आले नवी औलादे.	२७
अब न जगावो प्यारे.	१७३	आवन कह गये.	२३६
अब मोरे राम-राम रे	४४६	आहत अनहद भेद.	३१
अरी येरी आली.	३५	आहो कैसे जान पाओगे	२७७
अरे मन समझ-समझ	३६१	उ.	
अरे मन हरसों करे.	१२६	उदतन देरेना.	३०१
अरे मोरे सैया खता.	१३८	ए.	
अल्ला जाने अल्ला जाने.	४३७	एकपल छिन कवहूंना.	१८७
अल्लहैया विलावल.	७७	एजि मेरे भोरे आये.	३६८
अवगुनन की.	२३	एजू काल की ग्वालन.	११८
अवगुन बकस करम.	२८६	ए तकत हूँ तेहारी.	६७
आ.		ए तारी डफ बाजत.	१००
आई है खेलन फाग.	३८७		

	पृष्ठ		पृष्ठ
ए मकदूम साहेब.	२५८	कान्हा ऐसी बंसी बजाई.	४२७
एरि ऐ मैं कौन जतन.	३५१	कारि करूं मैं एक पल.	३६८
एरी लाल मिले जिया.	४५	काहूको ना इनको	६६
एरी सखी तोहे पूरबी.	२३६	काहे छेड़ो मोहे हो श्याम.	३२१
ए हूं तो बार-बार जाऊँ.	१८२	किधों तो वे चेटक.	७१
ऐ.		किर्पा करोरे मो मन.	४५०
ऐमन कल्याण.	२०	केसर घोरके.	७२
ओ.		कैसी ये भलाई रे.	३६४
ओदतन दीम्-दीम्.	६६	कैसे होरी खेलत है.	३१४
ओदन तोस्तनन.	१६८	कोयल बोले माई.	१६३
ओदना तोस्तननदेरे.	१४१	को समभावो रे कहो.	४५६
ओदाताना द्वेताना.	३७४	क्या गुलाल सैया मोपे.	४२४
ओदेतन देरेना.	१४२	ख.	
ओदेले ते देलेतन.	५४	खेलन लागे हरि जू होरी.	२१०
औ.		ग.	
औसर लाग रही.	१८८	गंगाधर त्रिनयन.	२२६
क.		गायक सब मिल विचार.	३१२
कगवा बोल रही रे.	३६६	गांव-गांवकी लुगैयां.	३१०
कगवा बोले मोरि.	२४०	गुनि गावत काफि राग.	३२०
कदर पिया नैया मोरि.	३२५	ग्यानन मों ग्यानी.	२७४
कर कपाल लोचन.	२६५	ग्यान मदमाते.	२०३
करीम रहीम बंदेनवाज.	१६६	च.	
कललि म्हाने दारुडी.	४४०	चतुर राग गायो.	३५८
कवन बटरिया गइलो.	८८	चरन परसत.	२४५
कहे सखी कैसे के करिये.	४८	चरनन सुख.	६५
कहो सखी पिया के.	३४	चलोरी माइ औलिया.	२४३
कंथा मोरे ये जिन.	६७	चलो हटो गिरधारी श्याम.	२६३
काउ कि रीत को करे.	२८८	छ.	
काजर कारे अति सुक.	२४५	छांडो-छांडो छैला.	३२६
कान्ह करत मोसे रार.	४३६	ज.	
कान्हा बांसुरी बजावे.	१६१	जगत जननि जगदंब.	२८७
कान्हा मोहे आसावरी रागे.	३५६	जाग उठे सब जन.	८१

	पृष्ठ		पृष्ठ
जागे मेरे भाग आज.	३४०	तननदेरे नातदानि.	४६६
जा-जा रे पथिकवा मोरे.	४४८	तननन तनना.	३०५
जा दिन विछुरे.	४२१	तनन नादेरे नाद्रेना.	१०२
जानेदा मोहे छारो.	३३३	तनननाद्रे दानि.	३७२
जाय तू मन गुरुचरन.	३६४	तनना द्रेद्रे तोस्तनन.	५६
जावो कदर नाही.	१५७	तव कहत अल्लहैया रूप.	७६
जावो मोहन मोरे फंद.	२८६	तव कहत चतुर.	१२४
जिऊ मोरा चाहें पिया.	४५१	तव कहत खिलावल.	७६
जिन डारो रंग मानो.	३२३	तान ताल सोंही गाइये.	६४
जियरा हुलसेना मोरे.	१८५	तीवर गमधनि सुर.	२८४
जिया निकसोइ आव.	२६८	तुम समान न दूजा.	४७३
जियो करो कोटि वरस.	३८	तू अय याद कर रे.	२०१
जो तू रचो समान.	४१७	तू ही भज-भज रे.	६०
जोरे-जोरे छुवो नाही.	३२६	तेरोही चन्द्रचदन.	१५०
झ.		तेले नादिरदीम.	५८
झांझन मोरा झनकाई.	२६६	तोस्तनन तनन.	३०३
ट.		तोस्तनन तोस्तनन.	४६३
टुनवाहे माई करदे.	२५१	तोरी छवि मो मनही.	४५५
ड.		तोरी बनवारी रे.	३६७
डारत केसर पिचकारि.	४२६	द.	
ढ.		दरादानी दरादारा.	५६
ढोलन मांड़े जाने.	६२	दर्द की सफाई अल्ला.	२५६
त.		दारातेले दारातेले.	४६२
नदानिदानि तोस्तन.	४०८	दियरा मैं बारूंगी.	५१
नदारेदर आदानी.	४६५	दिरदिर तनन.	४११
तनदेरेना तद्रेना.	२६४	दीम् ओदेतानाना.	४६१
तनदेरे नादानि.	३३६	दीम्त दीम्दीम्तनद्रेना.	६८
तनन तनन तनदर्ना.	१६७	देओ दरस मोरे प्यारे.	४४२
तनन तनन तोस्तन.	२६२	दैया कहां गये लोग.	६०
तनन तन नादिर.	४१०	दैया बट दूभर भई.	४५४
तनन दिरदिर तानोम.	४०७	द्रेद्रेद्रे तन देरेना.	१०१

ध.	पृष्ठ	पिया मोरे अनत देस. ...	पृष्ठ
धन धन मूरत कृष्ण. ...	१७२	पियासनवा मोरी.	२६१
धन घरी धन सुदिन ...	४१६	पिया संग खेलत प्यारी. ...	४४१
धाय धाय मेरे गरज. ...	३४१	पीर दस्तगीर हजरत. ...	६२
धूनसों बाजे सों सखी. ...	१३६	पीर निजामोदीन. ...	२५०
धैवत कोमल कर. ...	१६६	पीवन लागो माधमत. ...	६१
न.		पुरवि के सुर गाय. ...	२३७
नइ रे लगन मोरी. ...	२४६	प्याला मुझ भरदे. ...	१७६
ननदिया चवाव. ...	२६६	प्रथम मंजन कर. ...	३०७
नमन करूं मैं मानुं गी. ...	१२७	प्रथम शरीर ज्ञान. ...	६८
न मानुं गी न मानुं गी. ...	१३०	प्रभु दाता सबन के. ...	१८१
नाहिं परत मैका चैन. ...	४०६	ब.	
निकाला निराला. ...	३४६	बढैया लाओ लाओ रे. ...	३६५
नैन अलसाने भारे. ...	३७६	बनत बनाऊं बन. ...	२३८
नैया मोरी पार करो रे. ...	२५२	बनरे बलैया लूं गी. ...	४१
प.		बरनी न जाये हो तेहारि. ...	४७७
पट तोरे कवन. ...	४३	बरसत घनसाथ बूँद. ...	३७६
परदेसवा जिन जाइयां. ...	१४०	बलिबलि जाऊं मधुर. ...	८६
पलक दरियाव मेरा. ...	१६०	बाजो रे मंमदसा. ...	४५२
पलकन से मग झारूं. ...	४७	बादर भूम भूम आये. ...	२२०
पवन चलत पुरवैया. ...	१७७	बाबुल मोरा नैयर छूटो. ...	४०४
पहरवा जागो-जागो रे. ...	३६७	बारवार आवत मेरे. ...	११६
पायो रे पीरे पुरन. ...	२७०	बालमुवा मोरे सैया ...	१८४
पालना पल पल गाऊं. ...	१०६	बिकरत जव धगरी. ...	४३३
पियरवा की बासे ...	२५३	बिना रे खिबैया नैया. ...	४०५
पियरवा तेहारी. ...	२४	बिन हर कौन खवर. ...	१६५
पिया की नजरिया. ...	३३	बिश्नू चरण जल. ...	२११
पिया भूम भूम मोहे. ...	३३५	बीर वामनवा सगुन. ...	३७०
पिया मिलन की बारी. ...	१८३	बेगलिया पतिया. ...	४३६
		बोलन बिन कबहूँ. ...	२६२
		ब्रिजमें हरि होरी ...	३४५

भ.	पृष्ठ	मैं वारी सैया और वारूँ ...	पृष्ठ
भज मन करुणानिधान ...	२२	मोतियन की भालर. ...	३३४
भज हरिनाम तू ...	३७	मोरे मन जाय शरन. ...	४३४
भलोरी तेरो जोवन. ...	२७६	मोरे सैया नहिं आए ...	१३३
भवानी दयानी महाबाक ...	४१५	मौजा माणि होथें ...	२४८
भस्म अंग गवरि संग. ...	४२०	मौमदी मौमदी. ...	२०५
भैरव लच्छन गाय. ...	१७०	य.	
भैरवी कही मन मानी. ...	३६२	या नवी या रसूलिल्ला. ...	४२
भोर भईलो प्यारे. ...	१७८	यारदामेनुं नितदानीहो. ...	५२
म.		यारेमनू यलली. ...	५७
मथुरा न जावो ...	२४४	ये गननायक. ...	२२३
मनमस्त जामे. ...	२५४	ये मेहबूब पीरे. ...	२५६
मनवा मोरा नाही रहत ...	४४५	र.	
मनहरवा रे. ...	८२	रबसों नेह लगा तु. ...	८०
मना तू काहे न धीर ...	३२	रहि है कैसे बिजुरी. ...	३३२
म, प नि धु पम. ...	३५६	रंग लाल रूप लाल. ...	१४७
महादल बिकट. ...	३०६	रंगीली राम की अखियां ...	२४२
महुँमद आरबी. ...	४६	राम जै-जै मन भावन. ...	३७१
मंदर मन लाये ...	२६	राम सुमिर मोरें प्यारे. ...	४४४
माइ मेरे नैनन बान. ...	२४६	रावरे काना मनमेरो. ...	४००
माई मोहे काहुकी. ...	२६६	ल.	
माइरी बरजो ना मानत. ...	१५१	लड़े हसन हुसेन. ...	४७०
माइ एकतो कथा. ...	६३	लंगर कांकरिया जिन. ...	४३८
मुर्काके कलाई ...	३३१	लंगर तुरक जिन छुवो. ...	२८
मेरा मन बांध लीनों ...	४६	लाइली लाइ फूले. ...	८५
मेरी अखियन के भूपन ...	३६२	लाल अलसाने भंरें ही ...	२३०
मेरी पत राखलीजो. ...	२७२	लाल अलसाने हो तुम. ...	३७५
मेरी बलावै जो घरी. ...	४८०	लाल मधमाते. ...	४८४
मेरे तो अल्लानाम को. ...	४७५	लाल मनावन मैं चली. ...	४५६
मेरे तो तू ही आनमान. ...	४७६	ले तेरी लकरी. ...	१०४
मेहेर की नजर कीजे. ...	१७६	लोचन लाल लाल. ...	२७३
मैं तौ अपने सैया सन ...	४४३		

	पृष्ठ		पृष्ठ
व.		सा, रे रे ग.	१६७
वहीं क्यों न जावो कृष्ण ...	२४७	सांव सदाशिव भोला	१७१
श.		सांवरोदि सुरत.	३६
शारदा विद्यादानि.	४१३	सांवल मोहना में.	१२७
शारदा सरस्वती.	२१४	सुघर सुघर बैठे.	२६०
श्यामसुन्दर बनमाली.	१३६	सुधि न लीनी जबसे गये.	१२८
स.		सुधि विसर गई आज.	१४५
सखि अब कैसे करत है ...	३२८	सुनसुन बतियां.	२६५
सखि आज प्रमाद भईला ...	४०२	सुमरन करूँ मैं तोरा.	४०
सखि मेरो मन लीनो.	१३१	सुरत बिसारी काहे.	११२
सघन बन छायो.	२१७	सुन्दर तेरे मुख सें.	३५२
सब गुनिजन इमन	२१	सोलह कला जामें.	१४३
सब निस बरजोरी करत.	४४७	सोहेला नंदके गावो.	५०
सब मिल गावो बजावो.	२२७	सौतन के संग	३३७
सब सखियां मिल.	१२५	ह.	
समभक्त नाहि पनघट.	१३७	हम आये फाग खेलन.	३१६
मरस प्रताप तेज बल.	१०५	हमारे तो जे ही सरवर	४५८
सलाहेकार कुजामन.	२६०	हरहर शिव शंकर.	४७४
सलोना रे बालम मोरा.	५३	हरिसों चक्र धराऊं	८४
संगत अनाघात.	१४६	हे गणराज महाराज.	३०
संभार चलत धरत.	४८३	हों नन्दलाल अति.	३६६
साँचे सुरन गाये.	४३१	होरी आज जरे.	१५४
साधो विद्याधर.	२०८	होरी खेलत मोसे.	१५६
सारी रैन बनावन.	६५		

* समाप्त *

शुद्धि-पत्र क्रमिक पुस्तक मालिका (दूसरा भाग)

स्वरलिपि वाले पृष्ठों में लाइन गिनते समय हैडिंग, कणस्वर व ताल चिन्हों की लाइनें छोड़कर केवल स्वरलिपियों की लाइनें गिनी जायेंगी ।
मैटर वाले पृष्ठों में सब लाइनें गिनी जायेंगी ।

पृष्ठ	लाइन	कालम	अशुद्ध	शुद्ध
१४	१६	०	विविष्टवर्ण	विशिष्टवर्ण
१७	१३	०	पगौ गरी परी च सः	पमौ गरी परी च सः
२३	३	४	सां सां	सां सां
२५	३	४	— रे सा नि	— रे सा नि
२६	५	२	ग — ग	ग — ग ग
४२	६	४	नि	निध
६१	७	६	ध	ध
६१	११	२	प	प प
६१	११	२	ग	ग रं
६४	११	१	नि	नि
६४	११	१	सां गं	सां गं
६७	१२	४	क ऽ	कौ ऽ
६८	३	१	सा ध	सा ध
६८	३	१	नि नि	नि नि
७५	२	०	प्राहूण	प्राहूणे
८०	१	४	नि	नि
८०	१	४	प ध नि	प प ध नि
८५	२	२	र नऽ,वऽऽ	रै नऽ,वऽऽ

६८	७	३	सां - गं	सां - गं रें
१२०	५	४	ग रे -	म रे -
१२०	७	२	नि— सां सां	नि— सां सां
१२१	५	०	श्रौतुरप्पेय रागः	श्रौतुरप्पेय रागः
१२६	४	२	ता ऽ सा हि	ता ऽ सो हि
१२७	६	२	ध ध (म) ग	ध ध (म) ग
१५६	४	२	मो ऽ हे र	मो ऽ हे ऽ
१६८	१	४	- ध	- ध
१८७	६	२-३	गम ग(म)ग ग रे	- मग म(म)ग म रे -
१६५	११	६	प मपध	प मपधप
१६७	५	१	धध पम प -	धध पम प -
२१८	१२	५	ऽ का	ऽ की
२१६	१	४	प	प प
२१६	२	४	फ	फ र
२२०	८	३	ऽ या	ऽ यो
२२३	२	१	सा ऽ	सो ऽ
२२६	५	६	मप प	मप म प

२४६	१	४	ध मं ग मरे ग	ब मं ग मरे ग
२६५	१	२	मंमंगरेंसांनि ()	मंमंगरेंसांनि ()
२६६	६	२	नग रऽ ()	नग ऽर ()
२६६	६	२	ध मं	ध मं
२६८	११	५	रेंरेंनिरे ()	रेंरेंनिरे ()
३०५	२	२	ना ऽ नाऽ ऽन,न ()	ना ऽ नाऽ ऽ,नन ()
३०५	६	१	ग	गं
३०६	हैडिंग	०	मारवा भ्रपताल (विलंबित)	मारवा-भ्रपताल (मध्यलय)
३१७	१३	०	मगौ रिधौ	मगौ रिसौ
३३८	५	४	सा नि	सा नि
३३३	५	४	गरेनिसा ()	गरेनिसा ()
४०३	१०	२	न्त ता ऽ	न्त रि ता ऽ
४०६	१	४	सा रेंनि ()	सा रेंनि ()
४२२	१	४	ग ग -	म ग -
४२२	६	३	प पम ()	प मष ()

४४७	६	१	रेरेसानिसा <u> </u>	रेरेसानिसा <u> </u>
४५८	५	२	सा -सारे <u> </u>	सा -सारे <u> </u>
४६५	१	४	रे निरेग <u> </u>	रे निरेग <u> </u>
४६८	१	३	मंगंगरें सांनिधुप मंगरेसा <u> </u> <u> </u> <u> </u>	मंगंगरें सांनिधुप मंगरेसा <u> </u> <u> </u> <u> </u>
४७३	११	१	म म प ग	म म प ग
४७३	११	४	सा - सां	सां - सां
४७७	७ व ८	६	ध ब	ध ब
४८८	२१	०	रे, ग, रे, रे, सा ।	रे, ग, रे, नि रे, सा ।
४९४	१२	०	ग, रेसा, निरे, सा ।	ग, रेसा, निरे, सा ।
४९५	१४	०	निधपमपधमपग,	निनिधपमपधमपग,
४९६	१०	०	गं, रेंगं, मंगं	गं, रेंगं, मंगं
५००	४	०	धमग	धमग
५०४	२४	१	पायो रे पीरे पुरन	पायो है पीरे पुरन

संगीत सम्बन्धी प्रकाशन

संगीत सागर-सङ्गीत का विशाल ग्रन्थ, हर प्रकार के साजों को बजाने की विधि तथा ५०४० स्वर विस्तार दिये हैं। मूल्य ६)

फिल्म संगीत-(२६ भागों में) फ़िल्मी गायनों की पूरी-पूरी स्वरलिपियां दी गई हैं, २१ भाग तक प्रत्येक भाग का मूल्य २) भाग २२, २३, २४, २५, २६ का मूल्य ४) प्रति भाग सङ्गीत विशारद-प्रथम वर्ष से पंचम वर्ष तक की ध्योरी। मू० सजिल्द ५)

म्यूजिक मास्टर-बिना मास्टर के हारमोनियम, तबला और बांसुरी बजाना सिखाने वाली पुस्तक, जिसके १३ संस्करण हो चुके हैं। मू० २)

स्वरमेलकलानिधि-श्री रामामात्य लिखित संस्कृत ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद। मूल्य १) सङ्गीत दर्पण-श्री दामोदर पंडित लिखित संस्कृत ग्रंथ का हिन्दी अनुवाद। मूल्य २) ताल अङ्क-घर बैठे तबला बजाना सीखिये। सचित्र, मूल्य ४)

सङ्गीत शास्त्र-इन्टरमीडियेट, हाईस्कूल, विदुषी, विद्याविनादिनी और प्रवेशिका परीक्षाओं के लिये (सङ्गीत की ध्योरी) मू० १)

सङ्गीत सीकर-भातखण्डे यूनिवर्सिटी तथा भाधव सङ्गीत महाविद्यालय की थर्डईयर परीक्षाओं (१६२६ से ५२ तक) के प्रश्न और उत्तर। मू० ५)

सङ्गीत अर्चना-"भातखण्डे यूनिवर्सिटी आफ इण्डियन म्यूजिक" के थर्डईयर (इन्टरमीडियेट) परीक्षा में आने वाले १५ रागों के तान-आलाप इत्यादि। मू० ५)

कलावन्तों की गायकी-ग्रामोफोन के शास्त्रीय सङ्गीत के रेकार्डों की स्वरलिपियां। मू० ३)

सङ्गीत कादम्बिनी-"भातखण्डे यूनिवर्सिटी आफ इण्डियन म्यूजिक" की बी. ए. की परीक्षा में आने वाले २० रागों के तान आलाप इत्यादि। मू० ५)

भातखण्डे सङ्गीतशास्त्र-(सङ्गीत की ध्योरी के अपूर्व ग्रन्थ) भातखण्डे लिखित हिन्दुस्थानी सङ्गीत पद्धति मराठी का हिन्दी अनुवाद। भाग १ मू० ५), भाग २-३ मू० ६) प्रति भाग मारिफुन्नरामात-(दोनों भाग) राजा नवाबअली लिखित उर्दू पुस्तकों का हिन्दी अनुवाद। प्रथम भाग में सङ्गीत की ध्योरी गणित के अकाउंट्स उदाहरण देकर समझाई है तथा १५२ रागों की स्वरलिपियां, चलन, स्वर विस्तार और लक्षणगीत दिये गये हैं। दूसरे भाग में भी २२३ प्राचीन गुप्त चीजों की स्वरलिपियां दी गई हैं। यह पुस्तकें इन्टरमीडियेट तथा विशारद के कोर्स में भी हैं। मू० प्रति भाग ६)

सूरसङ्गीत-प्रत्येक भाग में मनोहर बन्दिशों में सूरदास रचित ६० पदों की स्वरलिपियां उनके भावार्थ सहित दी गई हैं। मू० प्रथम भाग १॥) दूसरा भाग १॥)

क्रमिक पुस्तकें (भातखण्डे) हिन्दी में पहिली १) दूसरी ८) तीसरी ८) चौथी ८) पांचवी ८) और छठवीं ८)

[उपरोक्त सब पुस्तकों पर डाक व्यय अलग लगेगा-सूचीपत्र मुफ्त मंगाये]



'सङ्गीत' (मासिक पत्र) गत २२ वर्षों से बराबर निकल रहा है, वार्षिक मू० ५॥॥)

पता - संगीत कार्यालय, हाथरस (उ० प्र०)

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, पुस्तकालय
Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Library

मुसूरी
MUSSOORIE

अवाप्ति सं०

Acc. No.....

कृपया इस पुस्तक को निम्न लिखित दिनांक या उससे पहले वापस
कर दें।

Please return this book on or before the date last stamped
below.

दिनांक Date	उधारकर्ता की संख्या Borrower's No.	दिनांक Date	उधारकर्ता की संख्या Borrower's No.
12/11/2011	12345		



122329
LBSNAA

H

780.954

मातख
भाग 2

अवाप्ति सं० ~~16623~~

ACC. No.....

वर्ग सं.

पुस्तक सं.

Class No..... Book No.....

लेखक

Author..... मातखे, विष्णुशारीराम

H

780.954

LIBRARY

~~16623~~

मातख LAL BHADUR SHASTRI

National Academy of Administration

भाग 2 MUSSOORIE

Accession No. 122329

1. Books are issued for 15 days only but may have to be recalled earlier if urgently required.
2. An over-due charge of 25 Paise per day per volume will be charged.
3. Books may be renewed on request, at the discretion of the Librarian.
4. Periodicals, Rare and Reference books may not be issued and may be consulted only in the Library.
5. Books lost, defaced or injured in any way shall have to be replaced or its double price shall be paid by the borrower.

Help to keep this book fresh, clean & moving